

्रप्राधिकार सं प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 45]

नई दिल्लो, शनिवार, नवम्बर 10, 1984 (कार्तिक 19, 1906) । NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 10, 1984 (KARTIKA 19, 1906)

दस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कर में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

HIG III—WE 1 [PART III—SECTION 1]

उण्य न्यायालधों, निवन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा अध्योग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Aulitor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक मेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 10 सिनम्बर 1984

संदू ए० 12025(11)/2/82—प्रणा० III—राष्ट्रपति सिविल परीक्षा, 1982 के आधार पर मनोनीत श्री अबधेश कुमार सक्सेना देखें, का० एवं प्र० सु० वि० का का० ज्ञा० 9/1/82 थि० मे० (1) दिनांक 1 जून, 1984 को मंघ लोक मेवा आयोग संवर्ग में केन्द्रीय मिववालय मेवा के अनुभाग अधिकारी के ग्रेड में परिवीक्षाधीन रूप में 1 सिनम्बर, 1984 (पूर्वाह्व) मे सहर्ष नियुक्त करते हैं।

विनाक 17 सितम्बर 1984

सं० ए० 11016/2/84 प्रणा० III— कार्मिक एवं प्रसासिक मुधार विभाग से प्राप्त स्पष्टि करण के अनुमरण में, देखें उनका पत्र सं० डा० 3107/84 मी० एस० 1 दिनांक 30 जुंलाई, 1984, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारों के रूप में कार्यरत के० स० स्टे० से० के अधिकारों श्री एस० स० खुराना को 12 सिनस्थर 1984 अपराह्म से निजा सचित्र के पर पर प्रत्यावर्तित किया गया है ।

दिनाक 1 अक्त्रा 1984

सं० ए० 38013/4/84 प्रणा० III—कार्मिक ग्रीर प्रणासनिक मुधार विभाग के का० ज्ञा० स० 33/12/73स्था० (क) दिनाक 24 नवस्वर, 1973 की गर्तों के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० मे, के स्थायी महायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकार। श्री रेमल दास को 30 सितस्वर, 1984 के अपराह्म में निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत होने की महर्ष अनुमति प्रदान को जाती है।

सं० ए० 38013/4/84 प्रणा० ाा—िकामिक भ्रीर प्रणासिक सुधार विभाग के का० जा० स० 33/12/73—स्था० (क) विनांक 24 नवम्बर, 1973 का णर्तों के अनमार राष्ट्रपति द्वारा सघ लोक सेवा आयोग के सवर्ग में के० स० से० के स्थाया सहायक तथा स्थानापन अनुभाग अधिकार। श्री छण्जू राम को 30 सितम्बर, 1984 के अपराह्म में निवर्तन आयु होने पर भरकारों में सा में सेवा निवृत होने की खार्य अनुमति प्रदान को जाता है।

्मि० प.० जैन आर सचिव (प्रणा०) सद लोह भोवा आएोग

नई-दिल्मी:-110011: दिनाह 12 अक्तूबर 1994 सं ए० 35014/1/84 प्रगार हैं---पिय सघ लोक मेवां आसीग एनदुद्वारा सघ लोक मेवा आयोग मे केट सठ

(26679)

से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री हरकीरत सिंह को 8-10-1984 से 30-11-1984 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. लेखा अधिकारी के पद पर श्री हरकीरत सिंह की नियुक्ति प्रतिनियुक्ति आधार पर होगी श्रीर उनका वेतन समय समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के का० ज्ञा० सं० एफ० 1 (11) ई० III (ख)/75, दिनांक 7-11-1975 में सन्निहित अनुदेशों की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा ।

दिनांक 15 अक्तूबर 1984

सं० ए० 32014/2/83-प्रणा०-II---सिण्य, संघ लोक सेवा आयोग एतद्धारा श्रोमतो एस० सरदाना, अन्वेषक (त० सं०) को संघ लोग सेवा आयोग के कार्यालय में 1-9-84 से 11-10-1984 तक स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर ग्रौर 12-10-1984 से आगामो आदेशों तक नियमित रूप मे अधीक्षक (त० सं०) के पद पर नियुक्त करते हैं।

विजय भल्ला अनुभाग अधिकारी संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

सं० एम० 5 पी० आर० एस० 066—केन्द्रीय सतर्कता आयोग में उनकी पदावधि समाप्त होने पर विभागीय जांच आयुक्त, श्री अजय सिंह, आई० आर० एस० (इंन्कम टैंक्स) को 1-10-84 से 31-10-1984 तक 31 दिन की अजित छुट्टी दी जाती है। छुट्टी की समाप्ति पर, श्री अच्चय सिंह की सेवाएं केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली को सीप दी गई मानी जायेगी।

सं० 2/14/83-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एसद्द्वारा केन्द्रीय लोक निर्माणविभाग के कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) श्री एच० के० अरोरा को केन्द्रीय सतर्कता आयोग स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक के पद पर रू० 1100-50-1600 के वेतनमान तथा रू०200/- प्रति मास विशेष वेतन पर दिनांक 15-9-1984 अपराह्य से अगले आदिंग तक नियुक्त करते हैं।

कुष्ण लाल मल्होला अवर सि**ष्क्र** कृते केन्द्रीय संतर्कता आयुक्त गृह मंझालय का०एवं प्र० स० विभाग केन्द्रीयय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1984

सं० वि.०/72/66-प्रशासन-5--श्रीः वी० आर० पुते, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्भापना की सेवाएं दिनांक 9 अक्तूबर, 1984 के अपराह्य से, दोवर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर सिक्किम सरकार को मौपी जाती हैं।

सं० ए० 19014/11/84-प्रशासन-5-राष्ट्रपति, श्री बी० के० णर्मा, भा० पु० सेवा (प० बं०: 1973) को, दिनांक 28 सितम्बर, 1984 के पूवाह्म से अगले आदेश तक के लिए, प्रतिनियुक्ति पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

आर० एस० नागपाल प्रशासनिक अधिकारी स्थापिना केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

महानिदेशासय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई विल्ली-110003, विनांक 15 अक्तूबर 1984

सं० ग्रो० दो० 1803/83-स्थापना---राष्ट्रपति कानिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (नि० डी० ग्रो० ग्रेड-11) डाक्टर डी०पी० पटनायक 3 बाहिनि सी० आर०पी० एफ० को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5 (1) के अनुसार एक माह के नीटिस की समाप्ति पर दिनांक 16 सितम्बर 1984 अपराह्म से कार्य मुक्त कर दिया है ।

दिनांक 17 अक्तूबर 1984

सं० स्रो० दो० 1941/84-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर लक्षमन राव की 3 अक्तूबर, 1984 पूर्वाह्न मे केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस नारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप मे सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 19 अक्तूबर 1984

• सं० स्रो० दो० 1971/84—स्थापना— महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर ठी० के० राय को 1 अक्तूबर, 1984 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारिख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रुप में सहर्ष नियुक्त किया है ।

एम० पी० जखभोला सहायक निदेणक (स्थापना)

श्रम एवं प्नर्वास मंत्रालय

श्रम ब्युरो

रिमला-171004, दिनांक 2 नवम्बर, 1984

संख्या 23/3/84-सी. पी. आर्ड. -- सितम्बर, 1984 में आंबोगिक श्रीमकों का अखिल भारतीय उपभावता मुल्य सूचकांक

(आधार वर्ष 1960=100) अगस्त, 1984 के स्तर से तीन अंक बढ़ कर 589 (पांच सौ नवासी रहा। सितम्बर, 1984 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 716 (सात सौ सोलेह) आता है।

आनन्द स्वरूप भार**दृवाण** निद्रोक्षक श्रम ब्यूरो

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 13 अक्तूबर 1984

सं० 7(62)/7085—श्री ईश्वर लाल जोशी को विनांक 10-10-1984 पूर्वाह्म से अग्निम आदेशों तक ६० 650-30-740-35-810-द० अ० -35-880-40-1000-द० अ०-40-1200 के वेतन मान में पूर्णतः अस्थाई रूप से सहायक अभियन्ता (वाष्प) के पद पर नियुक्त किया जाता है । वे अपना वेतन ६० 650/- प्रतिमास अर्थात् वेतनमान के न्यूनतम की दर से केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर देय अन्य समस्त भत्तों सहित प्राप्त करेंगे ।

वे दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे जो नियोजक के स्वविवेक पर आगे भी बढ़ाई जा सकती है।

दिनांक 18 अन्तूबर 1984

सं० 7(44)/7211—इस कार्यालय की अधिसूचना, क्रमांक 7(44)/5657 दिनांक 6-10-1978 के द्वारा श्री एस० एस० मंकी की गलती से सहायक के पद पर पदीन्नल किया गया था।

उपरोक्त आदेश के अतिक्रमण में श्री एस० एस० मंकी को अब दिनांक 20-3-1982 से रु० 840-40-1000-द० अ०-40-1200 के वेतनमान में सहायक कार्य प्रबंधक के पद पर पदौरनत किया जाता है।

सं० 7 (58)/7212—श्री गुरमीत सिंह, स्थानापन्न सहायक कार्य प्रबन्धक ने जब से इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7 (58)/13524 दिनांक 20-3→1982 के अन्तर्गत इस पद का कार्यभार सम्भाला था, को दिनांक 1-9-1978 से निदर्श पदीन्नत (प्रोफाम प्रमोशन) के आधार पर सहायक कार्य प्रबन्धक का लाभांग दिया जाता है।

शा० रा० पाठक महा प्रबन्धक

बैंक नोट मुद्रणालय देवास (म० प्र०)

देवास, दिनांक 10 अक्तूबर, 1984

नस्ती सं० बी० एन० पी०/सी०/5/84—विभागीय पद्रोत्नित समिति (समूह "ख") की अनुशंसा के आधार पर निम्नलिखित नियमित उप-तक्तीकी अधिकारियों (मुद्रण एवं पट्ट निर्माण) को बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में तदर्थ आधार पर तक्तीकी अधिकारी, वेतनमान ६० 650-30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द०रो०-40—1200 (समूह "ख" राजपन्नित) के पद पर दिनांक 21—9—1984 (पूर्वाह्म) से 6 माह के लिए अथवा पदौं पर नियमित भर्ती होने तक जो भी पूर्व हो, के लिए की जाती है:—

क्रम अधिकारी कानाम	पद जिस पर तदर्थ आधार
सं०	पर नियुक्त किए गए
सर्वश्री	तकनीकी अधिकारी
1. एस० पी० फुलकर	(मुद्रण एबंपट्ट निर्माण)
 सी० एस० रानाड आर० एस० गोपालन 	–यथा– –यथा−

इस तवर्ण नियुक्तियों से उन्हें पद पर निरंतर रहने अथवा उन पर नियमित आधार पर नियुक्ति का भोगाधिकार नहीं होगा और ये तदर्थ नियुक्तियां किसी भी समय बिना कोई कारण बताए समाप्त की जा सकेगी।

> मु० वैं० चार महाप्र**ब**न्धक

भारपीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग महालेखाकार का कार्यालय उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद, दिनांक 20 अक्तूबर 1984

सं० प्रशा०/महालेखाकार/लेखा परीक्षा /1/13-9/1846--कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) उत्तर प्रदेश इलाहाबाद
के निम्नलिखित लेखा परीक्षा अधिकारी निवर्तन की आयु
प्राप्त कर विनांक 30 सितम्बर, 1984 (अपराह्म) को
सेवा निवृत हो गए हैं:---

- 1. श्री अगम स्वरूप श्रीवास्तव
- 2. श्री: राम नाथ साहनी
- 3. श्री के० आर० मेंदीरत्ता।

बी० के० सद्दोपाध्याय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०) भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

रक्षा मन्नालय

आयुद्ध निर्माणी बोर्ड

द्वी० जी० ग्री० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा कलकत्ता, दिनाक 15 अक्तूबर 1984

स० $18/84/\nabla o/\sqrt{6}-1$ ($\nabla = \pi \circ o$)—-%) मती श्रजलो द्राम गुप्ता स्थानापन, सहायक स्टाफ अधिकारी सर्वश्री पा० आर० दत्ता तथा टो० के० दे०, सहायक स्टाफ अधिकारी (तदर्थ) को पदोन्नित के सम्बन्ध में इस कार्यालय की राजपत्र अधिसूचना स० $17/84/\nabla o/\sqrt{6}$ 0-1 ($\nabla = 0$ 0) दिनाक 11-9-1984 को $\nabla = 0$ 1 तर्द्धारा निरस्त किया जाता है।

डी० आर० अध्यर उप महानिदेशक आ० फै०/कार्मिक कुते महानिदेशक आयुद्ध/निर्माण

भारतीय आर्डनेस फैक्ट्रिया सेवा आर्डनेस फैक्टरी बोर्ड

कलकता-16, दिनाक 12 अक्तूबर 1984

स० 46/जी/84—न्द्रार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्रा जीव वाव सावर्देकर, श्रोव एसव डीव (एमव एवं सीव स्तर II में) दिनाक 30 जून, 1984 (अपराह्म) से मेवा निवृत हुए ।

र्वा० के० मेहता निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियत्नक, आयात एव निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनाक 8 अक्तूबर 1984
आयात तथा निर्यात व्यापार नियत्नण
(स्थापना)

स० 6/1496/84-प्रणासन (राज०)/7168--सयुक्त मुख्य नियतक, आयात निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता मे नियतक, आयात निर्यात, श्री सुधीर चन्द्र घोष सेवा निवृति को आयु प्राप्त कर लेने पर 31 अगस्त, 1984 के अपराह्म मे सरकारी मेवा से निवृत हो गए।

स० 6/1440/83 प्रशासन (राज०)—श्री धन्ना राम नियत्नक्, आयात-निर्यान सेवा निवृति की आयु प्राप्त करने पर, 30 सितम्बर 1984 के अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत हो गए हैं।

स० 6/849/68-प्रशासन-(राजं०)/8211--इस कार्यालय के श्री आर० एम० गुलेरिया, नियन्नक, आयात एव निर्यात, सेवा निवृति की आयु प्राप्त कर लेने पर 30-9-1984 के अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत हो गए हैं।

एम० एस० जयन्त, उप मुख्य नियन्नक, आयात एव निर्यात कृते मुख्य नियन्नक, आयात एव निर्यात

वस्त्र विभाग

वस्त्र भ्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई, 4000207 दिनाक 16 अक्तूबर 1984

स० 2 (20) - इ० एस० टी० 1/84/5454 — वस्त्र ग्रायुक्त कार्यालय के श्री एम० एम० गाधी, सहायक निदेशक, श्रेणी 1 (ग्र० त०) सेवा निवृति की ग्रायु पूरी करते हुए दिनाक 30-9-1984 के ग्रपराह से मेवानिवृति हो गए। ग्रार० के० कुलकर्णी,

उद्योग मत्रालय

ग्रीद्योगिक विकास विभाग विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 19 ग्रक्तूबर, 1984

सं० ए० 19018 (601)/82-प्रशा० (राज०)— केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली मे हिन्दी ग्रिधिकारी (महायक निदेशक) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर श्री लक्ष्मण प्रसाद सैनी ने, दिनाक 31-5-1984 (श्रपराह्म से लघु उद्योग सेवा सस्थान, इन्दौर के हिन्दी ग्रिधिकारी के पद का कार्याभार छोड़ दिया।

एस० के० पुरकायस्थ उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन म्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनाक 19 श्रक्तूबर, 1984

स०ए० 17011/210/82-प्र०-6-स्थायी भन्डार परीक्षक (ग्रिभियान्त्रिकी) ग्रीर निरीक्षण निवेशक, मद्रास ,के कार्यालय में सहायक निरीक्षण ग्रिधिकारी के रूप में कार्य कर रहे श्री ग्राई० रामचन्द्र केन्द्रीय सिविल सिवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 48 ए की शतों के प्रधीन दिनांक 30 जून, 1984 के ग्रपराह्र से सरकारी सेवा से स्थेच्छा से निवत हो गए हैं।

एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात ग्रौर खान मत्रलय

(इस्पात विभाग)

लोहा ग्रौर इस्पात नियक्षण

कलकत्ता-20, दिनाक 17 श्रक्तूबर 1984

स० ई० 1-12 (44)/82 — मधिविषता की मायु प्राप्त करने पर श्री एम० एल० भावाल, सहायक लोहा भौर इस्पात नियंत्रक ने दिनांक 1-10-1984 के (पूर्वाह) से म्रपने पद का कार्यभार छोड दिया है। सं० ६० 1–12(45)/82 (.)—अधिवर्षिता की स्रायु प्राप्त करने पर श्री बीं० एम० पंडित, सहायक लोहा स्रौर इस्पात नियंत्रक ने दिनांक 1-10-1984 के पूर्वाह्र से स्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सनत कुमार सिन्हा उप लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकता, दिनांक 16 श्रक्तूबर, 1984

सं० 7102 बी०/ए-19012(1-डी सी० एल० ब्रार०) 83-19ए०--भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री डी० सी० लिंग राजू को सहायक भूबैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रू० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1200 रू० के वेतनामन में, स्थानापन्न क्षमता में, ब्रागामी भावेश होने तक 21-8-1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7115 बीं o/v-19012 (1-vस० पीं o)/82/19v- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री एयामानन्द पंजा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप मे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650रू० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रोo-35-880-40-1000द० रोo40-1200 र० के वेतनमान मे, स्थानापन्न क्षमता मे, आगामी भ्रावेश होने तक 22-8-1984 के पूर्वाह से नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुमारी कृते निवेशक (कार्मिक) महानिवेशक

फलकत्ता, विनांक 15 श्रवतूत्रर, 1984

सं० 7013बी/ए०-19012 (1-एम० और०)/82-19ए-भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूबिज्ञान) श्री मनोरंजन शोष को सहायक भूबैज्ञानिक के रूप मे, उसी विभाग में, नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 24 प्रगस्त, 1984 के पूर्वाह्र से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं

दिनोंक 16 अक्तूबर 1984

सं० 3881 डी/ए-19012(1-एस० सी०)/83-19ए०— महानिदेशक, श्री सौदीप्त चट्टोपाध्याय को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिकवेतन पर, 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में भ्रागामी श्रादेश होने तक 17-8-84 के पूर्वाह से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7089की /ए 19012 (1सी ०सी ० जी ०) / 83/19ए - श्री वंडी चरण घोष सहायक भूसैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 रु० के वेसनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 27-7-84 के पूर्वाह्न से नियुक्त किये जा रहे हैं।

> श्रमित कुमारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 17 ग्रक्तूबर 1984

सं० ए-19011(46)70-स्था०ए०—राष्ट्रपति श्री टी० के० बसु स्थायी उप खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्युरों मे क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 25-9-1984 के पूर्वाह से 6 माह के लिए तदर्थ श्राधार पर सहर्ष, नियुक्त करते हैं।

मं० ए-19011 (48)/70-स्था० ए०--राष्ट्रपति श्री के० एल० जांगीडा, स्थायी उप खान नियंत्रक, को भारतीय खान ब्यूरो में क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 25-9-1984 के पूर्वीह से 6 माह के लिये तदर्थ ग्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19011 (96) 76-स्था० ए०--राष्ट्रपति डा० ग्रार० चक्रवर्ती, स्थायी वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में क्षेत्रीय खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 25-9-1984 के ग्रपराह्र से 6 माह के लिये ब्रतवर्थ ग्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19011 (80)/78-स्था० ए०--राष्ट्रपति श्री महम्मद श्रनंदर, स्थानापन्न उप खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 27-9-1984 से 6 माह के लिये तदर्थ स्राधार पर सहपं नियुक्त करते हैं।

सं एम-19011 (49)/80 स्था - राष्ट्रपति श्री एम ० पी ० कुसुम स्थायी उप खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरों में क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 28-9-1984 के पूर्वाह्र से 6 माह के लिये तदर्थ श्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते है ।

स० ए-19011/26/84-स्था० ए०/पी० पी०--- निवर्तन की ग्रायु पूर्ण कर सेवा निवृत्त होने पर श्री एच० श्रनन्थ रमें य्या, प्रशिक्षक खनन भूविज्ञानी को 30 सितम्बर 1984 के श्रपराह्म से भारतीय खान ब्युरी के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है

भीर तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

सं० ए-19011(188)/84-स्था० ए०—-राष्ट्रपति श्री एन० एम० सांगोडे, स्थानापन्न उप खान नियत्नक को भारतीय खान ब्यूरो मे क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 25-9-84 के पूर्वाह्न से 6 माह के लिए तदर्थ श्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 प्रक्तूबर 1984

सं०ए:19011(160)/83-स्था० ए०—-राष्ट्रपति श्री एन० प्रल्हाद मूर्ती स्थायी उप खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 27-9-84 के पूर्वाह्म से 6 माष्ट्र के लिए तदर्थ श्राधार पर सक्ष्य नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 श्रक्तूबर 1984

सं० ए-19011 (332) / 84-स्था० ए०—-राष्ट्रपति विभागीय पदोन्नति समिति की सफारिश पर श्री यू० बी० कृष्णामर्ती, सहायक खनिज श्रर्थशाक्षी (श्रासूचना) तदर्थ को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) नियमित ग्राधार पर दिनाक 28 सितम्बर 1984 के पूर्वाह्म से सहर्ष पदोन्नति प्रदान करते हैं।

> पी० प्री० वादी प्रशासन श्रीधकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून-248001, दिनाभ 15 प्रक्तूबर 1984

स० सी०-6131/724-एस० श्रो० एस० (ए०)(i)--श्री श्रार० एस० बेलिया, भण्डार सहायक सिले, ग्रेड दिनांक 10 सितम्बर, 1984 (पूर्वाल्ल) से सहायक भण्डार श्रधिकारी (सा० सिंव सेवा ग्रूप "बी" प्य के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किए जाने हैं श्रीर मध्य सिकल, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, जबलपुर में तैनात किए जाते ठैं।

> गिरीण चन्द्र श्रग्रवाल मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनोक 10 अक्तूबर 1984

सं० ए-12011/8/84-प्र० (प्र०)—विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार निदेशक श्री लदमीकान्त गोस्यामी, प्रदर्शनी सहायक कोप 26-9 1984 के पूर्वाह्म से नदर्थ श्राधार पर श्रस्थाई रूप से इस निदेशालय की कलकत्ता इकाई मे प्रदर्शनी श्रिधिकारी नियुक्त करते हैं।

> जी० पी० भट्टी उप-निवेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन एवं दश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्तूबर 1984

सं० ए० 19018/14/83 के० स० स्वा० यो०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने हकीम सैयद श्रसद पाशा को 5 श्रक्त्वर, 1984 पूर्वाह्म से झागामी झादेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में यूनानी कार्य चिकित्सक के पद पर नियमित आधार पर निय्क्ष किया है।

टी० एस० राव उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विनांक 19 श्रक्तूबर 1984

मं० ए.० 12026/3/84-(म्राई० एस० एस०) प्रशासन-1 — केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन में प्रपना प्रशिक्षण समाप्त कर लेने के फलस्वरूप श्री देवेन्द्र वर्मा, भारतीय सांख्यिकी सेवा के ग्रेड 4 श्रीधकारी, ने 1 सितम्बर, 1984 पूर्वाह्न से इस निवेशालय में चिकित्सा सांख्यिकी विद् के पद का कार्यभार सम्भाज लिया है।

पी० एन० ठाकुर उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

कृषि मंत्रालय

(कृषि एवं सहकारिता विभाग) वनस्पति रक्षा, संगरोध ग्रौर संग्रह निदेशालय फरीदाबाद, दिनाक 18 श्रमतूबर, 1984

सं० 7-4/83-प्र० प्रथम—वनस्पति रक्षा सलाहकार, भारत सरकार, डा० पी० के० गुप्ता का निगरानी ध्रिधकारी के पद से त्यागपत्र दिनांक 27-7-1984 (श्रपराह्म) से स्वीकार करते हैं।

स० 7-67/83-प्र० प्र० प्रथम (ख) --इस निदेशालय के प्रांधमूचना कम सं० 7-67/83-प्र प्र० प्रथम दिनांक 12 प्रप्रैल 1984 का अधिलंघन करते हुए लेख हैं कि इस निदेशालय में नियुक्त श्री धाई० एस० तिरुपुड़े वनस्पति सगरोध निरीक्षक को सहायक कीट विज्ञानी के पद पर रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 14 मार्च 1984 के उत्सराह्म से प्रागामी श्रावेश होने तक वनस्पति संगरोध एवं प्रधुमन केन्द्र भावनगर में ग्रस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

एस० पी० कुटार मुख्य प्रशासनिक मधिकारी

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

प्रधान कार्यालय

फरीवाबाद, विनांक 16 श्रक्तूबर 1984

सं० ए० 19026/1/82-प्र० तृ०--17-7-84 की सम सं० अधिसूचना की दूसरी पंक्ति में प्रयुक्त 'लेखा अधिकारी णब्द के स्थान पर 'लेखा परीक्षा अधिकारी' रखा जाए।

श्रतुल सिन्हा कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

फरीदाबाद, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1984

सं० ए.०-31014/2/83-प्र०-ा-कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार निम्निखित ग्रिधकारियों को प्रत्येक के सामने खिखी गई तारीख से विपणन एव निरीक्षण निदेशालय में मूल रूप से सहायक विपणन ग्रिधकारी (वर्ग-3) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

1. श्री एन० बी० बारहडे	1-1-1983
2. श्री घार० एन० माथुर	9-2-1983
3. श्री दीपक रंजन राय	10-8-1983
4. श्री ए० के० सामुई	10-8-1983
5 श्री रमेश तिवारी	1-9-1983
6 श्री ग्रार० के० वर्मा	1-9-1983
ं 7. श्री एस० सी० साहा	14-1-1984

उपरोक्त प्रधिकारियों का सहायक विषणन प्रधिकारी (वर्ग-3) के पद स्थायी होने की तारीख से निचले पद पर प्रह्णाधिकार, यदि कोई हो तो, स्वतः ही रद्द माना जाएगा ।

जे० कृष्णा निदेशक (प्रशासन) कृते कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

वम्बई-400085, दिनांक 18 श्रक्तुबर 1984

मं० एम० 1223/स्था० II/4774—श्री गोनिन्द विष्णु मांडके ने महायकलेखा श्रधिकारी पद का पद भार 309-19-84 प्रपराह्न की श्रधिवर्षिता पर छोड दिया ।

> के० सुत्रमण्यिन उप स्थापना श्रधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग

क्रय ग्रीर भडार निदेशालय

वम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

मं० डी० पी० एम०/4123/83 प्रणा०/26969—
परमाणु ऊर्जा विभाग, कथ प्रौर भंडार निदेणालय के निदेशक ने स्थायी सहायक लेखापाल श्री श्रोपाद गंगाधर पंचभाई को इसी निदेशालय में तारीख 2-5-1984 (पूर्वाह्न) से 31-8-1984 (अपराह्न) तक रु० 650-30-740-35-880 द० री०-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापम्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्त सहायक लेखा अधिकारी श्री ए० ए० शेख के स्थान पर की गई है, जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

बो० जी० कुलकर्णी सहायक कार्मिक अधिकारी

परमाण खनिज प्रभाग

हैवराबाद, दिनांक 19 अक्तूबर, 1984

मं० पखप्र-51/24/82-पेंशन--परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के श्रो देव राज तुली स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी एवं स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-11 ने निवर्तन की आयु पर पहुंच कर 30 सितम्बर, 1984 के अपराह्म को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है। म० य० गोखले वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

श्रंतरिक्ष विभाग

तिरुवनंतपूरम, दिनांक 24 सितम्बर 1984

मं० बी० एस० एस० सी० स्था०-पी० एस० डी०:37402--निवर्तन की आयु प्राप्त हो जाने पर श्रो पी० बी० तोमस, कर्मचारी सं०: 37402, सहायंक ऋय अधिकारी,पी० एस० डी० को अगस्त 3, 1984 अपराह से इस केन्द्र से भार म्कत किया गया है।

> जो० मुरेलीधरत नायर, प्रशासन अधिकारी--J^I, स्था० इते नियंत्रक

बेंगलूर, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

मं० 020/1(3)/84-स्थापना—इपरो मृख्यालय के कार्यालय आदेण सं० एच० क्यू०/प्रणासन/4ए20(5)-3दिनांक 8 सितम्बर. 1984 के अनुसार इसरो उपग्रह केन्द्र के नियंत्रक श्री जार्ज कोणि, स्थायी निजि सहांयक को दिनांक 27 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्न से इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर में सहायक प्रणासन अधिकारी पद पर सहर्य पदोन्नम करने हैं.।

> एव० एम० रामदास प्रणासन अधिकारी-[1

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

सं० ए० 12025/2/79-ई० एस०--मंघ लोक मेवा आयोग की अनुशंसा पर राष्ट्रपति ने श्री पी०के० चटोपाध्याय को दिनांक 15-9-1984 से श्रीर अन्य आदेण होने तक र० 1100-1600 के वेतनमान में र० 1200 प्रतिमास वेतन पर वरिष्ठ विमान निरीक्षफ (समूह "क" पद) पर स्थानापन्न कृप में नियुक्त किया है।

वि० भौमिक सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

मई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1984

सं० ए० 32013/14/83-ई० 1—राष्ट्रपति ने श्री हरअंस सिंह, उपनिदेशक उपस्कर को दिनांक 5-10-1984 (पूर्वाह्म) से छः मास को अवधि के लिए अथवा निदेशक उपस्कर का पद नियमित आंधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, िवेशक उपस्कर के पर तदर्थ आधार पर नियक्त किया है।

सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

सं० ए०-19012/1944/83-स्था० पांच--अध्यक्ष केन्द्रीय अस आयोग एतद्वारा श्री अस्ण कुमार सिंह,पर्यवेक्षक को दिनांक 24-1-1984 की पूर्व ह्नि से २० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया तदर्थ तथा अस्थायी आधार पर अतिरिक्य सहायक निदेशक/महायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में एक वर्ष के नमय अथवा जब तक कि पद नियमित आधार पर भरा जाना है, जो भी पहले हो, के लिए स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ए० 19012/1056/84-स्था० पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्रा बी० बी० पाण्डेय को क० 650-30-740-35-810-व०री०-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी तथा तदथ आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर

(इंजि:िनियरं।) के ग्रेंड में दिनांक 25-5-1984 की पूर्वाह्म से एक वर्ष तक अथवा जब तक कि पद नियमित आधार पर भरा जाता है, जो भें। पहले हो, के क्षिए स्थानापन्न रूप में नियक्त करने हैं।

> भीनाक्षी अरोड़ाः अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 12 अन्तूबर 1984

सं० 30/29/83-ई० सो०-1-इस कार्यालय की विनांक 31-7-1984 की इसी सं० की अधिसूचना का आंशिक सुधार करते हुए, क्रम सं० 1 में श्री पी० एल० मर्मा के सामने दर्शायी गई तारीख की विनांक 14-6-1984 के स्थान पर 11-6-1984 पढ़े।

दिनांक 18 अक्तूवर 1984

सं० 30/24/83-ई० सी०-1--राष्ट्रपति श्री एन० रामामूर्ति को 1-4-1977 से केन्द्रीय विद्युत और यांत्रिकी इंजीनियरी मेवा 'क' में रु०, 1200-2000 के वेतनमान में अधीक्षक इंजीनियर (विद्युत) के ग्रेड में स्थायी घोषित करते हैं।

लक्षमन दास प्रशासन उप-निदेशक

. उत्तर रेलवे प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्तूबर 1984

मं० 752ई०/661(ई 1ए०)~--इस रेलवे के निम्नलिखित सहायक मंडल चिक्तिमा अधिकारों (श्रेणं \sim 1) प्रत्येक के सामने लिखीं तारोख में इस रेलवे पर श्रेणं \sim 1 वेतनमान रु० 700-1600 (मं० वे०) में अनन्तिम रूप से स्थायों किये जाते हैं: \sim -

. ~		
ऋम	नाम	सहायक मंडैल चिकित्सा
सं०		अधिकारी
		🏏 श्रेण(-1 के पद पर स्थार्य
		करण को तारोख

डा० एम० राजः
 डा० एन० के० मिन्हा

1-1-1973 1-1-1973

> रामेश्वर प्रसाद सिंह महाप्रबंधक

विधि, न्याय और सम्मधी कार्य मंद्रालय (कन्पनी कार्य विभाध)

भव्यभी विधि बोर्ड

कम्मनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पर्नः अधिनियमः, 1956 श्रौर अटटर कन्निका परमेस्वरी कारपोरेशन शाईवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, विनांक 16 अक्तूबर, 1984

सं० 168/560/84—कम्पर्ना अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दो जातो है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अट्टर किन्नि परमेस्वाम कारपोरेमन प्राईवेट सिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिमित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर बडमलै ट्रान्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में मद्राम, विनांध 16 अक्तूबर, 1984

सं० 4196/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दो जातो है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वडमलै ट्रान्सपोर्ट प्रार्डवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

विजयन मेनन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाडु कोचीन आयकर आयुक्त का कार्यालय कोचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

भुद्धि पत्न

सं० सी० सं० (209)/जी० एल०/84-85-इस कार्यालय द्वारा अब तक जारी की गई अधिसूचनाओं में उल्लिखित "एरणाकुलम निरीक्षा महायक आयकर आयुक्त (निर्धारण)" के स्थान पर "कोचीन निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण)" पदा जाएगा ।

> एम० जे० मास्तन कोचिन आयकर आयुक्त

आयकर अपीलीय अधिकरण बम्ब**र्ड**, दिनांक 16 अक्सूबर 1984

सं. एफ. -48-ए. डी. /ए. टी. /1984 -- श्री जगवीर सिंह छिल्लर, दिल्ली प्रशीसन के प्रथम (एम.) श्रेणी के अधिकारी (सिवालय प्रशासन विभाष्ण) की नियुक्ति, अस्थामी आधार पर सहायक पंजीकार के पथ पर कार्य करने के लिए, आयकर अपोलीय अधिकरण, कटक पीठ कटक में दिना क 29 सितम्बर, 1984 अपराष्ट्र से अग्रिम आदेश तक रु. 650-30-740-35-810द रो. -35-880 40-1000-द रो. -40-1200 के वेतनमान में की जाती है। श्री जगवीर सिंह छिल्लर 29 सितम्बर, 1984 के अपराष्ट्रन से बो वर्ष के लिए परिवीका में रहाँगे।

टी. डी<u>.</u> सुग्ला, अध्यक्ष

प्रकार वाद ही, एन, एवं

शासकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) मी भारा 269-म (1) के मुभीन सुमना

भारत सत्कार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्तिक)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अक्तूबर 1984

निवेश स०ए० एस० आर०/84-85/104--यतः मुझे, बी०एस० ढिल्लो, आई० आर० एस०,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स से अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/रु. से जिथक हैं

श्रीर जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो जवाहर नगर, बटाला में स्थित है (श्रीर इमें ने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते गई विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मन्य जनके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरक) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निस्थित उद्देश से अस्त कन्तर्भ किया का सिवत में भास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है . --

- (क) अन्तरक से हुई किसी शाम की बाबत, उक्त अपिन्यम् के स्वीत कर योगे की सम्बद्ध के वास्टिश में कमी करने ना उत्तरों व्यान में सुनिधा में किस्तु अप्रि/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 192? (1922 का 11) या उक्स बाधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था वा बा बा बा बा बा बा बा का साहिए था, कियाने में स्थिभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ज के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगजीत सिंह पुत्र खुशहाल सिंह, जवाहर नगर अलीवाल रोड, बटाला जिला—गुरदासपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती दर्शन कौर पत्नी ज्ञान चन्द द्वारा कल्याण सिंह, कनक भण्डी, भटाला ।

(अन्तरिर्ना)

- (3) जैसा ऊपर म० 2 में कोई किंगयेदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सृषना धारी करके प्यीवस सपित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनक सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप्य--

- (क) इस सूचना क राजपन में प्रकाशन की सारोब सं 45 दिन की बनीध म तरसंदंशी अधिनारों पर सूचना की रामील से 30 दिन की अवधि जो भी सूच्हीं साद से समाप्त होती हो, के नीटर पूर्वों करें ध्यक्तिका में से सिसी व्यक्ति इसारा;
- (स) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीत में 45 विन के भीतर उन्त स्थायर संपर्ति ने हिसरपूर्क किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्साक्षरी के शर्ध सिविश में किए का सर्वेंगे।

स्पाक्षीकरण : --इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जी उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

समय ची

एक जायदाद जो जवाहर नगर अलीवाल रोड, बटाला में है जैसा सेलडीड नं० 5824/28-2-84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बटाला में दर्ज है।

> र्बा० एस० ढिल्ली,आई० आप**०एस०** सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 10-10-1984

मोहर 🕄 🕟

प्रकृष बाइ . टी. एन. एस. -----

भायकर विभिन्तियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को वृशीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 10 अक्तूबर 1984

निवेश सं० ए० एस० आर०/84-85/105---यतः, मुझे, बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०,

आयकट्ट किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें उपलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एक आयदाद है तथा जो जवाहर नगर, बटाला में स्थित है (ग्री इससे उपाधद अनुमूच) में ग्रीर पूर्ण रूप में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीग, दिनांक मई, 1984.

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुँच्य, उसके स्थमान प्रतिफल को एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतर ों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकास में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है "---

- (क) बन्तद्रण से हुइ किसी अध्यकी नावत उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बाबित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा से बिए;

मत. अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुस्र एमं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र खुगहाल सिंह, जवाहर नगर, अलीवाल रोड, जिला—गुरवासपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दर्शन कौर पत्नी ज्ञान चन्द द्वारा कल्यान सिंह, कनक मण्डी, बटाला , जिला---गरक्षासपूर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायें दार हो) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरा जातना है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी , अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर मुर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपंदित में क्रितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उत्वत अभिनिया के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

एक जायदाम्र जो जवांहर नगर, अलोबाल रोड, बटाला में है जैंहा सेलडींड सं० 463/2-5-84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो बटाला में दर्ज है।

बी० एस० ढिल्लों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रेंज, अमृतमर

दिनांक: 10-10-1984

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

भायकर मिपीनयम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 11 अक्सूबर 1984

· निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/106--यतः, मुझे, बो० एस० ढिल्लों आई० आर० एस०

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269--च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर समित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एक जायदाब है तथा जो जो० टी० छहरटा, अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए।

बतः बवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंबत व्यक्तियों, अर्थात् १०००

- (1) श्रीमती कैलाम रानी पत्नी बेदपाल, पुरानी चुंगी, छहरटा रोड, अमृतसर । (अन्तरक)
- (2) श्रोमती अजीत कौर पत्नी हरबंस सिंह, वासी:—गिल वरेच द्वाराशीः बब्शीश सिंह पुत्र तारा सिंह, छहरदा, तहसील-अजनाला, अमृतसर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) ग्रीर कोई।
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हितबय्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्यी

एक जायधाद जो जी० टो० रोड, छहरटा अमृतसर में है। जैसाकि सेलडीड नं० 12762/3-2-84 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

बो० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

विनांक : 10-10-1984

प्ररूप बार्ड्, टी, एन्, एस . ------

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 11 अक्तूबर 1984

निदेश मं० ए०एस०मार०/84-85/107—--अतः मुझे, बी० एस० ढिळ्लों, आई० श्रार०ए स०

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी निदेश सं० एक जायदाद है तथा जो जो० टा० छहरटा, अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रूप में विणित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकार। के कार्यालय, अमृतसर में रजिल्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984,

को प्वांक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विकास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उच्चेश्य से उच्त अन्तरम बिखित में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अस्तरण से हुन्द किसी आम की बावत , उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शीयत्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; औट/वा
- (स) एसी किसी नाम या किसी भन वा नम्स नास्त्रयों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या भनकर निधिनियम, वा भनकर निधिनियम, वा भनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपारी में सुनिधा के सिए;

जतः तथ, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री नन्द लाल पुत्र बिहारी लाल, पुरानी चूंगी, छहरटा रोड, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र हरबंस सिंह तरन तारन द्वारा बख्शीण सिंह पुत्र तारा सिंह, वासो—जीता, तहसील—अजनाला जिला—अमृतसर ।

(अन्तरितो)

- (3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब्द हैं)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपति को अर्जन के मंबंध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस स्क्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से भे 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- स्व्युध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए आ सर्कां।

स्वक्रीकरण: ---- इतमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया है।

वर्गजी

एक जायवाद जो जी शिश्व रोड, छ हरटा, अमृतसर में है। जैसा सेलडोड नंश 12761/3-2-84 रिजस्ट्रेंकर्ता अधिकारा, अमृतसर में वर्ज है।

बी॰ एस॰ ढिल्लो, आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

विनाम :11-10-84

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के धार ख्रास

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दितांक 5 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84/85/108——यनः, मुझे, भी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०,

अगयंकर प्रिंपियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ए सात् 'नक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.0(0) - रुपए से अधिक है

प्रौर जिसका सं० एक जायदाद है तथा जो आए० बा० रत्न चन्द रोड, अमृतमर में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध अतुसूचे: में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, अमृतमर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिलांक, फरवरों 1984,

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रिष्ठिक के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के विद्यासी के विद्यासी उद्दश्य से उका अंतरण निश्चित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- 'क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उद्या लिध-नियम के बधीन कर दोने के नंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के स्पिए; बीद/वा
- (ण) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त स्थिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोकतार्थ जन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, कियार में मृतिया के लिए:

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, स्थितः— (1) श्रोमतो रमेण कुमार्रः पत्नो विजय कुमार जैन, गुरू बाजार, अमृतसर ।

(अन्तरक)

- (2) श्रो प्रदोप कुमार पुत्र श्री राम नाथ, आर० बो० रत्न चन्द रोड, अमृतसर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर मं॰ 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई (वह उपकिन, जिनके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस स्थला के ग्रज्या में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तंत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त खादियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः
- (ब) इस सूचना को राज्यक्र मों प्रकाशन की शारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर संपरित मों हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी की पास लिखित मों किए जा स्कींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

वन्स्ची

एक जायदाद जो आए० बी० रत्न चन्द रोड, अमृतसर में है जैमा सेल डोड नं० 12831/6 - 2 - 84 रिजिस्ट्राकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

बो॰ एस॰ हिल्लों आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहामक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 5-10-1984

प्ररूप कार्द. टी. एन. एस 🕝

क्षामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 5 अक्तूबर 1984
निदेश सं० ए० एस० आर०/84~85/109---यत', मुझे,
बी० एस० हिल्लो, आई० आर० एस०,
गायकार अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसरें
इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), को धार

इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-म के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मन्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रौर जिसकी में एक जायदाद है तथा जो आरं वी विस्त चन्द रोड, अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1984,

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में उस के एथमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकान में अधिक है और अंडरण (अंडरकार) और अंतरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उन्तर अन्तरण जिल्लिस मा माम्तविक रूप से कथित गर्दी किया गया है '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1:72 (1922 का 11) या उच्न अधिनियम का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ अन्तिरिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने वो सुविधा के निष

बतः जरू, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुस्रण बाँ, भाँ. उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा ी। के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्रोमतो रमेश कुमारी पत्नी विजय कुनार जैन गुरू बाजार, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री शाम सुन्दर पुत्त प्रेम नाथ, न० 1 आर० बी० रत्न चन्द रोड, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर म० 2 में कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त मम्परि के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं स्मान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तिया में ले किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक में 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी करम व्यक्ति व्वाग अधोहस्ताधरी के जल तिबिस में किए जा सकांगे।

स्वक्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पद्यों का, जो उक्त जीवनियम के अध्यास 20-क में वीरशांकित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया ही।

मनुसुची ∙

एक प्यायदाद जो आर० बा० रतन चन्द रोड, अमृतसर में है। जैसा कि मेल डोड नं० 2665/9-7-84 रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

ब्रिं० एस० ढिल्लो, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 5-10-84

प्ररूप आई .ट्री. एन .एस . -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्भीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निदेश मं० ए० एस० आर०/84-85/110--यतः, मुझे, बो० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो आर० बी० रहन चन्द रोड, अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारों के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1984

को पूर्णेक्त सम्परित के उनित बाजार मूल्य से कम के वश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्स सम्परित का उजित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कल निम्नितिशों के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कल निम्नितिशों के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की बांबत उपसे अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के बागिरण में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए, और/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन मा अन्य जारिसवीं का. जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अस्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-च को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् हु---- (1) श्रीमती प्रेमण कुमारी पत्नी विजय कुमार जैन, गुरू बाजार, अमृतसर ।

(अन्सरक)

- (2) श्री धलीप कुमार पुत्र प्रेम नाथ, आर० बो० रतन धन्द रोड, अमृतसर । (अन्तरितो)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई । (बह व्यक्ति, जिनके आरे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रविक्ति से किसी किसी के प्रविक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

वन्स्ची

एक जायदाद जो आर० बी० रत्न चन्य रोड, अमृतसर में है। जैसाकि सेलडीड नं० 3227/13-8-84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

बी॰ एस॰ ढिल्लों, आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

विनोक : 5-10-1984

न्नोहर:

प्ररूप भार्र .टी .एन .एस .-----

भारतकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यांतय, सहायक धायकर बायकत (निरक्षिण) अर्जन रेज, इलक्ता-16

कलकत्ता, दिनांकः 11 अक्तूबर 1984

निर्वोग सं० 10/एक्की० आर-III/84-85--अत, मुझे शंकर वनर्जी,

नायकर नोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के मधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से मधिक हैं

और जिस्की सं 18 वी है तथा जो मनोहर पुकुर रोड स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिन्स्ट्रीयती अधि गरी के बार्यालय, बन्धना में, रिजस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 हो 16) के अधीन, दिनाक 8-2-1984

को व्याप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफक्ष के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापृत्रों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के क्रयमान प्रतिफल कि विश्व पार्या क्रयमान क्रयम क्रयमान क्रयमान क्रयम क्

- (क) बन्तरण से हुइं किसी शाय की वावत, उक्त-विधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायत्व में कमी करने या उसमे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के सिए ।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिचित स्मितियों, सर्भात् ःच्— 3--306G1/84

- (1) श्री समरेन्द्र कुमार दत्त और अन्य । (अन्तरक)
- (2) श्री विमल चन्द्र दास और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वेक्स, सम्मूचि के मूर्वन के हिन्द कायवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वास्ते :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्वा की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारोच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छोकरण: --- ध्रममें प्रयुक्तः शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा ग्या हैं।

नन्त्रची

या जमीन प्लाट न० क आंर ख जिपका कुल क्षेत्र 3 कट्टा 3 छटा : आंर 21 वपु है। यह कलकता राजस्ट्री दफ्तर में 8-2-84 विनाक में राजस्ट्री हुआ छीड नं० 605 और 606 ता० 8-2-84 अनुपार।

> शकर बनजीं सक्षम प्राधि गरी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जा रेंज -III, 54 रफीअहमद किंदवई रोड, क्षलक्षा---16

ि दिना स् ; । 1~10−1984

मोहरः 🖇

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलग्रसा-16

अलज्ञा-16, दिवाण 12 अक्तूबर 1984

निर्देश मं० 1541/एकबी: आर- III/84-85 --यत:, मुझे, संगर बनर्जी,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8. है तथा जो मयारा स्ट्रीट में स्थित है (और इस्कें उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण कप रे विणित है), रिन्स्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, बलराता में, रिल्स्ट्रीय पण अधि विषय, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, दिनांक 13-2-1984

का पूर्वीक्त रूम्पत्ति के उत्तिन वाजार मला से कम के हर कि प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रपाजनार्थ अंतरिती दशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के न्यधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मै० मंदार इस्टेट प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) मैं० विद्या मन्दिर सो गायटी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्तिक के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चा के राजध्व में प्रकाशन की तारीख से.
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की लामील से 30 दिन की शवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किमी अन्य यिकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिल्ला अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बदी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूर्चः

अगीन 1 बीघा 19 ह्या 14 छटांक साथ दो तल्ला महान और गैरेज जो हल्ला में रिपट्टी हुआ 13-2-84 ई.ड नं० 1739 के अनुसार अमीन की पता-8, मयरा स्ट्रीट।

> मंतर वनर्जी सक्षप प्राधि गरी सहायक आयत्र आयुक्त (िर्म्हण) अर्जन रेज-3, 54, रफीअहमद विक्वाई रोड, कलकला-16

दिनांक : 12-10-1984

प्ररूप बाह्र . टो. एम. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के अधीत स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जल "ज-[11 "जनामा

भारताला, दिवा । 11 भागत्वर 1984

निदेश मं० 1542/एमधी०/आर III/84--85-- अतः मुझे, भागर बन्जी,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगायम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने ता कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जि.की सं० 33/मी है लगा जो मनोत्र पुकुर नेड स्थित है (औं इ.ने उपाबद अनुसूच ने औं पूर्णस्प ने विशव है), में रही क्लीआध्र मिकेश्यिक्य, राज्यका में ,में प्रहो प्रणाशितिसम् 1908 (1908 मा 16) ने महोता दिना में 13 2 -84.

का प्वांक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य में कम के कराता प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उजित वाजार मृल्य, उसक दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के िए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिलिंबत उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ निस्तियों में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) कन्तरण संहुद्धं किसी आय को बाब्धः, अन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरफ के दायित्व में कमी कारने या जससे जनने में स्विशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों का जिन्हों सारतीय भार-कर की धीन एवं. 1420 (1922 का 11) या उनते अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्ट नजी किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मृथिया के लिए;

(1) क्षो पनजिन छि

(अन्तरक)

(2) श्री हेबीटान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मीं प्रकाशन की सारिक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दिक्षरणः — इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत जोधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्री

कुछ कोठी जमीन । हैं। 10 छटान 14 वर घुर जो 33/ सी मनोहर पुकुर ोड पर अवस्थि। रजिस्ट्री हुआ, छीड नंद 682 अन् तर दिनांक 13-2-84.

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपनारा कि के अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, कर्णत् १०--

दिनांक 11--10--1984

मोहर

प्ररूप मार्थ, टी. एन. एस.,-----

भावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के निभी सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलगत्ता, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

तिदेश सं० 1543/एक्यी०/आर--III/84-85---अतः मुझे, शंक्षर वनर्जी,

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 26 अ-च के मधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं 37/4 है नथा भी भरियाहाट रोड (पाउथ) स्थित है (और इस र उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्णच्य से वर्णित है), र्रातस्ट्राप्यती अधिकाशों के वार्यालय, वाल च्या मे, र्रातस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-2~84,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाविस्त्र में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के सिए; बीद्र/बा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ असिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मुविधा के लिए;

बदः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नांसिक्त व्यक्तियों, वधात् :--- (1) श्रीनता अनुराधा लाहिरड़ी

(अन्तरक)

(क) श्रीमती भीरा साहिर्धी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिई कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहरताक्षरी के पास लिएका में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में विया गया ही।

धनुसूची

मणान सह जमीन जो 37/4 गरियाहाट रोड (साउथ) में अवस्थित राजिस्ट्री हुआ डीड नं I-1176 दिनोंक 1-2-84 अन्तार।

शकर अनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III 54, रफीअहमव किवबई रोड, कलकता-16

विनाक 11-10-1984 मोहर 🛭 प्रकृष कार्यं, टी., एत., एस.,------

नामकार न्यानिका, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-में (1) के नुभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यांकव, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकता

जलकत्ता, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निवेश सं० 1544/एवजी आर-III/84-85---अतः मुझे, मंकर बनर्जी.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उंकेंस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के बधीन सक्षत्र प्रधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संवर्ति विसका उचित बाजार मूख 25,000/- से विध्यक हैं

भौर जित्रकी सं० 26/1/1 है तथा जो स्ट्राण्ड रोड, कल त्सा में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्णरूप से विशिष्त है), रिजस्ट्रा श्वी अधि ारी के धार्यालय, कल त्सा में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-2-84.

को पृथांकत सम्मस्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिक्रम के निए वंजारित की गढ़ हैं, और मृत्रे यह विश्वाद करने का कारच हैं कि संघापृशीकत संपरित का उचित् वाबार वृत्य, उत्तर्वे क्रयान प्रतिक्रम से एसे क्रयमान प्रतिक्रम का पंक्र प्रतिक्रत से विश्वक हैं और वस्तरक (वन्तरकों) और वस्तरिती (वन्तरित्यों) के बीच एसे बस्तरक के निए तब पास गया प्रतिक्रम, निकासित वद्यक्षेत्र में स्वतः बस्तरम् विविद्य में वस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरंत्र के हुए किसी बाव की बावस उनस विध-विवय के बचीन कर दोने के बन्तरक के वामित्य हो कामी करने वा उवसं वचने में सुविधा के निष्; वीर/वा
- (क) प्रेती किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तिवों का, विक्षं धारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या धनकार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तरिती ब्वाय प्रकट वहीं किया बया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

श्रतः कथ, उनत विधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण भें, जी, उकत विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चे वधीन, निम्मलिखित स्मिक्त्यों, अर्थात (---- (1) श्रीमली बादामा वेशी केशीया

(अम्तरक)

(2) श्रीकवी कमला देवी गोंकार

(मसरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोचल सम्बक्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हुए।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकासन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अवधि, को भी ववधि बाद में समाप्त होती हों., के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्क्बूध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा वशाहस्ताक्षरी के शब लिखित में किए या सकांगे।

न्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रगृक्त सम्बाँ और पर्यों का, को सकत अधिनियम के अध्याय 20-क को परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में सिवा एका ही।

नगृत्य

जमीन को 2 कहा 14 छ 5 व० छुट० 26/1/1 स्ट्राण्ड रोष्ट पर अवस्थित 20-2-84 ता० बीच नं I 2048 अनुसार कलकला राजस्ट्री दफ्तर में ।

> बांकर जनशीं सक्षम श्रीधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, 54, रफी अक्षमद कियवई रेड कलक्षा- 6

विमांक 11-10-84 भोतर प्रकृप माइ. टी. एन. एस. -----

भाधकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वता

भारत सरकार

भागालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कल, ला

दाल दिता, दिनाम 12 अक्तूबर 1984

निदेश प० 1545/एमबी०/आर-III/8 —85—-अत. मुझे. शंदार बन्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उब्स्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सप्रतित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कि. से अधिक है

और जिस्की प० 240 बी है तथा जो आचार जगदीश चन्द्र बोस भोड़ स्थित है (औं दिन्ने उपाबद्ध अन्सूची ने औं पूर्वक्ष से विता है), पिस्ट्राती अई० ए०मी०, एक्बी० आर०-।।। अधि। से के बार्तित, एल सा मे, पिस्ट्री रण अधि। सम, 1908 (1908 हा 16) के अभी।, दिनार 26-2 84,

को प्वोंक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि सभाप्वांक्त सपत्ति का उचित अजार मृत्य, उसकं दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्नुह प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अत्तरकों) और अत्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया । जिन्क जिल्लामांकत उद्देश्य से उक्त मन्तरण तिबिक में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाम की बाबत उक्त अधिन नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक को दामिल्य में कभी करन या उसस बजन में सुविधा की लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य कास्तिकों करे, जिन्हों शारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् '---

- (1) मे उसी बें उटेश कास्ट्रक्श कं० (प्रा०) लि०, (अन्तरक)
- (2) मेपर्स पायाल कर्माणयल की० लि० (अन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त मम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस भ्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्मध्वन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि शव में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रांचस स्थानस्यों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन्न में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ माज उस अध्याय में दिया नगा हो।

अनुसूची

दफ्रर क्षेत्र 2430 व० फु० ओ 240 बी, अचार्य जगदी है चन्द्र बी। रीड, कन उता रिजस्ट्रो हुआ 37ईई फार्स अनु गर 26-2-84 (आई० ए० सी० एक्विजोगन रेज-3)

> णंकर बनजी सक्षम प्राप्ति गरी सहायक आयकर आयुक्त (शिरोक्षण) अवैश्वित -3, 54 रफीअहमट भिद्ध ई रोड कल्लाना—16

विनांक - 12-10-1984 मोहर अक्ष्य बाह्र टी.एन एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धार 269 भ (1) की अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज-III, बल सी

कल सा, दिनाक 11 अक्तूबर 1984

निदेश स० 1546/एववी आर-॥॥/८.-८५ --अत मुझे शक्र बाजी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रहं से अधिक है

अते जिसकी प० 1 सी है नथा जो बारी एज सर्वर रोड, जान सा स्थित है पनेंट न० 85 है तथा (औं ए के उपाबद्ध अपुसूचे के औं पूर्णक्ष के विगा है), रिल्ट्री ति अबि ारी के लगा लिय बल सा के, रिल्ट्री रण अबि किस, 1908 (1908 गा 16) के अकी 1, दिनाह 19 2 84,

का प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क रक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझ यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का भूदि प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (कन्तरितियो) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक खल निम्नलिखत उदद ज्य से उंक्स बन्तरण लिखिन मे बान्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है '--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-वर अधिनियम, 1922 (1922- का 11) या उनल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सका था या किया जाना धाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :--- (1) श्रीमती लागोप्री और अन्य।

(अन्तर्क)

(2) श्री बीरपाल हि।

(अन्तर्राजी),

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्ल सम्परित के वर्जन के हैसए कार्यवाहियां करता हूं।

तक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्रोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, क भीतर पूबा कर स्थानित्या में स किसी व्यक्तित दुवारा,
- (थ) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीन से 4.5 दिन के भातर उदत स्थावर सम्मोत्त में हितंबव्य किसी अन्य अयित द्वारा अधाहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा जिंगे।

स्वय्दिकरण:--इसमें प्रयक्त वान्यों और पर्यों का, जो अक्त प्रिधिनयम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, त्रही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

वम्सूपी

पर्नेष्टन० 85 भिन्न 1900 वर फुर्राडन० 15-63 तार 19-2-84 राजस्ट्री हुआ कल ला मे । पत्त--1√सी, वालोगज मर्झुलर रोड, अल त्ता ।

> भार य जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (रिशिषण) अर्जनरेज - 3 54,रफीअहमद िदबई रोड, 16-कल हता

दिनाकः . 11~10~1984 मोहर त्रक्त वार्षं तो त्रम् , यस , -----

(1 श्रीमती सरोजिनी सिष्टु।

(अन्तरक)

(2) मनुन्तला गुप्ता ।

(अन्तरिती)

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-प (1) के बधीन क्षमा

बारत करकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जल रेंज-III, कलकला

क्लक्ता, विनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं० 1547/एवबी आर-॥/84--85--अतः मुझे, मंकर बनर्जी,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उनते विधिनयम' नद्धा नया हैं), की वादा 269-क के नधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारन है कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका उचित वादार भूग्य 25,000/- रा. से निधक हैं

और जिसकी सं० 15, है तथा जो गरत घटणी एथेन्यू कलएसा स्थित है (और इतसे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री ति अधि गरी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्बी०~ आर-। में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-2-84,

को प्वांच्य सम्पत्ति के उचित वाचार मृत्य ते कम के क्यमान्
प्रतिषक्ष के सिए नन्तरित की गई है बार मुखे वह विश्वास
करन का कारण है कि ववाप्वांच्य संपत्ति का उचित वाचार
मृत्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का
वंद्र प्रतिस्त से निथक है बार नंतरक (बंतरका) और बंतरिती
(बन्तरिता) के बीच एते बन्तरण के सिए तथ पाया नया
प्रतिकत्त, निम्नीसियत उच्चेश्य से उच्त नन्तरण हैस्पित में
वान्तरिक क्यू से किन्त नहीं किया नवा है:---

- हुँकों अन्वरण वे हुए कियों बाव की नायक, स्वयं विकित्य के संबोध कर बोने के कलाएक के वादिए वो कभी करने वा बब्धे वृषये वो बृदिया के ज़िए; बॉर/वा
- (थ) प्रेरी किसी नाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों की, जिल्हों नारतीय जाव-कर जीधीनवस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीधीनवस, वा वत्र-कर जीधीनवस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गर्वा भाषा किया जाना चाहिए था, जिलाने में बृद्धिया के विश्व:

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वार्धप :---

- (क) इत स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन की शवीं या तत्संबंधी व्यक्तियाँ दर
 स्वता की तामील से 30 दिन की जबींथ, वो भी
 ववींथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतुर वृत्रोंक्छ
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्रारः
- (क) इस सुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितवबुद् किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किए वा सकेंगे।

रनक्कीकरणः—इसेमें प्रयम्भव कको और पर्योक्षा, श्री कक्क विभिन्नयम, के बध्यान 20-क में परिभाषित है, वही वृषे होगा जो उस अध्याय में दिया वदा है।

नपुष्यी

पलैट नं ० 12 कोल 1000 व ० फू/1 भी 15, शरस भटजी एकेम्पू, तल ाता में स्थित ऋषि ए० सी० एक्कीजेयन रेंज न1 द्वारा 37ईदि मार्न अ(स.र रजिस्ट्री धुआ।

> मंकर मनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रण-III, 54, रफीअहमद किंदबई रोड, कलकत्ता---16

वर्षाः कथा, सक्त विधिनयम की धारा 269-म के बन्धरण वो, ती, अक्त विधिनयम की धारा 269-म की छपधारा (१) की वर्षान, विकासिवित व्यक्तियों, कर्म्य हिल्ल

दिनोक : 12-10-84

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 20 अक्तूबर 1981

निवेश सं० 1548/एक्बी० आर-॥॥/84-४5 - यतः मुझे एस० के० बनर्जी,

आयकर शिधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावण सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 29 है तथा जो कबीए रोड, रुलकत्ता स्थिय है। (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है); र्राजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए० क्लक्ता में, रिजस्ट्री-बारण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन, दिनांक 20~2~84.

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वाग करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत म अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में अध्विक स्थ म किथान नहीं किया गया है :- --

- (बा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय र अभिनियम, १००० (१९२२ को ११) या उक्त अधिनियम, पा असे प्रतिशाम, पा असे प्रतिशाम, पा असे प्रतिशाम (१९५७ को १८) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः भवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं भें, भें, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीरः, निम्तिणिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 3—316GI[84 (1) श्री अनिल कुमार राय

(अन्त्रक)

(2) श्री दीपंकर घोष ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन भी तारीस में 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यवितयों पर स्चना की तामील से 30 दिहु की अवधि, ओ न्भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ति अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

27 अबीर शेड, कलकत्ता में अवस्थित 1051 वर्ग फिट का सम्पत्ति जो सब-रिजिस्ट्रार अब एत्म्युरेंस के दफ्तर में 20-2-84 दिनांक की डीड नं ० I-2000 के प्रनुसार रिजिस्ट्री हुआ।

एस० के० धनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्तन रेज-III,
रफी अहमद किरवर्ष रोड,
नालभाना-16

दिनोंक : 20-10-1984

प्ररूप आहे. टी. एत. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(घ) (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, महागक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-111, कलकत्ता

नलकता, दिनांग 29 भित्रयर 1984

निवेश सं० 1549/एक्की०/आर-नाII/84-85 -अतः शंकर बनर्जी, भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (िजसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, किमका उतित नाजार सत्त 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० 7 है तथा जो विष्ण शहर राय शेड, नियत है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्णन्य में विणित है. रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, पाई बसी, एक्वी ० आए-॥।. कलकर्ता में, रिजिट्टीकरण अधिनियम. 1908 (1908 वा 16)

के अधीन, दिनांग 27-2-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यान प्रितिक्त को लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत को पत्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नतिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निलित में वास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया हैं ——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, जक्त ज़िंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में मिविधा के लिए; और /या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्यिधा के लिए।

श्रात: श्रात उक्त अधिनियम की भारा 269 ग को अगुसरण भें, में', उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अभीत, निम्नीसिखिन व्यक्तियों, अथित :---- (1) मेमर्स हिस्टिंगरा प्रापर्टी ।

(अन्त्रयम्)

(2) फोनिक्स इस्ट ।

(अन्थरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए-कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में ममाण होती हो, वे भीतर पर्वोवत व्यक्तियों मों में किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पित म हिनवडध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शास्त्रीकरण --द्रसमं प्रयुक्त राज्य गौर एपे का, जी उठत अधिनियम के अन्याय २०-क में परिभाषित ही, बहाँ अर्थ होगा जी एस सम्यास में दिया। गया ही।

अनुसुची

दण्तर क्षेत्र 1526 वरु श्राई० 9 ए० मी०, एक्वीर आर- III द्वारा 37ईई अनुसार 27-12-64 दिलांक अनुसार रिकस्ट्री हुआ।

> गंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षण प्राधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलक्ता—161

दिनांक : 19--9-1984

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर जायुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेज-III जलकता

कलक्ता, दिनारु 11 जनतूबर 1984

निदेश ५० 1550/एउटी० आर गा/**8**4 **8**5 अत. मुझे, १८८ व्यक्ती,

जायकर जीतिनगम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमा इसक प्रश्वात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

आंग जिसकी स० 56, है तथा जो तिलजला गड स्थित ह (और इसमें उपाबद्ध सन भूची से और पूर्ण पर्म बिणत है), पीलर्स्ट्रीकर्सा अधि निरी के नार्यालय, उलक्षमा से, रिनस्ट्रीकरण अधिनियम,

1008 (1908 का 16) क अधीन दिला 10.2-81, का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के स्वयमान प्रतिफत के लिए जन्तिरन की गई और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एंसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किमी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा दायित्व के लिए, और/था
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का' जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिय व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) अब्दुल बहीद

। अन्तरका)

(2) साईंड गुण्ड का० (प्रा०) लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन, की तारी ह सं 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी ने पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्ते अधितियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसूची

1/3 अश जमीन (कुल जमीन 14 कहा 4 छ. 22 व० फु०) जो 56 तिलजला रोड, जो 10 -2→84 ता० **में डीड नं० 1541** अनुसार रजिस्ट्री हुआ कलकत्ता में ।

> संकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महामक आयकर आयुवश (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, रफी अहमद किंदवई रीड कलकता--16 ।

दिनांक . 11-10-1984 मोहर 🛭 प्ररूप कार्ड. टी एन. एस -----

(1) मेमर्स टोडी टी क० (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

(2) श्री सोवालराम पाँहार।

(अन्तरिती)

कायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 260-घ (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहासक अध्यक्षर वास्वत (निरीक्षण)

सर्जन रेज~३,कलक्सा

न'लक्षमा दिनाद 12 अक्तूबर 1981

निर्देश सं० 1551/एक्बी० आर मा/84~85~ यत सुझे, भक्तर बनर्जी

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी म० 2 है तथा जो लाल वांजार स्ट्रीट में स्थित ह (और इसमें उनाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप स्विणत ह), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी व ार्यालय, आई लाल्मी० एववी० आर-॥। कलजन्त। ण, रिजस्ट्रीवरण अधिनयम 1908 (1908 रा 16) रे अधीन विनाव 15 2-1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूक, से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है आर म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अत्तरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पार्या गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (का) सन्तरण संहुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम की सधीन कर दोन क अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उममे बचने में मृतिभा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत अब, उन्त अभिनियम की पास 269-ग के अन्मरण मं, मं, उन्त अधिनियम की धास 269-भ की उपधास (1) क अधीन, निम्नतिश्वित स्यक्तियां, अधीत — को यह सूजना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सबाब में कार्ड भी नाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी मा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जा उक्त श्रीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

दिश्तर — क्षेत्र 855 90 वर फुट रिजिस्ट्री हुआ 15-2-84 आई०ए०सी० एक्बी० आर-मा द्वारा 37ईई फर्म अनुसार। पता—2 लाल बाजार स्ट्रीट कलकत्ता।

र्णकर अनुभी सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सक्षम आयक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, 54, रफी अहमद किंदबई रोड, कलक्षा-16

रिनाक : 12-10-1984 मोहर . प्ररूप आई. टी. एतः एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक मायकार धामुक्त (निरीक्षण)

अर्थन केल, यलकसा

कलकता, दिनाज 11 अवत्बर 1984

िनदेश सं० 1552/ए, क्बीं० जार HI/81 85 - अन. मूलं, भक्त बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वाम करन का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हुई

ऑर जितकी स० 171 है तथा जो रमेश दत्त रहीट में स्थित है (और इसमें उपायक अनुमूची में अन्तर पूर्ण क्या में विणित है), रिजरहीयर्वा अधिकारी के दार्थालय, रालदत्ता में, रिजर्म्द्रीद रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 22 2 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अतिरिती (अंतरितियाँ) के बीच एास बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्दं किमी आय को बाबन तथत अर्थ नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व म कमी कारने या उससे अपने मं सुविधा के लियं. बीर/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन जन्म अहिस्स्यां की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया यया का या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के सिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग क जन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री आए० टी० चटर्जी

(अन्तरक)

(क) नापानी एमकरान दुस्ट ।

(अन्तरिती)

का यह मूचना जारो कारके पृत्रीवत सम्परित के अर्थन के लिए कार्य महिया कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षप :--

- (क) ६स सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचता की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बादः में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --इनम प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असमधी

1/8 अग कुल जिमीन 16 महा, 11 छटाच 2व० फु० जा 22~2 84तारीखमें लाइन० 2134 अनुसार रिजिस्ट्री हुआ सम्पत्ति का पता~-171, रमेश दल स्ट्रीट, कलासा ।

> शकर बनर्जी सक्षम प्राविकारी सहायक अध्यात आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेक−3, 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकता-16

नारीख: 14--10--84

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आध्वस (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकना

कानकत्ता द्विमानः 12 अन्तुधर 1984

निदेश म० 1553/एक्यां०/आर-∏¹/81·85 अत. णंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं ध्यम इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० 113/2 है नथा जो राजा भाग गोहर गरनों में स्थित है (और दससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णस्य रे बीणत है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कलक्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अधीन, दिनाक 25 - 2 - 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभाग (प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पद्धित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिगम के अधीन कर वान के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और /या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्द आस्तियौँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या भनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री विध्रत कुमार चटर्जी और अन्य

(अन्तरक)

(2) र्था भीना के० एस० जरीवाल,

(अन्तरिती)

को यह गुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षप .---

- (क) इस स्थना को राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अपिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अक्षांहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

साक्योकरण.--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदी का, जो उकत अधिनिधम, के अध्याग 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

मन्स्ची

अगतः 4 तल्ला और अग्रेतः 3 तल्ला मकान गह जमीन 113/2 राजा राम मोहन सरणा, कत:

> शकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी यहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन एज-- [1], 54 एफीअहमद किंदबई रोड, कलफ्ता--16

दिनाक : 12~10~84

भोहर .

- - ------

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 69-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्चन रेज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिमाक 15 प्रक्त्वर 1984

निदेश मं० 1560/एक्बी० ग्राप-111/84-85--श्रत. मृते, संकर बनर्जी,

मागकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें उनके पश्चात् 'उनके अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राणिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

थौर जिसकी सं 1/64 है तथा जो गडियाहार रोड, कलकता में हिश्रत है (योग उसमें उपायद अनुमुची में प्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजर्म्हीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, करकता में, र्राजर्म्ही करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-2-84.

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एक्समान पित्रात के निर्मा अनित्य ति ति हैं और निर्माण करने का कारण है कि स्थाप्योंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके स्ट्यम न प्रतिकत से, एसे दृश्यमान प्रतिष्टा का बन्द्र प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती 'अन्तरिति के ही एने बत्रक ने जिल एप बाग त्या भीत

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सविधा के लिए, और/या
- (अ) एंसी किसी नाय या किसी धन का जन्स का स्वयां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती दशारा शकट नहीं किया ।या था या विकास काला नाहिए था, जिल्हा भ सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त लिधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, बल्ल अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभिन निम्मीनिक स्पवित्यों अर्थांत : - (1) दि सादर्न को० धापरेटिनंब हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्ययनारायण घोष

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नायवाहिया कारता हु।

इक्त सम्पत्ति क अर्थन के सञ्चन्म में साई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में गमाशन की तारीख दें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अपधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्चाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिल-बब्ध किसी अन्य स्थिति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिभिष्य में किए जा सकेंगे।

स्पथ्मीक रण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होना जो उस अध्याय में क्षिया रपा हैं।

वनस्थी

फ्लाट क्षेत्र 1100 व० फु० रिजिस्ट्री ना० 24-2-84 क्लकमा मे पता 1/64 गिडियाहाट रोड कल० डीड न० 12420

णंकर अनर्जी मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, 54 रफीग्रहगद किदयई रोड, कलकत्ता-16 ।

दिनांक : 15-10-84

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

(1) श्री नग्हरि दन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पार्थ प्रीतम दल

(ग्रन्तरिती)

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 1561/एक्बी० ग्रार $-\PiII/84-85$ —भ्रत: मुझे. शंकर बनर्जी.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 27 है तथा जो मेण्ड्ल रोड में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावड़ अनुस्ची में ग्रौर पूर्णकप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम.

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-2-84, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथस्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिक रूप में किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे अबने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किएनो में म्यिभा के लिए;

को यह स्वना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रमाज्यिकरणः ----इसमें अयुक्त शक्यों और पदों का, जो उतन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

मन्त्री

जमीन--- 4 करा, 11 छटाक 15 वर्ष फुर सह मकान एक-तल्ला ध्रौर दो तल्ला रिजिस्ट्री---- 22-10-84 कलकत्ता में । पता---- 27, सैण्ट्रल रोड, डीड नंर्रा---841।

> णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, 54. रकीश्रहमय किदवई रोडें, कलकत्ता-16

अत: अब, उक्त अधिनियम की पार 269-ग के अनुमरण भै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 स की उपधारा (1) को अधीन, निम्निकिश्वित्र व्यक्तियों, अर्थात .---

मोहर 🛘

विनांक : 15-10-84

The stage of the mass of the second was a second with the second was a second with the second was a second was

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

बालकता, दिनाक 15 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 1562/एक्त्री०/प्रार-'३ । १३००० । मुझे। शंकर बनर्जी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्तन बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन राक्षम प्राधिकारों को, यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कि से जिधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० 22 ए है तथा जो मेण्डाभिला गार्डन्स में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 4-2- 1984,

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उधित बाजार गल्य से कम के द्रयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विद्यास करने का कारण है कि अधाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूख, जमके क्ष्यमान अतिफल में एेखे क्षयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (संतरकों) और अंतरिती (अंतरिक्तिों) हे केंक्ष ए हे अन्तरण के जिए तर पावा गया प्रतिक कल निक्तिनिक्ति स्वरोध से एएक अंतरण लिखित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) नाष्ट्रमा सहाही काली। काल करी बावत करण मणि- रियम में भ्रीत लाग दोने से जाराफ के **दायित्व** से हिली का रेशर इ. के नाउटे से कर्नाचन के दिएक नाम क
- (ख) ख्रेसी किसी अल का जिलों भग या अल्य आफ्निसें की, जिल्हों भारतीय आयवार अभिनियम, 1922 (1922 मा 11) या उससा लॉधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ जन्दरिती द्याण प्रका नहीं किया गया भग पर निया ग्रामा चारहरा था, कियान में स्विधा के निया

अत. १४, उरा शिंगीतयम की धाम २६०-म के अन्सरण मो, मी, उरा शिंगित्यम की धाम २६९-म की उपधारा (1) के अधीन, निमालिक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:——
5—316G184

- (1) मेन्टाभिला कोर्ट को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० (श्रन्तरक)
- (2) श्री समीर कुमार बसु (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्याग अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा थो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई/3 पता—22 ए मेन्डाभिला गार्डन्स, कलकत्ता क्षेत्र—1334.72 व० फुट डीड नं० I=1357। दिनांक 4=2-84

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनाक : 15-10-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

शायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26२-ध (1) के अधीन स्**व**ना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक कायकार आयुन्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 1563/एक्बी०/प्रार-III/84-85--प्रतः मुझे, शंकर बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

यौर जिसकी सं० 22ए है तथा जो मेन्डिभिला गार्डन्स में स्थित है (श्रीर इमने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 25-2-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ज्यापूर्वोक्त संपत्ति का उजित दाजार मृत्य दसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस् अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (जन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया स्था प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त में कमी करने या उसस अजन मा सावधा के सिए; अधिनियम दें, अजीत नर्दा के अन्तरक के दायिस्थ और/या
- (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दशारा प्रकाट नन्ती किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्गरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मेन्डाभिला कोर्ट को० भ्राप० हार्डीसग सोसायटी लिसिटेड ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री विश्वनाथ सेन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, चो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्ति में से किसी ब्यक्ति इवारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं $\mathbf{s}/1$ क्षेत्र — 1334.72 व $\mathbf{v}_{\mathbf{s}}$, पता — 22, मेन्डाभिला गार्डन्स, कलकत्ता । रजिस्ट्री — 25-2-84 डीड नं \mathbf{v}

णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुवत (निर्राक्षण) श्रर्गन रेंज-3, 54, रफी ग्रहमद किदबई रोड, कलकना-16

दिनांक : 15-10-84

माहर :

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस., ========

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सृभना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० टी० ग्रार० $-101/84-85/\pi$ ० सं० 935/ श्राई० ए० सी०/ एववी० श्रार $-1/\pi$ लकत्ता—यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स. से अधिक हैं

भीर जिसकी स० 9, है तथा जो किड स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस० श्रार०-4, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रदीन, दिनांक 28-2-84.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रित्मल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त ब्रन्तरण लिशित में साम्तिक कप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुद्र किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसस अपने में सूर्विभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, स्थितने में सुत्विभा के लिए।

जतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नस्थिखन व्यक्तियों, अधृति क्रिक्त (1) श्री रवीन्त्र नाथ मल्लिक

(मन्तरक)

(2) कोठारी साइंटिफिक एण्ड रिसर्च इस्टीट्यूट (अन्तरिता)

- (3) श्रानन्व नाम निधि (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) ग्रानन्द नाम निधि
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानना
 है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपर्तित के अलन के सिए कार्यचाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुलुची

7, किंड स्ट्रीट, कलकता में श्रवस्थित 26 काठ जमीन के ऊपर एक दो तल्ला मकान एवं श्राउट हाउसेस का श्रविभक्त हिस्सा जो सब-रिजस्ट्रार श्रव एन्थ्युरेंस के दफ्तर में दिनांक 28-2-84 की डीड नं 1-2662 के श्रनुसार रिजस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

विनांक : 20-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 अक्तूबर 1984

निदेश सं० टी० आर—103/84÷85/स० न० 936/ आई० ए० सो०/एक्वो०/आर—I/कलकता——यतः मुझे, एस० के० बनजी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 43 वि० है तथा जो रिपन स्ट्राट, कलकता में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूना में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रे कर्ता अधिकारों के कार्यालय, एस० आर० 4, कलकत्ता में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, दिनांक 23-2-84,

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखत उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रामतं साक्षिना बेगम

(अप्तःस्कः)

(2) मुहम्मद पारभेज खान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां शुरू करता हुं।

उंक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार कि तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

43 बी रिपन स्ट्रंट, फलकता म अपस्थित 2 काठा 8 छटाक 25 वर्ग फिट जिमन तथा एक लल्ला महान जो सब-रिजस्ट्रार अब एन्ध्युरेंस के दफ्तर में दिनाक 23-2-84 को डींड नं० 1-2250 के अनुसार रिजस्ट्रें हुआ ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज-I, 54 रफोअहमद किंदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनोंक : 20-10-1984

प्रकर् बार्'्टी, १२ .पुर्स . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सम्बना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 22 अक्तूबर 1984

निदेण सं० मी० ए० 101/84~85/एस एल-937/आई० ए० सी०/एकवी०/आर-।/कलकत्ता---यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्र वाज्ञार पुरुष 75,000/- स्तर से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 9 है तथा जो प्रिटीरिया स्ट्रीट प्नार्ट नं० 5, कलकत्ता-16 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णम्प में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. सि० प० आई 4 सि० अर्जन रेंज-2, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनांक 6-2-1984,

को पूर्वोक्त संपित के जिसस बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्रय पाया गया प्रतिफल किया तिम्नितिबत उद्देश्य से उकत अंतरण निकात में नास्कृषिक स्था से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से धुर्द किसी आय की बाबत, उबत अभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरकः के बायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उत्तर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिएमने में मूजिथा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्रा तेज करण बारविया।

(अन्तरक)

(2) थं। निनत कुमार सिवालिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांचे भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर, पृष्टित व्यक्तियों में में दिसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सुकता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के शीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए आ अकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिप्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

सन्सूची

9 प्रिटारिया स्ट्रीट, संदोप, कलकत्ता-26 में अवस्थित मकान का 2200 वर्ग फिट आयनन का फ्लाट नं० 5 जो सक्षम प्राधिकारा (सहायक आयकर आयुक्त निर क्षण) अर्जन रेंज-2 कलकत्ता के दफ्तर में दिनांक 5-2-84 को मारियल सी० ए० 8-4-101 के अनुसार रिजस्ट्री हुआ है।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायण आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, 54, रकीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

विनांक : 22-10-1984

प्रकृत वार्षं. टो. एन. एक. 🗷 🗈 -- -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, ग्रहायक जायकर धायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 22 अक्तूबर 1984

निदेश सं ० सी० ए० 108/84-85/एस० एल० -938/ आई० ए० सी०/एक्बी०/आर-1/कलकत्ता-पतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

भागभर नी भीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० 72 है तथा जो पार्क स्ट्रोट, आफिस स्पेस न० 5ए-2 कलकता-16 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, सि०ए०, आई० ए० सि० अर्जन रेंज-2 कलकता में, रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 25-2-84

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिकाल की लिए अन्तरित की गई है और मूम्हे यह विश्वास करने या कारण है कि यथापूर्वोक्न संपत्ति का उजित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे इश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निक्नों लिखत उच्चेश्य से उश्रम अन्तरण जिल्हा के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत अन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कमी करने या सससे अचने में सृष्मिम के लिए; अधि/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्ध अन्तिरती ब्वाण प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था खिपान में स्विभा के निक्त

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में भी, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में रुधीन, निम्निस्तिक स्मिक्शियों, वर्षात द— (1) चित्रकृट प्रपार्टीज प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री दुर्गा प्रसाद पोद्दार एवं अन्यान्य

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

दक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप [---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

72 पार्क स्ट्रीट, कलकता-16 में अवस्थित मकान का 5वा तत्ला में स्थित आफिस स्पेस नं० 5ए०-2 जो सक्षम प्राधिकारों (सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण) अर्जन रेंज-2 कलकत्ता के दफ्तर में दिनाक 28-2-84 को सोरियल सि० ए० 208 के अनुसार रजिस्ट्रों हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रज-2, 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलक्ता-16

विनाक : 22-10-84

प्रस्प आहं. टी. एन. एस्.----

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 22 अक्तूबर 1984

निदेश सं० सी० ए० 102/84-85/एस० एल०--939/ आई० ए० सी०/एक्बी०/आर० आई0/कलकत्ता--यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपतित जिसका जिन्हा बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 72 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, स्पेम तं० 3 एफ कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सि० 4, आई० ए० सि०, अर्जन रेज-2 कलकत्ता में, रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23— 2-84,

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधिस बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप में कर्शिश नहीं जिल्हा भूशा है :---

- (का) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अपि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, आहि/या
- (स) एसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट मही किया गर्था था किया अना चाहिए था, छिपाने में मुजिन के लिए;

कतः शव, उत्थत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उयत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नितिथित न्यक्तिसों, अर्थात :---- (1) जिलक्ट प्रापर्टीण लिभिटेड ।

(अन्तरकः)

(2) अभिन फाइनेनसिंग कारपोरेणन ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यशाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप 🏣

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविभि या तत्मम्बनी न्यिक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की भविभि, जो भी अविध जाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

72, पार्क स्ट्रोट, फलकता में स्थित तोसरी मंजिल में 2020 वर्ग फिट आयत का स्पेस नं 3 एफ पो व सक्षम प्राधिकार। (सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2 कलकत्ता केदफ्तर में सिरियल 202 के अनुमार 23-2-84 दिनांक में निबंधित हुआ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकाणी सहायण आयुक्त (किर्राक्षण) अर्जन रोज-ा1, 54, रफोअडमद किदबई रोख, शक्कना--16

दिनांक : 22-10-1984

अस्प आर्^द , द्वा , एस , एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अनत्वर 1984

निदेश मं० मा० ए० 103/84-85/एग एल-940/आई० ए० सी०/एक्बो० आर० आई०/एल इता--प्रतः मुझे, रस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण • है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका मं० 20 है तथा जो लाई पिह्ना रोड, प्लाट नं० 2डी, प्रथम प्लोग, कलकत्ता-26 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपायड़ अनुसूचो में श्रीर पूर्णस्थ से विणित हैं), पित्रप्ट्रांशर्वा अधिकारो, के कार्यालय, सि०ए० आई०ए० सि० अर्जन रेंज-2 कलकत्ता में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, दिनांक 23-2-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उपत अन्तरण सिखत में वाम्तयिक रूप में कथिग गर्शी किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या राज्य वचने में स्तिधा के निए; और/या
- •(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य शास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयक्षण अधिनियस, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर शिक्षियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिपाने में सुविधा के लिए;

अतः कह, क्कत अधितियम की धाण 269-म के अनसरण में, में, उक्त अधितियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्तियां, अर्थात : (1) श्रं मोरा सिंह,

(अन्तरकः)

(2) श्रीमता विद्यादेवी चामरिया ।

(अन्तरितं।)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घर करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सक मे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन संची

सम्पति जो 20 लार्ड सिह्ना रोड, कलकत्ता में स्थित प्रथम पत्नोर में स्थित पत्नैट नं० 2 डो आधा हिस्सा जो सक्षम प्राधिकारो (सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण) अर्जन रेंज 2, कलकत्ता के दफ्तर में मिरोयल 203 के अनुसार 23-2-84 लारोख में नियन्धित हुआ।

एम० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, 54, रकोअहमद क्षिदबई रोड, कल्लकना--16

दिवांक : 11-10-84

म:हर:

प्रकप आईं.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीत स्भाग

भारत सरकार

कार्यातम यहासक आयक आगुक्त किरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1984

निवेश सं० सी० ए० 104/84-85/एस० एल०/941/ भाई० ए० सी०/एववी०/धार०-आई/कलकत्ता--थतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपित्त, जिसका उपित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० 10 है तथा जो लाई सिह्ना रोड, फ्लैंट नं० 2डी० 1 सल्ला, कलकक्ता 26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सि० ए, श्राई० ए० सि०, श्रर्जन रेज-2 कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 23-2-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धाम्तिक न प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जल्पर के हैं हैं जिसी आय की आयल, जबक अधिनियम को कथान फर दान के सम्मरक के शामित्व में कभी करने या उसमें बचन में सब्दिन के लिए। वरि/वा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों भी जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-अट्ट अधिनियम, वा धन-अट्ट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा से निए;

कतः अव, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उकत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिख व्यक्तिमों, अर्थीत :--- (1) श्री मीरा सिंह,

(प्रन्तरक)

(2) भ्रार० एन० चामरिया ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जबत संपरित को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तिमां में से किसी स्थक्ति द्यारा;
- (त) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरण. — -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वर्ल अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्रिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 20 लार्ड मिह्ना रोड, कलकत्ता-26 में स्थित मकान का फ्लैंट नं० 2 डी, आधा हिम्मा फस्ट फ्लोर में स्थित जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेज-2, कलकत्ता के दफ्तर में सिरीयल 204 के श्रनुमार 23-2-84 नारीख में निवन्धित हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरोक्षण) भ्रजन रेज-2, 54 रफोग्रहमद किद्रवर्ष रोड, कलकत्ता--16

दिनांक : 11-1-84

मोहर

प्रस्य बाह्यं, दरी, एक, एक. 🛎 - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सहकाड

कायिनय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनोक 11 श्रम्तूबर 1984

निदेश स० मी० ए० 105/84-85/एस० एल -942-श्राई० ए० मी०/एस्वी० श्रार-श्राई/कलकत्ता--यतः मुभुने, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १९५-२५ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 8 है तथा जो कैमाक स्ट्रीट, फ्लोर स्पेस न० 5 सातवा तल्ला, कलकत्ता—27 स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्णरूप मे विणत है), रिजम्ट्रोकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय, सि० ए०, श्राई० ए० सि० श्रार्जन रेज-2 कलकत्ता मे, रिजम्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीनः दिनाक 20-2-1989,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान जितका के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूक यह विषयाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार करा, उसवे ल्यमान प्रतिफन में एसे रूक्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पिनदान, निम्नितिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) जन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, जबता गणिया ए के शणीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व ए किसी करने या उसमें अधने था समिशा के लिए जौर/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा गृक्तिया जाना चाहिए था खिपाने में मविधा के सिए॥

अत अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण प्रा मों, उत्तर अधिनियम की धररा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

- (1) भ्रशोका मन्युफक्चरिंग कम्पनी एण्ड एजेंसीज (म्रन्तरक)
- (2) भित्र शकर सारदा एवं चन्द्र मोहन सारदा (ग्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा त्रवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया नमा हैं।।

वन्स्थी

8 कैमक स्ट्रीट, कलकत्ता ने स्थित शांतिनिकेतन विल्डिंग में पलोर स्पेस नं० 5 जो सातवो तल्ला में स्थित सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरोक्षण) ग्रर्जन रेज-2 कलकत्ता के दफ्तर में सिरीयल 205 के ग्रनुसार 20-2-84 दिनांक में निष्कित हुन्ना ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज — 2 54, रफीआहमद कियवई रोड कलकता— 16

दिनांक : 11-10-1984

प्रकृष काह्रं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

मार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ए० 107/84-85/एस॰ एल०-943/ श्राई॰ ए० सी०/एक्वी श्रार-1/कलकत्ता--यन मुझे, एस० के० बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूज्य 25-000/- रा. से अभिक है

ग्रीर जिसकी म० 72, है तथा जो पार्क स्ट्रीट, ग्राफिस स्पेम नं ० 5ए-2 5वां तल्ला, कलकत्ता--26 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय मि० ए ब्राई० ए मि० श्रर्जन रेज-2 में, रिजर्ट्री-करण ग्रीधिनयम, कलकता 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन, दिनांक 25-2-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरिष्ठ की गई है और मुम्में यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे बहेयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाना नया अतिफल, जिम्निजियित उद्वेश्य से उस्तु अन्तरण विश्वालय में बास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाम की वावत, उपल अभिनियम के अभीन कर वीर्व के जन्तरक के सामित्य में कमी करण मा उसके वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (वा) ऐसी किसी बाध या किसी धन वा अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में नृतिथा के निष्ट;

अतः अस, अस्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्मरण मॅं, में, अस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्नीलिसिस स्थास्त्यों स्थास् :---

- (1) चित्रक्ट प्रायटींज प्राइवेट लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री राज कुमार पोहार तथा श्रन्यान्य, (अन्तरिती)

स्त्रे यह स्थान भारी करके व्योक्त संस्थित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्थाना को राजपण में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए वा सकरेंगे।

स्पस्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त षब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दें अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हागर, जो उस अध्याय में दिया गया

वन्स्का

72 पार्क स्ट्रोट, कलकत्ता मे अवस्थित मकान का 5वा तला मे स्थित ग्राफिस स्पेस न० 5ए-2 में सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरोक्षण) अर्जन रेज-2 कलकता के दाजर में दिनाक 25-2-84 को सिरियल सि० ए० 207 के प्रमुनार रिजस्ट्री हम्रा ।

, एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन जे-2 54, रफीग्रहमदक दिवई गोड, कलकत्ता--16

दिनांक: 12-10-1984

मोहर .

प्ररूपः अरहीः दीः एनः एस्, सहन्हन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन न्यना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक अधकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० टी० श्रार-106/84-85/एस० एल० 944/ क्वी० श्रार०-श्राई/कलकत्ता-पतः मझे, एस० के० वनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० 25 ए, है तथा जो रवार्ट स्ट्रोट कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), राजस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ए०, कलकत्ता में, राजस्ट्रोकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 26-2-84,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे दरयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिफात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिक्ष का निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, स्वयं अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दामिरन के कारी कारते मा उदाउ ४६२ में जुन्तिधा के लिए; बौद्ध बा
- (क) ऐसी किसी अभ या किसी धन या कत्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनाथ अन्तरिर्ता व्वारा प्रकट नहीं किया गरा था हा किया जाना चाहिए था, कियाने में विषया के विष्;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्रीमती स्नेहलता पाल एवं अन्यान्य

भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विभा देवी लीधा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति को अर्जन के ि कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्योंक्तयों में से किसी क्योंक्त युकारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मतित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहरताकारी के पास निवित्त में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

25 ए, रबार्ट स्ट्रीट, कलकत्ता में प्रवस्थित दो तल्ला मकान जो सब-रजिस्ट्रार भ्रब एंश्युरेंश के दफ्तर में दिनांक 26-2-84 की डोड नं 01-2503 के भ्रनुसार रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2 54, रफीग्र मद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक: 10-10-1984

मोहर

प्ररूप_ आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 श्रमतूबर 1984

निदेश स० टी० ग्रार-107/84-85/एस एस-945- ग्राई० ए० सी'०/एक्बी०/ग्रार-ग्राई/कलकत्ता--्यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-कृषे अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी में ० 26 हैं तथा जो रबार्ट स्ट्रोट, कलकत्ता स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णक्य से वणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० 4 कलकत्ता में, र्राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, दिनाक 29-2-84,

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से कार्यक स्प से का्रित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के सिए, और√या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों कां, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः क्व. जक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण भें, भें उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :— (1) श्रीमती स्नेहलता पाल एव भ्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिना देवी लोधा।

(ऋन्तरिती)

का यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर्ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, थो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- क्षरमा प्रयक्त पाद्यों कौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय माँ विया गमा हाँ।

वमस्ची

26 रबार्ट स्ट्रीट, कलकत्ता मे अबस्थित ग्रंगत एक, श्रंगत तिन एव श्रंगत चार तल्ला मकान जो सब-रजिस्ट्रार श्रव एक्युरेंस के दक्तर मे विनाक 29~2~84 की डोड नं 1—2502 के श्रनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, 54, रफीग्रहमद किंदबई रोड कलकत्ता--16

दिनांक : 10-10-1984

प्रकृप वाह्रं.टी.एच.एस.-----

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 22 प्रस्तूबर 1984

निदेश सं० सो० ए० 103ए/84:85/एस० एल० 946/ म्राई० ए० सो०/एक्वी०/म्राए०-1/कलकत्ता--यतः मुझे एस० के० बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुठ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 8, है तथा जो कैम।क स्ट्रोट, कलकता—27 स्थित है (ग्रीर इससे उपात्रद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, सि० ए०, ग्राई०ए०सी० ग्रर्जन रेंज-2 कलकता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 22-2-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उच्त अंतरण सिस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाग की बागत, उक्त अधिनिधम के अधीन फार दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा क रिक्षा कोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमत्निमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया तथा था या किया जाना वाहिए था, छिपाने भें सर्विभा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) अ अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, सर्थात :--- (1) श्री हरशरण काडर

(भ्रन्तरक)

(2) बिनाजा इन्वेस्टमेंट (प्रा॰) लिमिटेड

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जम अध्याय में तिया गया है।

नन्स्ची

8, कैमाक स्ट्रीट, कलकता-27 में स्थित गांति निकेतन बिल्डिंग का 20वां तल्ला में आफिस स्मानं 9 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण) श्रजन रेंज-2, कलकत्ता का दफ्तर में दिनांक 22-2-84 को सिरियल 203 ए के अनुसार रजिस्ट्री हुआ। ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, 54, रफोग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 22-10-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायनार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कामीलय, महायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कलकला

कलकत्ता. दिनांक 22 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० टी० प्रार० -87/84-85/एम० एन०-947---श्राई० ए० सी०/एमर्ब।०-ग्रार-1/कलवत्ता--यन मुझे, एस के० बनर्जी,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसको सं० 258 है तथा जो लेनिन सरणि कलकत्ता-23में स्थित हैं (भीर इसमें उपाबद अनुमुखों में और पूर्ण रूप में बिणत हैं), रिजम्ट्रोकर्नी भिक्षकारा के कार्यालय, एस० भार० ए० कलकत्ता में, रिजम्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभो न, दिनांक 2-2-84

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूम्से यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सरणित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे 'गन प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तर्भ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायिएवं में अभी करने था तससे बचने में मुक्रिक्त के न्तिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था लिखाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उपन अधिनियम की भाग 260-म की प्रधार (1) में अभी। किस्नितिमित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) काली दुर्गा एस्टेट एवं अन्यान्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमनी सूरज देवी दामाती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर पृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वित्र व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थातर सम्पन्ति में हितबज्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और थ- का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 26 र में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

258 लें तिन सर्गण कलकता में अवस्थित में गान का नीमरें मिजल में आफिन घर का श्रीवभवन श्राधा हिस्सा जो सब रिजस्ट्रा श्रव एन्श्युरेंस के दफ्तर में दिनाक 2-2-84 को डीड नं ा 2265 के श्रनुमार रिजस्ट्री हुगा।

> एस० के० ब सक्षम प्राधि सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निर्रा ग्रजन र 54, रफी ग्रहमद किदवर कलकत्त

विनांक : 22-10-84

प्रसम् आर्थं .टी. एन . एस . -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राय, दिनां ह 29 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 2/2/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धार 269-६ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० भूमि कलोवाडि गांव आकटि में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीफर्ती अधिकारों के कार्यालय, एस० आर० आकटि दस: 436/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके हरयमान प्रतिफल से, एसे हरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के सिए।

जय, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अमृसरण उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कत्तीप्पू भीवि पातिमा।

(अन्तरक)

(2) ए० सहीता वर्षीन।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यास
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्की

भि : कसीवाडी गांव (दम: 436/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मन्नास

तारीख: 29-9-1984

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस., - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशण)

अर्जन रेंज-ा, मद्राम

मद्रास दिनांक 29 सितम्बर 1984

निर्देण सं० 3/2/84—अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गश्चात 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राध्यिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मग्गत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी स० मूमि श्रीर निर्माण है, जो काटपाड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से तर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस०आर० काटपाड़ि दस 566/84 & 567/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्टाम करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे त्रव्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तियक रूप में किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर को के अन्तरक के वासित्य में अभी अपने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/धा
- (ण) एंसी किसी बाय या किसी धन या बस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवस्य पाठ गही किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में स्वीवधा के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——
7—316 GI/84

(अन्तरक)

(2) श्री डांबल्यू० आर० जोति गनेसन।

(अन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रक्राशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम निक्ति में किए जा सकेंगे।

ण्यक्टीकरण ---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भगा है।

मन्स्यी

भूमि श्रौर निर्माण : सर्वे मं० : 205/3 (दस : 566/84) 567/84।

> प्रेम मालिनि बामन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 29-9-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बासफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) को अधीन स्चना

मारत सरकाडु

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्राम

मद्रास, दिशक 29 सितम्बर 1984

निदेण सं० 4/2/84---अत. मझे, प्रेम मालिनिवासन जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्वक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रह. से अधिक **है** श्रीर जिसको स० तोटिपट्टी है जो गांत्र, कुमार वेलिपालयम है, जो में स्थित है (ग्रीण इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०आर० वे गौंटन पट्टि दस 142/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान 16 फरवरी 1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इञ्चमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभो यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पर्शिका उचित बाजार मल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरियी (बंतिरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया एति-क्का निम्मीसिक्कित बब्देश्य से उन्त अन्तरण निकित में गास्तिविक क्ष्य से कीयत वहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त बधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में मृतिभा के लिए; बीर/वा
- (व) ऐसी किसी नाम मा किसी धन या जन्म जान्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, दिस्पार में स्विश के लिए;

जतः जन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त जिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीमिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री कंतस्वामि श्रीर अन्यो ।

(अन्तरक)

(2) श्री के ब्लायक एलयप्पन भीर अन्यों। (अन्तरिकी)

क्ये यह सूचना जारी करके प्रवॉक्ति सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या द्वरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी तपि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किश जा सकरें।

स्थाकरण:---इसमे प्रयुक्त शन्दों और पर्धों का, जो उक्क के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं है, वहीं नर्भ होगा जो उस् मध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि : तोटिपट्टि गांव (दम : 142/84) ।

प्रेम मालिनिवासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवार आंयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारी**ख** . 29-9-1984 मोहर:

प्रकृष बार्ष टी. एन. एस. --- -----

वायुकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयमत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्राम

मद्रास, दिनाक 29 सिहाम्बर 1984

निदेश स $\circ 10/2/1984$ —अत मुझे, प्रेम मालिन बासन मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० भूमि अमिरमिशकोहै गाव है, जी सेलम में स्थित है (ग्रीर इसम उपाबद्ध अन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप स वर्णित है), र्जिस्टाफर्ना अधिकारों के कार्यालय, एस० आर० ग्रोमलुर दस . 172/84 में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए भन्नरित की गई है थीर मुझे पह विण्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे कुज्यनात प्रतिकल का पन्दर प्रतिशत संप्रधिक है बोर प्रतरक (प्रनारकां) सौर अन्तरिता (श्रन्सरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफर्स, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त भ्रस्तरण लिखित **में बास्तविक रू**प में कथित नहीं कि ए गरा है .---

- (का) भारतरण संहुई किसा मीर की बाबस, उस भाजि नियम के प्रधीन कर देन के अस्तरक के दायित्व में कभी करते या उसम बचने में मूबिधा के लिए: भीर/या
 - (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाः का, जिन्हां भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उक्त किंधिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया **गमा था किया जाना थाहिए** था, छिपाने भें सुविधाके जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गु के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:---

(1) श्री एम०टी० राजमानिककम ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जगन्नातन ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोड़ भी बाध्येप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिधि या तत्सविधी व्यक्तियां पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्दभ किमी अन्य अथित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

भूमि : मरक्कोट्टै गांव (दस . 172/84) ।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सम्रायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारोख . 29-9-1984

त्ररूप नाइ .टी. एन. एस. ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, विनांक 29 सितम्बर 1984

निदंश सं० 11 /2/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनिवासन कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मर्मत्त, जिसका उन्तित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि एतपूर गाव है, जो सेलम में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड़ में श्रीर पूर्ण रूप से वणित ह), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय, एस० आर० पत्तन।ययकत पालयम दस: 91/84 में भारताय रिजस्ट्रावरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन फेरवर, 1984।

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य स उच्त अन्तरण विश्वित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आग की शायत, उचत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

(1) श्री राजलक्ष्मी ग्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० मस्त मुसु ग्राप्त अन्यो ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोगे।

स्पाद्धीकरणः -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, जा उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि: एतपूर गाव (दस: 91/84)।

प्रैम मालिनिवासन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्माक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नालिसित व्योजनयो, अधीस् :---

नारीख : 29-9-1984

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

श्रारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास दिवांक 29 सिनम्बर 1984

ं निदेण सं । 12/2/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, नागकर निर्मानम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीण जिसका मं० भूमि श्रीण निर्माण : फत्यानायक्कन पट्टि गाव है, जो से स्थित है (प्रीर इसणे उपावछ अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप मे बणित है), रजिस्ट्रीक्सी अधिकारी के नार्यालय, (सी०आर० सेदमंगलम दस: 232/84 मे भारताय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1903 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1984।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह भितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिद्यत उद्देशों से उक्त अन्तरण जिक्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्मरण स हुई फिसी आय को बाबल, उक्त अधिमयम के अधीन कार पत को अन्तरक के वायित्व में कमी काने के उसमें बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मृदिया कै निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मॅं, मॅं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— ं (1) श्रं। वे।रूप गौंटर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुणायम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यत्राही शुरू कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की. तारीं है ते 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विस्ति मों किए जा सकने।

स्पन्नोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्स गमा है।

वन्त्र्या

भूमि ग्रोर निर्माण : कलपा नायक्कन पिट्ट गांव (दस : 232/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजी, मद्रास

ताराख: 29-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

. भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदास

मद्राप, दिनाच 29 सितम्बर 1984

निदेण सं० 13. 14, 15, 16/2/81-~-अनः मुझे, प्रेम मालिनि वामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि तिम्मलैंगिरि गाव है, जो नामकरन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०आर० सेंदु-मगलम दमः 256, 257, 258 और 259/84 में भारतीय रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908(1908 का 16 के अधीन 9 परवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्पिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपधाग (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) श्री बालमुब्रमन्यन और अन्यों।

(अन्तरक)

(2) बि० कर्लैचैलिय और ग्रन्यों

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्नत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सुचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्मीत में दित- वहूध किसी कन्य न्याकत द्वारा, कथांहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए या सकों ने 1

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, तिस्मलैगिरि गांव दस: 256, 257, 258, और 259/84।

श्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्थन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 29-9-1984

प्रकप भाइं , टी. एन. एस. ----

भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के भूभीन स्वना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मक्षाम

मदास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निवेश सं 18/2/84 —अतः मुझे, श्रेम मालिनि वामन जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि मानायक्कन पे है, जो सेलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के बार्यालय एस० आर० सेंदुमंगलम, दस 316/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट हैं और मुक्ते यह जिश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गृंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में बास्यविक रूप से किया नहीं किया गया हैं:----

- (क) जलहरण से हुए किसी बाय की शावत, जलस अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरण के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए, और/वा
- (ण) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान एक प्रविना के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ध μ^{μ} , ν^{μ} , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखत व्यक्तियों, अधीत :— ·

(1) श्री पी० कुप्पुम्बामी और अन्यों।

(अस्तरकः)

(2) श्री आर० पस्तियप्पन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सिष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरों के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

भूमि मानायक्कन पट्टि (दस. 316/81)।

श्रेम मालिनि वासन ॄसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, मदास

नारीख: 29-9-1984

प्रकल नाही, टी. एम इस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मामकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्राम

मद्राम, दिनांक 29 मितम्बर 1984

निदेश सं० 21 /2/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एउ में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नामगिरि पैट्टै गांव है, जो सेलम में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०आर० नाम-गिरि पेट्टै दस: 105/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का चन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-फाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से **हुर्इ किसी बाय की** बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत :— (1) श्री राजाम्माल और अन्यों।

(अन्सरक)

(2) श्री के० सेगोंडन।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पृत्रोंकत संपरित के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रश्नित कब्दों और पदों का, वो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्चर

भूमि:नामगिरि पेट्टैं। (दस: 105/84)।

श्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 29-9-1984

मोहर 🛭

इक्ट बार्ड . टी. एवं आ.....

· (1) श्रीएम०पी० पेरियस्वामी और अन्गों।

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मक्षाम

मद्राय, दिनां ह 25 सितम्बर 1984

निदेश सं० 22/2/84 -- अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्वात 'बक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख को अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उधित आजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि तोलाराम, गांव नामक्यल है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीइकी अधिकारी के कार्यालय, एस०आर० क्लूर दा: 76/84 में भारतीय रिजस्ट्रीइका अधित्यम, 1908(1908 का 16 के अधीन 16) फरवरी 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्ति के विश्वास प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस उक्त अधि-निवस के अभीन कर दोने के अन्तरक ऋे दायिक्य में कमी करने या जसमें अपने में मिलिशा के किए: और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अध्य बास्सियों करों, जिस्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो अयोजनार्थ अस्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत् :——
8—316 GI/84

(2) श्री कालियम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके युवाँचन सम्पत्ति को जर्मन को जिस कार्यवाहियां करला हुं। उक्त सम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोडों भी सामाध्यः

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख में 45 विन की बनीध या तरसम्बन्धी क्यांवितयों पर सूचना की तामील स (30) दिन भी भार्थण, माने के भी वार्षण साव में समाप्त होती हो, के भीतन प्रविकत व्यक्तिया में स किसी स्पाचित सुवारा;
- (न) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की लागील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिल-प्रदा शिक्षी अस्त पंक्रा स्थापा अभाष्य गर । पास लिखिन मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक स्णः -- इसमें प्रय्वत शब्दों कोर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि:कोलाराम गांव (दस: 76/84)।

श्रेम मालिनियासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 25-9-1984

मोहरः

मका आह . वी . एम . एम .----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

मारव वहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ।, मद्राप मद्राप, दिनांच 29 मिनम्बर 1984

निदेण सं० 27 फरवरी 1984 - अत. मुझे, प्रममानिनि-वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-र के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण उै कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मुन्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि पश्चेपालयम है, जो में स्थित है (और इससे उपाबड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री इती अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० कुमारपालयम दस: 339/84 में भारतीय रिजस्ट्री एरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1981।

करे पृथिति संपरित के उचित बाजार मृन्य से कम के दिश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वान करने का काम्य है कि सभापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके पश्यमान प्रतिफल को पत्यह प्रतिशत से अग्य का पत्रह प्रतिशत से अग्य का पत्रह प्रतिशत से अग्य के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारनिवक कम में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुर्ड किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने से सुविधा के सिष्ट; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी भन या अन्य आस्तिबों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अनिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवा था ज किया जोना बाहिए या कियाने जें स्विधा के लिए;

अतः प्रज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अथाति:—

- (1) श्री गाजेस्वरी बण्लगन और अन्यो। (अन्तरक)
- (2) श्री के॰ राजम्माल। (अन्तरिती)

को यह सुचना चारी कारके पृत्राँकत संपत्ति की वर्णन के सिष्

उक्त संपरित के कर्जन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप ा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी अधिकत्यों भर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, आ भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदभ किसी कन्य व्यक्ति इवारा कथोहस्ताक्षरी के पाल निवित में किए जा सकींगे।

स्पन्दीकरणः -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, ओ उस अध्याय में दिया गर्वा है।

नग्तुकी

भूमि पश्चै पालयम (दम: 339/84)।

प्रेम मानितिवासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मक्षास

तारीख : 29-9-1984

प्रस्प वार्द, टी. प्त. प्रस - ----

कायक र अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 सितम्बर 1984

निदेश मं० 31 फरवरी 1984—-अतः मुझे, प्रेम मालिनि-वासन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उदा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/-ए. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि पर पिट्ट गांव सेलम है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०आर० वीरपिट्ट दन:183/84 में सारगीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 द्या 16 के अधीन 16 फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती 'अन्तरितियों') के बीच एसे अन्तरण के सिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवृक्त रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्व से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियुक के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (था) एंसी किसी आय या किसी अन या जन्य जास्तिकों करों जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्धा के किए।

बत: अब, उक्त बीधिनियम की धारा 269-व के बम्तरण में., में , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) चै अधीन, निष्नितिस्ति व्यक्तियों , वर्षात ८—— (1) श्री पी० च्यंता

(अन्तरक)

(2) श्री पापु नायक्कन और भोम्म नायक्कन।

(अन्तरिती)

को यह सुबना बारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस म्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयद्भिष्यण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यी

भूमि परपट्टि गांव, सेलम टालुक (दस: 183/84)।

प्रेम मालिनिवासन सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) सक्षम प्राधिकारी अर्जन रेंज-, मद्राम

सारीख: 25-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 1, मदास

मदास, दिनांक 25 सितम्बर 1984

निदेश सं० 32/2/84—-श्रतः मुझे, प्रेम मार्लिन वासन कायकर विधिनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25.000/-रा. से अधिक हैं

25,000/-रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी से भूमि: पुतुषनम कल्याणि गाव है, जो नामकल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, सोअश्रार पुदुन्त्रम दस: 71/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त क्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, जरिं/या
- (का) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जेत शत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थीत् :-- (1) श्री विश्वम्माल ग्रौर ग्रन्यो।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रगम नायक्कर ग्रौर ग्रन्यो ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ट भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसलंथी क्यिक्समों पर सूचना की तामील से 30 दिन को उबिध, जा भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस मुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारांस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीक रण: -- इसमा प्रावत शब्दों और पदों का, जांउक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यगुसूची

भूमि:पुतुचल्रम कल्याणि गांव (दस:71/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 25-9-1984

अक्ष पाइने. टी. एन . एस

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरुक्षिण)

म्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 सितम्बर 1984

निदेश सं० 34-2-84--श्रतः मुझे, प्रेम मालिनिवासन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० भूमि एलेन कट्टे गांव है, जो तिष्ठळंगोड , तालुक मेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, एस० श्रार० कुमारपालयम दस: 471/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1984।

कों पृष्णें कर संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने भी कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित् में बाएसिक इस से केशित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

बतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री पार्वित ग्रम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० राजगोपाल।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविभिया तत्सं गंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति ब्यास्ति हुवार।;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि एलंतकट्टे गांब, तिषच्छंगगोड, दस: 471/84।

प्रेम मालिनिवासन सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज , मद्रास

तारीख: 25-9-1984

मोहरः

प्ररूप आर्थः टी. एगः एसः ----

आयक्तर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 25 सितम्बर 1984

निदेश सं० 36/2/84--- ग्रत 🖁 मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं श्रीर जिसको स० भूमि उलिपुरम गाव, सेलम में स्थित है (श्रांर इससे उगाबद्ध मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्री-कर्ता ग्राधिकारा के कार्यालय, एस०ग्रार० तम्बमपट्टि दस : 211/84। में भारतीय रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान फरवरी 1984 की प्रांजित सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरिरिपार्गे) के बीच एसे मन्त्रूण के सिए तम् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण किक्सि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तुरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूत्रिया के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधाराः— (1) श्री 'एस० पर्लान वेल।

(अन्तरक)

(2) श्री कें पर्लानवेलु।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पर्ति क अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्ता के राज्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि गा तत्सवशी व्यक्तियों पर सृष्ता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- सद्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यो

भूमि जलिपुरम, तम्बमपट्टिग्रातूर, सेलम,दम: 211/84।

प्रेम मालिनिवासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 1, मद्रास

तारीख: 25-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अधिकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्राय

मद्रास, दिनोक 29 सितस्वर 1984

निदेश मं० 85/2/84—न्ध्रनः मुझे, प्रेम मालिनिवासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भश्यात 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वार करने कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य $25,000/\sim$ रः. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि एलंन्दु कुट्टै गांव है, जो तिष्ल्छंगोड में स्थित है (श्रीर इससे उपावड में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिनस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, एस०श्रार० कमार-पालयम दस: 472/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन फरबरी 1984

ो पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विषवाम कुर्के का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्ये, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- श्रिक) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, अक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने वा उत्तरसे अचने में सूबिधा के लिए;
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

अत: अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ्पीट, निस्तिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सिवरामन श्रीर श्रन्यों।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० मुत्तुस्वामी नीयक्कर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पछ्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वरपर्य

भूमि : एलंतकुट्टै गांव (दस : 472/84) ।

प्रेम मालिनिवासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 29-9-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 सिलम्बर 1984

निवेश मं० 44/2/84 — प्रतः मुझे, प्रेम मालिनिवासन बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000. '-रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर निर्माण तिष्व्छ गोड सेलम में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजल्डोकर्ना श्रिक्षकारी के कार्यालय, एम०प्रार० तिरुष्ठछंगोड दस: 633/84. में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1984।

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या अससे वचने में स्थिश के विद्यु; अदि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० पेरियस्वामी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस०के० पोन्नुस्वामि।

(अन्तरितो)

को यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्त सम्पत्ति की कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगें।

स्यष्ट्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण: तिरुच्छंगोड दस: 633/84।

प्रेम मालिनिवासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज 1, मद्रास

तारी**ख**: 29—9—1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस:--------

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० 48/2/84--अतः मुझे, प्रेम मालिनिवासन, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /- रा. से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि वैन्नारि वेलि गांव है, जो नामक्कलरे, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० एडप्पाडि दस : 219/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन फरवरी 1984। को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रेकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् !——
9—316GI/84

(1) श्री पावयाम्माल ग्रीर ग्रन्यों।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के॰ पर्लानयप्पन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
 पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्यष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि : वेन्नरी वेलि गांव, एडप्पाडि, दस : 219/84

प्रेम मालिनिवासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 29-9-1984

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

(1) श्री के० सिवस्वामि।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी॰ लीलाव्रक्ति।

(अन्तरिती)

बायकर मीर्थीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

बाइव च्युका

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० 56/2/84—— प्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य, 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि पेरीय पट्टि गांव है, जो नामकल में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अधुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जें०एस० ग्राए०-II नामककल दस: 244/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिकास के लिए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह निर्वास करने का कारण हैं कि ग्रंथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकात से बिधक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया नृवा प्रतिकान निम्नितिबात उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नित में वास्तविक इन से किया नहीं किया नवा हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्त, उक्त अभिनित्रम के अभीन कर दोने के अन्तरण के खबिरण में केनी करने दा उक्त वचने में सुविधा जे (क्यू) बीहर/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों को, जिल्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतीरती ब्नारा प्रकट नहीं किया जका था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविशा के सिए;

को शह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रिया शुरू करता है ।

उक्त सम्परित के बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :-

- (क) इस स्वनारे राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन र अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना कतामील से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (व) इस सूचा के राजपण में प्रकाशन की वारीब बं 45 कि भीतर हक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसीय व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्मिं किए था सकोंगे ।

स्वाधिकरणः -- इसर्बयुक्त सम्बाधिक पदाँका, वा समस् अभिम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अहर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बग्ल्**यो**

भृरियपट्टि गांव, नामक्कल, (वस : 244/84)।

त्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास ।

मतः अन्न, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, नियनिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

29-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं०: 60/2/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर निर्माण : कस्वा नामक्कन है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०—II नामक्कल दस : 362/84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्मतिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में बास्त-विक रूप से कियत नहीं किया गया है :——

- (क) बंदहण से हुई किसी बाय की बाबदा, उक्त अभिनियम के अभीन अरु दोने के बंदहुक के दायित्व में कभी करने या उद्दर्श बच्चे में सुविधा के सिए; बॉर√या
- (थ) एसी किसी बाय वा किसी भूत वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

(1) श्री एस० नागराजन स्रोर धनपूर।

(प्रन्तरक)

(2) श्री एन० चिन्न गौंडर ग्रीर ग्रनदुर।

(मन्दरिद्धी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण 🖰---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की व्यक्ति थों भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर सम्मत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोह्नस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण .--इसमें प्रयानत शब्दों और पर्दों का, को अनक में परिभावितः हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण: कस्या नायक्कल पेहैं (दस: 362/84)।

प्रेम मासिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-1, प्रशास ।

अतः, अव, उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिक्तिक व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख: 29-9-1984

भुक्य.. बार्ड.. दी., एत.. एस.. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 73/2/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधक है

अरेर जिसकी सं० भूमि और निर्माण अस्तम पट्टी है, जो सेलम में है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-III सेलम दस: 666/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई ही और मुके यह विश्वास करने का कारण ही कि युवाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिकृत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिवित उद्वेषय से उन्तर अन्तरण कि वित् में वास्तिकृत कप से कियत नहीं किया गया है अन्तरण के सिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ज़क्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कर्तने या उससे दक्तने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उचत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मनोहरन और अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री बी॰ पी॰ स्डानलि सामुबेल और अन्यों। (अन्तरिती)

को वह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की धारी से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया ग्या है।

नन्त्या

भूमि और निर्माण: वार्ज बी, प्लाक 6, डी० एस० 81 अस्तम पार्ट सेलम (दस: 666/84)।

> श्रेम मालिनि वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, मब्रास।

विनांक: 29-9-1984

त्ररूपु बार्ड . टी . पुन . पुस . ------

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नृथीन सुच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~।, मद्राम

मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 76/2/84--यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नरजोति पट्टि है, जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० सेलम दस: 338/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांत्र फरवरी 1981।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक प्रतिकात से बाधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेदेय से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं धूर्ण किसी नाम ना नामत, उक्त जिस्तियम के जभीन कर दोने के बस्तरक औं दामित्न में कभी करने या उत्तरों वचन में सृष्टिभा के सिए; बॉर/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पच्छमृत्यु गौष्ठर ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० मुनुस्वाभी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कार्क भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, औं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

भूभि : नरजोति पष्टि गांव (दम : 338/84) ।

> श्रेम मार्लिनी वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज--1, मब्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति ध—

दिनांक: 29-9-1984

प्रकप बाइ. टी. एव. एस.-----

नायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के जभीन सूचना

शाउत त्रकार

कार्याक्य, सहायकं भायकर वायक्त (निरोक्क)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 29 सिमम्बर 1984

निर्वेण सं० 78/2/84--यतः मुझे, प्रेम मालिनी वामन, आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति जिसका उनित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी सं० भूमि जागीर अम्मा पालयम, है तथा जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीय की अधिजारी के कार्यालय, एम० आर० सेकम दम 382/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीग, दिनान फरपरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार गूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधि-जियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वास्तिस्थ में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; आर्ड/मा
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री चिन्न गौडर ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० दुनपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के सिष् हैं। कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को हाजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्यव्योकारण: ---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नन्स्की

भूमि: जागीर अम्मा पालयम गाव

(दम: 382/84)।

'श्रेममालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज∸1, मद्रास

अतः, अर्ब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनाभ: 29-9-1984

प्रकप बाइं.टी. एन . एस . -----

आयकर अभिनिधम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1. मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 सितम्बर 1984

निर्देश नं० 106/2/84---यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिल्की संवतिमल बंगम रोड़ है तथा जो म दुरें में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सेविणित है), रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, एसव आरव पृतुमंडपम दस: 368/84 में भारतीय रिजिस्ट्रीजरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या अध्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात क्रे- (1) श्रीबी० ने० सी० एम० पलनिच्छामि

(अन्तरकः)

(2) श्री आए० अनकेन्द्रन और भदर्स

(अन्तरिती)

(3) (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुवना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूनना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मुम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हवडतीकरण । --- इसमें प्रयुक्त अन्तों पोर पद्धों का, जा उक्त धिक-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्य होगा, जो उस धव्याय में दिया गया है।

वगुनुपी

भूमि और निर्माण : डोर सं० 56, तमिल छंगम रोड़ मदुरै। (दस: 368/84)

> प्रेम मानिती वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन जरेंज-1, मद्वास

दिनांक: 25-9-19**8**4

प्रक्य वाइ .टी. एन. एस् . -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सुमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 सितम्बर 1984

निर्देण सं० 84/2/84-यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० डोर सं० 8, है तथा जो कन्नार स्ट्रीट, पेरियकडैं-वीति दिडुक्कल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यान्य, जे० एस० ग्रार० दिडुक्कल दम : 182/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरीं 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को चिन्हों भारतीय नामकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर जीविनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तिरती क्षारा प्रकट नहीं किया गया वा ता दिवस चावा चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीक, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री ए० ग्रावन नाडार

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के डी शो डी पालराज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के तिष् कार्यवाहिया करता हूं"।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में ड्रिट-बच्च किसी जन्म व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी ◆ पास निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्पृथ्वीकरणः :---इसमें प्रयुक्त सव्यों भीर पर्वे का, जो उक्त विश्वीतवस् के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस वश्याय में दिया गया है।

बग्स्ची

भूमि श्रीर निर्माण : डोर सं० 8, कन्नार स्ट्रीट पेरिय कडे बीती तिडुक्कल मदुरै ।

(दस: 182/84)

प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज 1, मब्रास

विनांक: 25-9-1984

मोहरः

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

(1) श्री लक्ष्मी वेंकटरमण

(म्रन्तरक)

(2) श्री एन० रामनाथन

(भ्रन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 110/2/84—यतः मुझे, प्रेममालिनी वासन. आयकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 562, है तथा जो के० के० नगर, मदुरें में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० मदुरें दल्ला कुलय दस: 406/84; भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्मित के उसिन बाजार प्रत्य में तम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वाम करने का कास्ण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पित का उसित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (भा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिन्दीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-् की उपधारा (1) के अधीत, निम्निरियन व्यक्तियों, क्रथीन :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवाग;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्की

भूमि और निर्माण : बार्ड (9ए, के० के० नगर वेस्ट थर्ड कास स्ट्रीट, मदुर।

(दस: 406/84)

प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 25--9--1984

मोहरः

10-316GI/84

प्रकृष आई. टी. एनं. एसं. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज -1, मद्रास

मद्रास, दिनांग 29 सितम्बर 1984

निर्देश म० 112/2/84---यत मुझे, प्रेममानिनी वासन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मृत्य 25,000 '-रा में अधिक हैं

और जिसकी सर 2 है तथा जो धर्ड स्ट्रीट, पीठ टीउ राजन रोड मदुरों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीलन्ती अधिनारी के टार्यान्य, एस० आर्र० सदुरोदना 423/84 में भारतीय रिजस्ट्रीलन्स प्रधानियम, 1908 (1908 त्या 16) ें अधीत, दिनाक फरवरी 1984

कत पूरावन गर्णीत के जिलत बाजार मृत्य स कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्त यह विश्वास कन्दने का कारण है कि यथापृवीकत सपरित का उचित्र बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखिल उच्चेत्य से उकत अन्तरण लिश्चित्र में नास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है .----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक क बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निया अधिन /या
- (ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उचत यभिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास अवट नहीं किया ह्या अवट नहीं किया के लिए

(1) श्री एन० आर० अलगरस्वामी

(अन्सरक)

(2) श्री पी० तन्नीरमलै चेट्टियार

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मुजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त स्थिमत्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त काब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि और निर्माण डोर 2, यई स्ट्राट, पो० डो० राजन रोड, मदुरें।

दम 423/84)

• पैस मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, यद्रास

छत. अंब, उक्त गीधिनियम की धारा 269-च के अनसरण मो, मी, उदल अधिनियम की धारा 269-च के उपधार (1) को गामि निम्मितिथिक त्यिताया अधिन

दिनाक 29-9-1984

प्ररूप् आ**इ**ं.टरी. एस. एस. - - --

(1) श्री नंदलाल नारायण दास और अनदर

(अन्तरकः)

(2) श्रीवी० रामचन्द्रत

(अन्तरितो)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मिसम्बर 1984

निर्वेश सं० 115/2/84 - - यन मुझे, प्रेममालिनी वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में **अधिक हैं**।

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मद्रे में स्थित है (और इससे उपावड अन्मूचं। में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० तल्लाकूलम दस: 632/84 में भारते:य रिजस्दे करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनाक फरवरी 1984।

को पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह (अन्तरितियों) के भीच एेसे अन्तरग-के निए तय पाया गर्का प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती # भारतिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उन्त विभिनियम के वधीन कर दोने के अन्सरक को कायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए: वरि/या
- (ख) एस ।'कभी आह स्र िसी धन या अस्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

को यह समाना जारी करके पर्वोक्त सम्पन्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वनाक राजपत्र मे प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के रूअपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ववारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जा अभिनियम, के अधीन अध्याय 20-क मे परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस क्रवाय में दिया गमा है ।

अनुसूचो

भूमि प्लाट सं० 5, डोर : 126, डी० एम० 831/1 इत्यादि रेसकोर्स रोड़, भारती उला रास्ता, अलगर कोडम रास्ता, मदूर । (दस: 632/84)

> प्रेम मालिनः वासनः सक्षम प्राधिकारा. सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण), अर्जन जरेज~1, मद्रास

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात 🖫 🛶

दिनांक: 29-9-1984

S ARCHEL ST. MER. ALF PROTECTION STATES AND ADDRESS OF THE SECOND STATES AND ADDRESS OF THE SECOND

दिनांक फरवरी, 1984

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस., ------

जाबकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

धाउँच बरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)। अर्जन रेंज, मद्रास

मद्राभ, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० 117/2/84—अतः मुझे प्रेममालिनि वासन, आधकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 25,000/- रह. में अधिक हैं और जिन्हों के प्रियत हैं (और इससे उपावक्ष अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विश्वास हैं) रिजस्ट्री कर्ती, अधि अरी के जार्यालय ए (० आर० नवनाकुलम, (दस्तावेज सं० 650/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का यह प्रतिकात से अधिक है जोर अंतरक (अंतरकों) भार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्का विश्वाक्त समूद्र से स्वतं अन्तरण विश्वाक्त में वास्त्रीचक रूप से किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्छ प्रतिनियन को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कड़ने या उससे बुचने में सुविभा अ शिक्ष, काँद्र/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी पन या बन्य नास्तियों कार जिन्हा भारतीय नाय-कर विधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चहिए था, छिपाने में स्विधा के सिप्;

अतः अतः, उक्त निधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मा, मी उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) के भधीन, निम्मिनिकिंग्र व्यक्तियों, अर्थात् ८--- 1. श्री पी० শ্লে০ उम याल, आच्छी

(अन्तरक)

2. श्री सी० राजमनिककम

(अन्तरिती)

का वृक्ष स्वता चारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्?---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्यक्ति खाक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवार;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, जै अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुचची

भूमि प्लाट 715, अन्ना नगर, सालमंगलम, मदुरै, (दस्तावेज सं० 650/84)

> प्रेममालिनि नासन मक्षम प्राधिकारी मह्मयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज I, मद्रास

तारीख 29-9-1984 मोहर - प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- श (1) के अधीन स्थान

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकार आध्वत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 29 सितम्बर 1984

निवेण सं० 127/2/84—अतः मुझे, प्रेममालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्याम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. मं अधिक हैं

और जिसकी सं ्रभूमि राजपालयम, में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुमूची में और जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के लायालय एस० आर० राजपालयम (दसताबेज सं० 534/84) में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांद फरवरी, 1984

का पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेष्ट से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिषक रूप स कियत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुद कियी बाद की बावल उपक अपि-शियम के सभीन कर दोने के बन्तरक के वाजित्य में लगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी नाम वा किसी अन् वा अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय नामकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या अन कार निथिमा 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्व जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, वर्षात् क्र—

श्री पोन्नुस्वामि पिरुलै और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री के० एम० मुख्या राजा और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

भूमि राजपालयम, (दस्ताक्षेण सट० 534/84)।

श्रेममालिनि वासन पक्षम श्राधिकारी सहायक बुआयकर आुः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 29-9-1984

प्ररूप आहे. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रात, दिनाक 29 लितम्बर 1984

निदेश सं ० 135/2/84 न्अतः मुझे, प्रेममालिन वासन, अराजण और । एक। 1961 एक 43) जिस इसमा इसमा परणान 'जाल अधिनियम' नहा गया हैं), कर्ष गणा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ से अधिक हैं और जिसकी स० भूमि इस्मलें नायक्कन है, जो पुत्कुकुंडि गाव में स्थित हैं (और इनस उपाबंड अनुसूचोम और जो पूर्ण रूप से विध्या हैं) रिजस्ट्री की अधिनारी के जायलिय एस० जार० पूलियगड़ि, दस्तावेज स० 271/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिन

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तारितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्सरण सिकिट में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

नियम 1908 (1908 हा 16) के अधीन दिलाए फरवरी,

- (क) अतरण म हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उसस बचन मे सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आरितया की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिल्हा ने मृक्तिया के किए;

अप्तः जन, उन्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण अं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) कै अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .— श्री रामस्वामी कोमार और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री टि॰ करुप्पैया

(अन्तरिती)

को यह सूचना षाद्री करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवरिहया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीनर उपत स्थावर सम्योत मा क्षिपबद्ध किसी अन्य क्या के दसरा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्याकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसर्वी

भूमि "इरुमलै नायक्कन पुतुक्कुडि गाव (दस्तावेज 271/84), 282, 289/84

प्रेममार्लिन वामन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-र्रे, मद्वास

तारीख: 29-9-1984

प्रथम बार्थः, टी. एन. एव.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनार 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० 636/84-05—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकः विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित शाजार मृन्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिस्की सं० 8-2-5 82/2 है, जो बंजारा हीस्ना, हैदराबाद में स्थित है (और अभने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्शा अधिद्यरी के कामलिय हैदरावाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांक 3/84

को पर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसमें दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निर्मित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक अप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किस उद्भार के क्षित है किसे के असरक के सामित्व में प्राप्त के स्तरने या उससे बचने में स्**विधा के लिए**, और/या
- (क) एंनी किसी कार या किसी धन पा अन्य आरितयों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर किसीन्यम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मिवभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती राष्टीया बेगम, पित डा० जिहीर अहमद, बरकत विलेज, रोड, नं० 9, बंजारा हीलूस, हैदराबाद ।

(अन्तरका)

 श्री रमेण परसाद और अन्य केयर ग्राफ/ श्री सूराह भान और को० ज्वैलर्स गुलझार हाऊस पथरगट्टी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षांप 🛷

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की जवीं या तत्सवधी व्यक्तियां नर सूचना की बामील से 30 दिन को अवधि शद मा समाप्त होती हो. क शितर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी कर्ष 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध िन्सी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही पर्य होता तो उस अध्याय में दिया व्याहरी।

अभूतची

घर सम्पत्ति नं० 8-2-58-3/2, गोड, नं० 9, बंजारा हील्प, हैदराबाद, रजिस्ट्रीटल विलेख नं० 1315/84, रजिस्ट्रीयली अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जर रेज, हैदराबाद

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आर० ए० सीं० 637/84-85---अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो गांधीनगए, हैं दराबाद में रियह है (और ध्रममे उपायद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीशारी अधिकारी के कार्यालय चीकक इपल्ली, में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक परवरी, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल है, एसे रूपमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर उधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री जी० सेतूमाधवाचार, गांधीनगर, न्यूनाटाराम,हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री एस० रेक्काराध्या, 1~1~720/1, गांधीनगर, न्यू बाकाराम, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी वारके पूर्वोक्ता समात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्व लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगर ची

धर सम्पत्ति रजिस्ट्रीकृत अविलेख नं० एस० आर० औ० 275/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधि अरी चीक्कडपल्ली।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-10-19**84**

भोहरः

प्ररूप बाइ. टी एन एस -----

क्षाप्तक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्षभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 12 अक्तूबण, 1984

निदेश स० आ४० ए० सी० 638/84-85---अत मझे, एम० जगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि है तथा जा बोमाइग, मे स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय राजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवर, 1984

1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक फरवर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयका अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के सिए,

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की विषक्षास (1) के अभीग निम्निणिकत व्यक्तियों, अर्थात .—— 11—316GI/84

- शि बी० मल्लारेड्डो ग्रौर अन्य दामाडूबू नरसापूर नालुक मेदक जिला। (अन्तरक)
- 2 मैमर्स वर्षा कैमिकल्म लि० नल्लाकूटा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करक पूर्वोक्त मपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी माओप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीचा स 45 दिन की अविध या तत्सनंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हा, क भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों या में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधौहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बगुल्यी

भूमि दोमाडू,नरसापूल तालुक जिला मदक, रिजस्ट्रीकृत विलखन ० 395/84, रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी नरसापूर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक 12-10-1984

कुट्ट कार्ड ही एन एस -- -

भाग 269- क (1) के अभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाव 12 अवतूबर 1984

निदेश स० आप० ए० सी० 639/84-85--अत मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पञ्चात 'उक्त लिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसका म० 63/एम० आई०जा० एच० है जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूचा में ग्रीर जो पूर्ण स्पास वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन विनाक फरवरी, 1984

का पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित दाउप मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अनरक (अतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एस अतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्तित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीम कर दोने के अतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए, बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम,, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

बकः बय, उन्त वाँधाँनयम को धारा 269-म के जनुसरण मों, में, उपन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- पः० रगनाथकाव
 अणाक नगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 श्रा मयद मोहम्मद हुसन ग्रीर अन्य 63/एम० आई० जा० एच०, प्रकाण नगर, हैदशबाद ।

(अन्तरिता)

को यह स्पाना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबध में कोई भी आक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध िक सी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किय जा सकीं में।

स्यष्ठीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

नम्स्यी

ए० पी० एच० बी० हाउस न० 63/एम० आई० जी० एच० प्रकाण नगर, हैदराबाद रजिस्ट्रोकुन विलेख न० 926/84 रजिस्ट्राकर्ता अधिकार। हैदराबाद।

> एम० जगर मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज हैदराबाद

दिनाक 12-10-1984 मोहर प्रस्प काई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भगर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबद, दिनाक 12 अन्तूबर 1984

निवेश सं० आए० ए० सा० 640/84-85--अत. मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर जिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उदत जिथितियम कहा गया है), को धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राप्तिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 10-2-317/16 हैं, जो विजयनगर कालोर्ना, हैदराबाद में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रोकर्ता अधिनार्ग के कार्यालय खैरताबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 न्य 16) के अर्धान दिनाक 2/84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते पत जिन्दास करने का कारण है कि यथाण्विक्त संपत्ति वा जिन्दा बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्भ से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिबक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी जन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अवित ए— 1 ले० फरनल, **चंदवालकर**, 10-2-317/16, विजय नगर कालोनी, हैदराबाद। -

(अन्तरक)

 श्रा माहम्मद आलम आलं। खान, विजय नगर, कालोनो, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गुचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अन्त्ची

घर न० 10-2-317/16, विजय नगर, कालोर्न1, हैदराबाद, रिजम्ट्राकृत विलेख न० 94/84 रिजम्ट्राकृती अधिकारों. खैरताबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक 12-10-1984 मोहर प्रक्ष आई.टी.एन,एस.-----

बायकर मौधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० 641/84-85—अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसको मं० 12-2-908/2 है. तथा जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय खैरताबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसांक 2/84

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने को अन्तरक को बामित्व में कभी करने वा उक्तरो सचने में सुविधा को सिए; बीर/या
- (क) एसी किसी जाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-फर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नव, उक्त निर्मित्यम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निजिसिक स्मृक्तिमों, अथित क्र--- श्रह्मानन्द नगर, कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 श्रीः एम० ए० मजीदः 11-3-824/1, मल्लेपल्लीः, हैदराबादः।

(अन्तरिती)*

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें पैयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिनाधित हैं, बही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् भी

घर न० 12--2--908/1. ब्रह्मानन्द नगर, कालोनी, हैदराबाद, जेहा ग्राम, असाफनगर, हैदराबाद, राजस्ट्रीकृत विलेख न० 300/84, राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांकः : 12-10-1984

प्ररूप आहाँ. टी. धन. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेण सं० प्आर० ए० सं१० 642/84-85—अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकः स० 21-71 है, नथा जो आदोनं। में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूच। में ग्रीर जो पूर्ण क्य से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकार। के कार्यालय आदानं, में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 2/84 का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित याजार स्त्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अनिरती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती के ए० अरुना श्रीर अन्य
 21-71, एस० के० डी० कालोनी, आदोनी।
 (अन्तरक)
- श्री सी० एच० नारायणाराव,
 डा० न० 1/156, आदोनी ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर-सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृज्ञी .

घर नं० $21\sim71$, एस० के० डो० कालोनी, आदोनी रिजम्ट्रीकृत विलेख नं० 255/84, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी आदोनी ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 12-10-1984

प्रसप बाह. टी. एन एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरासाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० प्आर० ए० सो०६४3/84-85—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000′- रह. र अधिक है

त्रीर जिसकी मं० सालारजंग, है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण क्प में विणित है) रिजिस्ट्रांकर्ता अधिकारा के कार्यालय खैरताबाद में रिजस्ट्रोंकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक 2/84 को पूर्वोंभत सम्पत्ति यो उचित बाजार मृत्य में क्म के दश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करा, का कारण हो कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रम् प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्मालिखत उद्देश्य में उच्न अंतरण मिम्मालिखत उद्देश्य में उच्न अंतरण मिम्मालिखत उद्देश्य में उच्न अंतरण मिम्मालिखत उद्देश से उच्न अंतरण सिम्मालिखत उद्देश से उच्न अंतरण सिम्मालिखत अंतरण सिम्मालिखत सि

- (क) क्लह्म से हुई किसी बाब की बाबत, उचल वृषितियम् के वृषीन कर दोने के बृत्तुरक के स्वीवत्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; ओर्ड/या
- (क) एसे किसी बाव वा किसी धन या बन्य जारितकां को जिन्हों भारतीय जायकर, जिपिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त जिपिनियम, या धनुः कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रा एस० स्वरन लता, 9-4-86/58, मालारजंग कालोना, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रा जहांगीरखान 10-5-274, पर्स्टलेंसर, अहमदाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कर्क पूर्वोक्त सम्पृत्ति के बर्बन के तिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्सयों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स खावितयों में से फिसी व्यक्ति ब्वार;
- (बा) इस सूचना के यजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पृथ्वीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, वो उचक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसंची

घर नं० 9-4-86/58, सालारजंग, कालोती, गैं शेंकपेंट, हैदराबाद, रजिस्ट्रोकृती विलेख नं० 7/84, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी खैरताबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आर्यालय, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० आर॰ ए० सं१० 644/84-85—यतः मुझे एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 10-4-41 है, जो मामासर्टन्क, हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इसमें उपाबड़ अनुसूचा में स्रोर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकार के फार्यालय हैदरावाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक 2/84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके इद्यमान प्रतिफार त. एस दश्यमान प्रतिफात का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्तित में वास्तिधक रूप से किथन नहीं किया गया है "---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस अक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या एक प्रिधिनियम, या धन- अधिनियम, या धन- अधिनियम, या धन- अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा को निए;

बतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा '1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- 1. तलबार क्षित्र, हस्ट, रोउ, नं० 12, बंजारा हात्मा, हेदरायाद ।

(अन्तरक)

 श्रा खाजा हामीद मोहो उद्दीन, 6-1-129, खैरनाबाद, हैदराखाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

दो दुकान नं० 11, श्रीर 12, 10-4-41, मासाब टन्क, आरोजीनो देवी रोड, हैबराबाद, रजिस्ट्रोक्कत विलेख नं० 772/84, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज हैदराबा द

दिनांक : 12-10-1984

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. ~ - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्वेश मं० आर० ए० मी० नं० 645/84-85—अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फलेट नं० 11 है, जो पंजागृट्टा, में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण कप मे वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकार, के नार्यालय हैदराबाद मे रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरी 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के स्थामन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थामन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों). और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से इन्हें किसी बाय की बायत, उंक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; जौर/था
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाग प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए (ग

- मैसर्य भाग्यतगर, कन्स्ट्रकणन, हैदराबाद।
 (अन्तरक)
- श्री रमेश प्रसाद सक्सेता. 20-2-370, हुश्वतीआलम, हैदराबाद।

(अन्तरिती) _

को ग्रह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यबहियां करता हुएं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिम की अवधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसर्वा

फ्लैंट नं० जी-11, ग्राउन्ड फ्लोर, 11-4-656/1, रेड होल्स, हैंदराबाद, रजिस्ट्रोक्कृत विलेख नं० 451/84, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी.हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के बधीन, निस्निशि**षित व्यक्तियाँ, अर्थात् ⊪**—

दिनांक : 12-10-1984

प्रकृप बाद'. हाँ. एत. मृह्य. ---------

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन संबन्ध

नार्व सरकार

कार्यालय, सहस्यक भायकर भावक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाट, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निर्दोश सं० आए० ए० सी० नं० 646/84-85--अतं मझे, एम० जगन मोहन

मायलार जिल्लियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० ब्लाफ 'डा' है जो पंजागृहा, में स्थित है . (श्रीर इसमे उपावड अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण क्य मे वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय हैदराबाद मे रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक फरवरी 84 को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य स कम क स्वयमान प्रतिक्रक के लिए अन्तरित की महं है और मुम्मे मह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिक्रल से, ऐसे स्वयमान प्रतिक्रल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल निम्निसित्त उव्वंश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; करिया
- (क) एसी किसी बाय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किरागमा था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में स्विधा के लिए;

 मैसर्स विरगो कन्स्ट्रक्णन, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रामती टी॰ हेमलता, फ्लैट नं॰ 248, ब्लाफ नं॰ डी, पंजागूट्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरितः)

सहे यह सूचना चाडी करके पुन्तित सम्परित के वर्षन के जिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:~-

- (क) इस त्यान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन की क्यां मि या तत्त्रकारणी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्ति कांक्तियों में से किसी स्थित बुनाए।
- (क) इस सुका के रायपण में प्रकाशन की तारीय से 45 किन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताकारी के पास किसी क्षा क्षा का सम्पत्ति ।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वन्सूची

फ्लैट नं० 2458,ब्लाक डा,पंजागूट्टा, हैदराबाद रिजस्ट्रं:-कृत विलेख नं० 883/84, रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारा हैदराबाद।

> एस० जगन मोहन द्वेसक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के सभी , निक्तिशिंख अधिकत्तामें, अर्थात् :---

दिनांक 12-10-1984

प्रक्रम बाह्र . टी. एन. एस.---

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्नूबर, 1984

निर्देश मं० आ४० ए० सी० 647/84-85—अतः मुझै, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 मा के अधिन तथाम आधि अधिकारों कर, उह विस्तास के उसे आ कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रुठ से अधिक हैं।

स्रीर जिसकी मं० ब्लाक मी है, जो दुकान, पंजागूट्टा, हैदराबाद में स्थित है (स्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूर्वा में स्रीर जो पूर्ण रूप में विजन है) रिजम्होकर्गा अधिकार के कार्यालय हैदराबाद में रिजम्होकरण अधिनियम 1908(1908 हा 16) के अधीन दिनाक फरवरी 84

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तर्रक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निकिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण स हुइ किसी बाय की वाबल, उच्च वीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; मार/वा
- (क) एसी किसा अब वा किसी भन या जन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में मृतिभा के निए;

 मैसमं विरगो कल्स्ट्रक्शन, बंजारा हील्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती एस० अनुराधा पति नारायणास्वामा, पंजागूट्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी मार्क्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकने।

स्पक्किरण .— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुस्ची

दुकान परोसर, ब्लाक सी, विरगो काम्पलक्यू, पंजागृह्टा हैदराबाद पंजिस्ट्राकृत विलेख 'नं० 884/84 रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारो हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक अव्यक्तर आयुक्त(निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अभारा :---

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

पाउत स्रकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अन्टूबर 1984

निदेण म० ग्रार० ये० सी० नं०648/84-85--यतः
मुझे एम० जगन मोहन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार गुन्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० फ्लैट है जो विश्मीकन्स्ट्रक्शन्स पंजागुट्टा मैं स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्नीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कर्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रिधीन दिनाक 19 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कियत नहीं किया वसा है ।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय वा किसी धून या कर्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :--- (1) मैसर्स विरगो कन्स्ट्रक्शन्स, बंजारा होटल, हैदराबाद

(प्रन्तरक)

(2) श्रोमती टी॰ रत्नाकुमारी, फ्लैट नं॰ 10 -ए ब्लाक नं॰ डी,पंजागूट्ट'ा, हैवराबाद

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्मरित कं अजन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारोंस से 45 विन की समीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की समीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्पाक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीक रण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 10-ए, ब्लाक नं० डी, विरंगी कम्पलेक्स, पंजागूट्टा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 976/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद ।

> ्म॰ जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक : 12-10-84

प्रारुष बाइ. टी. एनं. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अन्तूबर 1984

निदेश सं० भार० ये० सी० नं० 649/84-85---यत मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक हैं

श्रीर जिनकी स० नूमि है, नूनेना पत्नी, निदयाल, जो स्थित है (श्रीर इसने उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नंदीयाल, में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 19 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई हैं ग्रीर मृक्षे वह विश्वास करा। का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से जिथक हैं और अन्तरक (बन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय ग्रामा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बलात, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कनी करने या उससे बचने में हुविभा के तिए; बोर/बा
- (स) एसी किसी अपय या किसी धन वा अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 19,22 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गयः भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अवत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्रो जी० पी० बालग्ना, नन्दयाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स ललीता इस्टेट ट्रेडर्म नंदीयाल ।

(भ्रन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूर्चना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्यक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का भी उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्**स्**ची

भूमि 416/1, नूनेपल्ली, नंदीयाल, रुजिस्ट्रीकृत विलेख नं 697/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नंदीयाल ।

> ्मि जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-10-84

मोहर.

प्रस्प बार्ष टी. एन्. एक

भायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 ग्रन्टूबर 1984

निवेश म० फ्रास्० ये० मी० न० 650/84-85—यतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 75 000/रा सार्थिक है

श्रीर जिलको स० भूमि है जो कूल्लूरु में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूचो मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), र्गांजस्ट्रोकर्ता श्रविकारी के कार्यालय, करनूल, मे भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनाक 7 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सपिता के उपित बाजार मृत्य सं कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सपिता का उपित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्लिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में. सुविधा क जिए: और/वा
- (क्ष) एसी किसी जांग या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्ही आरतीय जांग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अस्तिरिती ब्नारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिलाने में स्विभा की लिए

अन अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मैसर्स नेपाक्सो ट्रेडर्स, करनुल।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स महाविर ट्रडर्स, करनूल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्स सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप '--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की जमिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्ष मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सपती कल्लूर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 794/84, रिजस्ट्री- कर्ता ग्रिधिकारी करनूल ।

र्एम० अगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रापुक्त (निरोधण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-10-84

(1908

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 ग्रक्टूबर 1984

निदेश सं० धार० ये० सो० नं० 651/84-85-यतः मुझे, एम० जगन मोहनः क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रीधानियम, 1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोतशत से प्रिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत उक्त आधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए। औद्वर्ण .
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिराने में सुविधा के सिए;

(1) हैदराबाद बिल्डर्स,5-8-59, बसीरकाग 4 हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बादर बानू, 702, भागल ग्रपार्टमेंट्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूबोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी जाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्सिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिमित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अम्स्ची

संपत्ति राजस्ट्रीकृत विलेख नं 1227/84, राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी हैदराबाद ।

> एम०जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निराक्षण). श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 12-10-84

मोहर :--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 ग्रक्टूबर 1984

निदेश सं० प्रार० ये० मी० नं० 652/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रीपन प्लाट है, जो न्यू बाकाराम, में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रीधकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक फरवरी 1984

को पूर्विक्त मम्पित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, ानम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिफल स्प से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए

(1) श्री पीरोज गाहा पेस्टोनजी वेबारा,
 4-1-19, दिनाबाद इस्टेंट
 तोलक रोड़,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कोषा लक्ष्मी रानी श्रौर ग्रन्य, 5-9-22/37, आदर्श नगर हैंदराबाव

(श्रन्सरिती)

को वह सूचना बारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयासत शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्गसची

संपती हथेस न्यू काराम, गांधीनगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०, 208/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम०जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :——

दिनांक : 12-10-84

प्ररूप बाइ°. टी. एव. एत -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 ग्रक्टूबर 1984

निदेश स० श्रार० ये० सी० न० 653/84-85---यत मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 769 ख के अधीन सक्षम पाधिकारी की यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25 1104-27 में प्रधिक हैं

श्रीर जिसको स० पुतली बावलो, है, तथा जो हैवरबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीय रण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक फरवर। 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मृझे यह विश्वास करने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके रृश्यमान प्रतिफल से ऐसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उस्त अन्तरण निस्ति से गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के निग्, भीप या

जत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिन्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स भग्धनगर कन्स्ट्रक्शन स० प्रा० लि०, 5-1-908, पूतली बावली, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के॰ व्ही, नारायणा, 22-5-64, चारकमान, हैदराबाद ।

(न्तरिनी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काई भी शाक्षण ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्वक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पस्टीकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों. और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसनी

मंपत्ती रिजेन्ट्रीकृत विलेख न० 661/84, रिजेन्ट्रीकृती अधिकारा हैदरावाद ।

एम० जगन मोहन), सक्षम श्रीधकारो सहायक ाक्रयकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेज, हैदराबाद

दिनाक -- 12-10-84 मोहर: प्रमय आइ. टि.एन.एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 म्रक्तूबर 1984

निवेश मं० ग्रार० यं० मी० नं० 654/84-85--यत: मुझे, एम० जगन मोहन.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य '25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पूतली बाबलीते है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक करवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्च हेये से उक्त अन्तरण कि स्वत् से बास्तिक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कैमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनुहें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, \mathbf{r}^{T} , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—— 13-316G184

(1) गमर्स भय्यनगर कस्स्ट्रक्णन ब्रा० लि०, 5-1-908, पूतली बावली, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री व्ही ए०, माइप्रसाद रेड्डी, 3-6-702, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीक्षरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सपत्ती पूतली बावली, हैवराबाद रजिस्ट्रोक्कत विलेख नं० 648/84, र्राजस्ट्रोकर्ना अधिकारी हैदराबाद ।

> ्म. जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-10-84

मोहर .

प्ररूप , बार्^ड् टी ु पुन**् एस** , -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन ∤रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश स० ग्रा(र० ये० सी० न०, 655/84-85→-यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्तिम बाजार मृज्य 25,000/- रा. सं अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्द्रोकर्ता श्रधिकारों के 'कार्यास्य हैदराबाद में भारतीय राजस्द्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विक्यास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अर्टारितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व को कभी करने या उससे अवनं मो सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स भाग्यानगर कन्स्ट्रक्शनस्, धाई चेअरमैन और अन्य, पुतली बावली हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री व्ही एम० काइनैन्शल झन्ड लिजींग क०, वाई व्ही, शारवा, गगन महल, हैदराबाद

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सबध में कोई भी जाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उर्वत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमृत्यी

संपत्ति रिजस्द्रीकृत विलेख नं० 890 से 905/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारो हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम र्घाघकार। सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-10-84

मोहर :

जतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीत, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् ४── प्रस्प नार्ष¹, ट्री. एन., एस.,------

नावकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत तरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 ग्रन्तूबर 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 656/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक है

ग्रीर जिसकी संव बरब व जो बसीबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज्ञ धनुभूषी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत) है), रिजस्ट्रीकरती ग्राधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन दिनांक 19 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम कं अध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिती की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित को बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बंखरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वार्षित्क में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी भन या जन्म आस्तियों को चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए।

अतः जन, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अभीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) मैसर्स हैवराबाद, बिल्डर्स,5-8-59,बसीरवाग, हैवराबाद

(ग्रन्तरकः)

(2) कुमारी एफ० के० ग्रनंद देवी,
 10-2-262/263,
 इस्ट मारेडपल्ली,
 सिकंदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्नोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

संपत्ती जो रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 1228/84, र्राजस्ट्री-कर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनोक: 12-10-84

पाण्य कार्ष टी. एन एस --- ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन सूचना

HING WATER

कार्यास्य, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निर्दाक्तक)

भ्रजन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेश स० आर० ये० सो० नं० 657/84-85--यत. मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्ष्य प्राध्यकारी स्त्रं यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बसीरबाग है। जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूचो में श्रीर पूर्ण स्य से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनाक 19 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितिया) के बीच एसं अन्तरण के किए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण निचित में शस्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है दृष्ट

- (क) नन्तरम से हुन्द मिन्दी नाय की बानता, उक्त सिंधितयम के सभीन कार दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने मा उससे वचने में सविधा के मिए; सींप/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उच्केत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिका के खिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) हैदराबाद बिल्डर्स, 5-8-303/83/बाबू खान हाउम, रसूलपुरा, हैदराबाद।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती फरीदाबान्, 1-8-303/33/ब ब् खान हाऊस, रसूलपूरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह स्वता जारी करके वृत्रोंक्स सम्प्रीत के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी क्यांक्त द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्ची

रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1125/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी हैदराबाद ।

> एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक : 12-10-84

प्ररूप आईं.टी.एन.एस------

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक-12 अन्तूबर 1984

निदेश स० म्रार०ये०सी०नं० 658/84-85--म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पोाशन ऑफ हाऊस है, जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्णरूप मे बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारा के कार्यालय, हैदराबाद में भारताय रजिस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अंतरण कि खित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) हैदराबाद विल्डर्स, 5–8–59, बसीरबाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमात सरवरुनीसा बेगम,
 6-3-1111/4,
 'साहेर,
 मीमत बाग,
 लेश्राऊट,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

मकाग का भाग, मूलेमभाग के साथ, ए०सी०एथ० नं० 5~9-60 एम० बमीरबाग, हैदराबाद, रजीष्ट्रीकृत विलेख नं० 1126/84, रजीस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

भागीख ' 12-10-1984

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासच, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० म्रार०ये०सी०सं० 659/84~85—म्ब्रतः मुझे, एम० जगन मोहनं

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्नीर जिसकी सं श्रपार्टमेंटस टावर्स है, जो 5-9-60 बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिविकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरबरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एस स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल गिम्नलिबित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरुण से धुर्द किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनिवृत् के वधीन कर देने के वंतरक के शियरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिहरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सबिभा के निष्:

बतः भव, बबत आधिनियम की धारा 269-ग के जनुतरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की बधीणु, निम्नोलिबित व्यक्तियों, भवीत्:— (1) हैदराबाद बिल्डर्स, 5−8−59, बसीरवाग, हैदराबाद।

(मन्तरक)

(2) श्रीमति शाजत सी बाबूखान, 6-3-1111, सोमाजीगूडा, हैसराबास ।

(भन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बुसे 45 दिन की जबिध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किये या सकोंगे।

स्पृष्ठीकरण :---इसमें प्रयुक्त शुक्यों मौर पदों का, जो उनत विश्विनयम के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भूज होगा को उस मध्याय में दिया नुवाहीं ॥

प्रनुसूची

खूली जमीन नं० 1, 5→9→60, बसीरबाग, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 1133/84, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद,

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप वार्'.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

रदराबाद, दिनांक

ह्मनदेश सं० धार०ये०सी०नं० 660/84-85--धतः मुझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० ग्रोपन पारकीय, प्लेस है, जो बसीरबाय, हैदराबाद भूमें स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद भ्रमुस्ची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरबेरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखन में अस्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) हैवराबाद बिल्डर्स,5-8-59,बसीरवाग,हैदराबाद ।

(झन्तरक)

(2) श्रीमित रेखा रेड्डी,
 6-3-1219/1/2,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निगम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खूली पारकींग प्लेस, बसोरबाग, हैवराबाद, रिजस्ट्रीक्कर विलेख नं० 1129, 1130, 1131, श्रीर 1132/844, रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैवराबाद।

एम० जगन मो**ह**न सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रद्युक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

प्तारीख: 12-10-1984

प्ररूप भार्ष: टी. एन. एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, महायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० श्रार०ये०सी०सं० 661/84-85--श्रतः मुझे. एम० जगन मोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 'की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का फारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- 25. में अभिक है

श्रौर जिसको सं० खूला गरीबज, है, जो वसीरवाग, हैदराबाद मे स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनसूर्च) मे श्रौर पूर्णच्य से वणित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रीधानियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1984।

को पूर्वोत्तत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निगलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उपस् अधिनियस के अधीन कर दोने के जन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में बृषिधा के सिग्; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः कय उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुमरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) हेदराचाद बिल्डर्स,

5-9-5 , बसीरबाग, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमिति श्रवेदा बेगम, 707, मीनार श्रपार्टमेंटस्, डेक्कन टांबर्स बसीरबाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कि अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपरित में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमे प्रयानत शब्दों ओर पर्यो का, ओ उन्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हुँ वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

नगत्त्रपी

गरीयज बसीरबाग, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 1127/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारा हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-10-1984 मोहर: प्रस्प बाइं.टी.एन.एस.,------

बायकर ब्रिभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 अक्तूबर 1384

निदेश सं० श्रार०ये०सी०सं० 662/84-85--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

भौर जिसकी सं० श्रोपन प्लोट है, जो जमजीयाल में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध धनुसूची में श्रौर प्र्णेरूप में वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करोमनगर, में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 19 फरबरी 1984।

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाब की वाबत, स्वतः जिभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तमसे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---14---316 GI/84 (1) श्रोमित एम० ग्रनसूया ग्रीर ग्रन्य, करोमनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) भेसर्स कपील चोट फूंडस प्रार्ग्लिक, 3-5-150/14, गाधीरोड, करीमनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारि करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन हं भीतर उक्त स्थावर सपरित में हितबक्ष कि सं। जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पवाँ का, जो उचत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

सम्पति पक्लीकोओली हैवराबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 648-84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैवराबाद ।

> एम० जगन मोहन स्थाम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-10-1984

मोर:

प्ररूप बार्षां दी । एत् , एस् ,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 663/84-85—अतः मुक्ते, एम० जगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,(100/- र. स आधक हैं
श्रीर जिसकी सं० श्रीपन प्लाट है, जो जगर्जायाल, में स्थित है
(श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करीमनगर, में रिजस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 2/84
को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह
प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निसित् उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ब्रुवरण से हुई किसी बाद की बादत, उसत अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औड़/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, किपाने में स्विभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- अस्मती एम० अन्सूया और अन्य करोम नगर।पति हनुमन्त राव और अन्य करीम नगर (अन्तरक)
- मैसर्स सीस्पम फाइनान्स, श्रीर इन्वेस्टमेन्ट प्रा० लि० 3-1-147, विजय राधुनन्दन, करीम नगर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके प्र्वेक्त, संस्पत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रोपन प्लाट जो जगजीयाल में स्थित श्रौर रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 572 श्रौर 605/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, करीमनगर।

> एस जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो संहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-10-84

प्रक्य काहाँ हु टी., एस. एस. -----

नामकर निर्मित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के म्भीन सूचना

शारत बुरकार

कार्यात्र्य, सहाय्क वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० 664/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचास उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उणित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं ० एस नं ० 381/ए है, तथा जो अलुगुनू में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय के ० नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2/84 को पूर्वोक्स सम्परित को उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ्याया गया प्रतिफल निम्मीसित्त उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथा गया हैं:—

- (क) जन्तुरुण से हुए किसी नाय की वाब्तु, जनत जीवित्यम् के ज्योग कर दोने के जन्तुरक के दायित्व में कनी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; जीव/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक उ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मृधिनियम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नय। या वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

क्त कर्म विकास की भाषा 269-ग के बनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भाषा 269-म की उपभाष (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् हि—

 मैसर्स विष्णु इन्डस्ट्रीज, करीम नगर।

(अन्तरक)

 मैसर्स विजयालक्ष्मा इन्डस्ट्रीज, अलुग्नुह, जिला करीम नगर।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना आही करके पूर्वोक्त संयुक्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुते।।

उन्तु सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बद्धि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवव्ध किसी मृन्य स्थावत द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकींगे। क

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाविद हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्स्ची

भूमि एस० नं० 381/ए, विस्ताणं 3-15ए०सी० असूम्नुक, राजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 805/84, राजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के० नगर ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक 12-10-1984 मोहर : प्रस्प बाइं.सी एन.एस. ------

नावकार निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की नभीन सूचना

नारंड सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आर० ए० सीं० नं० 665/84-85---अतः मुक्ते, एम० जगन मोहन,

नामकर निधित्तमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के ने जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11-4-650 है, तथा जो लकड़ी का पुल, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच, में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2/84

को प्रविभित्त संपत्ति के उपित बाजार भूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्द संपत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नश्करण वे हुई कि वी नाव की नावत, उपक शिंतियम् के वृथीय क्यू वोते के वृश्यरक के बादित्व में कती करने का सबसे वृषते में सुविधा के निष्; बाद्र/वा
- (क) एती किसी नाम मा किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाम-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निश्चिम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया ना का किया जाना चाहिए भा, जिपाने में सुविधा के विदः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिन्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- डा० नुष्द्दीन, श्रीर अन्य 11-4-650, लकड़ी का पुल, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद अब्दुल साबर, पिता मोहम्मद निक्षामुद्दीन साहेब श्रीर अन्य, 11-4-650, लकड़ी का पुल हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संप्रात के अर्थन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी
 अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकतें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्त्वी

घर नं० 11-4-650, लफड़ि का पुल, हैदराबाद, रजिस्ट्रो-कृत विलेख नं० 1201/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12-10-84 मोहार ३ प्ररूप बादौ टी एन एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नधीन तृष्णा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायूक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 666/84-85—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आजकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसका स० 10-बा है, तथा जो पंजागृष्टा, हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में स्रोर पूर्ण रूप से विज्ञात है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरा, 1984

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पेष्टूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मृत्वरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नोलिसत उद्देश्य में अक्त अन्तरण निस्तित में बास्टिकिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- ((क)) बन्तरण वे शुद्धं किसी बाय, की बाबत अक्ट्र अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक वी दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (ण) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभीनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्त निभीनयम, या भन-कर निभीनयम, या भन-कर निभीनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिभा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जन्मरण के न्यं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ब फ्तयों, अर्थात्ः—

 मैसर्स विरगो कन्स्ट्रक्शान्स बाई० बी० एन० रेड्डो हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती डा० विजयालक्ष्मी, पति डी० के० रेड्डी प्लाट 10 बी, पंजागृट्टा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चा<u>री करके पृत्रा के सम्परित के वर्णन</u> के निष्क कार्यनाहिया करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया है।

फ्लैट नं० 10 बो, विरगो काम्पलैक्स, पंजागूट्टा, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 975/84, रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारो हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

िदनांक 12-10-84 **मोहर** ⊪ प्ररूपः नाइं. टी. एन्. एस⊡ ----#

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निदेश स० आर० ए० सी०न० 667/84-85--अत मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकाची को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि है तथा जो वाम्मारासीपेट, विलेज, रगारेड्डो, जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय रगारेड्डा जिला में राजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 2/84

कां पूजेक्त सपिस्त के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमांन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्नोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पामा गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्वेश्य से उसत अन्तरण निस्तिस में भास्तिषक रूप से कथित नहीं किया बया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एम० सूब्बा राजू, श्रीर अन्य, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।

(अन्सरक)

2 श्रीमती के व्ही० उम्मा, पित के० व्ही० रेड्डी, 2-6-207, चंद्रलाल बावली, सीख विवेज, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अपिरश के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरण -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

भुमि; विस्तीर्ण 10 एकर, वमारासीपेट, विलेज, रगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1195/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रगारेड्डी जिला।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक : 12-10-84

मोहर.

प्रकार वार्ष .दी . एवं . एवं : ========

नावभर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-व (1) के व्यक्षि स्वना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर जायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आर०ए० सी० नं० 668/84-85---अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो मेहदीयटनम, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है (रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 1ϵ) के अधीन दिनांक 2/84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास क्रुरों का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मृत्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक, है बार बन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितिया) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृत निम्नानियत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में बास्तु-विक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरक संबुध किसी आव की वाबत, उसक् श्रीकित्त के स्थीन कर बोने के अन्तरक की वासित्त में कसी करने या उक्को क्यों से स्विधा ने किए; बॉर/वा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, चिन्हों भारतीय जाय-कर लिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या जनत अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के किए;

 श्री मोहम्मद दाऊद, गोरी, 12-2-330/ए2, मेहदीपटनम, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री डोमर बीन अब्दुल्ला, श्रीर अन्य तीन, 12-2-330/बि/3, मेहदोपटनम, हैवराबाद। (अन्तरितो)

को वह सूचना भारी करके पृत्रोंकत सम्परित के वर्षन के जिल, कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत राज्यस्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तिकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्यी

घर सम्पत्ति नं० 12-2-330/40/3, मेहदीपटनम, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1217/84, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहस सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

कतः अभ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भों, माँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के श्थीन, भिम्नजिखित व्यक्तियों, अभाष कि

दिनांक: 15-10-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालंग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 669/84-85---अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विख्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो चारमीनार रोड है बराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीक्कडवल्ली, में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 2/84

का पूर्वेक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गृष्ट हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके स्वयमान प्रतिकाल से, एसे स्वयमान प्रतिकाल का बन्द्रश्च प्रतिकाल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्सविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथितियुम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्रा के० चोन्ना सूर्यीनारायणा और अन्य, कोलापूर विलेज, तालुक।

(अन्तरक)

 2. मैसर्म सूर्यामुखी, इंटरप्राइजेस,
 1~8-563/2 जार० टी० मी० रोड हैदराबाद।

(अन्सरियी)

को यह सूचना जारी कारके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के धास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अभितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन<u>ुस</u>ची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1815 चौ॰ गज. 1-8-563/2-चारमीनार रोड्स, अझमाबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 153/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) े अजैन रंज, हैदराबाद

कतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन निमन्त्रिकास व्यक्तियाँ, अर्थात् ।——

विनांक : 12-10-1984

प्रकप नाइ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्शलय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाव हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निवेण सं० आर०ए०सी०नं०234/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है जो इस्लाम पेट विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोक्षर्ता अधिकार। के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजिट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2/84

गुंद्र पूर्वोत्तत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्श्यमान वितिष्ठल के निए कन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दर्श्यमान प्रतिष्ठल से एसे दर्श्यमान प्रतिष्ठल का पन्त्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्ण, निम्निमिण्डित उद्देश्य से अन्त कर्म्यण कि बिख में वास्त-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावस उक्त बीध-निवंत के बंधीन कर दोने के बन्तरक के शरित्व के कमी करने वा बस्ते बचने में सुविका के जिये; बरिया/
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य लास्तियं को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-ऋर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ मन्तरिली ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना आहिए ना, जिपाने में बुविधा के लिए;

भत. अय, उन्तर मधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरक में, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक म्यक्तियों, अर्थात् :---15-31 6GI|84

 श्री पी० वैकटा नाग(नजनिया श्रीनिवास, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

2. श्री डो० श्रीरामा मूर्ता पिता वेंसटेशन, डो० नं० 11-5-9, इस्लामपेट, विजयवाडा। (अन्तरिती)

का. यह सूचना चारीं कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पितितंगों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त स्पिक्तियों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

'स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भना है।

वन्स्ची

धर सम्पत्ति डो० नं० 11-5-9, इस्लामपेट, विजयनाडा, रिजस्ट्रोक्टर्त विलेख नं० 1039/84, रिजस्ट्रोक्टर्ता अधिकारी विजयवाडा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-10-1984

मोहरः

प्रकृप बाइ. टी. एन्. एस्. -----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं आर॰ ए॰ सी॰ नं॰ 235/84-85--अतः मुझे॰ एम॰ जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० भूमि है जो कस्तूरवापेट, विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय विजयवाड्य में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-फस, निम्निजिस्त उद्देश्य से उक्त ब्ल्यरण जिस्ति में बास्तिक क्य से किंशत नहीं किया गया है क्ष्र-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय कौ बाबस, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के सिए; जीट्र/वा
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, एकपाने में स्विभा के लिए;

नतः सव, उनत निधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भौ, भौ, उनत निधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के नधीन, निम्निचित व्यक्तियों, संशति :---- श्रो पो० रघुप्रसाद पिता लेट बेंकटा व्ही० प्रसादराय, सूर्यारावपेट, विजयवाडाः। (अन्तरक)

2. श्रो पी० पद्मामनी पति दुर्गा प्रसाद, तेनाली ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कंद्रता हुं।

बन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अवित्या में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यण में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त जिधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

नपुत्रची

खुलो जमीम विस्तीर्ण 729 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 656/84, कस्तूरका पेट, विजयवाडा, रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारो, विजयवाडा।

> एम० जगन मोहम सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)-अर्जन रेंज, हैदराबाद

ि दिलांक 12-10-1094 म**ोह**रः प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के नभीत सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर॰ ए॰ सा॰ नं० 236/84-85 → अतः मुझे, एम॰ जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- रह. सं आधिक हैं

श्रीर जिसको सं० घर है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विजय है),
रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजस्ट्रोकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन दिनांक 2/84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्थमान प्रतिफल से एसे अव्यागन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गया ग्या प्रतिफल, निम्निविचत उद्ववस्य से उक्त अन्तरण कि सिवत में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया क्या है:—

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी आप की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुन्तिधा के जिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— श्रो ए० अजनेयुनु, पूलाबा बीन्स्ट्रोट, विजवाडा ।

(अन्तरक)

 श्री के० साइ० वेंकट सत्यनारायणा श्रीर अन्य, मजोवारो स्ट्रोट विजयवाडा ।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसची

घर संपत्ति पूलाबावि स्ट्रेंट, विजयवाडा-1, रिजस्ट्रेक्ट्रित विलेख नं 1161, घौर 1159/84, रिजस्ट्रेक्ट्रित अधिकारी विजयवाडा ।

एम० जगन मोहम सक्षम प्राधिकारी ृसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-10-1984

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984 निदेश सं० ग्रार० ए० सी०न० 237/84-85—ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), अर्ग भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से बिधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नेलीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय नेलीर में रिजस्ट्रीकरण मधि नियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 2/84 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रिक्त के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह बिक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पश्चह प्रतिशत सं प्रधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया मितकल, जिम्मलिकित उद्देश्य से अन्त प्रन्तरण विधित में वास्तिक सा से स्वित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरंश से हुई विश्वी नाम की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने की बन्तरक को वायित्व में क्रिका करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बाँडिंग्या
- (स) एसे किसी आय या िक्सी धन या उत्त्व आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; क्रियाने में सुविधा के लिए; और/मा

भत: जब, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) में भूधीन, निम्नलिसित अयिका में, अधित क्र---

- 1. श्री एम० सूभारायडू पिता चीना कासय्या,
 12/1535, गीडांगी स्ट्रीट, नेलौर।
 (झन्तरक)
 - 2. श्री एम० श्रीनिवासूलू, पिता गुरवय्या, मैनेजिंग पार्टनसं, श्रमरावती रीयल इस्टेट, 5/388, स्टोन हाउस पेट, नेलीर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ह

- (क) इस स्थान के राष्प्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित- वद्ध किसी बन्ध क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृथ्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया हैं।

वयसची

भूमि विस्तीर्थ 7 एकर, काक्टूर, विलेश, नेलौर, तालुक रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 925, 926 भीर 927/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी नेलौर ।

> एम० जगन मोहन सक्तम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदरासाद

विनोक 12-10-1984 मोहर ह नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

धर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निवेश सं० म्रार० ए० सी०नं० 238/84-85—मृत: मुझे? एम० जगन मोहन

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से विधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मवेगलराजपूरम, विजयवाडा में हिथत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2/84

को प्वांक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम् के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नानिक्ति उद्विद्यों से उक्त ब्रुट्य किक्ति के पास्त्रीयक क्य से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी कात की बावत, उचत वृधिनियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के सावित्व यो कमी करने वा उससे वभने में प्रविधा के सिए; बीट्र/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

बतः शब, सकत मिनियम की धारा 269-ग कें अनुसरण मैं, मैं, उक्त मिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, मधीत् ः--- श्री के० व्ही० भानुप्रसाद , पेनामकूरु. ।

(भन्तरक)

2. डा॰ एस॰ वेंकट, भुवनेश्वर राव, ऊंगुटूर, वेस्ट गोवावरी, जिला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कर्ष भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस मुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्प्रसि में हिसनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास लिस्ति यों किए जा सकोंगे।

ंपर्व्याकरंग: इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, मोगलराजपूरम, जिवयवाडा, विस्तीर्ग 904 चौ० गज, रजिस्ट्रीइत विलेख नं० 671/84, रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद ।

बिनांक: 12-10-1984

मोहर 🛭

प्रकृष भार्च . दी . एन . एस . ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 प्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० ग्रारं० ए० सी० नं० 239/84-85—श्रत: मुझे एम० जगन मोहन

कायकार कांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त किधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं० धर धौर भूमि है जो प्यक्तिमाटा, विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिह्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 2/84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है

- (क) अन्तर्भ से हुए किसी भाग की बाबत, उपल विभिन्तियम के अधीन कर दोने के संतरक के दायित्व में कृती करने ना उससे वचने में सुनिधा के मिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी धन वा अस्व आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना आहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

वतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् श्री एम० पांडूरंगा राव, पिता कृष्णा मूर्ती विजयवाडा ।

(धन्तरक)

 श्री पी० वेंकटेण्वर राव पिता परसूरामय्या, कृष्णा लंका, विजयवाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वान वारी करके वृशेंक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

धर संपत्ति प्रदोनगर, विजयवाडा रजिस्ट्रीकृत विलेख मं० 972/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैवराबाद ।

दिनांक: 12-10-1984

मोहर 🛭

प्ररूप वार्ड.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 ग्रम्तूर, 1984

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 240/84-85---म्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० धर है, जो गव्हरनरपेट, विजयवाडा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनाक 2/84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुन्। किसी जाय की बाबत, उपस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ६—- श्री जे० राजेश्वरारा राव, सत्यनारायणपूर्म, बिजयवाडा ।

ैं (बन्तरक)

 श्री एम० सूर्यनारायण श्रोर सीतारामस्या, गव्हरनरपेट, विजयवाडा-2

(भनितरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्वष्टिक्रिका: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नन्स् ची

धर संपत्ति नं० लनिबपेटा, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1096/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक 12-10-1984 भो**ह**र 2 प्रारूप नाई..टी. एन. एस. -----

काधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जम रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनोक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 241/84-85--- म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० राइस मील, है, जो ऊंडी, में स्थित है (भौर इससे उपावड अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भविकारी के कार्यालय ऊंडी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2/84

को पूर्वोक्त सम्मिरत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण हे हुई किसी जाय की बाबत, डबत अधिनियम के बधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने से सुविधा की सिए; सार/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जब भा या किया जाना चाहिए या खियाने मं सूरस्था के लिए;

- 1. श्री वेंकटाययी, राजू और ग्रस्य गोटेक, तनूकू तालूक, जिला वेस्ट गोदावरी, । (ग्रस्तरक)
- 2. श्री के० सूर्य नारायणा श्रीर श्रन्य ऊंडी , श्रकीवेडू, तालुक, वेस्ट गोवावरी । (श्रन्तरिती)

न्त्री बहु सून्ता बार्डी कृतके पृत्तीयत सम्पृतित् के अध्यक्ष के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकत स्वितयों में से किसी स्वित्त दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास । शिवत में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नमा ही।

वर्ष्य

राइस मील, 4, सीताराम नमा राइस, मिल एन० ग्नार० पी० श्रग्रहारन ऊंडी, विस्तीर्ग 8400 चौ० फुट, प्लंथ एरिया, ग्रौर 3-47 एकर भूमि, रजिस्ट्रीइत विलेख नं० 237, ग्रौर 236/84 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ऊंडी ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, हैदराबाद ।

नतः अथ, उन्त सिंधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

विनांक : 12-10-1984

प्ररूप बाह् .टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निवेश सं० आए० ए० सी० नं० 242/84-85—अतः मुझी। एम० जगन मोहन

श्रायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उदत अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक हो

श्रीर जिमका मं० मीतेमा हाल है, जो चेंबरोलू, तेनालो, तालुक में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है)) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय चेंबरोलू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरों, 1984

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक लप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के कस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत: निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ----16—316GI|84 श्री जी० लक्ष्मीपृति, घौर अन्य बेबोल्, तेनाकी, तासुक, जिला गृंदूर।

(अन्तरफ)

2. श्री टी० लक्ष्मी अलीयाम मुख्यायम्मा, श्रीर अत्य द्वारा: श्री कृष्णा पीक्चर्स, प्लेस' चेत्रीलू, तेनाली तालुक, जिला गट्र, ।

(अन्तिर म

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितब एध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निष्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

मनसची

सिनेमा हाल, वेबोल, विलेज, तेनाली, तालुक, गूंटूर जिला एजिस्ट्रोक्टर विलेख नं० 185, 183 घौर 184/84, रिजिक्ट्रो-कर्ता अधिकारी वेबोल ।

> एम**ः जगन मोह**न म**क्षम अधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद** ।

विमांक: 12-10-1984

प्रकृप आइं.टी.एन्.एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

शारत सरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 243/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० भूमि है तथा जो न्यूझविड तालुक, कृष्णा जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपावज्ञ अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकार। के कार्यालय न्यूझिवड, में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2/84

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ब्रथमान प्रतिफल का गम्बह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्नलिबित उद्वेष्य से उचत मृत्यरण निवित में वास्त्विक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को नायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दासित्य में अभी करने या उसने अखने में सुक्रिश के निए; और/का
- (य) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिल्हों भारतीय नाय-कर निधिनम्म, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम या अनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृतिभा के सिए;

ब्रुंदः शव, अवत विधिनियम की भारा 269-म के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री एम० क्टुब्ला राव, भीर अन्य अगीरोपल्लो, न्यूसविड, तालुक, क्रुब्ला जिला। (अन्यतक)
- श्रो क्वी० वेंकटा सुब्बाराव श्रीर अभ्य लब्बेपेट, वियवजाडा ।

(अन्तिरतः)

करें यह सुचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) क्स सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्थितियों में से किसी व्यक्ति हुए।
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम के भीतर उत्रत स्थावर सम्याण में हितबनध किसी अन्य स्थावित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यो

भूमि अमीरीपल्लीः, विलेज, न्यूमिबिड, तालुक, किल्ला जिला, विस्तोर्ण 77 सेंट्स, रजिस्ट्रोक्टत विलेख नं० 297/84, रजिस्ट्रा-कर्ता अधिकारोः न्यूमविड ।

> एम० जगन मोहनः सक्षम अधिकारी [सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक . 15-10-1984

प्ररूप. आई. टी. एन्. एस. -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बावुक्त (निर्द्रीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराबद , दिनाक 15 अक्तूबर, 1984

निदेश स० आर० ए० सी० न० 244/84-85—अत मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० भूमि है तथा जो थालम पाडू विलेज, खम्मम जिला में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय खम्मम में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक 2/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल के, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त अभि-नियम के अभीन भर देनें के जनारक के दायित्व में अभी करने या उपसे क्वने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या नत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए।

अत वब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की वनुसर्ण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के विधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात् ह— 1 श्री फ० ऊ० रामय्या थालमपाडू विलेज, जिला खाम्मम ।

(अन्स्स)

2. चैतन्य स्टोन वेअप पाइप इडस्ट्रीज, प्रा० लि० 2-3-138, गाधी चौक, खम्मम-507003 (अन्तिरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 जिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयूजत शब्दों और पवों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्त्क

भूमि विस्तीर्ण 5 एकर, यालमपाडू, विलेज, खाम्मम जिल रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 442/84. रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी खम्मम ।

> एम जगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 15-10-84 मोहर . प्रस्थ आर्डी. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के वृथीन स्पना

शारक सरकार

कार्यानन्, सञ्चारक नानुकर नानुकर (हिनरीक्रण)

अर्जन रेंज 2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांफ 15 अक्तूबर, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी० /एक्यु०/2/37ईई/2-84 340--अतः मृक्षे आर०पी० राजेश

बायकर बीधीनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-६ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से **मधिक हैं**

भीर जिसकी सं 130ए/ई है, तथा जो बजीरपुर भाग-1. नई विल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची मे अधिका के 'पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता कार्यालय अर्जन र्ज-2, नई विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनोंक फरवरी, 1984

को प्रशंक्त स्म्पत्ति के जीवत बाबाए मृख्य से कम के करमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके व्यथमान प्रतिफल् से, एसे व्यथमान प्रतिफल का प्लब्ह प्रविचात से विधिक ही बीर वंतरक (अंतरकों) वीर वंतरिती (सर्वरितियों) के बीच एसे अंत्रण के किए तय् पाया गया प्रति-क्षम विम्मासिकित उद्वर्षस्य से उस्त मन्तरुण निवित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गवा है :--

- (क) बन्तरम ते हुई मिनी बाद को बादत, उदल निविधित्यत में निवीय कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कर्जी करने या प्रवर्ध जवने में स्पीनधा ने विष्: बोर/वा
- (क) ऐसी भिन्नी भाग या किसी भन या अन्य कारिस्तर्याः को जिल्हें भारतीय नाय-कर न्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) क्षे प्रयोजनार्थं जन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया नयाथायाकियाजाना चाहिए या छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः वज्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ा के अमुसरण में, में, अक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तिकों, वर्धात् :---

1. ओ मो०पो० वर्मा. ६-एम० पो० फ्लेटस्स, डी०आई० जेंड० एरिया कालोबारी अपार्टमेंट, नई दिल्ली।

(अन्तरिक)

 श्री हर चरन सिंह चावला, श्री प्रेम सिंह चावला, निवासी ए-107, बजोरपुर ग्रुप, इन्डस्ट्रीयल एरिया, विस्ती ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्मित्त के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 4.5 दिन की अथिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्वाना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भे हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकों गे।

स्वकारकरणः ---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिशावित है, बहुरी मर्भ होगा जो उस अध्याय मे दिना गया 💕 ।

मन्स्या

प्लाट नं० 130-ए, ब्लाक ई. वजीरपुर निवासीय योजमा, भाग-1, विस्ली, तादादी 200 वर्ग गण।

> आर० पी० राजेश. सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई विस्ली

दिनांक : 15-10-84

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. -----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, विनाक 15 अक्तूबर, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सो० /एक्यू०/2/37ईई/2-84/ 342--अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43), जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-स्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 435 है, तथां जो 18 वजीरपुर, पिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूपसे वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ती अधिकारां के कार्यालय अर्जन रेंज -2 नई दिल्लों, में भारताय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदेश से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतुरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय को बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने-में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरियी ह्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- राणसुघार टावर प्रा० लि० एन-52 ए, कताट प्लेस, नई दिल्ली।
- 2. श्रीमती सुषमा जैन, भीर परितोष जैन, निवासी ए-6, गुलमोहर पार्क, अपोध्टि भीन पार्क, नई विश्मी ।

(अनितरती)

को यस सुचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांई भी शाक्षण :--

- (क) इस स्वना के ट्राजपन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उन्त तथानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृद्धारा अक्षेह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त क्षज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ आर॰ जैं॰टो॰ 435, (अपर ग्राउन्ड फ्लोर) वि. 18-वजीर पुर सेन्टर, दिल्लो। तादादी, 67 50 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेंश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 नई विल्ली

दिनीक : 15-10-84

'प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

नायकार संधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधील मुख्ता

मारत सरकार

कार्यांतय. तहायक नायकार आयुक्त (निर्दांतज) अर्जन रेंज 2. नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 15 भ्राक्तूबर, 1984

निदेश सं० भाई० ए० सी० /एस्यू०/2/37ईई/2-84/ 343---अत मझे भार० पी० राजेश

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- कः से अधिक है

मीर जिसकी सं० 252 है, तथा जो 29, बजीरपुर, दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनयम 1961 के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

की पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रक्यमान प्रतिफल में एमें इक्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रीत्यत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण निस्तिय में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिभियम के अधीत कर दोने के अन्तरक वी वासित में कभी करहे वा उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/मा
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से की जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिका के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिसित स्यक्तियों, अधीत् :--- राज सुधा टावर प्रा० लि० एन-52 ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ' (ग्रत-रक)

2. मैं ० कोंमि ० रंग, 1-बादली स्टेशन, रोड, शामपुर, दिल्ली (श्रणीरतोः)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपरित में हितत्र वृष्ट किसी अन्य व्यक्ति वृषारा अधोहस्ताक्ष्री की पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ भार॰ए॰ एन॰ 252, (भपर ग्राउन्ड फ्लोर), 29-वजीर पुर, कमिशयल कम्पलेक्स, दिल्ली, तादादी 59 वर्ग फीट ।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनांक: 15-10-1984

प्ररूप मार्[‡]ु टी_ं एन*ु* एस_ं ------

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

भ्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, बिनांक 15 श्रक्तूबर, 1984

ं निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/2-84/ 344—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए/8-9 है, तथा जो डा॰ मुखर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शर्जन 2. नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल का भन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए, बार/या
- (क) एसी किसी अप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उन्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिज्ञाने का स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, वर्षात् - ~ श्री पी० सी० तनेजा, कालेज रोड, पठानकोट।

(ग्रन्तरक)

 श्री के० एन० चावला, कालेअ, रोड, पठान कोट।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द सम्परित के नर्जर्र के सम्बन्ध में कांद्र भी नाक्षण:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्धों और पर्धों का, भो उनत मिश्रनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गवा हैं।।

नपूज्यो

प्रो॰ नं॰ ए/8-9, कम्युनिटी सेन्टर डा॰ मृखर्जी नगर, सिविल लाईस, विस्ली तावावी 538 वर्ग फीट।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनोक 15-10-84 **बोहर** :: प्रस्य बाह् . टी. एन. एस -----

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

नारत स्रकार

कार्यासय, सङ्घायक आयकार आयुक्त (विरोक्सण) ऋर्जन रेंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 भक्तूबर, 1984

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे बसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी स० डी-404 है, तथा जो त्यू सब्जी मन्हीं, दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन रें ज-2, नई दिल्ली में भारतीय है आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनाक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए कन्तरित भी गई है जीर मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृस्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण कि लिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करचे या उल्लेबचने में सुविधा के सिए; शार्/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भग या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना रित्हिए था, छिपाने मा सविधा के लिए

अतः वसः, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री पिशोरी लाल सेठी निवासी 11-ए, वस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (भ्रन्रतक)
- 2 श्री लीला राम खेम चन्द ग्रीर लक्ष्मन दास मन्म, जी-1324, न्यू सब्जी मन्डी, दिल्ली।

(भ्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबध में कोई भी जाक्षीप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा, अपाहरताक्षरा के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के मा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अत्याय मा दिया गया है।

अनुसूची

शाँप नं बी-404, तावावी, 636 वर्ग फीट, न्यू सब्जी मही, विल्ली।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 15-10-84 मोहर: प्ररूप शाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 ग्रक्तूबर, 1984 निदेश सं० ग्राई2 ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/2-84/---346--ग्रतः मुझे, ग्रार०पी० राजेश

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 310है, तथा जो डा० मुखर्जी नगर, कर्माशयल कम्पलैक्स, दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिशितयम 1961 के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्निसित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्त- जिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किशी जाय की वाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दामित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/वा
- (ब) एसी किसी जाय या जिसी भन या जन्य जास्तियों को , जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या भन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था , छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मै० दिल्ली कर्माणयर बिल्डर्स, ग्रादिनाथश्री हाउस, ग्रंपो० सुपर बागर, कर्नांट प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी निशा भ्रम्भवाल, सुपुत्री राधेश्याम भ्रम्भवाल निवासी प्लास्टकेम नया तलब सतना (एम०पी०) (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृतीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के चास विविद्य में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत वीधनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कुर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुस्ची

प्रो० नं० 310, जैना हाउस एक्स० डा० मुखर्जी नगर, कम्युनिटी सेन्टर, दिल्ली, ताबादी, 424 वर्ग फीट।

> म्रार**्विण** राजेण सक्षम मधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज 2, नई दिल्ली

दिनोक 15-10-84 मोहर 🛭

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 15 प्रक्तुबर, 1984

निदेश श्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/37ईई/2-84/ 347— श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी मं० डी० मी०-16 है, तथा जो डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर उममे उपाबह श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज नई दिल्ली, भे भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रधीन दिनाक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के शरमान प्रिष्टफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उलसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषधा के लिए:

- मै० दिल्ली, कर्माणयल बिल्डर्ण यादिनाथ श्रीहाउरा, गणो० सुभर बाजार, कर्नाट सर्कंम, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती इन्दर बाला, पत्नी श्री घन ग्याम दास, निवासी-जास्टीकेम नया तलब, सतना (एम॰ पी०) (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीकत मम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकाँगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंख्ये

प्रो० नं० डी०-सी० 16, (ग्राउन्ड फ्लोर), डा० मुखर्जी नगर कम्युतिहो मेन्टर, दिल्ली, नादादो 215 वर्ग फोट।

> ग्रार० पी० राजेश क्षम प्राधिकारी) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

बतः सब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग कं अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीग, पनस्निजितिक स्थितितुयों, स्थित् क्ष—

दिनांक 15-10-81 मोहर: प्रस्य नाइ. टी. एन. एस. - - - - -

अध्यकर मिथनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर, 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/37ईई/2-84/347ए० ----अतः मुझे, आर० पी० राकेश बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ. के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

∗क्षरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाखार मृल्य 25,000∕- रऽ. से शेंधिक है

अरेर जिसकी सं० 130 ए० है तथा जो ब्लाक ई, वजीरपुर निवासीय योजना, विल्ली में स्थित है (और इग्रमेंस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रा एती अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ली से भारतीय कायकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी, 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नुनिबित उद्देश्य से उक्त कत्तरण निकत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण ते हुई किसी बाय की बाव्छ, उक्त जिथितियम को अधीन कर दोने को जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीद्र/वा
- (ख) एन्सी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री ओ० पी० सी० वर्मा,
सुपुत श्री सी० सी० वर्मा,
निवासी 6, एम० पी० प्लैटस द्वी० आई० जैड,
एरिया कालीबारी अपार्टमेट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हरचरन सिंह चावला, सुपुत्र श्री श्रेम सिंह चावला, निवासी-ए-107, वजीरपुर ग्रुप, इन्डस्ट्रियन एरिया, दिल्ली-52।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से सिक्सी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध्भ किसी कन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के एक निस्ति में किए का सकने।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभृत्वी

प्लाट नं० 13ए०, ब्लाक 'ई' वजीरपुर निवासीय योजना दिल्ली, तावादी 220 वर्गगज।

> आर० पी॰ राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली

धनांक: 15-10-84

शहर इ

भक्क नाह^र्ड दी: एक., एक्_य -------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न्य (1) के भंधीन सूचना

RISE STATE

कार्यानय, बहायक जायकर वायुक्त (निर्दाक्तन)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/2-84/ 348--अतः मुझे, आर० पी० राजध

भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिन्नियम' कहा गया है), की बारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूख्य 25,000/- के से मिन्न है

और जिसकी सं ० 112, ए.4/1 है तथा जो आजादपुर, कमिश्रयल कम्पलेक्स, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई विल्ली, में भारतीय आयदर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी, 1984

का पूर्वोंक्त संपर्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपर्ति का उचित वाजार वृद्ध, उसके अयमान प्रतिफल से, एसे इस्प्रमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीड/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भा या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ट्रिंगाने में स्विभा के ट्रेलए;

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) डा० नीलम सोनी और विना मिलक, निवासी—बी—9, मोहन नगर, गाजियाबाद, यु० पी०।

(अन्तरक)

(2) मैं ० गोयल कोस कं ० डिपो नं ० 1, कमींगयल कम्पलेक्स नैनीवाला बाग-आजादपुर, दिल्ली ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हूं।

उनत सम्पतित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की वारीख से 45 दिन के मीतर उक्षा स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्पक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ब्रीर पदों का, जो उक्त अधिनिया के प्रध्याय ्20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ क्षेत्रा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अमुसूचीं

प्रो० नं० 112, ए 4/1 आजावपुर कमिशियल कम्पलेक्स, दिल्ली, तावादी 353 वर्गफुट।

आर० पी० राजेश स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयक्षर आयुक्त (नि**रीक्षण**) अर्जन रेंज~2, न**ई दि**स्ली

दिनांक: 15--10--1984

मोहरः

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. -----

बाय्कार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 नहीं दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निवेण सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/37ईई/2-84/ 349--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० 209 है तथा जो डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप मे यणित है) रिजस्ट्री इती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तयभ्पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के वायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा बन्य जास्तियों को चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-न की सम्भारा (1) के सभीन, निम्मलिसिय व्यक्तियों, वर्षात् इ— (1) दिल्ली नर्माणयल बिल्डिंग प्रा० लि॰, आदिनाम श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाँट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पवन, सुपुत्र श्री धनश्याम वास निवासी-प्लास्टीकेम नया तलब, सतना (एम० पी०)।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्माखन में किए जा सकोंग।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवीं का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

भी० नं० एस० एफ०-209, जैना हाउस एक्सटेंशन, धा० मुखर्जी नगर, कमशियल कम्पलेक्स, दिल्ली, तादादी 359 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2, दिल्ली

दिनांक : 15~10~19**84**

A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/2~84/ 350---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव डीव सीव-10 है तथा जो डाव मुखर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोनर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयहार अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुफे यह, विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अभीन कुर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ज्वाने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

चतः अनं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण नें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) दिल्ली कमसियल बिल्डर्स प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री धनक्याम दास सुपुत्र श्री रामेक्वर दास , निवासी -प्लास्टकेम नया तलब, सतना (एम०पी०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पढ़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशाराः
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में किया गया हैं।

मनसूची

प्रो॰ नं॰ खी॰ सी॰ 10, डा॰ मुखर्जी नगर, जैना हाउस एक्सटेंशन, दिल्ली, तादादी 182 वर्गफीट ।

> आर०पी०राजे ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक : 15-10-1984

प्ररूप आहूरं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेण मं० आर्४० ए० मी \circ /एक्यू/2/37र्ह्\$/2-84/351---अत. मुझे, आर० पो० राजेण,

आएकर जिशानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी मं० 309 है तथा जी डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुभूजी में ग्रौर पूर्ण कप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आंयणर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १:—— (1) दिल्ली कर्मासयल बिल्डर्स प्रा० लि० आदिशाय श्रा हाउस, अपी० मुपर बाजार, कनाट प्लेस. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी संगीता अग्रवाल, सुपुत्री श्री राधेश्माम अग्रवाल, निवासी-प्लास्टीकेम नया तलब, सतना (एमलपी०)

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 309, जैना हाउस एक्सटेंशन डा० मृखर्जी नगर, दिल्ली, ताहादी 359 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्दर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर क्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धं (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, →2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/2-84/352 अतः मझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 101, है तथा जो ए-31/34 डा॰ मुखर्जी नगर दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उधित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिमित्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-कार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अधीत ः— (.1) दिल्लो कर्मासयल बिल्डमें प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, ग्रपो० सृपर बाजार, कनाट प्लेस, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर पंकज अग्रवाल, सुपुत श्री घनश्याम दास, निवासी-प्लास्टीचेम नया तलब, सतना (एम०पी०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पवों का, जो उक्त" अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विश्वा गया है।

वन्त्रची

प्रो॰ नं॰ 101, लाट नं॰ 31/34 डा॰ मुखर्जी नगर, विस्ली, तादावी 526 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनोक : 15-10-1984

प्रक्य नाइ⁴. टी. एम. एस. + - - ----

नायकर क्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को क्रभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई विस्ली, विनांक 15 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आर्ड० ए० मी०/एक्यू०-2/37र्ह्ड/2-84/ 353---अत:-मुझे, आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन स्थाम प्राधिकारी उने, पड़ि शास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक हैं ज़ीर जिसकी सं० आई० 2,ए 31/34 है तथा जो टा॰ मुखर्जी नगर, विल्ली से स्थित हैं (और इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जत रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1984 को पूर्णीक्त संपत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के इरयमान

को पुर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्योंका संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से एसे इरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य मे उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक के दायिन्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, और/या
- भिः प्रोंग किसी आए या किसी अन या अन्य आस्तिया को, विन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा अकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, कियाने में स्टैंनभा को निए;

(1) मैं विस्तिं कर्माशयल बिल्डर्स प्रा० लि० 'आदिनाथ श्रो हाउस, अपो० सुपर बाजार, कर्नाट प्लेस, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती वीना भरत प्रमाद, निवासी-के-72/ए, कालका जी, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सृचना आरी करको पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु"।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि की भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अंशोहस्ताक्षरों के पास सिवित में किए का सकींगे।

स्यक्षाकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सबत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्रज्ञी

आई-2, मैजनीन फ्लोर प्लाट नं० ए-31/34, डा० मुखर्जी नगर, विस्ली, तादादी 361 वर्गफीट।

> आरं पी राजेश सक्षम प्राधिकारी इायक कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनामः : 15-10-1984

मोहर

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निद्रेश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०-2/37ईई/2-84/354— अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 108/ए.04/1 है तथा जो आजादपुर दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ला में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उिचन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् हि—

(1) श्रां कॅबल नयन एन्ड सन्स,
 10/1098 नौनो नाला करोल बाग,
 नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) मैं० गोयल कोल कं० डिपो नं० 1. नौनीवाला बाग, आजादपुर, विल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 108/ए-4/1, आजादपुर, दिल्ली, नादादी 462 वर्गफोट ।

आर॰ पी॰ राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 15-10-1984

प्रकलपः वाही, टी., एन., एस्. -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं ० आई० ए० सो ०/एक्यू ०- 2/37ईई/2-84/355---अतः मुझे, आर० पी० राजेश

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० बो० 1/5 है तथा जो अ**णो**क विहार-दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्लो में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधोन नारीख फरवरों 1984

को पूर्वोक्त सुम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पुष्ठ प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दर्भ से हुन्द्र किही आप की कार्य है। स्थय अभिनियुक् के ब्रुशीन कर रोने के ब्रुशीहरू औ बाबित्य में कृमी करने वा उच्चे ब्युने में बुविया वे जिए; अहि या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन् उक्त अधिनियमं की भारा 269-न के जमुखरण् क्रे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) 🗳 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::---

(1) श्री तारा सिंह, निवासा-8450, जैना बिल्डिंग, रोशनारा रोड, विल्लो-७।

(अन्त**रक**)

(2) श्रामता कुष्णा सचदेव, श्रो रिबन्दर सचदेव, श्रा विजय कुमार ग्रीर श्रा विरेन्द्र कुमार, निवासी-सा० 2/11 राणा प्रताप बाग, दिस्लो ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई 🚛

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी**ब** से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की सार्रीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मं परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय म- दिया गया हैं।

मकान म \circ बो-1/5, भाग-11. अशोक बिहार, टिल्ली, ताबादो 2500 वर्ग फोट।

> आर० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकार आयुक्त (निराधक) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-10-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पेना

भारत संस्कार

कार्यातय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, नहीं, विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 प्रक्तूबर 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

भौर जिसकी स० डी० 1364 है तथा जो डो० डी० ए० न्यू सब्जो मडी, दिल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूचो मे भ्रौर पूर्ण रूप से वणित है) राजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ला में भारतीय श्रामकर भ्रिधिनयम 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

कां पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिबित मे वाद्मक्षिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चमें में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्रीयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भ्रेमक्री अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रमुद्ध नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के जुनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीय, भिम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री जगदीश राय सुपुत्र श्री टैक चन्द , निवासी-6/2183, शोरा कोठी, सब्जी मडी, दिल्ली ।

(मन्दरक)

(2) श्री योगेश कुमार सुपुत श्री भगवान दास निवासी-बी-के-2/12, शालीमार बाग, दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की क्यिथ या तत्सम्बन्धी क्यित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यित्यों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर संम्पीस में हितबब्ध किसी अन्य विकत द्यारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पच्छीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, बेही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्रो॰ न॰ डी॰-1364, डी॰ डी॰ ए॰, न्यू सन्जी मडी, ग्राजावपुर, दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-2, न**ई** दिल्ली

दिनोक : 15-10-1984

मोहर .

प्ररूप कार्ड टी.एन.एस ---

काथकर निधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 धनतुबर, 1984

निदेण सं० ग्राई० ए० सी०/एस्यू०झ/2/37ईई/2-84/ 357----ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेण,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं 13586 है तथा जो डा॰ मुखर्जी नगर विल्ली में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से नाणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर प्रधिनियम 1961 के भ्राधीन नारीख फरवरी 1984

को पूर्विक्त सम्परित के उमित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क), जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अम्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए।

केंत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों अधीत :--- (1) श्री जितन्तर खन्ना, निवासी-- ए--47, जी० टी० करनाल रोड, इन्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली।

(भन्सरक)

(2) श्रो शान्ती स्वरूप सतीजा, (एष० यू० एफ०), निवासी—1305, डा० मुखर्जी नगर, दिल्लो ।

(ब्रन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करतो हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-का में परिभाषित हु⁴, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु⁴।

-

मैजनीम स्पेस नं० 11, बिल्डिंग नं० बी-586, डा॰ मुखर्जी नगर, दिल्ली, तावादी 450 वर्गफीट।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनाक : 15-11-1984

प्रश्य बार्ड . टी. एनं . एखा . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

बाइए बहुनाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं अर्हि ए सी / एक्यू 0-2/37ईई/2-84/358-**धतः मुझे**, श्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- एक. से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० 207 ए/2 है तथा जो नजफगढ रोड़, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रन्सूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है) राजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय भ्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के प्रधीन तारीख फरवरी 1984 का पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जांध-नियम के जभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; जांद्र/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने सें सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, नियनिज्यात स्थानित्यों, अर्थात् हुन्न (1) मैं शिवलोक प्रोपर्टीज, श्रादिनाधश्री हाउस, श्रपो० सुपर बाजार, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(मन्तरक)

(2) मास्टर मनोश मुदगल, मुपुत श्रो सूरजभान मुदगल, निवासी—डब्ल्यु-जैड-1077, मुल्तानी मोहल्ला, रानी बाग, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीख सै 45 दिन की अविध या तत्संवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृजारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदा का, जो उक्त 'अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

म्भूत्वी

प्रो॰ नं॰ 207, प्लाट न॰ ए/2 नजफगढ़ रोह, दिल्ली, लाबादी 500 वर्गफीट।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 15- 10-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/37ईई/2-84/359---श्रतः, मुझे, म्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० 411 है तथा जो ए 4/1, श्राजादपुर कर्माशयल कम्पलेक्स में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्राजंन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का

मृत्या, उसके कथमान प्रतिफल सं, एसं कथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोक्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के , विकास कार्या किसी धन या अन्य आस्तियों के , विकास कार्या किसी था उक्त अधिनियम, या धन-वर अधिक्षिम, 1957 (1957 का 27) के परिकास के किया आया सामिया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा के लिए;

जत: अब:, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तिसमें, जधीत क्ष— (1) श्रीमती चन्दर सूरी
पन्ति श्री श्रार०पी० सुरी,
निवासी-जे-5/101ए, राजोरी गार्डन,
नर्ष दिल्लो ।

(भ्रन्तरक)

(2) टो० एम० श्रपार्टमेंट प्रा० लि० श्रादिनाथ श्री हाउत, श्रपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध., जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपुस्ची

प्रो० नं० 411, प्लाट नं० ए4/1, ग्राजादपुर कर्माशयक कम्पलेक्स, दिल्ली, तादादी 353 वर्गफीट ।

श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज~2, न**र्ड** दिल्ली

दिनांक 15-10-1984

प्रारूप बाइ .टी.एन.एस ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की संभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देशक)

मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-2/37ईई/2-84/360---स्रत:, मुझे, म्रार० पी० राजेश,

शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उनत मधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अथीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० ग्राई-7 है तथा जो ए 31/34, डा॰ मुखर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय ग्राजीन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 के श्राधीन तारीख फरवरी 1984 को

पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपिता का उचित बाजार मूल्य, उसको दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मतिज्ञित उच्चेश्य से उचत अन्तरण विज्ञातिका से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, अवत अधिनियम के जधीन कार्ड दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे प्रथने में सुविधा के किए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाथ या किसी भन या कन्य नास्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) दिल्ली कर्साशयल विल्डर्स प्रा० लि०, ग्राप्तिनाथ श्री हाउस, श्रपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वीना भरत प्रसाद परिन श्री बी० के० पसाद, निवासी-के72/ए, कालका जी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोंड्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष के ▲5 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्थळीकरण: --- १समें प्रयुक्त कव्यों कीर पर्यों का, जो जनस अधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाविक हूँ, वहीं कुर्य होंगा जो उस सभ्याय में दिका प्या हैं।।

प्रमासी

प्रो० नं० माई-7, प्लाट नं० ए-13/34, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली, तावावी 263 वर्गफीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रुपैत रेंज-2, दिल्ली

दिनाक : 15-10-1984

प्रकप आई. टी एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत श्रकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजन रेंज-2, नई विल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं अग्रई ए० सी०/एक्यू०-2/37ईई/2-84/361---श्रतः, मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्बद अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्व 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 5ए/4 है तथा जो रूप नगर, शिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण इप से विणत है) राजस्ट्रोकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्राधिनयम 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह निश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उपवेश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियंत्र के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीड्/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1-1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या जाना चाहिए था, किया में विकास के लिए;

कतः अब्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकित व्यक्तियों, वर्षात् :—
19—316GI|84

(1) मैं० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि०,) एम०-52ए, कनाट प्लेस, नई दिल्लो ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विषित जैन, निवासी-1422, गली म्रानम्द, बाजार सीक्षाराम, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पृशाक्त बम्परित के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी . व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के बध्यात 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। वदा है।

अनुसूची

प्रो० नं० श्रार० जे० थी० 5-ए० (बेसमेंट) 4---रूप नगर, दिल्ली, तादादी हैं 29 वर्गफीट ।

ग्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, न**ई** दिल्ली

विनोक : 15~10~1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) को अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० घाई० ए० सी०/एक्यु०/2/37ईई/2-84/362---घतः मुझे, घार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,010/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० स्पेस नं० 2 है तथा जो ए-25 से 27, डा॰ मुखर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है (धीर इससे उपावद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याजय, धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय धायकर धिनियम, 1961 के प्रधीन फरवरी 1984

करे प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निष्कृत में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाथ की बाबत, जनत वीधीनवस के स्थीन कर दोने के बन्तरक के स्वीवरण में कसी करने या उत्तरसे बचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—— (1) ले॰ कर्नेल पी॰ ग्रार॰ गोविन्य मुपुत डा॰ राजेन्दर प्रसाद, निवासी एम॰-33-ए, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषा धरोडा परित श्री मतीश सचदेवा माफंत में एस के ट्रेडर्स, पाराडे, जम्मू सवी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरण : ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्यी

स्पेम नं० 2, दूसरी मंजिल, ज्योति भवन, प्लाट नं० ए-25 26, 27, डा० मुखर्जी नगर, दिल्लो, एरिया 235 वर्गफोट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्लो

दिनांक : 15~10~1984

मोहर ;

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

बायकर बिभिनिथम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक वायकर वाय्क्स (निरीक्षण)
शाजीन रेंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेण सं० ग्राई० ए० सीः०/एक्यू०/2/37ईई/2-84/363---ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसको सं० 207-, $\frac{1}{2}$ है तथा जो भ्राजादपुर कर्माभ्रयल कम्पलैक्स, दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध समुसूचो में भौर पूर्ण रूप से यणित है) र्राजन्द्रोकर्ता भ्राधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लो भारतीय भ्रायकर भाषान्यम 1961 के श्रधोन फरवरों, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्निसिस उद्देश्य में उन्त अन्तरण शिक्ति में वाद्या-

- (क) जन्तरभ से हुई किसी जायू की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के सम्तरक के वाधित्य में कमी करने या उसको वजने में सुविधा को सिए; औड़/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया जाना चरिहर नि ज्या स्विधा के निष्टे

प्रतः वय, उप्तरः विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मों, मों, उपा अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, किनियम व्यक्तियों, अर्थात् :.-- (1) डा॰ मोहिन्दर पाल सिंह भौर श्रीमती प्रमृत कौर, निवासो जी-3/70, माडल टाउन, दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) टी॰ एम॰ भ्रम्पर्टमेंट प्रा॰ लि॰, ग्रादिनाथ श्री हाउस, ग्रपो॰ सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई। भी आक्षेप 🚁

- (कं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिस की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (व) इस त्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्थित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्म है।

धनुसूची

प्रो॰ नं॰ 207, प्लाट नं॰ ए-4/1, म्राजावपुर कर्माशयल कम्पलेक्स, दिल्ली, तादादी 287 वर्गफीट ।

> भार० पी० राजेश संक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजेंन रेंज-2, नई विल्ली

दिनांक: 15-10-1984

प्रसम् आहे . टी . एन . एक . ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण) धर्णन रेंज-2. नई विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 1,5 प्रक्तूबर 1984

निवेश सं श्राई ०ए ०सी ०/एक्यू ०/2/37ईई/2-84/364---मतः मुझे, म्रार० पी० राजेश,

नायकर निभागम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभाग' कहा गया है), की भारा 269-स के निभाग सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रु से मिथक है

ग्रीर जिसकी सं० 1-एफ-7 है तथा जो प्लाट नं० ए-31/34, डा० मुखर्जी नगर, दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) र्राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लो भारतीय ग्रायकर ग्रीभनियम 1961 के ग्राधीन फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरम् सं हुद् सिकी वात की वायतः, उपर ब्रिवियम् के वधीन कर देने के अन्तरक के ब्रावित्य में कभी करने या उत्तर्श वचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ?7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिकथा के निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्ति व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) बा॰ मोहिन्दर पाल सिंह, श्रीर श्रीमर्ता धमृत कौर, निवासी जी-3/70 माबल टाउन, विल्लो।

(ग्रन्सरक)

(2) दिल्ली कर्माशयल बिल्डर्स, ग्रादिनाथ श्रो हाउस, ग्रपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, . नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूनाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिस् कार्यशान्त्रियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की जबभि या तत्सम्बन्धी स्थानतमाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबभि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्येषद स्थानतम्यों में वे किसी स्थानत दुशारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए जा सकेंगे।

स्वयदीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पवाँ का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंबी

प्रो॰ नं॰ 1 एफ-7, प्लाट नं॰ ए-31/34, **डा॰ मुखर्जी** नगर, विल्ली, तादादी 270 वर्गफीट।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक : 15-10-1984

मोष्टर :

वक्त बाह् . टी . एन . एवं . -------

नावकर निभृतियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्चना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 शक्तूबर 1984

निवेश सं श्राई०ए०सी०/एक्यू०/2/37ईई/2-84/365--- अतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं 1-4ए, ए-1/2 है तथा जो म्राजादपुर कर्माशयल कम्पलैक्स, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावड़ मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय भायकर भौधिनयम 1961 के भूषीन फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिन्नलिखित उद्योग से उक्त अंतरण लिखित मे वास्त-विक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ज से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त बॉथ-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए. बॉर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन वा अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाएर प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित स्पृक्तियों मुख्येत् हि— (1) टी० एम० भ्रपार्टमेंट प्रा० लि० भादिनायश्री हाउस, भ्रपो० सुपर बाजार, कनाट सकंस, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) डा॰ मोहिन्दर पाल सिंह घाँर श्रीमती अमृत कौर, निवासी जी-3/70, माडल टाउन, दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिया प्या है।

वनसर्व

प्रो॰ नं॰ 1-4ए, ए-1/2, ग्राजावपुर कर्माशयल कम्पलैक्स, विस्ली, तादादी 300 वर्गफीट।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, नई दिस्सी

दिनांक: 15-10-1984

प्रकृत नाष्ट्री. द्वा. वह. ------

कायकः पीर्धानयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वर्धाक क्षावा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांफ 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/2-84/ 366-अतः मृत्ते, आर० पं।० राजेश,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 4सके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन संक्षम प्राधिकारी की, यह विषयास करने का कारण है कि स्थायर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकः सं० आई-9, ए-1/2 है तथा जो आजादपुर. कर्माणयल कम्पलैक्स, दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूना में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्र कर्ता भिधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ला भारताय आयकर अधिनयम, 1961 के ग्राधान फरवरा 1984

हो प्वींक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पारा गया प्रतिकल निम्नितिशत उद्वंश्य से उक्त अंतरण निभित्त में वास्तविक एप से किंगत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधि-के **दिवाद में अधीय कर दोने के** अन्तरक के दायिन्त्र में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; वौर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बम्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इ. बधीन, निम्निचिक्त व्यक्तित्त्यों, वर्षात् ध--- (1) मैसर्स टां० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०, आविनांथ भी हाउस, अपो० सुगर काजार, कनाट सकस, नई दिल्लो।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती कृष्णा करवाल पत्नी श्री बी० पी० करवाल, निवासी ए-७, आप० पी० बाग, दिल्ली-७।

(अन्तरिक्ती)

क्ये यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सुम्पत्ति के वर्धन के क्यि कार्यवाहियां करता हो।

स्वत सम्मारत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी दाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशम की तारीक है 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकती।

स्पव्यक्तिरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस कथ्याय में दिया नेवा हैं।

.मम्सूची

प्रो०नं० आई-9, प्लाटनं० ए-1/2, आजादपुर कमशियल कम्पलैक्स, दिस्ली, तादादी 300 वर्गफाट।

> आर० पी० राजेश सभम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज-2, नई विस्ली

दिनांक : 15-10-1984

प्रक्ष बाइ . टी. एन. एस. -----

कायकर किपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन स्चना

सारत बरकार

कार्यानय, सहायक जायकर वाय्यस (पिरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्लं। नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्सूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस० आर०1/2-84/991---अतः मुझे, आर० पो० राजेश
बायकर क्रिशिनयम, 1961 (1961 वा 43) (जिस इसमे
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-इ के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विकास करने का
कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका संचित बाजार मृस्व
25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीप जिसकी सं० 186-654 है तथा जो वार्ड नं० 11, भागं, पथ प्लेस दिल्ली, में स्थित है (श्रीप इसमे उप।बढ़ अनूसूसी में पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्ला में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 फरवरी 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर- का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का इंदर्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का इंदर्यमान प्रतिफल के निए प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के सीच एसे अन्तरण को निए तय पाया गया प्रतिकास कि सम्मितिवार उद्वर्थ से उकत अन्तरण लिक्षित में बाल्तियक क्या के किए तम पाया गया प्रतिकास से कि सम्मितवार के किए तम विश्व में बाल्तियक कर से कि लिका नहीं कि स्था विश्व है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीपीनयक के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में सामी करने या उत्तर देवा में श्रीवधा के सिद्ध; आहे./या
- (क) एसी किसी भाव वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, विन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गरा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रो नागर मल जगपुरिया
सुपुत्र स्व० श्रा मवन लाल,
मैसर्स नागर मल सुरेश धन्दर,
बो-84/1, श्रोखला इन्डस्ट्रीयल एकीया,
नई दिल्ला।

(अन्तरक)

 (2) श्रीमती चमेली देव। पश्ती श्री बाक्ष मल जैन, निवास। 4596/2, 11-दरीया गंज, नई दिल्ला।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए भार्यवाक्षिण करता हो ।

उक्त सक्पित्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दुवारा
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी औ वास

स्थक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त कक्यों बीर पद्यों का, को उक्त सभिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस कथ्याम् में दिवा गया है।

वन्स्यो

प्रो० न० 1864-65 वार्ड न० 11, प्राइवेट न० 22, महालक्ष्मो मार्केट, भागीरथ प्लेस, दिल्ला, तादादा 48 वर्गगज ।

> आर० पा० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

लत अब. उक्त सिपीनयम की भारा 269-क के वसुद्धरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिचित स्पिक्तियों, स्पर्थत् :---

दिनांक: 15~10-84

मोहर .

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-1/ 2-84/992-अतः मुझी, आर० पो० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- ए. स अ। पक ह

शौर जिसका सं० 1865 है तथा जो प्राईकेट नं० 22,
भागीरथ प्लेस, दिल्लो में स्थित है (शौर इससे उपाबक्क
अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिख्स में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्धा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के तारीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नागर मल जयपुरिया सुपुत्र स्व०श्री मदन लाल, फर्ती मैसर्स नागर मल सुरेश चन्दर, बो-84/1 श्रीखला इन्डस्ट्रायल एरीया, भाग-नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) चमेली देनी पत्नी श्री नाक मल जैन, 4596/2, 11-दरीमा गंज दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

रूफ स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

प्रो० नं० 1865, प्राईवेट नं० 22, महालक्ष्मी मार्केट, भागीरथ पैलेस, दिल्ली, तादादी 🌡 5 वर्गगज ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रुजेंग रेंज-2, नई दिस्ती

दिनांक : 15-10-1984

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश मं० आई० ए० मा०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/2-84/993—-कः मुझे, आर० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० जा-30 ए है तथा जो किर्ती नगर, नई-दिल्ला में स्थित है (श्रीर इमेस उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्राक्षर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ला में भारतीय रिजस्ट्राक्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान फरवरी 1984

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय क्री बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कड़ने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिणाने में सुविधा के लिए;

कतः अप, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभितः :——
20 — 11 6GI/84

(1) श्रा योम प्रकाण पुरा

सुपुत स्व० श्री चुनी लाल,

निवामा जी-30ए, किनी नगर,

नई दिल्ला, द्वारा जी० ए० श्री सुदर्णन कुमार

मलहोता, सुपुक्ष श्रा राम दास मलहोता,

निवामी 3/115-ए,

रमेण नगर, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्रा भृटा राम वजाज मृपुत श्री देण राज वजाज, निवासी डी-2, किसी नगर, मई दिल्ली ।

(अन्तरित∤

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मग्सूची

प्रो० नं० जो 30-ए, किर्ती नगर, नई दिल्ला, तादादी 100 बर्गगज, एरिया ग्राम बसईदारापुर, दिल्ला राज्य, दिल्ली ।

> आर० पा० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ला

दिनांक : 15-10-1984

प्रकप बाह टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 अभ्तूबर 1984

निदेश सं० आई०ए०मी०/एक्यू०/2/ए.म० आर०-1/ 2-84/994--अतः मुझे, आर० पो० राजेश,

नायकर भिरित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सिके परिवात (उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का ''कारण' है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-छ. से अधिक है

भीर जिसको म० 2114, 2117 में 2124 में 2126 है तथा जो मस्जिद गजूर दिल्लो में रियत है (भीर इससे अं उपार्थिक निया में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ला में रिजर्ट्राकरण अधिनियम स्रोहर १०६ (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करा को का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य में इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का कपन्कि मितवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिता (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गुवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के नाम्तरिक इप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों का , जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान मा सुविधा के लिए;

(1) श्राः लाखलाः मोहन सुपुनः श्रीः गोपानः चन्द, निवामीः 2113, मस्जिद खजूर, दिल्लीः ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री छेदी लाल सुपुत श्रो जय राम
2 श्रीमती पन्ना देवा पिल्न श्रा छेदी लाल
3 श्रो लक्ष्मी नरायण ,
4. श्री श्रीम प्रकाण
5. श्री त्रिनोद कुमार
सभी सुपुत्रगण श्री छेदी लाल, '
निवासा 2119, मस्जिद खजुर,
दिल्लो ।

(अन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगस्यी

1/4 भाग प्रां० न० 2114 से 2117, 2124 में 2126, मस्जिद खजूर, दिल्ली, तादादी 26-1/2 वर्गगज (टोटल 106 वर्गगज)।

आर० पो० राजेण सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज~2, नई दिल्ल।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) भी अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, मंगत्ः—

दिनाक . 15-10-1984

प्रकृप काइ. टी. एन. एस. -----

आयक्तर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 अक्तूबर 1984

निदेण स० आई० ए० मा०/एनयू०/2/एस० आर०-1/2-84/1000—अतः मुझे, आर० पी राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी म० 3424 है तथा जो बार्ड न० 11, गलो बजरंगबली, बाजार सोताराम, में स्थित हैं (प्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवर। 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, इक्त जिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधील, निकासिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रघुबीर प्रताप भोझा,
सुपुत श्री स्व० पं० श्रीराम,
निवासी-4, कुमावत कालोनी
काटीपुरा रोड,रोड-कोटवारा
जयपुर (राजस्थान)
अब-3424 गली बजरंगबली, बाजार
सीताराम, दिल्ली,
(2) श्री अणोक कुमार निवारी,
सुपुत्र स्व० श्री राम प्रताप निवारी,
निवासी-एफ-29 जमना लाल बाजार रोड़
मी- स्कीम जयपुर राजस्थान,
अब 3424 गली बजरंगबली,
वाजार सीताराम दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबु राम

मुपुत्र श्री इक्वरी प्रसाद,

(2) श्री सतीण चन्द श्री प्रदीप कुमार

श्री मुनील कुमार

सुपुत्रगण श्री बाबूराम ग्रीर

मास्टर सदीप कुमार (माइनर)

मुपुत्र श्री बाबु राम,

निवासी—3424 गर्नी जजरगबली,

बाजार मीनाराम दिल्लो।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन की मनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिथ, जो भी जर्वीं जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयूक्त सन्यों और पूर्वों का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

प्रो० नं० 3424 वार्ड न० 9 गली मुरधन एलियस गली बजरंगवली, बाजार सीताराम दिल्लो, तादादी 83 वर्गगण। आर० पी० राजेण

सक्षम प्राधिकारी

सहायंभ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

चिनांक : 15-10-1984

मोहर 🖫

श्रदम्य नार्षः टी. एन. एत.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 अक्तूबर 1984

निवेश स आई ए० सी०/एक्यु /2/एस आर 1/2 84/1001 अन. मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ऑर जिसकी सं० 3424, है तथा जो बाजार सीताराम, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित हैं) राजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, दिल्ली में राजिस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सन्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उसत अंतरण किवित में बाक्तिया क्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वाबत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बार्ट, या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां करें जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में सुविधा के निष्ट;

श्रतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती द्रोपती देवी विधवा पत्नी श्री बिशम्बर नाथ श्री सीरी निवास और श्री फुलचन्द सुपुत्नगण स्व० श्री बिशम्बर नाथ, निवासी---बी-10,13, वृष्ण नगर, दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री बाबु राम सुपुत श्री ईम्बरी प्रसाद,
 2. श्री मतीश चन्द,
 3. श्री प्रतीप कुमार,
 4. श्री सुनील कुमार सुपुत्रगण श्री बाबु राम और मास्टर सदीप कुमार (माइनर) सुपुत्र श्री बाबु राम, निवासी 3424, गली बजरंगबली, बाजार सीताराम, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति इ्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्यीकरण: --इसमे प्रणुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गुवा हुँ।

अनुमूची

प्रो० नं० 3424 गली मुरघा एलीयस गली वजरंगबली, बाजार सीताराम, दिल्ली, तादादी 83 वर्गगज ।

> आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 2, दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

धिमाय: 15-10-1984

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांबा 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० स्वा०/एक्ग्०/2/एस०—आर्-1,2-84/1002—अतः मुझे, अत्र० पी० राजेश,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 11,3424 है तथा जा गर्ला बजरग बली बाजार सीताराम , दिल्ली में स्थित है (आए इसमें उपाबद अनुसूची में पूर्ण क्य से बॉणत है), रिजस्ट्रीतर्ता अधिकारी के कार्योलय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी 1984

कां पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की नाबत, उजत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी जाव या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत. अब, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) श्री हरी राम सुपुत्र स्व० श्री राम कृष्ण दास, 2 श्री राम पाल
 - 3 श्रीधरम पाल, श्री देव दत्त सुपुत्तमण श्री हरी राम, निवासी——190, नई बस्ती राज गज, अजमेर । अब—3511 गली बजरंग बली, बाजार सीताराम, दिल्ली ।

(अन्तरक)

- (2) श्री बाबू राम सुपुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद,
 - 2 श्री सतीश चन्द,
 - 3. श्री प्रदीप कुमार
 - 4. श्री मुनिल कुमार सुपुत्रगण श्री बाबु राम और मास्टर संदीप कुमार सुपुत्र श्री बाबुराम नित्रासी—3424 गली वजरंगबली, बाजार सीताराम, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने किमी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशंहस्ताक्षरी के पास निम्ति में किए जा सका।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा यमा है।

ननुसूची

प्रो०न० 1/3424, गली बजरंगबली बाजार सीता रामः दिल्ली, तादाक्षी 83 वर्ग गज ।

आर०पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 दिल्ली, नर्षे दिल्ली-1100002

दिनांकः : 15-10-1984

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत बारकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांश 15 अक्तूवर 1984

निदंश म० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/2-84/ 1003-अन मझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी स० 6306, 6387 है तथा जो वार्ग न० 6, नया बास दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची मे पूर्ण रूप के विणित है), रिजस्ट्रीक्सी अधिकारी के वार्यालय, दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनार फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अतिरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नानत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गदा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम कौ भारा 269-म के अनुकरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1 श्रीमती रसीदा बेगम एलीयस रसीदा खातुन, पन्नी शेख मोहम्नद युमुफ, निवामी-1228 अहाता कालीशाइब, गली कासम जान, बालीमारन, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री अधन सरदा सुपुत्र स्व० श्री णिव नरायण सारदा निवासी—1833, भागीरथ पैलेम, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के टिनए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शक्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुसूची

प्रो०नं० 6386और 6387, वार्यन० 6, नया बांस ग्रपो० मस्जिद तंबर खान दिल्ली-6, तादादी 79.5-1/2 वर्षगण ।

> आर० पी० राजेश गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली, नहीं दिल्ली-110002

दिनांष : 15~10-84, मोहर 8 प्रक्रम् बाह्र्ः. टी. एम., एस्.,-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत् तरकाड

भार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निवेशसं० आई० ए० सो0/एन्यू0/2/एस0-आर-1/2-84/1005--अतः मुझे, आर० पी0राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2533, है तथा जो वार्ड नं० 9, सङ्क प्रेम नारायण, बाजार सीताराम दिल्लो में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचो में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्लों में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरों 1984,

को पूर्विक्त संपत्सि के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह हित्तकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिक कस निम्निलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में याम्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सविधा के निए;

(1) श्रो ओम प्रकाश जैन सुपुत्र स्व० श्री फकीरचन्द जैन 14/43, माल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रा मुरेण कुमार जैन मुपृत श्री जगदोश प्रमाद जैन निवामा --1734, गई वस्ती नया बाजार दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्र्यी

पहला दूसरा तथा तीसरा फ्लोर प्रो० नं० 2533, सड़क प्रेम नारायण बाजार सोताराम, वार्ड नं० 1 दिल्ली, तादादी 110 वर्गगज ।

> आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

जतः जब उक्त जीधीनयम की धारा 269-श के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

दिनाक : 15-10-1984

प्रकृप भाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य्०/2/एस०आर-1/2-84/1004--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 2533, है तथा जो सडक श्रेम नारायण वाजार, सीताराम , दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपल अधि-जियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गंबा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

- (1) श्री ओम प्रकाण जैन मुपुत स्व० श्री फकीर चन्द जैन, निवासी -- एफ-14/43, माडल टाउन, दिल्ली । (अन्दर्भ)
- (2) श्री मुरेन्द्र बुमार जैन सुपुत्र श्री जगदीण प्रसाद जैन, निवासी ---2533, सड़क प्रेम नरायण बाजारा सू सीताराम, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप .--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

ग्राउन्ड फ्लोर तादादी 110 वर्गगज, प्रोठ लंब 2533, सङ्क प्रेम नारायण, बाजार सीता राम, दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश नथम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निभेक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)

को अधीन, जिल्लालिस व्यक्तिसों, अर्थात् :--

दिनांस : 15-10-1984

प्ररूप नाइ टी.एन.एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायक काय्यक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्लो विनांक 15 अक्तूबर 1984

निविश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०--आर-1/2---84/1008---अतः मुझे, आर० पो० राजेश.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा सं अधिक है

और जिसकी मं० 1024/1 है तथा जो फाटक मुफ्तावाल, दिरियागंज दिल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिलांक फरवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उन्तर अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने क अतरक क दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/मा
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनाते हें सिक्धा के लिए:

भतः नवः, उपत अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उपत अभिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----21--316G184 (1) श्री राम गोपाल तलबार सुपुत्र श्री दिनाध निवासी—1024/1 फाटक मुफ्तीबालां दरियागंध दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दर वती पत्नी श्री साम नाय 154 सुझवालन, दरीया गंज, नई हिल्ली। (अन्सरिती)

कां यह सूचना जारी करके प्वींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करक करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर सम्पत्ति में हित- स्थावर सम्पत्ति में हित- स्थावर सम्पत्ति में किसी सम्य स्थित द्वारा अभोहस्ताकारी से पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं.

अनुसूची

प्रो० न० 1024/1 फाटक मुपती वालां वरिया गंज विल्ली लावावी 111 वर्गगंज, आउट आफ 16 वर्गगंज।

> आर०पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनौकः : 15-10-84 मोहर

प्ररूप' आहु". टी. एन . एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

'कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मई दिस्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/2-84/1009--अतः मुझे आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ण 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 4906-7-8, है सथा जो वार्ड नं० 12, इमली-वाला आर्यापुरा, सबब्जीमण्डी, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिल्लो में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर्य की बादम, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/था
- (स) ए.सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था, खिपाने यो सूविधा को लिए;

- (1) श्री मान सिंह सुपुत श्री मंत सिंह और रधुवीर सिंह सुपुत श्री हरी सिंह , निवासी—26/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रोमती निर्मल देवी पत्नी श्री ओ० पी० राजपूत निवासी --- 4968 चौक माला मन्दिर आर्यापुरा, सक्जीमण्डी दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्देक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राग्रापत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थायित यों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति 'द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्री० नं० 4906, 4907, 4908, एरिया 14 वर्गमज वार्ड नं० 12, कटरा इमलीवाला आर्यापुरा, सब्जीमंडी, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनर्रेज-2 दिल्ली, मई दिल्ली-110002

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनोक : 15-10-1984

na piana piana 122 manjaran

जका आई.टी.एन:एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यांक्य, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

. नई विल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आंाई० ए० सी०/एन्यू०/2/एस०-आर०-1/ 2-84/1010--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर निधित्यमं, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 4906 से 4908, है तथा जो वार्ड नं० 12, इमलीवाला आर्यापुरा, सब्जो मंडी, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुचची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) गौर अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित कें बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के सावित्य में कमी करने या जनमे क्वने में मृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हू भारतीय जाय-कर अधिनियम. 192? (1922 का 11) या जनत अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अक्टिरली बुबारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना काहिए था. कियाने में सुनिका के सिए;

बतः अव, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग की अन्तरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री मान सिंह सुपुत्र श्री मंगत सिंह और श्री रघुवीर सिंह सुपुत्र श्री हरी सिंह, निवासी—26/42 पांजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रम्सरक)
- (2) श्री ओम प्रकाश सुपुत श्री गंगा प्रसाद, निवासी -- 4668 चौक माता मंदिर, आर्यापुरा, सब्जी मण्डी, दिल्ली ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यभाहियां करता हो।

ड करा संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की नर्वाध, जो भी जनभि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पृत्रों कर स्थानत्यों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र स प्रकाशत की तारीय स 45 दिन के भीतर उच्च स्थापर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पारं सिक्ति में किए जो सकेंगे।

स्यक्ष्य कारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिक्षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियर गया हैं।

नन्सूची

प्रो० नं० 4906, 4907, 4908 वार्ड नं० 11, कटरा इसलीवाला आर्योपुरा, सन्जी मण्डी दिल्ली लावादी-14 वर्गगण

> आए० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2 विस्ली, नई विस्ली-110002

दिनांकः : 15⊶10--1984

प्रकार बार्च . टी. पूर्त . श्व . ------

सामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारतं तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जास्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली विनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आए-1/2-84/ 1011---अत: मुझे, वार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाजार मूल्य 25,000/- रा. से निथक हैं

और जिसकी सं० 4906 से 4908 है तथा जो वार्ड नं० —11. इमलीवाला आर्यापुरा, एस०/मंडी, में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनीम फरवरी, 84,

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकृत से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंत्रकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण 'लिखत मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) नन्तरन से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त बधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिश्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के किए; नौर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या जन्य वास्तियों को, बिन्हें भारतीय बायकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था छिपाने में सुविभा को निए;

शतः त्रव, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के वनुसरण वो, मी, एक्त विधितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वे विधित, विकासिक व्यक्तियों, वर्षातः :--- (1) श्री मान सिंह सुपुत श्रं मंगत सिंह और रचुकं शिंह सुपुत श्री हरी सिंह, निवासी--26/42 पंजाबी बाग. नई विस्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जय भगवान सुपुत्र श्री नाथौर्णा मल, निवासी----56 जटवारा तेलिवारा, दिल्ली । (अस्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृथंक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीवत व्यक्तियों में से किसी ध्वक्ति स्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी इ पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

प्रनुपूची

प्रों न व 4906. 4907 और 4808 वार्ड नं - 11, कटरा इमलीवाला, आर्यापुरा, सब्जी मण्डी विल्ली, तादादी 140 वर्गगण ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनोक्: 15-10-1984

प्रकृप वार्ष . टी. प्रन . एत . - - - ---

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्वनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सं(०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/2→ 84/1013--अत मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० सीं → 12, है तथा जो न्यु नं० एम — 3/12, मोहन पार्क, माइल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वेक्त सम्पृत्ति के उचित बाबार मूख्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्थास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार कुल्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पढ़े प्रतिस्ता के अधिक है और अन्तरक (अत्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नितिचत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नितिचत वास्तिक स्था से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वावता, अक्त नीभीनमा के सभीन कर देने के अन्तरक के दादित्व में कमी करने या उसमें वचने वें दृषिभा के लिए; और/बा
- (क) एसे किसी जाय या किसी अन या अन्य जास्त्यां को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

कत जब उबते अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती तारा रानी बजाज पत्नी श्री हरबंस लाल बजाज, निवासी —सी — 12, न्यु नं० (एम → 3/12), मोहन पार्क माडल टाउन, दिल्ली, वर्तमान-निवासी — ग्राम-पार्ला कलायाना जिला — करनाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० के० राठी सुपुत श्री मोती लाल राठी, निवासी—63—स्टेट बैंक कालोर्ना, विल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पन्धीकरण :----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को इस अध्याय में विकार गया हैं।

नग्रुपं

सिंगल स्टोरी बिल्डिंग प्लाट नं० सी-12, स्यू नं० एम-3/ 12, मोहन पार्क, मांडल टाउन, विस्ली, एरिया 89 वर्गेगज, बसरा नं० 27, ग्राम-धीरपुर विस्ली राज्य, विस्ली।

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विमांकः 15-10-1984

प्रकृष बाह्".टी.एम.एस. : ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 269-थ (1) के अधीत सुधना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक, बायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस—आर-1/2-84/ 1017—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पदभात 'उम्स अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

और जिसकी सं 154, है तथा जो न्यू नं 1542, फैंग गंज. पटौदी हाउस, दरीयागंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूर्वा में पूर्व रूप से व्यणित है) रिजस्ट्रीक्सर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम ब्रुथमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बृल्य, उसके ब्रुथमान प्रतिफल से, एसे ब्रुथमान प्रतिफल के ब्रुल्य से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और ब्रिलिश्त (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ब्रिया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिश से लिए; और/या
- (का) एसी किस्ता आय या किसी धन या अन्य आस्तिय। की जिन्ह आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवं, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण भौ, मौ, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) स्वामी तिलक राम, वंला स्वामी चेतन आमन्द विदाक्शी जी,
 श्री सत्य धरम मन्दिर,
 7/5 ईस्ट पटेल नगर, नई दिस्ली ।
- (2) श्रीमती भारती इन्दर पंजवानी, पत्नी श्री इन्दर ठाकुर दास पंजवानी, 32-नेताजी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वना पारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;

स्पस्य किरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्रकी

प्रो॰ नं व 154 (ओस्ड) न्यू नं व 1542, प्लाट नं व 18, फैज गंज, नियर पटौदो हाउस, यरिया गंज, मई विल्ली, सावाबी 107/--1/2 वर्गगज ।

आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनोंक : '15-10-1984

प्रस्प भाष्: . टी. एन. एस.-----

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भागकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/2-84/1025---अतः मुझे आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

23,000/ जीर जिसकी सं० 214/4736, है तथा जो भाग-बी, 23 अंसारी रोड, दिया गंज, दिस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है) पिनस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक फरवरी 1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह यिष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से व्यापक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निक्तिविक्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्ष्म से किंग्त नहीं किया गया है:——

- (क) बंबरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अंतरक के रायित्व में कभी करने या उससे अवने में सरिधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अधः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निकासिवात व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) इमका कन्स्ट्रक्शन कं०, 24/24, अंसारी रोड, वरिया गंज, नई विस्ली, द्वारा प्रो० श्री महाबीर प्रसाव गुप्ता सुपुत्र स्व० श्री राधे-कृष्ण गुप्ता । (अन्तरक)
- (2) मास्टर संजय और संदीप जैन सुपुत्र श्री आर० एन० जैन द्वारा सही अभिभावक श्री आर० एन० जैन, निवासी—-40/72 पंजाबी वाग, नई विस्ती।

(अन्सरितो)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हिनां भूरू करता हुं।**

उक्त सम्मत्ति के अर्जून के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो श्री अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में अन्य विक्रा का मुकंगे।

स्यष्टीकरण —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है

वन्सची

फ्लैट नं० 214, (एफ-एफ) प्रो० नं० 4736, भाग-जी, 23 अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली, नाटादी 411.7131 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांकः : 15-10-1984

प्रकए बार्ड, थी. एन. एस. ------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, तहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आए-1/2~ 84/1026-अत. मुझे, आर० पी० राजेश,

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परवात 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने क्ष्र कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार भूत्य 25,000/ स. से अधिक हैं

बौर जिसकी सं० जी०-14ए है तथा जी 4736, भाग-श्री, अंसारी रोड वरिया गंज दिल्सी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984,

मो पृशांनित संपरित के उचित वाजार मृत्य से कम के क्यमान श्रीतफस के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित वाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण संहुई भिन्नी भाग की नागत, उपय वीभीमयन में जभीन कर दोने में मन्तरक के दाविस्त में क्षणी करने ना प्रश्ने न्यने में ब्रुविशा के जिए; बॉर/ना
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आवक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने भें दिवा वे विदः

तान अब, उनत अधिनिधन की भारा 269-ग के अनुबूरण भी, भी, उनत अधिनिधम की भारा 269-व की सप्धारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन हु---- (1) इमका कन्स्ट्रमशन कं० 24/24 अंशारी रोड, दिखागंज, नई दिस्सी। प्रो० श्री एम० पी० गुप्ता सुपुत्र स्व० श्री राधे कृष्ण गुप्ता।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती साधना जैन सुपुत्री श्री एम० के० जैन निवासी—जी-1/202, विनय मार्ग, चाणक्यापुरी, नई दिल्ली ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंव :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की पारीश है 45 जिन की जन्भिया तत्सम्बन्धी का नतमां पर सूचना की तामील से 30 जिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर अ कितयों में से किसी स्पक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी क्या व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकेंगे।

स्यक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्षितियम, के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्ष होगा वो उस सध्याय में विका पदा हैं।

अनुसूची

फ्लैट मं॰ जी-14ए, ग्राउम्ड फलोर प्रो॰ नं॰ 4736, भाग-बी, 23 असारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली, लादादी 400.691 बर्गफीट ।

> आ० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶2, नई दिस्ली

विनोष्ट : 15--10--1984

मोहर .

प्ररूप आंह⁴. टी. एन एस -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा २६९-भ (1) के सभीन सचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ल

नई दिल्ली, दिनार 15 आस्त्रार 1984

निदेश स० आई० ए० सि'०/एवय/2/एस०-आर-1/2-84/ 1027--अतः मुझे, आर० की० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ∍८,,()((()∕≂रऽ से अधिक हैं

और जिसकी सब जी-14सी है तथा जो 4736 भाग-बी, असारी शोड, दरिया गंज, में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूर्व में : पूर्व रूप से वर्णित है), भिरुट कर्ता अधिकारी के रायलिय दिल्ली मे भारतीय रिनस्द्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984

काः पर्वोकत सम्पत्ति को उचित बाजार मल्य स कम को इध्यमान प्रिक्तिल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स, एम दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के दीन एभे अन्तरण े जिल तर एक गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से इ.इ. कि.सी आग्र की बादत अभिनिक्रम के अभीत कार उत्तर के सम्परक की दायित्व में कमी करने या उत्पन्ने वक्तरे में लिकिया के लिए और/ग्रा
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य ऑस्सियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 १९७५ 😭 🕦 रा उक्त अधिनियम, स्ट भनकर प्रिचियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में वर्षताभा के सिए

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा २६०-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप्धारा (1) क्रे अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---22-316GI/84

- _- <u>= - -</u> (1) इम म वन्स्ट्रक्शन क० 24/24, असारी रोड, दरिया गज, नई दिल्लः द्वारा प्री० श्री महाबीर प्रसाद गुप्ता सुपुत स्व० श्री राधेकृष्ण गुप्ता । (अन्तरक)
- (2) मैं० एम० के० जैन एण्ड सन्स, डो -1/202, वित्रय मार्ग, चाणक्यापुरी, नई दिल्ली द्वारा एम० के० जैन, । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करक पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन की िया कायवाहिया अस्ता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जा अभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- ्ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य स्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरो।

स्पक्षीकरण — इसमा प्रयासन शब्दा और पदों का अधिनियम, के अध्वाय 20-क में परिभाषित **इ. . वहीं अर्थ हाता जो उस अध्या**य जो नवा 🗗।

सनसधी

फ्लैट न० जी-14 नी०, जो फ्लैट न० 14 सी०, ग्राउण्ड फ्लोर पो० त० 4736, भाग-ब}, स्थापि⊤ √23 असारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्लो, नादल: 5663,4907 वर्गफोट ।

> आर० पं ० राजेश पक्षम प्राधिकारी महायक आयक्र आयुका (निरक्षण) अर्जन रेज-- 2 , नई दिल्ली

दिनाङ 15 - 10 - 1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज,-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 धक्तूबर 1984

निवेश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/2/एस-ग्रार-1/2-84 /1028-ग्रतः मझे, ग्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं जी-14 जी, 14 जी, है तथा जो 4736, भाग-बी, ग्रंसारी रोड दरियागंज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके एश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कां) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व मे कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिंग्:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अधित्:—

- (1) इसका कन्स्ट्रक्शन कं०, 24/24, श्रंसारी रोड, दरिया गंज, नई विल्ली । द्वारा त्रो० श्री महाबीर प्रसाद गुप्ता सुपुत स्व० श्री राधे कृष्ण गुप्ता । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पा जैन पत्नी श्री एम० के० जैन, निवासी --- डी-1/202, विनय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई विरुत्ती ।

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्थव्हिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्रि अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं॰ जी-14डी, जैसा कि नं॰ 14-डी, ग्राउण्ड फ्लोर, प्रो॰ नं॰ 4736, भाग-बी, 23 ग्रंसारी रोड, दरिया गंज, नई विल्ली, तादादी 426, 735 वर्ग फीट ।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2 नई दिल्ली

दिनांक : 15-10-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर नायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई व्हिल्ली

नई विल्ली, खिनांक 15 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी'०/एक्यू० /2/एस०-म्रार/1/2-84/1029-म्रातः मुझे, ग्रार० पी॰ राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिक्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० जी-18 बी, है तथा जो 4736, भाग-बी, ग्रंसारी रोड, दरियागंज दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक फरवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान श्रीतफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, ऐसे धरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधित्यम के ब्धीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उद्दर्श बचने में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भूत या बन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

मतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, नचीत् ध— (1) इमका कन्स्ट्रक्शन कं०, 24/24 मंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली द्वारा प्रो० श्री एम० पी० गुप्ता सुपुत्र श्री मार० के० गुप्ता ।

(मन्तरक)

(2) श्री शरद जैन सुपुत्र श्री एम० के० जैन, निवासी—जी-1/20/2/विनय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई विल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये वा सकरी।

स्पाक्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका प्रा है।

यग्याची

प्रो॰ नं॰ जी-18वीं ग्राउण्ड फ्लोर प्रो॰ नं॰ 4736, भाग-बी, स्थापित 23 मंसारी रोड, वरियागंज,या नई विल्ली, तावादी 401.611 अवर्ग फीट ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

दिर्माक : 15-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निर्नेक्षण) श्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी \circ /एस्यू०/2/एस-श्रीर+I/2-84 1030--श्रतः मुझे, श्रार० पी \circ राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ई-2/16, है तथा जो दिश्यागज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिक्यिं। के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाफ फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धर्न-कर अधिनियम, का धर्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) म० सरस्वती बिल्डर्स,
 जी-1/16 भाग-II, दरियागंज, नई दिल्ली
 ढारा भागीकार, श्री सतीश सेठ सुपुत श्री श्रार० सी०
 सेठ,
 निकासी--जी-1/16 दरियागंज, नई दिल्ली ।
 (श्रन्तरक)♣
- (2) श्री सन्त सरन भला और श्री लिलत मोहन भला, निवासी—7/20 रूप नगर, दिल्ली-7 । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करंता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत → बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी कि पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोरशन प्रो० नं० $\xi-2/16$, दरियागंज, न ξ दिल्ली, तादादी 410 बर्गफीट ।

भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

दिनांक : 15-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मन्तूबर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्पू०/2/एस-म्रार-I/2-84/1031---म्रतः मुझे, म्रार० पी० राजेश,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधितियम' कहा गण है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास। करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी उक्ति कारण 25,000/- रा में अधिक है

ग्रीर जितकी सं० 2640-41 है तथा जो रोशनपुरा, नई सड़क दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीक्रण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमं के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमन प्रतिफल सं, एस दश्यमन प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्रथा प्रातिफल निम्निलिखत उद्दश्य में उक्त अनरण लिखित का बास्तिबक रूप स किथत नहों किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त विधिनसम्ब के जंबीने कर दोने के जंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचन में सविधा के लिए; जौर/मा
- (क) न्हों किसी बाय या किसी धन ना अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती न्द्वारा प्रकः नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में. में, एक्त अधिनियम की एस किए की वासरण के अधीर, निम्निविश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बी० के० भायुर सुपुत्र स्व० श्री टी० सी० माथुर, निवासी—डी-1/89, सत्या मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुमन कुमार पुरी सुपुत श्री एच० एस% पुरी, निवासी--4641 रोशनपुरा, नई सड़क दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ६ 4/5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दकारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख हा 45 दिन के भीतर उक्त स्थायिर सम्पत्ति मो हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहणकाः । पास लिखिन मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टोंकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

यन सन्धी

प्रो॰ नं॰ 2640-41, रोशनपुरा, नई सड़क, दिल्ली, तादादी 1180 वर्गफीट ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-10-1984

प्रकृप काई. टी. एन. एत्.------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-न (1) के नधीन सुन्ता

भाइत बहुन्मर

कार्यातम, सहायक भायकर नायुक्त (निरुक्तिक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 15 अक्लूबर 1984

निदेश सं० आई ए० सी /एभ्यु०/2,एस आग- /2-84/ 1032-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

और जिसकी सं० 3/7 है तथा जो ईस्ट पटेल तगर, नई बिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्री क्वां अधिकारी क कार्यालय दिल्लो में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते मह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल हो, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ह्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) बृत्यूरण से सूत्र कियी जान की बाबत, सकत प्रक्षितियम के समीत कर देते कि प्रस्तरक के बासित्य के कमी करने वा उससे ब्याने में सुविधा के जिए; बॉड/बा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुनिधा के सिए।

अतः अस, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म को अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अधीत् अ—

(1) श्री जतीन्दर कुमार, निवासी-डी-ई-III, टैगोर पार्डन, नई दिली।

(अन्तरक)

(2) श्री जे एन ढल, निवासी-3/7, ईस्ट पटेल नगर, नई दिस्ली ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पितित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए था सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

यमुज्जी

प्रो० नं० 3/7 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, ताबादी 200 वर्गगण ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिस्ली

विनांच : 15-10-1984

प्ररूप आहूरे.टी.एन.एस.---

आयक्ट अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजॅन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1984

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-म्रार-1/2-84/1033---अतः मुझे म्रार०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्हा बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 12050, है, तथा जो 26/46 मक्ती नगर; विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ए'से द्रायमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रिवन्दर नाय गांधी, योगन्दर नाय श्रीर अनिल गांधी सुपुत्र स्व० श्री मुरलीधर गांधी, सभी निवासी 164-ई, कमला नगर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी जैन पत्नी श्री श्रजीत प्रसाद जैन, निवासी-3028, गली छोटी कल्यान सिहमोरी गेट, विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 26/46 म्युनिसपल नं० 12050, तादादी 160 वर्गगज, शक्ति नगर, दिल्ली ।

> भ्रार०पी'० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनोक : 15-10-1984

शब्दम **नाइ** टी एन. तस

प्रकार की जिल्हा, 1961 (1961 का 43) की 🖅 - ५५-३ (१) के अधीन सुबटा

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, नर्ड दिल्ली, दिनांक 15 अक्तबर 1984

निदेश एं० श्रार्ड० ए० सी०/एक्य्०/2/एस=श्रार=I/2=84/1038—शत मुझे, प्रार० पी० राजेश,

आभ्यत अभिन्याः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अनिनियम' कहा गया है।, की धारा 260-स वे अधीन सम्बद्ध प्राणिकारी की यह विश्वास का कापण है कि काफा गमाति, जिल्ला जीना जाना वतक 25,000/- रज्यये में अभिक ही

भ्रीर जिसकी स॰ 368, 373 मे 375 है तथा जो (1/2) काश्मीरी गेट, गन्द्रानाला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनमृत्ती मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्टीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उ**चित बाजा**र मृल्य से कम के इल्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिरियो) के गीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिसित में बास्तिविक अप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से क्रर्ड किसी आय की बावत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के र्गाया में काफी शहरों न प्राप्त एको में सम्बन्ध के लिए, और या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियो को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1929 का 11) या उक्त जी प्रशंक का व कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मी सः अधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण , मैं, लक्त अधिनियम की धारा 26०-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ---

- (1) एस० भारा रि: पुरुव एप० तेजा तेजा (सह (2) श्रीमती । स्पन्त कार विधवा पत्नी एस० श्रवतर सिंह (3) एन० कूलदी। निह (4) तरणजीत सिह

 - (5) हरजीत सिर स्रुत स्व ग्रम० अवनार सिंह
 - (6) श्रीनती कवतजीत कौर पत्नि श्री मोहिन्दर पाल सिह,
 - (7) श्रीमती रविन्दर कौर पत्नि श्री कवर इकबाल सिंह ग्रौर
 - (8) श्रीमती इन्दरपाल कौर, पत्नि श्री हरविन्दर सिह, सभी सुपुत्री स्व० एस० प्रवतार सिंह, निवासी'-मी'-11, णिवानी' पार्क, नई दिल्ली -26 ।

(भ्रन्तरक)

(2) कास्टर कांपल भाटिया मुपुत्र जुगल किणोर भाटिया निवासी $-8^{-7}/104$, डब्ल्यू -ई-ए-करौल बाग,नई दिल्ली द्वारा उनकी मा शीमती कान्ता भाटिया । (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके एर्यायत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप '--

- (क) इस सुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थनहक्तीतालीक ए ३० जिन को अव**धि, जो भी** अविधि बाद भी अभाषा होती हुए, के भीतर प्रवेक्त
- (स) इ.स. स्वयः) ५ 🗁 🕆 ः अान की तारीख है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति युवारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त स्पद्धीकरण अधिनियम वं अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

भनसूची

प्रो० न० 368, 373, 374, 375 और 376 (1/2), त,दादी 90 वर्षणण, गन्दार दंग, सांगो हेट, फ्रामोशी मेट, दिल्ली वाई ५० 1 ।

> श्रार० पा० राजेश सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्तर आयक्त (निरक्षण) अर्जन रेज 2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

15-10-1984 दिनाक

प्ररूप आई टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सृचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 ग्रक्तुबर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-ग्रार-1/2-84/1040--ग्रनः मुझे, ग्रार० पी० राजेण,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं 1082 है तथा जो गली सागर चान्द, शोरा कोठी, एस | मण्डी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद्ध श्रम्सूची भेंपूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रोकर्ता अधिक गरी के कार्याल ग दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (19098 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितियार्) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है के—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उनत श्रीपनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारां (1) के अशीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :----23---316GI/84 (1) श्री श्याम पाल सिंह, सुपुत्र श्री शीतल सिंह, निवासी—1082 शोग कोठी, सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री णंकर गुष्ता मृपुत्र श्री प्रेम सागर गुप्ता, निवासी--1685 सोहन गंज, सब्जी मंडी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकांगे।

स्पथ्वीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्षिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही कर्थहोगा को उस अध्याय में दिया गमा हैं।

मन्सूची

प्रो० नं० 1082 गली सागर चन्द, शोरा कोठी, सब्जी मण्डी, विल्ली, तादादी 65 वर्गगज ।

> श्रार० पी॰ राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक .15-10-84 मोहर: प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

नायुकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांच 15 अक्तूबर 1984 निर्देशमं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० आर०—1/2—84/ 1043——अत मुझे, आर०पी० राजेण,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- कः से अधिक ही

और जिसकी मं० 3247, है तथा जो वार्ड मं० 9, लाल दरवाजा बाजार मीताराम में स्थित है (और इससे उपाद्यद्व अनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984

की पूर्वोक्त संस्पित के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितक को सिए जन्तरित की गई है और मुन्ते वह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पित्त का उभित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिनिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाब्त, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;
- कत., जर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अमुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) श्रीमती भागीरथी वेबी,
पत्नी श्री रधुबीर शरण,
निवासी-इब्ल्यू० जेड०-1977,
मुलतानी मोहल्ला, रानी बाग,
शकुर बस्ती, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रूकमणी देवी, पत्नी श्री दिवान चन्द अग्रवाल, निवासी-3328, कुचा काशगिबी, बाजार सीताराम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी अर्जे पृथींक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यनाष्ट्रियां करता हुई।

उनत् सम्पत्ति के नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिश या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व औं भी बविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उबत विश्वनिवय के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

बन्स्ची

प्रो० नं ० 3247 वार्ड नं ० 9, लाल दरवाजा, बाजार सीता राम, दिल्ली; तादाक्षी 70 वर्गगज ।

> आर० पी० राजेश, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनाक ∎ 15--10--1984 मोहर . ∎ प्रस्य वाह् . सी . एव . एख

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यात्य, सङ्ग्यक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निर्सेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/2-84/1044---अत मुझे, आर०पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3247, है तथा ओ 9-नाल दरवाजा बाजार सीताराम, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीक्ररण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे अजने में सुविधा के किह; और/बा
- (क) एसी किसी जाज या किसी धून या अन्य जास्तियां की, जिन्हों भारतीय जाब-कर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए जा, कियाने में ब्रिया से जिए।

अतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं., उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन मिन्निसिस्त व्यक्तियों, वर्षांस् :--- (1) श्रीमती भागिरणी देवी, पत्नी श्री रघुबीर शर्मा, डब्ल्यू० जेड०-1977, मुलतानी मोहल्ला, रानी बाग, शकुरबस्ती, दिल्ली।

(अन्तरक,

(2) श्री दिवान चन्द अग्रवाल, मुपुत्र श्री उमराव सिंह, निवासी-3328 कुचा कासमारी बाजार, सीताराम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह त्यमा भारी करके प्रामित कम्पतितं के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

जन्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाकोप :---

- (क) इस सूचना के शाचपत्र में प्रकाशन की वारीस से
 45 विन की जनभि या तत्संत्री भ्याबितयों पर
 तुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के गास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

प्रो०नं० 3247,लाल दरवाजा वाजारसीनाराम, इलाका 9, विस्ली—नावादी 70 वर्गगज ।

> आर०पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनां क: 15~10~1984

प्ररूप आइ", टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्करा

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षक)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 15 अन्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/2-84/1046--अतः मुझे, आर०पी० राजण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बन्जार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 2938/12, है तथा जो आर्थापुरा, सब्जी मडी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्री कर्ता अधिअर्थी के सार्थालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 अ 16) के अधीन, दिना कु फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दृश्यमान प्रिक्षिल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिक क निम्मिनिकत उद्देष्य से उक्त बंतरण निकित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरफ के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भनकर अधिनियम, का भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्दिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में हिष्या के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, जर्धात् :— (अन्दारक)

(2) श्रीमती कमल जैत, पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, मोतिया बाग, रेलवे कालोनी, सब्जी मंत्री, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिंग ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा ।
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिनित में किए का सर्वार

स्यव्दीकरणः -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

बन्त्यी

प्रो०नं० 2938 वार्धनं० 12, आर्यापुरा, सम्भी मंडी, विल्ली ।

आर० पी० राजेंश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2,दिल्ली नई दिल्ली-110002

विनांब: 15-10-1984

प्ररूप बार्ड . टी . १न . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-आर०-1/2-84/1048 ---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आएक ए प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० में अधिक है

और जिसकी स० 2166, है तथा जो चौरासी घटा बाजार सीभाराम, वार्क नं० 8, में स्थित है (और अपने उपाबक्ष अनुमूची चेंपूर्ण स्थान विश्वाह), रोजस्ट्रीहर्ना अधि अभी के अयोजय, दिल्ली में भारतीय रोजस्ट्रीहरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के जबीन, दिशाइ फरवरी 1984।

को प्योत्त संगति के जीति वाजार मृत्य स क्षत्र के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मृत्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पण्डल प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) श्रीय भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य ने उनन प्रत्नरण विश्वित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर वन के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुखिया के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्ठिनियम, या धन कर प्रश्निनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रान्तियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए ;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अब्बंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थित ह— (1) श्रीमती सहमती देवी पत्नि श्री लालाराम श्री लाला राम, निवासी-2166, जीरासी घंटा बाजार, सीनाराम, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमन अग्रवाल, पत्नी श्री रविन्द्रा कुमार, निवामी → 2790, गली पीपल महादेव, हीजकाजी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक प्वाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चन्द्र सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श्राप्त के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियां कर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कर व्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति हुतारा;
- (क्ष) इस सृचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोगे।

स्पाक किरण:--इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदों का, जो अम्बन्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो अस अध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्रो० नं० 2166, चौरासी घंटा बाजार सीताराम, दिल्ली, वार्ड नं० 8, तादादी 90 वर्ग गज,

आर० पी० राजेण गक्षम प्राधिकारी तहायए आयक्तर आपुक्त (निरीक्षर) अर्जन रेंज- , दिल्ली न**ई** दिल्ली-110001

दिनास: 15--10--1984

प्ररूप आध्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, II नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 15 अक्टूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस आर-1/2-84/1051—अन मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 260, है तथा जो हिककत नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलाक 19 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :--- (1) श्रीकती प्रकाम बाबलानी परिन श्री दाबलानी निवासी जे ~6/69, राजोशी गांर्डन, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमर कौर पत्नी स्व० श्री करतार सिंह, निवासी-2337 पंजाबी भाग, जन्ह दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उभत संपंति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्वाटर नं 260 हकीकत नगर, दिल्ली, तादावी 123.66 वर्णमूल ।

> आर० पंजी०राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंक्जाI, दिल्लीनई दिल्ली

दिनांग: 15-10-1984

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. ------

नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-11 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 अक्पूबर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० /एनयू०/2/एस- आर-1/ 2-84/1055,--अत मझे, आर० भी० राजग ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्मकी सं० 174 ब्लास्ट ए है तथा जो मजित्स पार्क ग्राम भारौती दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबख अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 फरवरी 1984 की

के पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्षेपय से उक्त अन्तरण कि बित अंवास्तिक कम से कि बत नहीं कि या गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में त्विभा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी भाग या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अबे अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मंगत सिंह मुपुल श्री गोविन्द राम निवासी 123, अनतार सिंह शेष्ठ, आगरा केन्ट, यू०पी० द्वारा जी० ए० श्री मनजीत सिंह सुपुल श्री बीन्ट सिंह, निवासी ए-27, सराय पीपल थाला, एक्सटेणन, दिल्ली-33

জান

(ान्सक्तिक्ष)

 श्री बीन्टर सिंह सुपुत्र एस० केहर सिंह, निवासी मकान नं० 140, मुखर्जी पार्क, नई दिल्ली-18

(अन्तरिती)

को मह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्ची

प्रो नं 174 तादादी 180 वर्गगज, खसरा नं 272 258/217/4, स्थापित ब्लाक 'ए' मजिलस पार्क, एरिया, ग्राम भरीला, दिल्ली।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेक्जII-, नई दिल्ली

दिनाक : 15-10-84

मोहुद्ध 🛮

बक्य बाद्रौ, ठी. १म., एत. ५----

कायकार ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन गुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 15 अक्तूबर, 1984

निदेण स० आई० ४० सी०/एक्यू०/2/ए**सआर-I**/2-84/ 1056—-अत मुझेआर० पी० राजेण

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने सक कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्स 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं 4/ 59 है, तथा जो रमेण नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसल उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्षा अधिजकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह शांतशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिन्तिस में बास्तिक रूप से कारित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुर्द किसी भाव की वावत, उथक विभिनियम के वभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (10) के अधिनियम, 11) के उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था के लिए;

भत अब उक्त सींधनियम की भाष 269-ण की अनुसरण हों, मीं. उक्त सिधनियम की भाष 269-ण की उपभाष (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री इन्दर सिंह मुपुत्र श्री गगा निह, नियासी 4/59, रमेण नगर, नई दिल्ली

(अन्तरकः)

2 श्रीमती उमित बरात, पत्नी श्री ज्ञान चन्द बरात, विदासी ई-18, णाग नगर, नई दिल्ली

(अन्याग्ना)

क्त्रं यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मस्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की नविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तानीम से 30 दिन की समित जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजनत्र में प्रकाशन की नारीत से 45 दिने के भीतर इस्ति स्थायर सम्पत्ति में हित्यव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा मकोंगे।

जल मृची

सरकारी बना क्वाटर न० 4/59, रमेश नगर, तादादी, 100 वर्ग गज, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेण मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज 2, दिल्ली नई दिल्ली

दिनाकः 15-10-84

लहार:

इस्प भार्ड. टी. एन. एस. ----

भाग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के सधीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंफ्ज 2, नई विरुली

्नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर, 1984

निवेंश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस आर-1/2-84/ 1060—अत मुझे आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उणित बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

अौर जिसकी सठः 9, रेड, नं० 32 है, तथा जो पंजाबी बाग ग्राम बसई दारा पुर, दिल्ली में स्थित है (और धससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के इष्यमान वितिकल के लिए बन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विव्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बृख्य, उसके रह्यमान प्रतिकल से एोंसे रह्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखिन में बास्तिबङ कप से किथान नहीं किया गया है का

- (क) इस त्याना के राजपण में प्रकाशन की सारील से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें वावित्व में कमी करमे या उसमें त्रथने में हथिया के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अल-कर अधिनियम, या अल-कर अधिनियम, या अल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिकिश के लिए:

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधान, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः---, - 15 GI/84

- श्रीमती केवल रासी पत्नी स्व० श्री कुन्दन लाल, निवासी 9/32, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री प्राणनाथ, मल्होक्षा, सुपुत्र श्री नानवः चन्द, निवासी-3, ईस्ट एवेन्यू, पंजाबी बाग, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कारके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप :---

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी महिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस स्वता के राजपन में प्रकारन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बय्ध किसी बन्य स्थान्त द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास मिकित में किए या सकेंगे।

स्पद्धिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा भो उस अध्याय में दिया गय। हैं।

अनुसूची

एयः एयः हाउप, प्लाट नं ० १, रोड, नं ० 32, तादादी 279.55 वर्गं गज, स्थापिनु —पंजाबी बाग. एरिया ग्राम बसई दारापुर, विस्ली राज्य, दिल्ली।

आर० पी० राजेश जक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर्र आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन गेज 2, दिल्ली न**र्ष दिल्ली**

दिनांच : 15-10-84

मोहर

प्ररूप बाइ^{*}.टी.एन एस. -----

बायकर थाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर, 1984

निवेंग सं० आइ० ए० सी० /एक्यू०/2/एस०आर०-1/2-84/ 1068—अत मुझे, आर० पी० राजेग

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2166 है, तथा जो घौरासी धंटा बाजार सीताराम, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उंचित वाजार मन्य य कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह त्रिश्यम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में शास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवधा के शिए:

बतः जब उक्त जिभिनियमं की धारा 269-ए के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन जिस्तिज्ञित स्यक्तियों, सर्धात ---- श्रीमती यक्तमणी देवी, पत्नी लाला राम प्रवासी-2166, चौरासी घंटा, बाजार, सीताराम, दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीमती सुमन अग्रवाल पत्नी श्री रिवन्दर कुमार,
 2970, पीपल महादेव हीज काजी, दिल्ली।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्य के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्रो० नं० 2166, चौरासी घंटा, वार्क नं० 8, बाजार मीताराम, दिल्ली, नावादी 90 अर्थगाजा।

> आर० पी० राजेश गक्षम अधिकारी महायङ आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रोज-II, नई दिल्ली

दिना⊬ 15-10-84 मो<u>≩</u>र प्रकृष बाह्र . टी. ६व. एस. -----

नामकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई विरुली

नर्ष दिरुली, दिनाक 15 अक्तूबर, 1984

निवश स० आई०ए०र्स०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/2-84/ 1069 —अतः मूझे आर० पो० राजेश

बायकर अभिनियम, 1961 (1901 का 43) (जिसे इसर्म इसके परेवास् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य $25,000/- \tau$ से अधिक हैं

भौर जिसका म० 5-सां/85 है, तथा जो म्युनिसिपल न० 9612, न्यू रोहतक रोड, विल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूचा में भौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रं कर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्ला में प्रजिस्ट्रं करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक 1984 फ रवरा,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान बातफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उचित बाजार कृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का स्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और कृत्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय किया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में पास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है.——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उन्ध जिथिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक क शयित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविध। के सिए; जीर/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या नम्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिष्ट।

अप्तः अभ्रः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में पें. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की प्रपथारा (1) ■ अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री राम कुमार चोपड़ा सुपुत स्व० श्री राम रतन चोप ह निवासी मोहल्ला राजेन्दर नगर, पुलिस स्टेशन, कदम कुंआं, पटना, द्वारा श्री राम कृष्ण चोपड़ा, ग्रीन मैडिकल हाल, पटना (जी० ए०)
- 2. श्री शिव वीर सुपुत श्री रण बीर किशोर, निवासी 13-वा/16, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक क 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकी।

स्यर्काक्षरण:—इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदीका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्रची

प्रो० नं० 85, ब्लाफ, 5-सी, खसरा नं० 1108/53, म्युनिसिपल नं० 9612, न्यू रोहतक रोड, नई पिल्लो, तावादो 241 79 वर्ग गज ।

आर० पी० राजेश समम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज 2, नई दिल्ली

विनाम: 15-10-84

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्तक) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 15 अक्तूबर, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० संा०/एक्यू०/2/एस०आए०-1/2-84/ 1076-अतः, मुझे, आर० पो० राजेश,

आगकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० ई-19 है, तथा जो मानसरोवर गार्डेन, बसईदारापुर, दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, दिल्लो में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन दिनांक फरवरां, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहसमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया या प्रतिफल, न्मिलिखित उद्वेषम से उकत अन्तरण सिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के निए;

- श्रामती लाजवन्ती पत्नी वि० श्री सूरज प्रकाश, निवासी—46-बी, प्रमेश नगप, मई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमतो सतवन्ता परनी श्री विद्या धर, निवासं:—6/31, मोतो नगर, नई दिल्ली।
 (अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के निष्
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकारन की तारीय से 45 दिन की बनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान। की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्थावहीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

4**श्सूची**

प्लाट नं० ई-19, मानसरोवर गार्डेन, ग्राम बहदंवारापुय, दिस्ली, तादादी 220 वर्ग गुज।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रज-1, नई दिस्ली

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्ति स्यक्तियों, अर्थात :---

विनांक 15-10-84 मोहर : प्रकप आहे, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिस्ली

नई विरुली, दिनाक 15 अक्तूबर, 1984

निदेश सं ० आई० ए० सों०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/2-84/1077--अतः, मृझे, आर० पो राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 26/6, है, तथों जो नजफगढ़ रोड, नई विस्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन दिनाक फरवरी, 1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से सुई किसी आय की वाबत, उमत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दासित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै नेगान है। मिहन, इन्डह्ट्राज लि०
 नजफगढ़ रोड, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

2 मै टिनको इन्डस्ट्राज ए-92/5, नरावणा इन्डस्ट्रायल एरिया, भाग-1, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां से
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित- कद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसनी

प्रो॰ नं॰ 26/6, नजफगढ़ रोड, नई विल्लो, ताबादी 134 27 वर्ग गम।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्लो

दिनांक 15-10-84 मोहरः ⁷प्ररूप आइ^{*}.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/2-84/ 1079---यतः मुझे आर० पो० राजेशः,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

म्रीर जिसका सं जा-23/3 है तथा जो राजोरो गार्डेन, एरिया बसईवारापुर, दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में भ्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) र्यातस्ट्राकर्ता अधिकारा के के कार्यालय दिल्ला, में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक फरवरा 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्स अधिनाम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रं अश्विनो कुमार सुपुत्र श्रां हरीम चन्वर, निवासो जा-23/3, राजोरो गार्डेन, नई दिस्सी । (अस्तरक)
- 2 श्रं इक्तबाल मिलक, सुपुत श्रो सी० डो० मिलक, निवासी 617/121, पश्चिमीपुरी, नई विल्ली। ₩ (अम्लरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रमुख्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपुरुषी

1/4 भाग प्रो० नं० जो-23/3, तादावी 351 वर्ग गज, स्थापित, राजोरो सार्डेन, एरिया ग्राम बसईवारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

> आर० पी० राजेशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज 2, नई दिल्ली

विनोक: 15-10-8**4**

फरूप शाही, टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत तरकार

च कार्यालय, सहायक स्नायकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजे-2, नई विस्ता

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस०आर०-1 2-84/10801, यतः मुझे, ग्रार पी राजेण,

गायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ... ते पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका जिसत बाजार मृल्य 5,000/- रा. से अधिक है

ो। जिसकी सं जी 23/3 है तथा जी राजौरी गार्डन माम बसई दारापुर विस्ती में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूर्व में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1984

ा पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार की उचित बाजार की उचित बाजार की उच्चे इश्यमान प्रतिफल का जूर प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और न्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उच्चे अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ध्वारा रका नहीं किया गया था या किया जाना चाहिर था किया है सित्रा के लिए।

अतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के उनसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीय, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्धात:—

- श्रं। योगेन्दर कुमार सुपुत्र श्रो हरोश चन्दर,
 निवासो जा-23/3, राजोरा गार्डेन, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्रा इकवाल मिलक, सुपुत श्रो सी० डा० मिलिक, निवासी 617/121, पश्चिम पुरो, नहीं दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीयतः संपरित ये अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति वो अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अविधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की सविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जा उस भव्याय 'में दिया। गया हो।

मन्स्ची

1/4, हिस्से प्रो० नं० जी-23/3, तादादी 35.1 वर्ग ग्ज स्थापित, राजोरी गार्डेन, ग्राम-असर्डदारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ला।

> आर० पा० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्लो

दिनाफ: 15-10-84

मो 😗

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

'कार्यप्रसय, महायक शायकर आयुक्त (भिरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक दिनांक 15 प्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० भाई० ए० सी ०/एक्यू०/2/एस०भ्रार०-1/2-84/ 1083 - प्रातः, मुझे, श्रार० पी ० राजेश,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2(-9-4) के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25.0(-9-7) रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1865/1864 है, तथा जो 1880/14, 11, भागीरथ पैलेस, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसक्से उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के शिक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिक में बास्स कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों. बर्धात्:— नागरमल जयपुरीया, सुपुत्र श्री मदत राल कारा,
 मै० नागर मल सुरश चन्दर (एच० यू० एफ०),
 बी-84/1, भोखला इन्डस्ट्रीयल एरिया,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

सुन्दर कुमार सुपुत्र श्री कुन्दन लाल,
 4475, क्लाथ मार्केट, धिल्ली, और
 विनोद कुमार सिंघानी सुपुत्र श्री बाबू राम,
 निवासी—1849, भागीरथ पैलेस., दिल्ली-6।
 (ग्रन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उचत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🚁

- (क) ६ स स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रांतः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताकारी के पास लिकित में किए का सकरेंगे।

स्पर्धीकरण. ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नगत्त्री

प्रो० नं० 1865, 1864 श्रीर 1880/14, एम० पी० एल० नं० 11, श्री महालक्ष्मी मार्केट, भागीरथ पैलेस दिल्ली,

> ग्रार० पी० राजेश, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज्-2 नई विल्ली

विनोक :-- 15-10-84 मोहर: प्रकप. थाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, 2 नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 प्रक्तूबर 1984
निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/
2-84/1090---श्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेण
गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा
269-च अ अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संग्यत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य
25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 23, 431/641, है तथा जो जानादपुर केवल पार्क, पी० टी० रोड़, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्याय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 19 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित राजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्कृ प्रतिशत से सिक्क है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के श्रीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण निचित में नास्तिक रूप से कियत गृही किया गया है प्र---

- (क) बंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उथल विधिनियम के अभीन कार दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन ए यन्य आफिर्य को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनयम, 1022 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का किसोजनार्थ अन्तरियो ह्वारा प्रकट नहीं एक स्वाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने का स्विभा के लिए;

जतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधित् —— 25 –315 अधि

(1) श्री नन्द किशोर सुपुत्र श्री खुशी राम, 23, केवल पार्क एक्स, दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती दया देवी पत्ति श्री गोविन्द राम. निवासी- सी-।, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाउ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसुची

प्रो० नं० 23, खसरा नं० 431/641, ग्राम ग्राजावपुर ग्राबादी केवल पार्क एक्सटेनशन, जी० टी० रोड़, नियर न्य सब्जी मंड़ी, दिल्ली, नादादी 111 वर्गगज ।

> ग्रार०पी'० राजेश मक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, नई दिल्ली

.**शस्य यहाँ , टी** , एन , एस , ,------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज -3 नई दिल्ली दिनांक 15 अन्तुबर 1984

निदेश सं भाई० ए० सी ०/एन्यू०/2/एस म्रार-1/2-84/1091--- माः मझे मार० पी० राजेश

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- ये अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 1192 ग्रोल्ड, है तथा जो न्यू नं० 1702 गली नामिनवाली, बाजार लालकुम्नां में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विभ्रत है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 16) के ग्रधीन दिनांक 19 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थामन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि मणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तय गया गया विषक्ष, निम्नसिचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण जिचित भे वास्तिक स्प वे करिया नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाम की माबत उक्त जिथ-निमास को अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/मा

अतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री प्रेम प्रकाण सुपुत लाला बुटा राम श्रीमती पुष्पावती पत्नी श्री प्रेम प्रकाण निवासी-702, बाजार लाल कुथां , दिल्ली,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रस्मान जहां पत्नी शेख ग्रन्दुल खालिक, निवासी-1010 गली राजन फराण खन्ना, दिल्ली.

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

सकत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी यिक्त बुदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर इक्स स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया-गवा है।

अनुस्ची

बेस्टर्न 1/2 भाग प्रो० एम० सी'० नं० 1192, (ग्रोल्ड) ग्रीर न्यु नं० 1702 (जी'० एफ०) गली नागिनवाली बाजार लाल कुम्रां दिल्ली तादादी 72.12 वर्गगज

> श्रार० पी ० राजेश सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, 2 दिल्नी

दिनांक :- 15-10-1984 मोहर :-

प्रकथ नार्च . दी . एन . एस . ------

मायकार व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 2 दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1984.

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस ग्रार-1/ 2-84/1092-ग्रतः मुझे ग्रार० गी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

25,000/-रं. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं तथा जो 1702 गली नागिन वालीं बाजार लाल कुशां विल्ली, में स्थित है (शाँर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में शाँर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी 84 को पूर्वोक्त स्व्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियां) के बीच एरे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गमा है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी कि.स. आय या कि.सी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्वाचा के तिय;

कतः वय, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) हो अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री प्रेम प्रकाश सुपुत्र बुटा राम,
 श्रीमती पुष्पा बती पत्नी श्री ग्रोम प्रकाश,
 निवासी-1702, बाजार लाल कुमां
 बिल्ली,

(बन्तरक)

(2) शेख श्रब्दुल खलिक सुपुत्र श्रब्दुल सलाम, 1010 गली राजन फराश खवा, दिल्ली।

(भन्तरिती)

करे यह सूचना जारी कारके प्वॉक्स संपरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के उजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

पूर्व का भाषा भाग

प्रो० नं० 1192 (घोल्ड) न्यु नं० 1702 गली नागिन घाफी बाजार लाल कुआं दिल्ली तादाबी 72.12 वर्गगज, ।

> ग्रार० पी० राजुश सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज −2 नई दल्लिी

दिनांक :-- 15-10-84

मोहर :-

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ण (1) वे अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 ग्रक्टूबर 1984

निवेश सं अर्थि ए० सो०/क्यू०/2/ एस० आर-1/ 2-84/1093—अत: मुझे, आर० पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. स अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 12/8849, जर तथा जो नया मोहला, पुल बंगस, दिल्लो में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपायढ ग्रनुसूचा में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्राधिकारा के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रोकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनाक 19 फरवरा 1984

को प्रांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य स कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और असरक (असरकों) और अतिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से उकत असरण निम्निलिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क ब्रायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के निए; जॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया में सुविधा असिह निए;

नतः नव, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्रितयों, अर्थात् :-- (1) श्री नारायण दास सुपुत्र श्री चान्दी राम,
 निवासी X-11/8849 नया मोहला
 पुल बंगस,
 दिल्ली ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री पासर राम (2) श्री वासदेव सुपुत्रगण श्री गोबिन्द राम, निवासी -8849 नया मोहला, पुत्र बंगस, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वाग,
- (च) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास/ निचित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मनत्त्र ची

पहुली मंजिल मकान न० XII/8849 नया मोहला, पुल बंगस, दिल्ली, तादाती ।

> म्रार०पी० राजेश सक्षम प्रधिकारो सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-II, **ग्रहमदाबा**द

विनोक :- 15-10-84

मोह्यर:

प्रकृष् बाइं. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 श्रक्टूबर 1984

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस~ भार-1/ 2-84 /1096--भतः मुझे भार० पी० राजेश

कागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) पिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1873-54 है तथा जो वार्ड न० 14 बस्ती हरफूल सिह सदर बाजार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचा में पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी से कार्यालय दिल्लों में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधान दिनाक दिनांक फरवरी 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल मं, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरियां (अन्तरिक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) को बीच एंस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में म्बिधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मित शान्ती देवी पत्नी स्व0 श्री दया राम, निवासी 29/14, पंजाबो बाग, नई दिल्लो

(भ्रन्तरक)

 श्रो घ्रमर नाथ सुपुत्र श्रो विशन दास, निवासी 5873, वस्ती हरफूल सिंह, सदर बाजार, दिल्लो, ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त संपत्रि के अजन के संबंध में कोई भी बाक्षप ---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्वत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्राह्म इंगरिंग
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्परीता मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम सिचित मों किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

प्रो० मं० 5873-54, वार्ड, नं० 14, प्लाट नं० 42, तादादी, 51 वर्ग गज, एक तहखाना बस्ती हरफूल सिंह, मदर बाजार, दिल्ली।

ग्रार० पी० राजेम सक्षम ग्रधिकारी सहायक भायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 15-10-84 मोहर:

प्रकप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 अक्तूबर, 1984

निदेश सं ० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०म्रार०-1/2-84' 1100--मात. मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार भूक्य 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक ही

श्रीर जिसको सं० 2142 से 2145, है तथा जो पहारो भोजल दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बणित है) राजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय दिल्ला में राजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक फरवरों, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उच्दोश्य से उक्त अन्तरण जिसित में अस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जनरारण ते हुइ किसी गाय की नावत, उपन विधिनियम के वधीम कर दोने के जनरारक के दानित्व में कभी कर्तने वा शाससे वचने में सुमिधा के तिए; और/पा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या कत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा वा का किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए?

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— शीमती सारा खातून पत्नो मोह्म्मद धह्मद,-कुमारो मसरा बाई, कुमारी जाहरा बाई, श्री शफातुला, सुपुत्नी श्रीर सुपुत्र स्व० मोह्म्मद ग्रह्मद, सभी निवासी 1671, बाली सइसां, पहारी भीजला, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गहीद श्रहमद सुपुत्र मोहम्मद मिया, निवासी-2172, गली भादन पहारी भोजला, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अस्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, त्रों, भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपज में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के, पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्माख्यीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नक्त्यी

प्रो० नं० 2142 से 2145 के साथ बाला खाना 3 दुकान, पहारी भोजला, विल्ली तावादी, 51 वर्ग गज।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, नई दिल्ली

दिगांक: 15-10-1984

प्रकथ नाइ. टी. एत. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26%-च (1) के विधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 ग्रक्तूबर, 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०ब्रार०-1/2-84/ 1101--श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

अपबक्टर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० 2114 से 2117 से 2124 से 2126 है, तथा जो मस्जिद खजूर, दिल्लों में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूचों में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रेंकर्ना अधिकरी के कार्यालय दिल्लों में रिजस्ट्रोकरण अधिनयम,1908 (1908 का 19) के अधीन दिनांक फरवरो, 1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उचके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ख्रथमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देष्य से उक्त अन्तरण तिश्वत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की आबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए।

अतः त्रवः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसि**वित व्यक्तियां**, अर्थात्:—

- श्री सुरेन्द्र मोहन सुपुत्र श्री लाडली मोहन, निवासी -- 2113, मस्जिद खजूर, दिल्लो। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रो छेदी लाल स्पृत श्री जय राम
 - (2) श्रोमती पन्ना देवो पत्नी श्री छेदा लाल,
 - (3) श्रीलक्ष्मी नरायण
 - (4) श्री श्रीम प्रकाण
 - (5) विनोद कुमार, सुपुत्र श्रो छेदा लाल. निवासा-2119, मस्जिद, खजूर, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबव्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कारे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

1/4 बिना ठांटा हिस्सा, प्रो०० 2114 से 2117 से 2124 से 2129 मस्जिद, खजूर, दिल्लो, ताबाबो 26-1/2, वर्ग गंज, ग्राउट ग्राफ 109 वर्ग गज ।

> म्रार० पो० राजेश सक्षम भ्रधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लो

दिनांक 15-10-84 मोहर: ा, बाद्वं भी एम अस -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (i) की अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एम०आर०-1/2-84/ 1097—आतः, मुझे आर० पी० राजेश,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रवाद 'उन्नत निविचिम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत माजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 5023 है, तथा जो उचा रहमान, चांदती चौक, दिल्लो में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध स्नृसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप ने विणत हैं) रिजन्द्रीकर्ता स्रिवकारों के

कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्षित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरती (अंतरितिशों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिधक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण तं हुई किसी लाव की बाबत, उक्छ अभिनिश्चम को लभीन कर दोने के अन्यरक के दायित्स में कभी करने या उससे अजने में सुविभा जो जिल्ला सर्वा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ क्यें, जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था किया जाना बाहिए था. किया में भ्विभा के जिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीर विकासिक व्यक्तियों, वर्षात् हुन्स श्रीमतो इसाद बाई, परनी मोहम्मद संतीजा, श्रीमतो संयोवा बेगम, परनी मोहम्मद भ्रयूब, निवासो 4138, उद्दें बाजार, दिल्लो ।

(श्रन्तरक)

 श्रोमती जबूल निसा सुपुत्री मोहम्मद इसाद, निवामो 2861. बाजार, सोताराम, दिल्लो। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए बार्यसाहिया करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के वर्जन के संस्वत्थ में कांक्ष्म भी वाक्षीप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सर्केंगे।

प्रनुस्ची

प्रो० नं० 5023, कूचा रेहमान, चान्दनी चौक, विरुली, तादादी 158 वर्ग गज।

न्नार० पी० राजेश सक्षम ग्रीधकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेज-2, नई दिल्ली

विनांक 15-10-84

मोद्वरः

यस्य आर्थ. टी. एन. एस.-----

बामधार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बभीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2, नई विरुली

नई दिल्लो, दिनांक 15 ग्रवतुवर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यूएस०/2/०श्रा४०-1/2-84/ 1103--यत: मुझे, श्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 10-ए/7 है, तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय दिल्ला में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनांक फरवरा; 1984

को पूर्वों धर सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के स्स्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित प्राजार मृत्य, ससके स्स्यमान प्रतिफल को एसे स्स्यमान प्रतिफल को पंक्र प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्ष्म निम्नितिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तर्विक क्य से कथित नहीं किया गया हैं ---

- (म) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-निवय के सभीन कर दोने के अन्तरक के बादिल में कमी करने वा उसले बचने में सुविधा के जिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त बिधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए भा, दिल्पाने में सचिधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारि :— 26—316 GI/84

- 1. (1) श्री मनोहर लाल
 - (2) श्रोमती जनक ग्ररीडा
 - (3) श्रामनो गाना मिल्क.
 - (4) श्रामती मध नैयर
 - (5) श्रोमती सुधार श्रीर
 - (6) श्रो दोपक ग्ररोडा 15-ए/3, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्लो।

(भ्रन्तर ह)

2. श्री शाम सुन्दर बगई श्रॉप्ट श्रो सुभाष चन्द मेनन, निवासी 10-ए/7, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्वान्तयों में से किमी स्वित्त ब्वारा;
- '(क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख मं

 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 शम निक्षित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

शोर तंर 10-ए/7, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

आर० पो० राजेण सक्षम प्राविकार।

महाय ६ प्रायकर श्रायक्त (निरक्षण) ग्राजन रेज-2 नई दिल्ला

दिनांक: 15-10-84

पद्भ कार्ष . टी स्म . एस --- ---

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

मारत गरकार

काथीलय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2 मई दिल्ली

नई दिल्लं दिनाक 15 अक्तूबर 1984

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/2-84/1105 ~अस मुझे आर-पी० शजेश

जा कर शिर्धनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर अत् 'उबत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावन सक्ष्मित, जिसका उचित याजार मन्य 25,000/- रह स अधिक हैं

त्रौर जिसक स० 3231 है तथा जो कुचा ताराचन्द दिश्यागज, दिल्लो—6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वीणत है) रिजस्ट्रोजन्ती अधिआरि। के कार्योलय, दिल्ला में रिजस्ट्रोजरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान, दिनाव फश्बर। 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दरममान प्रतिफल के। एस क्ष्ममान प्रतिफल के। पढ़ प्रतिहात में अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अस्तिरिधियों) के बीच एमें अन्तरण के जिए एम पामा गमा प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक । या अधिक करने किया गमा है :--

- (वा) अन्तरण म हुर्जू किभी नाय की बाबत, उनस अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी कारने या उससे अभने में सूर्विधा का निग्नण, और रेशा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 जा 11) या उद्या गिरियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चां हुए था, स्थित म
- ा अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण , , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात '--

(1) श्री गिरधारा लाल सुपुन मिठन लाल, निवासः, 3231 कुचा ताराचन्द दांग्यागः तं, दिल्लीः, अव, डी- 16, सैना छनवलेष, कालोनाः, विहास मार्ग लक्ष्मीः नगर, दिल्लीः।

(अन्तरक)

(2) श्री राजिन्द्र कुमार अरोडा, सुपुत्र श्री सरदारा लाल अरोडा, निवासी-3231 कृचा ताराचन्द्र दीरयागण, दिल्ली:- 6 ।

(अन्तरितो)

को ग्रह्म सूचना चारी करके प्रवॉनित सम्मित्य को अर्थन के जिल्ह कार्यवाहिया शरू केरतो हु।

इक्त सम्परित के अर्जन के सरतन्य में कोई भी बाइरेप : ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मो प्राधन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित मो हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्याजनी के शम लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पद्धांकरणः---इसम प्रयुक्त शस्या गौर पदों का, जो उसत अधिनियम, के अणाय 20-क म पथा परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय म दिया पथा है।

जनस्थी

प्रो० न० 3231 कुचा तराचन्द दश्यागज, दिल्ली, तादादी 67 वर्गगं ।

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारो,

महायह आयहर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2 नई विल्ली-110002

दिनाक 15-10-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांस 15 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए०र्सi०/एऽक्ष्यू०/2/एस० \sim अपर-1/2 $\cdot 84$ 1112--अतः मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), को धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी मं ० सी--2/11, है तथा जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली-7, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च) से और पूर्ण स्प से विणित है), रिजस्ट्रोंकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रोंकरण अधिनियम, 1908 (1908 का. 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित ताजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एपी अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य में उक्त अंतरण विकित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्थिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी कियी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, इछिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दर्णन लाल, सुपुद्ध श्री कश्तार चन्द सचदेवा, निवासी;-बी:–15 भाग--11, अशोक बिहार, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्री सीराम महता
सुपुद्ध र्श्वा अमीर चन्द्र मेहता,
रमेण चन्द्र मेहता
सुपुद्ध श्री सीराम मेहता,
निवासी डी-4/1, मेहता निवास,
राणा प्रताप बाग, दिल्ला।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां ग्रुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिनित में किए जा सर्जेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रय्क्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० सी ~ 211 , राणा प्रताप बाग, विल्ली ~ 7 , तादादी 116-2/3 वर्गगङ्

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षजण), अर्जनरेज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 15~10~1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस ------

आयकर मिश्रिनियन, 1961 (1961 का 43) की घारा एएन(1) के भारीत जुलना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली:, दिना क' 15 अक्तूबर: 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/2-84/1114--अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), के भारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी में 2020 है तथा जा बाई नं 6 6 बारीयन, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुचना में पूर्ण रूप से बिणत है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984

का पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का शदह प्रतिज्ञान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित मे जास्तियक रूप स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी कारने या उससे अचने में सृतिका के मिए; बीर/या
- (क) एसी किसी शाय या किसी भन या अन्य बारिसवों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 । 13% व्या ११% व्या ११ या उन्न अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, जिनाने में व्याभा के सिए;

ब्बल अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बी० आर० दुगल सुपुत्र श्री फकीर चन्द दुगल, नियासी --- 3-रेकवेन्ट कोर्ट रोड़, अपो० ओरुड सेक्ट० दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ज्योति प्रसाद (एच-यू-एफ), द्वारा श्री ज्योति प्रसाद, सुपुत श्री रतम लाल, निवासी--4-सी/6, न्यू रोहतक रोड़, दिल्ली, द्वारा ज्योति प्रसाद (एच-यू-एफ), अजमेरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी करं 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थित्त्यों में से किसी स्थित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहरदाकरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

एक दुकान, भ्राउन्ड फ्लोर एरीया 223.75 वर्गगज, प्रो० न ० 202ए- बिलो काउन होटल, वार्ड न ०-6, कटरा, बारीयन विल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिस्ली

विसांक: 15-10-1984

मोहर⊯

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एवसू०/2/एस०-आर०--1/2-84/1117--अत: मुझे, आर०पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर संपति, जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 491, है तथा जो गर्ला राजन कला गन्दानाला काण्मीरी गेट, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूर्चा ; पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय. दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से. ऐसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी काय की बाबत, अक्त कीधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने मा सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीक आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में मृतिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीस् :--- (1) श्रीमती शगी बाला, पत्नी श्री विष्णु भगवान, निवासी → 169, गली रूईबाली, तेलिवारा, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) जश्रो विरेन्द्र कुमार, श्री रतन चन्द, श्री अनिल कुमार, सुपुत श्री जुगमिन्दर दास, निवासी—6/7 कृष्णा नगर, दिल्ली—51।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य गाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना करे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिशिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया हैं।

अनुसूची

1/2 भाग अविभाजित सम्पत्ति नं० 491, खबल स्टोरी बिल्डींग गली राजन कलां गन्दा नाला, काश्मीरी गेट, दिल्ली तादादी 108 वर्गगज,

आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 15-10-1984

प्ररूप आई टी एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार .

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ला नई दिल्ला, दिनाक 8 अक्तूबर 1984

निदम स० आई० ए० सा०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/2-84/1704---अत नुझे, सुधार चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जिरण है कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसको म० जा-15 है तथा जो महाशाना बाग नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपायत अनुसूच। में पूर्ण रूप से बणित है), रिजिस्ट्रोकर्सी अधिकार के कार्यालय, नई दिल्ल में भारत य रिजिस्ट्रोक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उणित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हुए से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मालिखित ज्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्रः एम० एम० कौल, निवासार-जा−15, महारानी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश गुजराल.
 निवास।-1-16, महारान। बाग,
 नई दिल्लो, (आई-16) ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्स प्रक्रिया। भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास थिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बी-20, भ्रोत्ड, अब-प्रो० न० जी-15 महारानी बाग, नई दिल्ली।

> मुधोर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ला

दिनांक: 8-10-1984

माहर -

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन मुकता

भारत सरकार

कार्यांसर सहायक बायकर काय्क्स (निरीक्षण)

अर्गन रेज-2 नर्न दिलन

नई दिल्लाः, दिनाक 15 अक्नूबर 1984

निर्देश स० आई० ए० सा०/एक्यू०/2/एस०—आर०--1/2--84/1118---अत मझे, आर०पा० राजेश,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ईसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' काह्य गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पर रिस्टेंग्ट फरन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्रीर जिसका म० 491 है तथा जो गलो राजन कला क्ष्मारो गैट दिल्ली में स्थित है (स्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूच। में पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रांकर्त्ता अधिकारा के कार्यालय दिल्ला में भारताय रिजस्ट्रांक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 हो 16) के अधान दिनाक फरवर। 1984

कः प्रांचिकत के निष् के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अंचिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारन का कारण है कि यथाप्विति सपिति की उचित बाजार मृत्य, उम्मे दश्यमान प्रतिफाल से एमे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्र प्रतिशत ने विधिक हैं औं अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच अन्तरण के लिए त्य प्रया ग्या प्रतिफाल निम्नितिखित उद्देश्य से उचन अन्तरम् लिकित प्रेमितिक क्य स सिक्त नहीं किया गया ह

- (क) क्यारण म एक किसी अग की उत्तान छवन अरिप्र नियम के अधीर कर यान को तामरक, को दाधिएक में अधी करने का फरांग उचन के सिक्सा के गिया, क्रिया
- (क) एसी किसी आय या किसी पन या मन्य जारितयों का जिन्हा भागते (बार कर जो निवास, ,) र (1922 का 1) मा उद्यक्त अधिनियस या अन कर अधिनियस या अन कर अधिनियस (1957 (1957 वा 27) के अधिजनार्थ अना रनी दवारा प्रति () मा स्वास प्रति वा अधिनियस सिन्स अधिनियस कर्मा कर्मा कर्मा कर सिन्स वार वर्गित का 'रमान सिन्सि अधिनियः

अत. अव, उक्त आधीनयम की धारा 269-ग क अनुसरण वं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बन्दीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अथित :-- (1) श्रामना प्राणा रान पत्ना श्रा तैलाण बाद निवास -6021 गता आर्था समाज तथा वस (दल्ल, प्रीर श्री मकेण नुमार सुपुत्र श्री जा प्राण गण्या निवासा--317 कुचा सजीगा राम नथा बस दिल्लो ।

(अन्तरह)

(2) श्रामतः वन्द्र प्रभा पत्नः श्रा जगिमन्दर दाम श्रा पवन कुमार मुपुत भः जगिमन्दर दास निवासः -ए. 6/7 कुल्णा नगर दिल्लो-5।।

(अन्सरितः)

को सह सूचना जारी करके प्यावस सम्पहित के अर्थन के लिए वर्णतारिका सम्मा हु।

जक्त सम्मात्त क वर्षन क सम्बन्ध मा कोई भी **माक्षर** :---

- (क) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि मा सस्सम्भूनधी अपिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में पेरिसी व्यक्ति दवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीक स 45 दिन के नीतर उक्त स्थावर पपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के नार्यात्री हैं।

स्पद्धीक रणः--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया

अनुसुची

1/2 अविभाजित हिस्स ध्यल स्टारा विल्डीग प्रो० न० 491 नाहादी 108 प्रमेगर स्याधिन-मला राजन कला गदा गला, प्रभारी गेट जिला।

> आग० पा० राजेण, नक्षम प्राधितारा, पदायह आयदार प्राप्तन (पिराजण) अर्थन रेज~2, गई दिल्ल

दिनाक 15-10-1984 मोहर

प्रकल सार्व की एन एस

भावफर अभिनियम 1961 (1961 वा 49) की नाग 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्लें। नई दिल्लें।, दिनांक 15 अक्सूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०—आर०- 1/2— 84/1120——अतः सुझे, आर० पी० राजेश.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. स' अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6604/2, है तथा जो नोमवाला चौक, नावी करीम, दिल्ली. में स्थित है (श्रीर इसमें उपाद्यत अनुसूच। में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोक्सी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उनके उद्यामन प्रतिफाल स्ता एन रूपमान प्रतिफाल स्ता एन रूपमान प्रतिफाल स्ता एन रूपमान प्रतिफाल से एन रूपमान प्रतिफाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिथाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरक से हुन्दै किसी जाय की बाबता, उक्त विधिनियस की जभीन कर दोने की जन्तरक की दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सूविधा के निष्; और/बा
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी पन या नन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपान म सविधा के लिए;

ब्तः, अब, उक्त बिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रा चानन साह सुपुत्न श्रा गुरदात मल, श्रामता कीणल्या राना परना श्रा चानन शाह, श्री श्रोम प्रकाण मुपुत्र श्रा चानन शाह, निवासा-6604/2 नामवाला चौफ, नवीकरीम, दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्राधमंबार जैन मुपुत्र श्रानिरंजन दास जैन. डा—104, अगोक विहार. दिल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपहित के अर्जन के लिए कार्यविष्ठित्यां जुरू करना हुं।

उभत संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

एक सीप रूम श्रीप स्टेयर सिगल स्टोरी श्रो० नं० 6604/2, नं:मवाला चौक, नवा शरीम, दिल्ली, वादाद। 62 वर्गगज,

आए० पी० राजेश, मक्षम प्राधिकारी, महाया आयक्र आयुक्त (निरा**क्षण**), अर्जन रेज-2, नई दिल्ला

दिनांक: 15-10-1984

प्ररूप आई. टी एन. एस. -----

कारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 था (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्लो
नई दिल्लो, दिनांक 8 अक्तुबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सां०/एक्यू०/।/एस०-आप०-3/2-84/1713--अतः मुझे, सुद्धार जन्द्रा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के उपीन प्रक्षप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० एस-118, है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नर्ड दिस्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, नई दिल्ला, में भारतीय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनाक फरवरां 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रात्तफल के लिए जन्तीरत को गई है आर मूक्त गृह विष्वास करने द्वा कारण है कि प्रथापयोक्त सम्पान का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए त्य पायर प्राप्तिक , निम्नलिहित उद्ववस्य से उक्त अतरण लिखित में अस्ताबन रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण सं हुवाँ किसी श्राय की वायतः, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व वाँ कसी करने या उससे वचने माँ स्विधा की लिए, हरिं
- (N) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर बाँधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाँधनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुविधा के लिए,

अतः धवः, त्रकतः अधिनियमं की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उकतः अधिनियमं की धारा 269-**ग की उपभारा (1)** के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, **बधीत्**ं----72--316G1/84 (1) श्री देवदत शर्मा सुपुत्र पं० दौलत राम, निधासो--ए--6, रिंग रोड़, एन० डो० एस० ई० भाग--1, नई दिल्सी।

(अन्तरक)

(2) श्रो स्मायल मुलेमान सैयन,
सुपुत्र स्व० एम० एम० सैयत,
श्रोमता यसमोन आई० सैयत,
पर्ना स्मायल मुलेमान सैयत,
निवासा गुरू ग्रांगद भैवन, 5 मंजिल,
71-नेहरू प्लेस.
नई दिल्ला।

(अन्तरितः)

को यह स्चना जारी करके पृष्ठीकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाष्ट्रियां शुरू करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर भचना की तामील में 30 दिन की क्षत्रि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत जिल्ला में से किसी व्यक्ति इताराः
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाव सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वग्स्पी

पहली मजिल-प्रो० न० एस०-118, ग्रेटर केलाण-2, नई दिल्ली, नादादी 1750 वर्गफीट,

> सुधोर चन्द्रा, सक्षम प्राध्यक्तरों, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन रेंज-1, नई दिल्लो

दिनांक: 8-10-1984

मोहर ह

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकन (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई विरुलः

नई दिल्ली दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश मं० आई० ए० सो०/एक्यू०/1/एस० आर०~3/2-84/1716—अतः मुझे मुधीर चन्द्री आपकर अधिनियस, १९६१ (10६१ ए। 4२) (जिसे इसमें उनके पदतान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

ग्रीर जिसका सं० के-104ए-वें। है तथा जो फालफाजा नई दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के जार्यालय दिल्लों में भारताय रिजिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक फरवरा 1984

১০.০০০ সাল লা**গাধিক ল**ী

को प्राेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक क्रूब्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल टा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक, रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (वां) जन्तरण संहुई किसी आयं की बाबता, उक्त किंधिनियम के अधीन कर दने क अन्तरक क वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसा अन या अन्य अस्तिया को जिल्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत. अत. अक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रा वजार सिंह मुपुत श्रा गुलाङ सिंह निवासा--बा-- 1/७, आजाद अपार्टमेंट अरविन्दों मार्ग, नई दिल्ला ।

(अन्तरक्)

(2) श्र. सादा गन्द सुपृत्त श्र. आणा नन्द, गिवास: के--104--ए--बॅर, ज्ञालकाजो.. गई दिल्ला।

(धन्तरितः)

को यह मचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जगिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबयंध किसी अन्य व्यक्ति इपान अपीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः ---इसम् प्रयुक्त शब्दः आर पदौ का., जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो. बही अर्थ क्षांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूचा

प्रो॰नं॰के-104-ए॰बा॰ तादादा 200वर्गगज,कालकाजा, नई दिल्ला।

सुधीय बन्द्रा, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, नई विस्ली

दिनाफ 8-10-1984

प्रकृप बाइ . टी एम. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-। नई दिन्ता

नई दिल्लो, दिनाक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश म ० अःई० ए० मः०/एस्यू०/।/एस० आर०~3/2-84/1735—-अन मुझे, गुअःर चन्द्राः,

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूपणे से अधिक हैं 'कि प्रोप जिसका संव कि उगात जो ग्रेटर कैलाश—2, नई दिल्ला में स्थित हैं (ग्रीर इसने उगात अनुसूत्रा में पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्यु नर्सा अतिहार के एएर्लिय, नर्स दिल्ला

में भारताय प्रजिस्टाकरण अंतियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन दिनाह फरवर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एरेंसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकः) और अन्तरिक (अन्तरितियोः) के बीच एरेंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उस्त मि-अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कि लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अप या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ।। 022 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की शारा 269-घ की छण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० संसा बिल्डर्स प्रा० लि०, 1/18-जा, आसफ अला रीड. नई दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) मैं० आई० डी० एस० केमिकल्स लि०, 11-मंजिल, हिन्दुस्तान टिम्बर बिल्डीग, के० ज० मार्ग, नई दिल्लं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूच्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वनसूची

प्रौ० न० ई-153, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी 251 वर्गगज।

> सुर्धार चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षण), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 8-10-1984

प्ररूप आई. टी, एत. एस.-----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कामलिय, सहायक आमकर आमृक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज~1, नई दिल्लो

नई विल्लो, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० मा०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/2-84/1736---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अवत अभिनियम' कहा मया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० एस-149. है तथा जो ग्रेटर कैलाग-1, नर्ड विल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रम के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने के कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य के सके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्डह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकाल विश्नतिविद्य उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/वा
- (व) ऐसी किसी बाय मा किसी धन या अन्य आस्तिजों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम सा धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिबित व्यक्तियों, बर्बाल "── (1) श्री राजिन्द्र पाल श्रीमती कृष्ण पाल श्रीर डा० रविन्दर पाल सभा, निवास(-237 डा० डी० ए० सेल्फ फाइनेंस फ्लैंट होज खास, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रंत राम प्रकाश पुरोत श्रंत अनिल पुरो श्रौर श्रो सुनोल पुरीत निवासी:-ए-3/212 जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरितोः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्विध्वयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्त्री

सिंगल स्टोरी हाउस नं० एस-149 ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली, तादादी 100 वर्ग मीटर।

> मुधोर जन्त्रा. सक्षम प्राधिकारी. महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). प्रार्जन रीज-1, नई दिल्ली

दिनोंक: 8-10-1984

प्रक्य बाहाँ, टी. एन. एस. -----

कायभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाख 269-व (1) के क्यीन स्वना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश म० आई० ए० सं $1/\sqrt{1}$ एम० आ70-3/2-84/1758-ए-अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा.

बादकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० एफ-30 में 41, है तथा जो कनाट प्लेस, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, विल्ला. भारताय रजिस्ट्राकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनाक फरवरों 1984

का पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी नाम की नावस, तक्त की भीनमम के अभीन कर दोने के नम्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के निए. और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तिकों कां, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था हिषाने में मृतिका के निए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थास् :्- (1) श्रोमतो राम कला. पत्ना स्व० देवो प्रमाद अग्रवाल, निवासो-मी-46, पंचणील इन्कलेव, नई विल्ला।

(अन्तरक)

(2) मैं ० कम्पोटेन्ट बिल्डर्स, एफ-30 से 41 कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख प 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ड) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रब्ध किमी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के एक्स निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में क्रिका गया है।

ननसची

प्रो॰ न॰ एफ-30 से 41, कनाट प्लेस, नई विल्ली, तादादी 18 वर्गगज ।

> मुधीर चन्द्रा, नक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

विनाक: 8-10-1984

प्रकृप नाइं.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1. नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सो०श्रक्यू०/1/एस०-आर०-3/2-84/1758--प्रेन-भनः म को, सूछोर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उथन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० एक-30 से 41. है तथा जो कताट प्लेस, नई दिल्ला में स्थित है (स्रौर इससे उपाबत अनुसूची में पूर्ण स्प में विणित है) रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ला में भारताय क्रिस्ट्री करण अधिकारम, 1908 (1908 का 16) के अधिकार दिनांक फरवरा 1984

को पूर्वोक्स सपित के जिन्न बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं ऐसे दश्यमान प्रतिफल के भून्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बार अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उकत जन्तरण जिल्लिस में वास्तीवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी काय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के शिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्रोमती चन्दर कान्ता श्रीर, श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सताश श्रीर रमन लाल, निवासी~4904 डोपुटी गुंज, सदर बाजार, दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) मैं ० कम्पीटेंट बिल्डर्स, एफ-30 से 41 कनाट प्लेस, नई दिल्ला।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अंबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्स किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौका, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

and the same

प्रो० नं० एफ-30 में 41, कनाँट प्लेस, नई दिल्ली, प्रो० 150 वर्गगज, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्राः, सक्षम प्राधिकारोः, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेज-ा, दिल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांक: 8-10-1984

प्ररूप आहु दी एन. एस - - - --

नायकर अभिनियभ, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली दिनाक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-32/-84/1763--अत मुझे सुधार चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण ह³ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत याजार भूल्य ?5,000 रा से अधिताहै

भीर जिसकी स० इ.-104, है तथा जो डिफोम कालोन। नई दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूच मे पूण रूप से वर्णित है) पंजिस्टु उत्ती अधिकार। के कार्यालय दिल्ला मे भारतार रजिस्टाकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक फरवर। 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफाल से, एसे रहयमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जतरक (अंतरका) और अर्जारती (अतरितियो) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 र ।।। या उन्हांशिक रा सन-बर अधि ताम 1957 (1957 वा २º) र पयोजनार्थ अट^भरी - या प्रकार नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, मैं, रक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिश्वित व्यक्तियों, अर्थातु .--

(1) श्रा हरा किएन बिन्द्रा भीर बलदेव राज बिन्द्रा, म्पूल श्रा लेख राज बिन्द्रा, निवासा-54/बा-1 छोटा मीर सराय रलवे कालोर्ना दिल्ला।

(अन्तरकः)

(2) श्रातंज राज मिह गांयल (एच-यू-एफ) क्रता था। तेज राज सिह गायल मुपूल अनुप सिंह गायल निवास:-ड!-30 डिफेस कालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरिता)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन क लिए कायपा**हिया करता ह**ू।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील स 30 विन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त हाता हा, क भीतर पर्वाक्त व्यक्तियाँ मों में किसी ध्यक्ति ववारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दयारा अभाह्म्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरण.--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसर

प्रो० न० डो-104 डिफोस ऋलोन। नई दिल्लो, तादादी 333 वर्गगज ।

> सुब्राट चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो महायक आयनप आयुक्त (निरंक्षण), अर्जन रेज-1, दिल्लो, नई दिल्लो-110002

दिनाकः 8-10-1984 मोहर

प्ररूप जाहूं.टी.एन.एम ------

मायकर मिनियस, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्लो स्मो क्रियांन ८ अक्टार 100

नई दिल्लो, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश स० आई० ए० 'सा०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/2-84/1775--अतः मुझे, सुघोर चन्द्रा,

आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वतात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक ही

प्रीर जिसका स० एस-71, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ला, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्ण रूप मे विजत है), रिजस्ट्राकृती अधिकारा के कार्यालय, नई दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्राक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनाक फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल हे होसे ध्रयमान प्रतिफत के उन्हें प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्राया गया प्रति-क्षण, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित में बास्तिबर एसे से किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की समक्ष, उच्च सीमिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कमी करने वा उससे वज्न में सृथिधा के के सिए; बॉर/मा
- (व) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया थाना थाहिए था, खिपान में मृतिथा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण , मैं उ⊓त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नतिवित स्यक्तियों, अर्थातः:---- (1) श्वा बुशन कुमार उत्पल मुपुत स्व० श्री मुलब राज उत्पल, निवासो-सो-80, पचणील इनकलेव, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

 (2) मै० प्रवासा इन्टरप्राइजेज लि०, सत्य मेशन ए-1, ए-2 रणजीत नगर, नई दिल्ला ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्थन् को निष् कार्यवाहिया शुरू करता हुए।

उनत संपत्ति के अर्थन के सबभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्हीकरण.—--असमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उथत' अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननसूची

पहलो भ्रौर बरसाता मजिल, प्रो० न० एम-71नादाद. 2050 वर्गफोट, ग्रैटर कैलाण-॥, नई दिल्ली ।

> मुघारचन्द्रा, सक्षम प्रौधिकारा, महायक आयकर आयुक्त (निराक्षी), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ला

दिनांक 8−10−1984 मोहर: प्रस्प नाइ. टी. एन. एवं.-----

जामकर जीभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ज्जीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर कायक्त (निर्देक्षण)

. श्रर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० प्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०प्रार०-3/2-84/ 1788---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० डब्स्यू०-57 ए है तथा जो ग्रेटर कलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावन्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृव्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्स अन्तरण निज्ञत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण तं हुइ' किसी शाव की वायत उपस विभिन्निय के अभीन कर दोने के अन्तरक के सुविस्तु में कमी करने या उससे वकने में सुद्धिभा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 28—316GI/84

(1) श्रो एम०वी० राजू, डब्स्यू--57--ए, ग्रेटर कलाश--1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ डी॰ग्रार॰ खन्ना, श्रीमती मधु मेहरा, मास्टर कनल मेहरा, निवासी—--11-ए/52, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यव में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों आहा है, इक्त अधिनियम के अध्याय 20 क र्रं परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को स्कः कंकाय में दिया गया हैं।

प्रनुस्ची

निवासीय मकान नं० डब्ल्यु-57 ए, ग्रेटर कलाश-1; नई दिल्ली तादादी।

मुधीर **चन्द्रा** मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-10-1984

प्रकृप आहाँ. टी. एन . एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1984

निदेण सं० प्राई०ए०सी०/एक्य्०1/ए्म०प्रार०-3/2-84/1789--प्रात मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ में अधिक हैं

श्रीर जिसक संख्या जी-151 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची से पूर्ण रूप से वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरबरी, 1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्चें क्ति संपत्ति का उपिय बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय में उप्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- कि) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृतिधा की सिए; रूर्य/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अलिए के दबारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

णतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत ः— (1) सुभाष चन्दर सक्सेना सुपुन श्री काली घरन सक्सेना, निवासी—3057, कुचा राजा रथन लाल. बाजार—सीता राम, दिल्ली, जी०ए० श्री भुपेन्द्र चन्द्रा, बाजार—सीता राम, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिवन्दर कुमार श्रीर
मूरीन्दर कुमार सुपृत्रगण श्री हंस राज गखर,
निवासी—ए-207,
कालकाजी,
कालोनी,
नई दिल्ली-19।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपर्तित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति देवारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा भकारी।

स्यक्ष्टींकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

सनसर्चा

प्लाट नं जी-151. कालकाजी, नई दिल्ली, तादादी 200 वर्ग गज।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-10-1984

प्ररूप आईं, टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन मुखना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 ध्रक्तूबर 1984 निर्देश स० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एम०श्रार०-3/2-84/ 1793—यत. मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रोधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० एस-257 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई विल्ली मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-हल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निक्ति वान्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्भ तं हुई विकती जान की बावत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं दिया गयः या या किया जाना वाहिए वा, कियाने में सुनिष्ध के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री केवल कृष्ण कोहली, श्रमोक कुमार कोहली, गुलजारी लाल कोहली, श्रीमती णकुन्तला रानी कोहली, गान्ति सरूप कोहली, 10ए/27, गक्ति नगर, दिल्ली-7।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० रेल इन्डिया टैकनिकल एण्ड इकोनोमिक सर्विसेज लि०, न्यू० दिल्ली हाउस, 27, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील हैं

 45 विनृ के भीतर उक्त स्थानर सम्मित्त में हितनद्ध

 किसी अन्य व्यक्ति इवारा नथोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा मुकाँगे।

स्वकारकरणः --- इतमें प्रयूषत शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

हाऊस न० एस-257, तादादी 300 वर्गगज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8−10−1984

मोहर '

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/37ईई/2-84/599— यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 415 है तथा जो 22-कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्या-लय, ग्रर्जन रेंज~1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्राधनियम— 1991 के ग्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति त्ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिल्पाने में सुविधा के लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् ७:--- (1) श्री पारवती चेरीटेबल फौन्क्रेणन, 4693, गली उमराव वाली, पहारी धीरज, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रालफोड साइरीस सुपुत्र स्व० ए०टी० साइरील, जे०एम० बारगोना, करीना श्रो० बारगोना, (माइनर) श्रौर पार्क ए० बारगोना, ग्राम---बबनपुर, पो० बहादुरपुर, भैया जमानीया, जिला--गाजीयाबाद, यु०पी०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों, और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्ष्यी

प्रो० नं० 415, प्लाट नं० 22 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, तादाबी 542 वर्गफोट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई विल्ली दिनांक 12 ग्रक्टूबर 1984

निवेश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू० 84/37ईई/2-84/600---भ्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भार जिसकी संख्या पलैट "डी" है तथा जो 17—वारा-खम्बा रोड, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय भ्रायकर ग्रधि-नियम-1961, के ग्रधीन तारीख फरवरी 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्के दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आत: अव उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अधीत्ः—— (1) मैंसर्स गुजराल इस्टैट्स प्रा०लि०,
 12 बाराखम्बा रोड,
 नई दिल्ली।

(घन्तरक)

(2) श्री महोश प्रसाद सुपुत श्री महादेश प्रसाद, श्री संजय प्रसाद मुपुत डा० ग्रार०गी० रस्तोगी; मास्टर ग्रसीम रस्तोगी, ग्रभी भावक डा० श्रार०गी० रस्तोगी, निवासी—16 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ।

(प्रसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :— (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त

व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिस्सित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी। भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

फ्लेट नं॰ "डी" 13वीं मंजिल, विजया बिल्डींग 17 बाराखम्बा रोष्ठ, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-I, नई दिस्ली

तारीख: 12-10-1984

प्रकथ नाइ".टी.एन.एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भ्रजीन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रम्तुबर 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/37ईई/2-84/601---भ्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उ क्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 61, है तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम-1961 के ग्रधीन दिनाक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाषार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सूविधा के सिए; जौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था. छिपाने में सूविभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धः—

(1) मैसर्ज गुजरात इस्टेट्स प्रा०लि०, 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज वर्मा पत्नी श्री दया नन्द वर्मा, श्रीमती निशा घई पत्नी श्री अनिल घई, निवासी-डब्ल्यू०-21, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त संपति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी को 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबक्भें किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 61, एल०जी०एफ०, विजया बिल्डींग 17, भाराखम्मा रोड, नई दिल्ली— तादादी 219:4 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 1, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीखा: 12-10-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 प्रश्तूबर 1984 निदेश सं० श्राई०ए०सी०/एक्ष्यू०/1/37ईई/2-84/603-यतः मुझे, मुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव्या 55, है तथा जो 17 बाराखम्बा रोष्ठ, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबच प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम-1961 के ग्राधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिप्रत में स्मूल इर्यमान प्रतिप्रत से स्प्रत (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष के सिम्मिशित उद्देश्य से उक्त बंतरण निश्चित में बास्तविक रूप से किंधत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबित्न में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (य) ऐसी किसी आय ना किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भर-का पृष्टिचियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं निया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

कतः जजा, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधित् :—— मोहर ☑ (1) मैं सर्ज गुजराल इस्टेट्स प्रा०लि०, 17 घाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा रंगाचारी पत्नी श्री एस० रंगाचारी. निवासी—12ए/26, डब्ल्यू०ई—ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां झूरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितन्य किसी अन्य व्यक्ति व्यास, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

नग्स्ची

स्पेस नं० 55, एल०जी॰एफ० विजया बिल्डींग, 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी-186 I वर्गफीट।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रंजन रेंजना, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 12-10-1984

प्रक्ष. बाई. टी. एत. एत. -----

आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निर्वेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/37ईई/2-84/604--बतः मुझे, सुधीर चन्त्रा

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 1 है तथा जो 28 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधनियम-1961, के श्रिधीन तारीख फरवरी 1984

को प्रोंक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित भे पास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औद्द/वा
- (क) एसी कियी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त 'अधिनियम, या बन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्यवार में सविभा के निए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राज कुमार गोर्यल सुपुक्ष श्री साधु राम गोयल, निवासी—2-एणीया हाउस, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरभजन सिंह सुल, रणवीर सिंह सुल श्रीर गुरजीत सिंह सुल, निवासी-20-बी, भाडल टाउन, फगवारा, पंजाब।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए या सकेंगे।

स्मध्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगतजी

पलैट नं० 1, दूसरी मंजिल, तादादी 914 वर्गफीट; 28 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**ख** : 12-10-1994

भुष्य बाह्र'. टी. एन. एस.---

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांद 12 अषत्धर 1984

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यु०/1/37ईई/2-84/605--यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 005/- रा. से अधिक हैं

अंदि जिसकी संख्या 403 है तथा जो 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वींजन है), रिजस्ट्री तो अधि गरी के भार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आधशर अधिनियम-1961, के अधीन दिनांक फरवरी 1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्योच्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रायित्व में जबी करने वा उससे वजने में सृजिधा के निगः वरिंगा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिमों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अक्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण गें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीर निकासिकित व्यक्तियों, कर्यात "—— 92—316GI/84 (1) मैसर्स गेडोर टूल्स (इन्डिया) प्रा० लि०, 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० आर ० एस० खन्ना प्रा० लि०, सी~40, फेंन्ड्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गुजा है।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 403, 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, नादादी 510 वर्गफीट।

> मुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली। सुर्ह दिल्ली।

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत मण्कार

कार्पालय, महायक अयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/एकयु०/1/37ईई/2-84/606, अत. मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गर हैं), की धार

इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गए हैं). की धार 269-ख के अभीन गक्षम प्राधिकारी को यह फिल्डाम करते का कारण है कि स्थावर सम्मिन जिसका ग्री प्राप्त गरा 25,000/- रह. में अधिक हैं

और जिसकी संख्या 202, है तथा जो 51-52, नेहरू प्लेब, जो नई दिल्ली में स्थित है और इससे उप बद्ध अनुसूची में पूर्व ख्या से विषत है), रिजिस्ट्रीवर्ता अधिवरी के वर्षालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय अयाप अधिनियम 1961 के अधीन तिरीख फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उम के हरपम म पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ममें रह विक्ताम फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का नीचन कालान मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे रम्यमान केल्यन का गंदह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अविष्ति (अंतरिनियों) के बीच एों अंतर्ण के न्ति तम प्राप्त म्या प्रतिफल निम्निलिखिन उदहरेश्य में कार्यन किया की निम्निलिखन किया गंदा है —

- भि शंनरण में द्वार्थ किनी भारती है जाता है। र्माधानाम के अभीन दार दें किना है दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/यो
- (क) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तियों थे, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन्तर अधिनियम, १०५७ ।। ७ ००० के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया अस्त र नहीं किया सुविधा के लिए;

भ अन ा, उक्त अधिनियम की धारा 269-र े अन्यरण में में, रूपत जी नियम की धारा 269-व दी कि (1) के शिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं। मैं। चेंचे ट्रांग (उन्डिंगः) प्रा०लि०, 51-52 नेहरू पन, नई दिल्ली।

(अन्तरस)

(2) श्रीयती माजीत कौर पत्नी
एम० गूरावण सिह और
जतीन्दर पाज सिह सुपुत
एम० गूरवक्स सिह,
निट पी-15,2228,
राज गूरू रोड,
पह उ गंज,
दिर्ली।

(यन्तरिती)

को यह सचना प्रारी करने एकपित सक्किंग है वर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन की सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्शस में 45 दिन की अर्वाध या करमज्ञानी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस रचना के राजपत्र में प्रताशा की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित-वद्ध किसी जन्य करित द्वारा अक्षोहरताक्षरी के पास निधित में किए जा सकींगे।

स्पष्डीकरण ----इसमे प्रय्वत शब्दों और पतों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हो, वहीं अर्थ संनेता जो उन्हें अस्याय के दिया गमा ही।

ويها ماراكنان

फ्लट न० 202 न इंदी 400 धर्नफीट, 51-52 नेहरू प्लम नई किन्नी।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेच 1 हर्न्स, किल्ली-110002

तारोख 12-10-1984 मोहर: प्रस्प काई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाबक भायकर आपूक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्मी नई दिल्ली दिनांक 12 अन्त्वर 1984

निदेश सं० आई ए सी*ाप्क्य् ा 1/3 7ईई/2--84/608---*अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम कहा गरा है), की धारा 269-स अ अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित वाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

को पूर्वोचन सम्पत्ति को उचित गाला र एए पे पास को यायमान प्रतिफाल को लिए अन्तरिष्ट की गर्छों हो और स्थाप रहे कि एन करने का कारण ही कि या पूर्णोंकन महसीय हा लिखन व्याप्य मूख्य, जगके हत्यमान प्रतिपात से, एसे के स्थाप प्रतिपत्त गायम पंद्रहं प्रतिश्वास से अधिक हो और तितरक (अंग्राफ्कों) और संतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे भेक्स को लिए तथा पासा पर। प्रतिफल, निम्निलिखत जबवेज्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हव से किथान नहीं किया ग्रांस ही: ---

- (कां) जन्तरण स ्वृष्ट किमी आत औ बाजत, सन्त सिधिनियम को अधीन कर को के अन्तरक के दायित्व में सभी करने या उनमें बचने में मुख्यमा के लिए; और रिप
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हा भारताय आय-कार आधानतात. 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानया या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 271 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रभट नहीं किया गया भा सकता जना किया गया के लिए;

अत. अव. उकत अधिनयम को भाग १६६-न के वनस्क मों, मों, प्रका प्रिपित्ता को एक १६६ न को १६८-न (१) को अधीन, सिम्मिसिकत व्यक्तियों, अधीन :--- (1) पज्यानी विल्डर्स,

द्वारा भागीदार थी मान सिंह सुपुक्ष
श्री वान्दी जाम,

निवासी-बी-5/63,
श्री अरविन्दो मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती रामा रानी बेहल पत्नी श्री प्यारेताल वेहन, आर एस० महरा सुपुत स्व० दिवान चर्च मेहरा, निवासी - 13 वीं मजिल सीलाईअए, वासींगड,

(अन्तरिसी)

का यम् सूचना चारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्थात के निष् कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्यन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि गा निश्तम्बन्धी व्यक्तियाँ नर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में यमाण हाती हो, के भीनर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशासित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अवसन्ती

प्रो० नं० एस-339, ग्रेंटर कैलाश-11, नई दिल्ली तादाधी 950 वर्गफीट।

> सुधीर जन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 विल्ली, नद्दी विल्ली

सारी**ख** : 12- 10- 1984

प्रकप नाइ . टी. एन. एस.-----

श्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1. नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनावः 12 अन्तुवर 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एवय०/1/37ईई/2-84/610-अतः मुझे, सुबीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक है

और जिस की संख्या जी-एफ-12, है तथा जो 90 नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व क्य म वर्णित है), राजेस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई सिल्ली भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अबीन तारीख फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृत्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंबित सम्पत्ति का उचिन वाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाय। गया प्रतिफल, चिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अंतरक के दायित्व में कमी करने,या उससे बचन में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा । कट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए ता, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः भव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) (1) श्री गोप ल खेमका, श्री विजय कुमार खेमका, आनन्द कुमार खेमका, निवासी-एन० 256, ग्रेटर बैनाण 1, नई दिल्ली।
 - (1) श्री बनीण मलिक,
 श्रीमती सावित्री देवी मिलिक,
 श्रुमारी शिवानी मिलिक,
 कुमारी आर्ती मिलिक अभीभावक विषीन मिलिक,
 ग्रेटर कैंवाण 11,
 नई दिल्ली,
 एम 370 ग्रेटर केंवाण,
 नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्स सम्पर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भींतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति इशारा;
- (♥) इस सूचना के रागपन मा प्रकाशत का तारीब रा 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्दप्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाह-राजनी का नार लिखित मो किए जा सकोगी।

स्थव्होकरणः ----६समा प्रय्वत शब्दा और पदा का, जा उपल अधिनियम क अधार 20-क गा गारसाय है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

मीप नुरु जी एफ--12, तादादी 388 वर्गफीट, 90 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्र। सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) जर्जन रंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 12~10-1984

प्रकृप आर्थः दौ. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन सुमना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेज 1, नई दिश्यी

नई विल्ली दिनाक 12 प्रक्टूबर 1984

निदंश मं० भ्राई०ए०मी०/एक्यू०/1/37ईई/2-84/611---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन स्क्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रांर जिसकी संख्या ई-1, है तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध धनुसूची पूर्व रूप से बिलत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिविकारी के कार्याल श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वायत सपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जनके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिवः है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अन्तरिंगिया) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निश्वतिखित उद्धेषय से उन्तर अन्तरण लिखिन में बास्न विक रूप में काथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम या धनकर (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

नत त्रह, रुक्त प्रीधिनियम की धारा 269-ए के अनुमूर्ण मों, मों, उक्त अधिनियम की शरण 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अधीन, (1) श्री गुजराल इस्टेट प्रा०ित०, 17-बाराखम्या रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजनाजित कौर पत्नी श्री कंवलजीत सिंह, निवासी-43, रेस कीर्स रोड, देहराषून (यू०पी०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्वित्यों मों से किसी स्वित्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास मं किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिष्म के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

स्यस नं० ई-1. 13वीं मंजिल, विजया बिल्डींग 17 बाराखम्बा रोड. नई विल्ली, तादावी 775 वर्गफीट भीर179 बर्गफीट।

> मुधीर चन्त्र मक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजैन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली--

ता**रीख**: 12-10-1984

प्ररूप अरहाँ, टी. एन. एस.- - - ----

आगफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर काय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनानः 12 श्रक्त्यर 1984

निदेश सं० श्राई०ए०सी'०/एक्यू०/1/37ईई/2-84/612--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्षित बाजार मृत्य 25.000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6-ए है तथा जो टालस्टाय मार्ग, हिन्ती में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिनस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम-1961 के श्रधीन तारीक्ष फरवरी 1984

को पृथेकित सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथागदितित समित्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल भी, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरफ की निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उदल अन्तरण जिखित में बास्तविक १ प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुदं किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अभीन लट दोने के अन्तरक अ दायित्व मां कमी करन के उसस अपने सं स्तिधा के लिए; और/या
- (का) एमे किसी आय या फिसी धन या जन्य ब्रास्सिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 अर्थ 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्दरिनी द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. हिल्पाने में मुनिधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीर निम्निचित्रित पाँकत्या, अभीर -- (1) श्रीमती मोहिनी सी गिदवानी श्री किशोर गिदवानी. निवासी-148, मुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक) 🚜

(2) मैं ० प्रेसमैंन प्रोपर्टीज लि॰9-बेंबर्न रोड, कलकत्ता-1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति क प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अजन के गम्बन्य में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपा में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर स्वाप श्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पटिकरण :---इसम प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6-ए ब्रात्मा राम हाउस, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली , तादावी 1058 वर्गफीट !

> मुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिनाक : 12-10-1984

प्ररूप आईं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर म्रायुक्त (निरिक्षण) म्रर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश स० आई० ए० सी/एक्यू०/1/37ईई/264/613---ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह िदरास घरने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 302 है तथा जो 51-52, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है; रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्नोकत सम्पत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे छ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अजिरितिकों) के दीच एक उपरांत के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंग उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; और/या
- () एसि जिनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयळर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या जिया जाना चाहिए था, छिणनं में सविधा के लिए;

अतः अव, एकन क्षिनियम की धारा 260 ग के अन्सरण के के क्षित्रियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) गेंडोर टुल्स इन्डिया प्रा० लि०
 51-52, नेहरु प्लेम,
 नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योति नैयर पत्नि श्री वी० के० नैयर एक्सेन (वेस्ट) पी० एस० ई० वी०, ग्रपो० ग्रो० सी० एम० मिल्स, छेरेटा, ग्रम्तसर, पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिख्निम किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, तादादी 400 वर्गकीट, 51-51, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायरक ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली

दिनांक 12-10-1984 मोहर .

प्रकल बाह्र . टी. एन . एस . ----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत गरका

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षक)
यर्जन रेज-1, विरुधी
नदीविरुकी, दिनाक 12 प्रक्ष्मुबर 1984

निदेश स० ग्राई० ए० सी०/एक्य्०/1/37ईई/264/614---श्रत. मुझे, सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें उगाउँ परणाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शायार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

थौर जिसकी सं० 203 है तथा जो 51-52, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख फररवरी 1984

- का पर्यांक्न सम्पत्ति के उचिन बाजार भृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्त व प्रांतित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंबत सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य अस्य हवयमान प्रतिकाल से, एमें दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्त
 क्रिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्त
 क्रिक्त में क्रिक्त से अधिक से प्रस्तिण के तिए तम पादा गया प्रांति के किया के प्रस्ति के स्वार्थित से आस्त्री के स्वर्थ से उस्ति कर्नाण कि तिए से सामा प्रांति के सामा किया से सामा है ---
 - (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क विता; अदि/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिनों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिविधा के लिए;

(।) गेडोर टुल्स टिन्डिया पार्वाक ह1-52, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्न)

(2) श्रीमती जपबीर काँर, पत्नि श्रो मुखबीर सिंह, नियासी-वारा पुला काम्मीर, (जे० एन्ड के०)।

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यानित द्वारा,
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के गीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास, दिल्ला में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अधाम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ कोगा, जो उस अध्याय में विशा नया है।

अन्स्ची

प्रो० नं० 203, ताबादी 510 वर्गफीट, 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा गक्षम प्राधिकारी गहाम आपार आगुम्त (निरीक्षण) शर्मन रेंज-1, दिल्ली

कतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :-- '

दिनांक . 12-10-1984

प्रकप बाइ". टी एन एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यासयः, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-! दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 प्रक्तूबर, 1984

निदेश स० माई०ए०सी०/एक्यू०/ 1/37ईई 2-84/615— श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयवार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पत्रवास, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अभीन प्रधास प्रधान।भी जो भ्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उवित बाजार मन्य 25,000 रा से प्रधावर है

भौर जिसकी स० 308 है तथा जो 51-52, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली मे भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

का पर्वाक्त सपि। हि चिन याजार मृन्य मं कम के द्रयमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मापित का उचित बाजार मृन्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का अन्तह प्रतिकात में अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दन के अतरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के निया, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनार्थ अन्तिरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रं, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलियन व्यक्तियों अर्थात ---- 30—316GI/84

(1) मैं० गेडोर टुल्स इन्डिया लि०
 51-52, नेहरू प्लेस,
 नर्ष विस्ती।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रीत पाल सिंह भाटिया श्रीमती ग्रंशिवन्दर कौर भाटिया, ई-106, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(ब्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करकं पूनीक्त सप्तिः के वर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीक्ष में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकतेंगे।

स्थव्हीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूचा

फ्लैंट न॰ 308. गेंडोर हाउस, 51-52. नेहरू प्लेस. नई दिल्ली तादादी 320 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिनाक : 12-10-1984

मोहर

प्ररूप बाह्री.टी एल एथा ------ - ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभाग

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज-1, दिस्ली.

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1984

निदेश स० ग्राई० ए० सी०/एसयू०/1/37ईई/264/618— ग्रत मुझे, सुधीर चन्द्रा, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार म्स्य

ग्रीर जिसकी स० 303 है तथा जो 51,52, नेहरु प्लेस, नई विल्ली मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रजन रेज-1, नई दिल्ली मे भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

25,000/- रु. से अधिक **ह**ै

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्तिक सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दूष्यमान प्रतिफल में एसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एनं अन्तरण के लिए १य पाया गया प्रतिक कता, निम्निलिश्वत उद्दूष्ट स्थ से उच्त बन्तरण लिखित में बाल्सित क्ष

- (क) अन्तरण संदुर्घ कि श्री श्राय की बाबत, उदत गीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी अपने ना उससे असन के रिधा के स्मित, और/या
- (ख) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य कारितयाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एक धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्मिनियी द्वारा प्रकट नहीं किया प्रकार का का का का का का बाना चाहिए का फिनाने में सुविधा के लिए,

नंत अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण कों, मों, उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) कों अधीन क्षिमारिकिक ध्यानिकास कथात - (1) मै॰ गेडोर टुल्स इंग्डिया प्रा॰ लि॰
 51-52, नेहरु प्लेस,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० जैन एम्ड कु० (एच० यू० एफ०) ब्रारा कर्ता श्री म्रें० पी० जैन, निवासी-34ए, मेटकाक स्ट्रोट, कलकत्ता ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त् सम्परित के अर्बन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

रू ध्टोकरण ----इसमे प्रयूवत शब्दों और पन्नों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**यी**

प्लैट नं० 303, गेडोर हाउस, 51-52 नेहरु लेस, नई दिल्ली, तादादी 510 वर्गकीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली

विनाक 12-10-1984 भोहर : प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निदेश स० आई० ए० मो०/एक्यू०/1/37ईई/2~84/919 अस. मुझे, सुधीर चन्द्रा ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसको सं० 71616 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ल में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुचो में ग्रौर पूर्ण क से विणत है) रिजम्ट्रांकर्ता ग्राधिकारों के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लो में भारतीय ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 के ग्राधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गएं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधाके लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री राजीय साहनी, निवासी—ई—172, कालका जी, नई विल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमल वर्मा, एन्ड श्रीमती सुमन वर्मा, निवासी आर-790 न्यू राजिन्दर नगर, नद्दी दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अन्स्ची

प्रो० न'० 716/6 नेहरू प्लेस, नई विल्ली, तावाबी 440 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख . 12-10-1984 -----

माहर ः

प्ररूप् नार्इं.टी.एन.एस ------

कायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, नई विल्ली

नई दिल्ला, दिनाक 12 ग्रक्तूबर 1984

भिवेश स० भाई०ए०मी०/एक्यू०/1/37ईई/2-84/620---अतः मक्षे, सुधीर वन्द्रा

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 आ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या 368, है तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूचों में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम-1961 के प्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इंश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सभ्यत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकां) और अंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया इतिफल निम्नलिखित उद्योदय ने उक्त बंतरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है —-

- (क) नंतरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त जिल्लीनयम के अभीन कर दोने के प्रसरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सर्विधा के निए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों का, जिस्हें भारतीय बायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अभिनियम, या भन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ंक: अब, उक्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्स अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिधित व्यक्तियां, वर्षात् रू- (1) में शाहपुरा ढम्टेट्न प्रा०लि०. 5170, डब्स्यु—ई—ए करोल बाग, नई दिल्ला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्वपना राय,
वृगारो सुर्शामता राय (माइनर),
श्री निर्तान त्रीवेदी,
निवासी---एच-59,
ग्रशोक विहार-1,
नई दिल्ली,
ग्रार एस-368 ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वास्त व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किये जा तकीय।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसूची

प्रो० न० एस-368 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी 1750 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारोख: 12-10-1984

प्रकथ बार्ड. टी. एन्., एव., - -- -

जायकर विभिनियम,, 1961 (1961 का 43) **की** धारा 269-व (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर बायुक्त (निरीक्षण) अनर्ज रेज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निवेश मं श्राई ०ए०सी ०/एक्यू ०/1/37ईई/2-84/621--द्यत मुझे, मुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाषार मृस्य ूर,000 / - रत. में **ग्रीभक ह**ै

ग्रौर जिसका संख्या सी--24, है तथा जो भूष्णाजलो, ग्राम---बिजवाणन, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्भूचो में पूर्व रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, प्रजंन रेज-1, नई दिल्ला भारतीय आयकर प्रधि नियम-1961 के भ्रधोन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान अतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण **है कि यथाप्वोंक्त** संपरित का उचित वाजार मृत्य उराके अध्यमान प्रतिकास से एसे अध्यमान प्रतिकास का न्द्रह प्रदिश्वत संअधिक **है और** अंतरक (अंतरकारें) और (अंतरितियों) के शीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निसित उद्देषय से उक्त अन्तरम सिक्ति में बास्त-विक रूप से कश्चित नहीं किया यम है:---

- (क) जन्तरण संहर्षकियी जावकी गामत उक्ता विज-नियम के भूभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बौर/या
- (बा) एरेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार मीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन्-क्राप्र अधिनिसम, 1957 (195**7 का 2**7) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दर ।रा प्रकट नहाः किया गया वाराकिण कारावाहिए वा, कियाने में सुविधा के रिकार

शतः सव, उन्त वीधीनवव की धारा 269-न की वनुसरक , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभाश (1) में अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रोमनो ग्रांसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्दोज प्रा०लि०, 115 ग्रंमल भवन, नई विल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती प्रोमिला कुमार (नी किटी) 2-ए-शेकसपीयर सरानी. कलकत्ता-71।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्स स्यक्तियाँ में से किसी स्यक्ति दुवारा,
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी मन्य व्यक्ति दवारा, मधोहस्ताक्षरी के पांच सिवित में किए जा सकते।

स्पट्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त मिनियम के मध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, और उस अध्याय में दिया नया है।

पूर्व्याजली फार्म न० सी−24, ग्राम–श्रिजवाशन, नई बिस्ली तावादी 2.5 एकड़।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिस्ली, नई विल्ली-110002

नारीख: 12-10-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टॉ. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० प्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/37ईई/2-84/622--मनः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आगकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह यिश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. में अधिक हैं

श्रीर जिसको संख्या 614 है तथा जो 17 टालस्टाय मार्ग नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबन्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विनत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रजन रेंज−1, नई दिल्लो भारतीय श्रायकर श्रीधनियम−1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तविक रूप से कथित नहीं किया पया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाद की बादत, अपन अधिनिदम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियां को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनके अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भहीं किया गय। या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुत्रिधा के लिए;

(1) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रोज प्रार्गल०, 115 ग्रंसल भवन, 16 के०जो० मार्ग,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सोनिया पौधी, श्री प्रेम पौधी मार्फत श्री पी० पौधी, निधासी—-9-ए, कनांट प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्सिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सक्रवन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हों, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यक्ति हों;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्-। बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकतेंगे।

स्पर्व्यक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित ही, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में विद्या नवा ही।

वनसर्वी

फ्लेट नं० 614, तादादी 429 वर्गफीट, 17-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> सुघीर घन्द्रा नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण ५ , मों, उक्त आधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को कधीन जिस्तिज्ञित स्योक्सियों, अर्थातः -

नारीख: 12-10-1984

प्ररूप कार्च.टी, एन एस ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्ग्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 अन्तबर 1984

निवेश स० म्राई०ए०सी०/एन्सू०/2/37ईई/2-84/624--म्रत मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार प्रत्य 25,000 - रा स वरिषक है

श्रीर जिसकी सख्या यू०जी०/22, है तथा जो बाराखम्बा रोड निर्दे दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में पूर्व रूप से वाणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, श्रजीन रेज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्राधिनयम-1961 के श्रधीन दिनाक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरित्त की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतिरिती (अंतिरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उत्देश्य में उक्त अन्तरण तेलिश न से अधिक हमी किया गया है ——

- (क) अन्तरण म हुर्ड किसा त्राय की चावत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक अधि वासित्व में कभी करने मा उससे गंधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी घर या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्लिया में मिलिया के लिए।

कत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरण कों, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिमित व्यक्तियों. अर्थात :---- स्कोपर सेल्स प्रा० लि०, 17-बाराखम्बा गोड, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) प्रीन्सेज जय इन्वर कौर,
 न्यू मोती बाग,
 पैलेस,
 पीटयाला~147001।

(भ्रन्तर्राः)

कां यह स्थना जारी करके पृथेंक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया जुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्थान की तामील से 30 बिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा
- (का) इस सचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा प्रविहेग्ताक्षरी के पाम निकास में किए जा सकती।

स्पष्टोकरण.--इसम प्रयवत शब्दो और वदो का, जा उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भ्रपर ग्राउन्डक्लोर, एरिया 525 वर्गफोट,ले 22 बाराख्यम्बा रोड, नर्ह दिल्लो ।

> सुधार चन्द्रा सहायक मायकर म्रायुक्त (निर्राक्षण) मर्जन रेज-1, दिल्लो, नई दिल्ला-110002

नारीख 12-10-1984 माहरः अक्ष बाहें. टी एन, एस ----

जायकर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ए (1) के अभीत सुचना

भारत संबद्धार

कार्यासय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज 🛚 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रक्तुबर 1984

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/37ईई/2~84/626— श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है"), भने धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

भौर जिसको संख्या 45 है तथा जो 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्लो में स्थित है (श्रौर इसमे उपावश्र अनुसूचो में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्लो में श्रायकर श्रीधनियम-1961 के शर्धीन दिनांक फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए संतरित की गई ही जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यूह प्रतिकृत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि तयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दिश्यत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए, और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियों के जिम्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

(1) मैसर्ज गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०, 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली:।

(ग्रन्तरक)

 (2) मैसर्ज जौहर इन्टरप्राइजेज, ई-11, गुरू नानक पुरा, जेल रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवाय:
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिनित में किए जा सकोगे ।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, यो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह", बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भया है।

वन्स्वी

स्पेस नं० 45. एल०जो०एफ, 17 बाराखस्वा रोख, विजया विल्डिंग, सादाद: 186.1 वर्गफोट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरोक्षण) सर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

जत्तः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणमं, में उक्त अधिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, संशति :----

तारीख: 12-10-1984

मोहर 🖫

प्रकृष बार्ड . टी. एन . एवं . ------

नायकर निधिनयज, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के नधीन स्थान

ब्राएक ब्रुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निवेश सं० आई० ए० वी०/एक्यू०/1/37ईई/2-84/627 अतः मुझे, आर० पो० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25-000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० बो-3ए है तथा जो 51-51 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1984

को प्वेंक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमाय प्रितिफ ल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पित्त का उचित वाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल का बस्य उसके स्थमान प्रतिफल का बस्य उसके स्थमान प्रतिफल का बस्य प्रतिफल का बस्य प्रतिकात से अधिक हैं और जन्तरिक (अन्तरिकार्ग) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसित उद्वेष्य से उकत बन्तरण मिथित में बास्तिक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आय की शायतः, उकतः अधिभियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के बिए: शहि/वा
- (थ) एंसी किसी बाध या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनफर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्तः वद, उक्त विभिनियम की भारा 269-य के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---13—316GI/84 (1) गैंडोर ट्रूस्स इन्डिया प्रा० लि० गैंडोर हाउस, 511-52, नेहरू प्लेस, नई दिर्ल्या।

(अन्तरक)

(2) मैं जूनियम इन्टरनेशनल, द्वारा श्रीमता निर्मल मोंधा, पत्ति श्रा एस० के० सोंधो 23, उदय पार्क, मई दिल्ला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों क्स संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पर्शि के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध िकसी अन्य व्यक्ति ध्वार अथोहस्ताक्षरी के पाड़ लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त घळाँ और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ[#], वहीं वृजें होगा, जो उस अध्याय में विया गया ह[#]।

जनसंची

फ्लैंट नं० बों-3ए (बेसमेंट) 51-52, नेहरू प्लेस, नई दिल्लो, नादादी 170 वंगफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहप्यक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्लो

दिनांक : 12-10-1984

मांहर:

प्रकप बाइं.टी.एन एस -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (रिरिक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली नई दिल्ली दिनाक 12- अक्तूबर 1984 निदेण म० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/2-84/631 अत मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परवात् 'उपन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु से अधिक हैं श्रीर जिसकी मं० 115 है तथा जो एफ-14 फनाट प्रेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इस उगार्ययह अन्सूची मे ग्रीर पूर्ण रून से ब्रिणिन है) रिजस्ट्रोकर्ना अधिकारो के कार्यालय अर्जन रेज-1 नई दिल्ली में भारतीय आयजर अधिनियम 1961 के अधीन नारीख फरवरी 1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एेसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रप्त प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीख एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उत्त अनारण पिसिट में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए. और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाले में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अधीत — (1) मैं० जी० एस० टॉ० कार्पोरेशन
2/14 श्रसार। रोट
दिस्या गज, नई दिल्ली।

(अन्यरक)

(2) श्री नरेन्द्र आनन्द निवासः-सी-202, डिफेस कालोर्नः नई दिल्ला ।

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 39 विन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपन्ति मो हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निवास मा किए जा सक्ने।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**त्स्पी**

फ्लैंट न० 115 कम्म्पोटेट हाउम एफ-14 कम्पोटेट बिल्डिंग कनाट प्लेस, नई दिल्लो नादादः 75192 वर्गफीट

> मुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहाँग्रक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 दिल्ली

दिनाक 12-10-1984

त्रक्य नाह^रं डी. एवं. एसं. ५ - - ----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की याच 269-च (1) के मधीन स्मना

भारत सरकार

भावलिय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/2-84/632 अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी मं० 107 है तथा जो एफर-14 कम्पंटेट हाउस, कनाट प्लेम, नई दिल्लों में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्लों में भारतीय आयक्र आधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1984 को पूर्वीक्त सम्परित के उणात बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्य है कौर मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकान अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घरेष से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उक्कसे अचने में स्विभा के लिए सरि/धा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के निए;

व्रतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थतः :——

- (1) श्रोमतो गुनिता आहुजा श्रौर मास्टर मजय आहुजा, निवासी-9, ब्रांकराम रोड सिंगापुर-1543, (अन्नरक)
- (2) श्रीमती निर्मल आनन्द कुमारी रेखा आनन्द, ग्रीर कुमारी बेबी आनन्द, निवासी –सी – 202 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्थिकता में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थध्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

जन्सूची

पलैट नं० 107, कम्पीटेट हाउस एफ-14 कनाट प्लेस, नई दिल्लो, तादादी 730.64 वर्गफीट

> सुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ला

दिनांक : 12-10-1984

प्रकृतार्थं , ही, एव , एवं ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जम रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्लो, दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निषेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/ 1/37ईई/2-84/636 अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अभिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये में अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 1519 है तथा जो 89 नेहरूप्लेस, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ला में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अर्धान तारीख फरवरी 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के शिवत बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वित संपरित का उषित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण कि सितत में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की बाबत, अकत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिष्।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती णक्कुन्तला गुप्ता, (2) श्रीमती मंयुक्ता बहल, 665, ए सेक्टर 16-ए, फरीदाशाय हरियाणा।

(अन्तरक)

(2) डा० विदुर श्याम, (2) श्रीमंती आणा श्याम, निवासी ई-132 साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तर्रारतः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपहित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकारणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अब्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लंट नं० 1519, तादादी 325 वर्गफीट, 89 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली ।

> सुधीप चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, दिल्ली

· दिनोम : 1′ --10--1984

प्ररूप आर्च. टी. एन ु एस . ------

बायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ला नई दिल्ला, दिनांक 12 अक्तूबर 1984 निदश सं ० आई० ए० सो ० | एक्यू ० | 1 | 37ईई | 2-84 | 637--अतः मुझे | सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कने, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एउ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 409 है नथा जो 17 टालस्टाय मार्ग नई दिल्लों में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिजस्ट्राहर्नी अधिकारों के कार्यालय-अर्जन रेंज-1 नई दिल्लों में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधान नारोख फरवरों 1984

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण ते हुई किसी साय की वाबत, उक्त सीधितयभ के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों करे, जिन्हों भागीय आनकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या गन-उट जिल्लोनसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैं० श्रंसल प्रोपर्टीज एन्ड इन्डस्ट्रियव प्रा० लिं० 115 श्रंसल भवन 16-के० जीं० मार्ग नई दिल्ली । (अन्तरक)
- श्री कुलवीप कुमार जैन निवासी 73/5984 बस्ती हरफुल सिंह सदर थाना रोड़ दिल्ली।

(अन्तरिर्ता)

का यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्स्ची

फ्लट न० 409 तादादी 404 वर्गफीट 17 टालस्टाय नंह दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ृंअर्जन रेंज-1 दिल्ली

विनांक : 12-10-1984

मोहर 👂

प्ररूप नार्च. टी. एत. एस. ------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण)

भ्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० स०/एक्यू०/1/37-ईई/2-84/ 938--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यू० जी० फ्लोर. है तथा जो 22-बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, श्रजंन रेज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961, के श्रीधीन, तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अतिरत को गई है और मुके यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है हैं—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-गनवम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अब उनस अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष- मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० नि०, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी निधी गुप्ता श्रौर कुमारी श्राक्षा गुप्ता, निवासी—-50 भारती नगर, नई दिल्ली-3।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तानीम से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पतिः मे हित- बेव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण १---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्योगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मगत्त्रची

प्रो० नं० ग्रपर ग्राउन्ड फ्लोर, 22——बाराखाम्ब रोड, नई दिल्ली, तादादी 500 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

नारीख: 12-10-1984

मोहर 😗

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1981

निदेश मं० भ्राई० पी० एस०/एक्यू०/1/37-ईई/2-84/ 639--भ्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० तीसरी मंजिल है तथा जो 19 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्व रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, श्रजीन रेज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधि-नियम~1961, के श्रधीन तारीख फरवरीं 1984

को पूर्विवत सम्पित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उनक्त विधीनवय के बभीन कर दोने के अन्तरक के विधित्य को कमी करने या अनुसे वचने में सुविधा के लिए; वीद/वा
- पोती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए:

अत : अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

 कै० कलाण नाथ एण्ड एसोसियेट्स, 18-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रो परमजीत मिंह मानन श्रो रणदीप सिंह मानन, रणधीर हाउस, रणधी सून करनाल,

(भ्रन्तरिती)

क्षे यह सूचना कारी करके पृत्रों क्स सम्बन्धि के कर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की ज्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध धाद में समाप्त होती हो, को भीतर पर्धों कत च्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास बिखित में किए अप सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्पी

पर्लैट तीसरी मंजिल, 19 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी 500 वर्गफट।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी महायक स्रायकर भ्रायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारोख : 12-10-1984 मोहर्: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 1 नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निदेण स० आई ए० सी०/एनयू०/1/37ईई/2-84 640--अत. मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

ग्रीर जिसकी में 407, है तथा जो 51-52 नेहरू ग्लेस, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली ग्रायकर ग्रिधिनयम-1961 के ग्राधीन तारीख फरवरी 1984

को पृषोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे अथने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिराती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात —

1 म० गेडोर टूल्स (इन्डिया प्रा० लि०, 51-52, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती रेशम वती जैन
पत्नी श्री पी० सी० जैन,
श्रीमती रमन जैन
पत्नी श्री के० के० जैन,
श्री वी० के० जैन
सुपुत्र श्री पी० सी० जैन,
निवासी—जी—79,
कालकाजी,
नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका झुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्यष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

फ्लट न० 407, चौथी भिजल, गेडोर हाउस, 51-52, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली, मई दिल्ली

तारोख 12-10-1984 मोहर 🖫 प्रकथ काहरी ही एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अयकर आयम्न (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनाक 12 श्रक्तूबर 1984

निवेश सं० स्नाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/2-84/ 945--श्रतः मझे, सुधीर चन्द्रा,

खायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाम 'उक्न अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 502 है तथा जो 21-बाराखम्बा रोड. नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली ग्रायकर ग्राधिनयम-1961 के ग्राधीन तारीख फरवरी 1984

की पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रात्मकल को लिए अन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पश्च प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शीच एमे अल्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिक रूप से जिथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एमी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आंधिनयम, या धन-रर अंधिनयम 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनाय अन्तरिनी देवारा अंधि नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधा के निए।

अब उन्त कोंभनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---32 →316GI/84 (भ्रन्तरक)

2. बेबी नीतू मेहरा,
मास्टर रिनेश मेहरा,
प्रभिभावक के० पी० मेहरा,
मास्टर नितिन मेहरा,
बेबी स्वीटा मेहरा,
प्रभिभावक एन० के० मेहरा,
बेबी पलवी मेहरा,
बेबी पास्ल मेहरा,
प्रभिभावक के० के० मेहरा,
प्रभिभावक के० के० मेहरा,
प्रभिभावक के० के० मेहरा,
निवासी—29/100
प्रक्ति नगर,
दिल्ली—7।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के मर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध िकसी अन्य व्यक्ति इवारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

पलैंट नं० 502, ताबादी 500 धर्ग फिट, 21 बारा-खंभ्बा रोड, नई दिल्ली।

> मुद्धीर चन्द्रा सक्षम श्रिषकारी सहायक त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, नई दिल्लो-110002

नारीख: 12+10-1984

मोहर छ

प्ररूप, आहु . टी. एन. एस. - - -

जायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायकः (निरोक्षण) धर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ σ न्यू०/1/37ईई/2-84/642—श्रत. मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 24 है तथा जो 28 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में . श्रीर पूर्व रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली श्रीयकर श्रिधिनयम-1961 के श्रधीन, तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोवन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे अचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का -11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिनिय इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था. छिणन मो नृतिका औ सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हि—

मैं० गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हार्जिमग प्रा० लि०,
 28 बाराखम्बा रोड,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० एन० गुप्ता, सुपुत्र श्री एस० श्रार० गुप्ता प्रोग श्रीमती विमला गुप्ता, पत्नी श्री पी० एन० गुप्ता, निवासी——ए—1/7, जैपीका हाउस,
इष्ण नगर।

(भ्रन्तरिती)

भो ग्रीह सूचना आरी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स् चौ

स्पेस नं० 24, एल० जी० एफ० डा० गोपाल दास भवन, 28 बाराखम्या रोड़, नई दिल्ली, तादादी 305 वर्गफिट।

> मुधीर **चन्त्रा** सक्षम श्रिधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख 12-10-1984 भोहर ३ प्ररूप बाइ. टी., एम. एस.,-----

भायकर मीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37ईई/2-84/644--भ्रत मुझे, सुधीर चन्द्रा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 617 है तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजिन रेज-1, नई दिल्ली, ग्रायकर श्रधिनियम-1961, के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके हरयमान प्रतिफल सो, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निशिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में अस्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की वावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कै लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, खलत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधी न. जिल्लानियत व्यक्तियों, अर्थात — श्री एच० एल० कपूर,
 डी० के० कपूर,
 श्री ग्राप्तनी कपूर,
 निवासी 438 मथुरा रोड,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(1) मैं० राधिका इन्वेस्टमेट,
ए-69, न्यू फेड्स कालोनी,
नई दिल्ली।
 (2) रिशी विरमानी एन्ड सन्स,
सी-11, चिराग इन्क्लेब,
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टिया 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

्र प्रमुसूची

फ्लैट न० 617, तादादी 560 वर्ग फिट, 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रिजिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीजण) ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 12-10-1984 मोहर: प्ररूप बाईं, टी. एर.; एस.-----

जायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 21 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3177/23-1/84-85--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से निधक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन ग्रजीर में टी० पी० एस० नं० 23 है तथा जो सर्वे नं० 113, सब प्लाट नं० 1, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-2-1984

करें पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं अन्तरक और (अन्तरका) और अतिरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;) औद्व/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में प्रिप्ता के लिए;

अतः अयः, उथतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण वै, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269 व की उपधारा (1); कं अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् ध्यान श्रीमती कान्ता बेन
 उर्फ गोमती बेन,
 केणवलाल दलणारामानी,
 रामनगर,
 साबरमती,
 अहमवाबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री घी० चेरमेन,
विधानगर को० भ्रो० सोसायटी,
श्रचीर,
सावरमती,
श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध्रं किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पथीं का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है 'है'

अभृस्**ची**

जमीन जो भ्रचीर में स्थित है टी॰ पी॰ एस॰-234 सर्वे न॰ 113, सब प्लाट नं॰ 1 है तथा रजिस्ट्रीकर्ताः रजिस्ट्रेशन नं॰ 1580/2-2-84 है।

जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद।

नारीख: 21-9-1984

मोहर 🖫

प्रस्त बाह्य, दी, एम. इस्. ----

नायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269-म (1) के नभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1. श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 सितम्बर 1984

निदेश स० पी० श्रार० नं० 3178/23-1/84-85---श्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट जो ग्रश्मि सोप ग्रीर फ्लैंट ग्रोनर्स एसोसियेशन है तथा जो फ्लैंट नं० 4, सेकन्ड फ्लोर 'सी' टाइप, शेखपुर-खानपुर, एफ० नं० ग्रो 180/1. श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-2-1984

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्विष्यों से उक्त बन्तरण किश्वित में वास्तिश्वक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण वे सुर्द किसी भाग की बागतु, उत्तर अभिनित्त के सभीत कर वोगे के बन्तरक के स्वीयत्व में कमी करने या उसके ब्यंत्र में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया चाना चाहिए चा, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६१-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री प्रवीनअन्द्र जोगलाल गाह, 6-सी, उप्मा फ्लैट, नवरंगपुरा बस स्टेन्ड के सामने, ग्रहमदाबाद-9।

(ग्रन्तरक)

 श्री मोहनलाल जनार्दन पुरन्द्रा, अशोक मिल्स लिमिटेड, नरोडा रोड, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त, सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्मन्थ यें कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास निश्चित में किए या सकेंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, वा अनव अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं व्यक्तिया वो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अमुसुची

फ्लैंट जो शेखपुरा-खानपुर एफ० पी० 180/1 जो ग्रिक्सि शोप ग्रौर वेयरहाउस श्रोनर्स एसोसियेशन मेकन्ड फ्लोर 'सी' टाइप पर है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1840/7-2-84 है।

> जीं के पंडया मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद।

नारी**ख**: 21—9—1984

प्रकृप कार्यः हो, एन्, एच,------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 सितम्बर 1984

निवेश म० पी० आर० नं० 3179/23-1/84-85--अतः मुझे, जी० के० पंडया,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मिलिश्यत अमरारवाडी में बागे फिरदौस है तथा जो सबें नं० 316, हिस्सा न० 20, अहमदाबाद में स्थित है (और इपसे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विधान है), रिजस्ट्री इनी अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्री इरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ज्ञारण से हुई किसी नाज की बाबर, डक्छ विधित्तवम के जभीम कर दोने के अन्तर्क की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के शिए; औड/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना काष्ट्रिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के गधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभार्त्ः ः—— श्री मिस्स्री भीमजीभाई डामाभाई गोमतीपुर, लीमडाचील, अहमदाबाद।

(अन्तरकः)

 श्री कान्ताबेन पूनमभाई पटेल, अमोकभाई पूनमभाई पटेल, खोखरा अहमदाबाद, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

सन संभी

मिलकियत जो अमर।ईपाडी में स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 316, हिस्या नं० 20 है, तथा रजिस्ट्रीकर्सा रजिस्-स्ट्रेगन नं० 1961/9-2-1984 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख: 21-9-1984

प्ररूप आह". टी. एम. एस. प्र-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 21 सितम्बर् 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 3180/23-1/84-85- अत: मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० वेजलपुर सीम खोडीयार विजय को० ओ० सोसायटी है तथा जो सेटलाइट रोड, सर्थे नं० 315, सब-प्लाट नं० 5, अहमदाबाद-15 में स्थित है (और इसमें उपा-बद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिहारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-2-1984

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एनेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिषधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिचित अधिकतयों, अथात् हा— श्री पुष्यंत बहुकभाई देणाई, खोडीयार विजय को० औ० सोसायटी, पुनीत नगर -2, बगला न० 14, सेटेलाइट शेड, अहमदाबाद-15।

(अन्तरक)

2 श्री जे० पुरुषोत्तम फूलभाई हरपानी, 1. मुण्ली अपार्टमेट, मियाजी मदिर के नजदीक, बाडज, अहमदाबाद।

(अन्तरिक्षी)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सें 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्धिकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशने की तारीका में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतसवध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भौधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जभीन जो पुनीत नगर में स्थित है विभाग-3, खोडीयार को० औ० सोतायटी, वेजलपुर तथा रिजस्ट्रीकर्ला रिजस्ट्रे-शन न०.1944/9~2-84 है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहाएक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमसाबाद।

तारीख . 21~9-1983

मोद्वर 🖫

प्रकृप बाही, हो, गर्भ, ह्यू, प्रकृत

नाभकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, तहायक जायकर जामुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदबाद, दिनाक 21 मितम्बर 1984

निदेश म० पी० जार० न० 3181/23-1/84-85--अतः म्झे, जी० के० पडया,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं) की पाछ 269-च के बधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त प्रसका स्वित बाबार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पालडी में मिलिंक्यित टी० पी० एस० है तथा जो जलनाथ को० ओ० सोसायटी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुस्की में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी में ब्यायित्य, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 ब्या 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984 में 37 जी मिला

का प्यांमत सपित के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गईं है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, एसे रश्यमान प्रतिफल का जन्मह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्निलिखत अद्देश्य से तक्त अन्तरण निम्निलिख में वास्त-

- (का) अस्त्रपण के हुई कि की बाय की बावल क्यत विधि-शिवल के अधीन कर दोने के जन्तरम के दायित के अपनी करने वा शाक्यों श्रुपणे में नृष्टिमा के लिये; स्रोद/या
- (का) एेसी कि.मी आर या किमी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर रूधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धल अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म का उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री चन्द्राणन भीखाभाई णात, भुतकार णारेख निवास मीरा बाजा**र,** गज्जर स्ट्रीट, बस्बई-21

(अन्तरवा)

2 श्री सुधार मोहतलाल बनारसी, 4 --जलनाथ को० ओ० मोसायटी, पालडी, अहमदाबाद-7।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्परित के अर्जन के सम्यन्ध में कोई मी बाक्कें हू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को जक्त अधिनियम, के गध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गग्राहीं!

अन्सूखी

मिलिनियत जो जलनाथ को० ओ० सोमायटी पालडी में स्थित है तथा पालदी सीम र्गजस्ट्री एता रिजिस्ट्रेणन न० 9849/फग्बरी 1984, 37 जी फार्म फरवरी 1984 में मिला।

> जी० के० पडया पक्षम प्राधिकारी महायक आयजर आयुक्त (निरीक्षण) •अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

ता**रीख** . 21-9~1984

मोहरः

प्रकृप नाह दी. एन. एस. ---

नापकर जिभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अभीन सुचना

प्रारम् पर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-। अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 21 मितम्बर 1984

निदेश म० पी० आर० न० 3182/23~7/84-85----अत. मुक्षे, जी० क० पडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूक्य 25.000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी सर्व फ्लैट राजपुर-हीरपुर में सर्थे नंव 192-194 है तथा जो फ्लैट नव 27 प्लौट नव 7 में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-2-1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति को उचित याचार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एमें स्वयमान प्रतिफन का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में अत्तर अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए,
- (था) ऐसी किसी नाम या किसी धन मा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत जीधनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असिनियम, विश्व पया नहीं किया गया था पर किया कास आहिए था जियाने में सुविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखल व्यक्तियों, अर्थातः मै० अबीका पत्तैट एसोलियेणत्र मेम्बर काणीबेन भुदरवास क्रियन निवास, आहड एत्र० और० अस्पताल, मनीनगर, अहमदाबाद-8।

(अन्तरका)

2 श्री अरकादास मदनलाल कौणिक बी-12 मुतरीया कालोनी, भैरवनाथ रोड, मनीनगर, अहमदाबाद-8।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

सक्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप ए---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु वें
 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामी सुसे 30 दिन की वविध, वो भी
 वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्कित
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्बासीत पूर्वे का, जो उच्छ् अधिनियम, के वश्याय 20-क में परिशासित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में दिवा यस हैं:

अनुस्षी

फ्लैंट जो राजपुर-हीरपुर में स्थित है जिसका सर्वे न० 192, 194 फ्लैंट न० 7 है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन न० 1904, 1909/8-2-1984 है।

जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाब।द

तारीख 21−9−1984 मोहर्ध प्ररूप बार्ड , टी. एन. एस. -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आप० नं० 3183/23-1/84-85---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० मिलिकयत सैजपुर-बोधा सीम में है तथा जो सर्वे नं० 42 श्रौर 43 सब प्लौट नं० 105, अहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 10-2-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तम् पाया मवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया यथा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में लिए और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) कें प्रयोजनाथे अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा कें लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चे अधीग, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् अर्रूर- श्रा नारायन ताराचन्द गुरुनार्ना, नर्रासहजो मंदिर के नजदोक, गोमतोपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्रा सुरेशकुमार केवलराम मुलवानी, 15/59/ गुजरात हाउसिंग बोर्ड, रायपुर मिल के नजदीक, गोमतीपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, प्रशाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्वेग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मिलकियत जो सैजपुर- सोम में स्थित है जिसका सर्वे न० 42-43, एस० पी० नं० 105 है तथा रिजस्क्री- कर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 1990/10-2-1984 है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 21-9-1984

प्रकृष बाद्दै . दी . एव . एस . -------

नाथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सुचना

भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 सितम्बर 1984

निवेश सं० पो० आर० नं० 3184/23-1/84-85--अतः मुझे, जी० के० पंडया,

जागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

ग्रीर जिसकी सं० जमीन ब्लाक नं० 1097 है तथा जो असलाली तालुका—दस कोई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-2-84 में पूर्वीवत संपरित के अधिन बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उनित वाजार मृज्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) जुन्तरुण से हुई किसी जाय की वास्त, उक्त विधिन्यत्र के जुपीन कुट दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के निए; बरि/या
- (था) एसी किसी भाय वा किसी थन वा बन्य जारिसतों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबसे अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा था वा किया चाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा चैं किए:

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिक व्यक्तियों, अर्थात्ः 1. श्रीमतो शान्ताबेन शंभुभाई अमीन,

गांव--असलाली,

तालुका--दस कोई,

जिला--अहमदाबाद।

(अन्सरक)

2. मेसर्स ज्योप्ति एस्टेट,

- (1) भागीदार रसूलभाई हासमभाई,
- (2) भीखाभाई उमेदभाई
- (3) विनोदभाई नारनभाई
- (4) मुलोचनाबेन मनुभाई दयाभाई
- (5) भाषचन्द्र ग्रंबालाल
- (6) अरविंद पी० जोशी,
- (7) इस्माइल अब्दुल भाई,

असलालो तालुका

दस ऋोई

जिला--अहमदाबाद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपस संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाकत की तारीस से 45 पिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 पिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए का सकीं।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो असलाली में स्थित है ब्लाक नं० 1697 तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 1112/9-2-84 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रोज-I, अहमदाबाद

तारीख: 21-9-1984

मोहर 🕄

प्रस्प आर्च . दी . एन . एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६७-ए (1) के अधीन मुखना

भारत शरकार

कार्यां तय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदबाद, विनांक 22 सितम्बर 1984

निवेश सं० पी० अपर०न० 3185/23-1/84-85--अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उविष्ट बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान मिलकियत राजकोट में रामिकणन नगर नं० 5 है तथा जो प्लाट नं० 40 सर्वे नं० 421, 421/1, में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1984

को पूर्वों क्त संपरित के उभित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जनसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिमिय्ब, से ब्रुधीन कर धने के बन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भार िय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्दुः

बतः बब, उक्त अधिनिवम की धारा 269-च के अपूनरण में , में उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिबन व्यक्तियों, बर्धातः---

श्री हंसराजभाई रानाभाई भुवा,
 9—श्रमजीवी सोसायटी,
 णारदा विद्यालय के सामने,
 राजकोट।

(अन्तरक)

श्री हंसमुखभाई जमनादास सागर,
 श्री लिलितकुमार जमनादास नागर,
 के०/आ० सीनल क्लाथ सेंटर,
 घी काटा,
 फोडीनार।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्टन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

चनत संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप ----

- (क) इस सृचना के प्राज्यित्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविश्व को भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ण) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की वारी छ थे 45 दिन के भीतर सकत स्थान्य सम्मत्ति में हितनप्र किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शतः निचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त व्याभीनयन, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं मुर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिवा नुवा है।

जन्सूकी

मकान मिलिकियत राजकोट में रामिकिशन नगर नं० ह फ्लाट नं० 40, सर्वे नं० 421 ग्रीर 421/1 रिजस्ट्रेशन नं० $325/4 \rightarrow 2-1984$ है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

ूँ नारीख: 22-9-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश मं० पी० आर० नं० 3186/23-I/84-85---अतः मुझे, जो० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रा. से अधिक है

द्यौर जिसकी मं० जमीन रैया में-राजकोट सर्वे नं० 82/1 है तथा जो प्लाट नं० 45 क्षेत्रफल 777 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, तारीख 4-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम निर्मे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उत्कल अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के निए; औद्ध/या
- (क) एनी किसी आय या किसी धर या यन्त प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाए (1) के अभीन, निम्निसिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मै० विनोद प्राइवेट लिमिटेड, लखाजी राज रोड़, राजकोट।

(अन्तरक)

 श्री शान्तीसाल गीरधरलाल पतीरा, मलीक स्ट्रीट ट्रेडसं, लोढापाड चौक, राजकोट।

(अन्तरितो)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🐃

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकाँगी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में **दि**या भगा हो।

अनुसूची

जमीन रैया राजकोट में सर्वे नं० 82/1 प्लाट नं० 45, क्षेत्रफल 777 वर्ग यार्ड नथा रिजस्ट्रेशन न० 720/4 - 2 - 1984

जीं के पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जनरोज-1, अहमदाक्षाद

तारंख: 22-9-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

बरयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश स० पी० आए० न० 3187/23-I/84+85---अतः मझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 10, जक्शन प्लाट राजकोट सर्वे न० 330/331 है तथा जो जमोन 118 वर्ग यार्ड ग्रीर बिल्डिंग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-2-1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियानों में सुविधा के लिए;

जतः जब उकतः जिभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण कों, कीं, इक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, जभित्ः—— श्री रमनीकलाल मगनलाल कोटक ग्रीर अन्य दानापीठ, राजकोट।

(अन्तरक)

 श्रीमती कुसुमबन लालजीभाई भोजानी, 10, जंक्शन प्लाट , कुवा (वेल) के सामने, राजकोट।

(अन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्तुची

घर-10 जक्शन प्लाट कुवा के सामने सर्वेनं० 330/ 331 राजकोट तथा रजिस्ट्रेशन न० 787/8-2-83 हैं।

> जो० के० पडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-र्रे, अहमदाबाद

नारीख: 22-9-1984.

प्रकल आहे. टी_ट एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (म) (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर कार्यक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनांक 22 मितम्बर 1984

निदेश सं० पं।० आर० नं० 3188/23-I/84-85---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- राज्य से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर शांद्र्या नगर में शेरी नं० 2 है तथा जो मंगला रोड़, राजकोट में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीफर्ता अधि-कारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख 9-2-1984

स्ति पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तृ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखिन में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुए किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें स्विधा के लिए;

जतः बद, उक्त बिधिनियम की भारा 269-ग के बनुबरण में, मेंं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) े अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, बर्चात्ः— श्रःमतः रमाबेन चिमनलाल स्वस्तोक सोसायटो, रैचा रोड़, राजकोट।

(अन्तरक)

 मदुबाला चिमनलाल वाला, शेरी नं० 2, शारदा नगर, मंगला रोड़---कास सरदार नगर, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🏗--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी का वे 45 दिन की जबिभ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष जिसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्षी

घर राजकोट में भारवा नगर भोरी नं० 2 मंगला रोड़—राजकोट रजिस्ट्रेशन नं० 813/9—2—84।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्कर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 22-9-1984

महिर: :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 सिलम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3189/23-I/84-85 अतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० सर्वे नं० 337, राजकोट प्लाट नं० 64 है तथा जो गीता नगर, राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 6-2-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ष्षेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म- श्रीमतं प्रमिलाराजे प्रमुपनसिंह जी जाडेचा, राजीत विलास पैलेप, राजकोट।

(अन्तरक)

 श्री प्रहतादसिंह जी प्रयुमनिंसहजी जाडेजा 64——यैलावाडी, गोतानगर, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Miles &

सर्वे नं० 337, ण्लाट नं० 64, राजकोट घर गीतानगर में जमीन क्षेत्रफल 560 वर्ग यार्ड।

> जो० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण्ह) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 22-9-1984 मोहर:

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सायांचिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाव, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पो० आर० नं० 3190/23--I/84--85---अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रु. से बिधिक है

श्रीर जिसकी सं० राजकोट सर्वे नं० 326, ज्लाट नं० 3 है तथा जो जमान का क्षेत्रफल 1398 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्राक्तों अधिकारा के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रोन करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, तारीख 21-2-1984

का पृथांका संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक स्पू में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरक ने हाई किसी काय की बाधर, उसन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विधित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा ी किसा, श्रीर/कर
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्टियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972) में इक्ट अधिनयम, या अन्य अस्ति। अस्ति अस्ति। अस्ति अस्ति। अस्ति अस्ति। अस्ति।

बतः अब, उकत अधिनियम की धार २००० ग के अनिसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा २६०-व की गण्यारा (1) के अधीत, निम्मिलिकित व्यक्तियों अर्थार :--34-316 GI/84 श्री के० एस० गोस्वामी श्रीर अग्य, मुख्यस्यार स्व० श्रीमतः रंभावेन सुखदेव, गुंदावाडी, राजकोट।

(अन्तरक)

 श्रो रामशंकर सर्वे स्वाश्रय मोगायटी, मापडो, राजकोट।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 फिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर म्चना की तामील से 30 दिन कि अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजारा,
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

जमीत जो राजकोट में स्थित है ,सर्वे नं० 326, प्लाट नं० 3 क्षेत्रकल 1395 वर्ग यार्ड, रिजस्ट्रेशन नं० 1056/ 21-2-1984 हैं।

> त्र के० पंड्या सप्तम पाधिकारो पड्यक अध्यक्तर अध्यक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

मार**ंख**: 22-9-1984

मोहर.

प्रकथ नाइ. टी. एन. एत. -----

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, अहमवाद्याद

अहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर०नं० 3191—-अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

षौर जिसकी सं० जमीन राजकीट में विवेकानन्व रोड है तथा जो 445 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकीट में रिजस्ट्रीकरण अधिनिमय, 1908 (1980 का 16) के अधीन,तारीख 20 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखिल में गास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— ज (1) श्रोमतः पुष्पावर्तः प्रेमसुखराय संघानः, 15/1, स्फाई स्कापरः ए भुलाभाई देसाई रोड. बम्बई–6।

(अन्तरक)

(2) श्रा मुरेन्द्र सिंह एस० जाडेजा, किशोर कुमार एन० द्विवेदा, आकागदाप कारपोरेशन, नन्दन वन अपार्टमेंट, काता स्ट्रांट विकास गृह रोड, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए भार्यसाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप-

- (कः) इस मुचभा कं राज्यत्र मा प्रकाशन को तारासं में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम क्रियन ये किए जा सकेगे।

स्यव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त प्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

जमीन जो राजकोट में स्थित है विवेकानन्द रोड, जमीन का क्षेत्रफल 445 वर्ग यार्ड है तथा रजिस्ट्रेणन नं० [1033] 20-2-1984 है।

> ज'० के० पंडया सक्षम, प्राधिकारी सहायक आयकर अ(युक्त (निर**क्ष**ण) अर्जन रेंज–1' अहमदाबाद

लार्(ख: 22-9-1984

माहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,अहमदाबाद

अहमवाबाव, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर०नं० 3192/-23/I/84-85--अतः मुक्ते, जी० के० पंड्या

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृस्य 25,000/-रा. में अधिक है

ष्मीर जिसको सं० पुराना णाप माफिट के नजद क जमीत है तथा जो क्षेत्रफल 672 वर्ग माटर बिहिंडग केणोर स्थित है (श्रीर इससे उनाब इ अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रानर्ता अधिकार के नार्यालय, केणोद में रिजिस्ट्रीनरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख 18 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पितशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्ट से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिवक रूप से कथित नहीं विद्या गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाकत, उक्त गौधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कता, किस भारतीय आपकर अधिनियर, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, अपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उवल अधिनियम की धारा 269-थ की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) श्री खारी सादानाथ ग्रीर अन्य, बाडो भी, एरोड्रम रोड, केशोद।

(अन्तरक)

(2) श्रो शामजीभाई नारनभाई ग्रौर अन्य, शास्त्रं नगर, केशोद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हू।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी त से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकनी।

स्मब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नन्त्रची

पुराना शाप मार्किट के नजदीक जमीन का क्षेत्रफल 672 वर्ग मीटर भीर बिस्डिंग ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमवाबाद

तारीख: 22-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निवेश सं० पो० आ२० नं० 3193/1/23-1/84-85---अत: मुझे, जो० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० रामनगल कालोनी प्लाट नं० 5 केगोद है तथा जो जमान 301 वर्ग यार्ड श्रीर मकान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूचं: में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रोंकर्ता अधिकारों के कार्यालय, केगोद में रिजस्ट्रों करण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तार्राख 10 फरवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से क्रिथन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रा देवराज मनजामाई घोड़ासरा, बाउन्थोन फालेज के सानने, कल्याण सोसायटा, जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रो बृजलाल मानेक लाल मागर श्रीर अन्य, नानजो चकला, मन्दिर के नजदोक, मांगरोल-362225।

(अन्तरितो)

को बहु सूचना बारी करक प्वाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां शुरु करता हां।

उन्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपञ्ज में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीनर उन्नेत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए पा सकींगे।

स्पर्काकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्थी

केशोद राम नगर कालोतो, प्लाट नं० 5 केशोद में जमीन क्षेत्रफल 301 वर्ग यार्ड श्रीर मकान ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी ससयक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज--1, अहमदाबाद

तारोख : 22-9-1984

प्ररूप बाइ . टी एन. एस.-----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ं धारा 269-ध (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पो० आर० नं० 3194/23—I/84~85—— अतः मुझे, जा० के० पंडया

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 ल के अभीत स्थाय राधिसा किला यह विश्वास कारन का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० जमीन क्षेत्रफल 10789 वर्ग यार्ड एन० ए० इन्डस्ट्रीयल है तथा जो जर्मन मेंडा मे जिला जूजागढ़ सर्वे नं० 15 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावड अनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप मे विजित है), रिजिस्ट्र कर्ता अधितार के ए।यालिय, वीसावदर में रिजिस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीखा 10 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एम दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरका) और अतरिती (अन्तारितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल निम्नलिखित उड्दुपुय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं धुद्दे । कसी आय की शबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सृतिभा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी थाय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः अब, उसत्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण कों, मीं, उसत्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1/ को अभीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रा रमन लाल केशवजा ठाकर, तलाब दरवाजा, शेरो नं० 2, जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) में ० जे० डा० एण्ड कं०, भागीदार—जे सुखलाल दयालजी वीस्मीया श्रीर अन्य, पा० एच० वाडीया पेट्रोल पम्प के सामने, जूनागढ़ रोड, जेसपुर, जिला राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना **जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए** कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्परित के गर्पन के सम्बन्ध में कार्ष भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स क्यक्तियों में सिकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

एन० ए० इन्डस्ट्रोयल जमीन सर्वे नं० 15 भेंदयरा में, जिना जूनागढ़, क्षेत्रफल 10789 वर्ग यार्ड हे तथा रजिस्ट्रेशन नं० 140/10-2-1984 है।

> ज्ञात केव पडया सञ्जाम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तार्ष : 22-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 22 सितम्बर 1984 निदेण सं० पा० भार०नं० 3195/अर्जन रेंज-1/23-1/ 84-85-अत: मुझे, जा० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अभिक है

भौर जिसको सं० फ्लैंट वरिपापुर, काज पुर में सोम सर्वे न० 128 है तथा जो एफ० पा० नं० सकेन्ड फ्लोर एम13 है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्राक्ता अविकार के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्राक्तरण अभितिष्टम 1908 (1908 का 16) केअथ काराख्य 14 फरवरा, 1984

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य म कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक इश्यमान प्रतिफल सं, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में उधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया हैं.—

- (क) कन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अस्तरक के दार्य । मं कमी करने या उमसे बचन मो नृतिकाक । जा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनयम, या भन-कर अभिनयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयासनार्थ अनिर्मात कार्म प्रकार प्रकार की स्थासनार्थ अनिर्मात कार्म प्रकार प्रकार की सिंग की सिंग जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितुयों, अधित् क्रिक्त (1) श्रामता पुष्पा देवा बाबू लाल जैन, राना तालाब, दबगरवाड़, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्रो गौतन चम्पालाल जैन, नन्दरवार, जिला घुलिया, महाराष्ट्र ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धे त्यित्या पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति पिकनया मां में किसी त्यिकित दवारा;

्य भाजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष- में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

बगुद्धान

पलैंट जिसका सर्वे नं० 128 एफ० पं०० 40 है जो वरिया काजांपुर सोमा स्थित है मेकन्ड फ्लोर फ्लैट नं० ए-13 तथा रिजस्ट्रोकर्ता नं० 2185 नारोख 14 फरवरों, 1984 है। जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारों सहायक आयक्तर आयुक्त (निवेक्षण)

अर्ज रेंज-1, अहमदाबाद । तारीख : 22-9-1984

मांहर:

प्रकाश **मार्श** दी, एन एस - ------ ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984 निदेश सं० पी० आर०नं० 3196/अर्जन रेज-1/23-1/ 84--85---अतः मझे जी० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕- रुत से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० फैक्टरो रोड गुजरात इन्डस्ट्रीज इस्टेट में है तथा जो भ्रोठव आर० एस० नं० 67, 75-123 फ्लोर न० 140 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनसूच। में ग्रौर पूर्ण रून पे प्रीमित है) , रजिल्हा हर्ना प्रधिकारा के कार्यालय, अहमदाबाद मे रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 फरवरी, 1984

को प्वाक्ति सम्पत्ति के उपित गाजार मन्य स कम के क्यमान प्रतिफल के और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृडा क्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंदरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सावधा के लिए; कॉर√या
- (वा) एोसी किसी जाय या किसी भन या अल्थ शास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सिक्ति के लिए:

बत अब, उक्त बिधीनयम, की भारा 269-ए के जनसण्य ते, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ की उपधारा (1) म्बे अधीत निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थातः ---

(1) मैं० एक्यूलेटर्ल्स एण्ड एलाइड, इन्डस्ट्राजकाधीरमे फुलमुख्तयारिः था। पमेशचन्द्र चरन दास पाराखा. णिल्प हरोदास पार्क, नेटे लाइट रोइ. अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० जशनारा छन्टरप्राहरोस, भाग दार . श्री हेमन्तभाई रसंकलालगाह. श्ररप्रकाण भाई परे० अमन, केयरआफ : शेड न० 140, ग्जरात व्यापारः महा मण्डल, इन्डस्ट्रे,थल इस्टेट, श्रोठव, अहमदाबाद ।

(अन्तरिस:)

को यह सुमना जारी कन्केष अन्त सम्पन्ति को बर्जान को सिक्क कार्य **प्राहियां करता ह**ै।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अवधिया तत्ममान्धी व्यक्तियों वर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, उने भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , को भीतर 🗠 🖘 व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्या किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोष्टस्ताक्षरी के पास लि**क्ति** र्मा 🖂 🗷 **का सकें भें**।

स्थरकोक्टरण --- इसमा प्रयुक्त जब्दो और पद। का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाष्ट्रन है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा बया व्≛ी।

नन्सची

मिलकियत--जो फैक्टर गेड जो गुजरात व्यापारी इण्डस्ट्रेयल इस्टेट, फ्लोंच न ० 140 म्रोठव में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन न० 2206 तार ख 14 फरवर, 1984 है।

> जीं के प्रयुक्त मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निर क्षण)

अर्गन रेंज-1, अहमदाबाद

वारो**ख** : 22-9-1984

मोहर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनां ए 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पा० आए० नं० 3197/अर्जन रेंज-1/23/ 84-85--अतः मुझे, जो० के० पंडया

आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इस्में इसके प्रकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25.000/- रु. मे अधिक **हैं**

ग्रौर जिसको सं० जमोन तोर्थ नगर सोमाइटी में फ्लोर नं० 16, टा॰ पी॰ एस नं॰ 1 है तथा जो मेम नगर, सर्वे नं० 48-ए ब: रौका नं० 51/1-2 अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र जुड़ हर्ना अधि ए। रा. के फार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्टू.--करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार ख 13 फरवरा, 1984

का पृष्ठ ३त सम्भोत के उचित भारार ग्रन्य स काम के रूपयान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, असे दर्शकान परिकाल से, एस रायमान परिकर्त का पन्द्रह प्र' धद्यात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकॉ) और लंत-रिती (बतरितियों) के बीच एेसे बंतरण के लिए तंय पाया नमा प्रतिकल निम्नलिखित उक्वदेय से उक्त अंतरण लिखित मं जाम्त√वक रूप से **कथित नहीं किया गया है '**—

- (भे) जंतरण ने हुइ किसी जाय की बाथत, उक्षत श्रिपियम के अधीन केर दोने के अंतरक के दायित्व में अपनी कारने या उससे बचने में सीवधा क्टलिए: और/या
- ार) जसी रेडम्प वाय यह किसी धन यह अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्तत अधिनियम, या धन-का निविध्यम (1957 (1957 का 97) र प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भार चार हेरता अस्य स्ताउक गा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रः अरविन्द कुमार चन्द्र लाल जानोः 6, योगेश सोसाइटः, शाहपूर वरवाजा बाहर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रं: पटेल अयमुखलाल नवल किशोर, 16/3, तुलसः श्याम फ्लैट्स, नवा वाइज, अहमदाबाद ।

(अन्तरितो)

को। यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्य गहिया शुरू करता हु ।

उक्त सम्परित के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों मी स किसी व्यक्ति दवाराः
- (भा) इस संखना क राजधा में प्रकाशन की तारील में 45 किस ५ भ १ गणत - भागर गल्याच्य भ (ल्लचद्रशः किसी अंग पान्ह धवारा अधाद-तक्षरों। के पास किक्ति स किस कर एकेना

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधीनयम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याव में दिया गका है।

🥳 जमान तार्थ नगर सोपाइटा में, फ्नोर नं० 16, मेमनगर, टों पों एस॰ नं 1, एफ पीं नं 75 है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 2080 ताराख 13 फरवरः, 1984 है।

> ज{० कें ० पंडया सक्षम प्राधिकारी गड़ायक आयक्तर आयुक्त (निर क्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाव

नारोख: 22-9-1934

मोहर 🗀

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.,----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, अहमदाझाद

अहमदाबाद दिनाक 22 सितम्बर 1984 निदेश सं० पो० आर०न० 3198/अर्जन रेज-1/23-1/ 84-85--अत मुझे, जी० के० पडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स॰ मिलिकियत बिल्डिंग खाडिया वार्ड न० 3 में है तथा जो सर्वे न० 272, एम० एस० न० 1622, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोक्ति अधि हारा के कार्यालय, अनुमदाबाद रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 10 फरवरा, 1984

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूश्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुक् किसी आय की वावत, उस्स अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के आए;

अत भग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों उक्त मोधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 3 5 —316GI|84

 श्रामता पन्नाबेन वसन्त राय, श्रीमाला सोसाइटा, नवरगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्रोमतः कातिब्रेन कचराभाई, सेवका की वाडा, 'खाडिया, हाऊस न० 1622, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिसाधित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गमा है ।

जनसची

मिलिकियत जो खाडिया में स्थित है, मेबका की वाडी, हाऊस नं० 1622 अहमदाबाद तथा राजस्ट्रेणन न० 2064 तारीख 10 फरवरा, 1984 है।

> जी० क्षेत्र पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेज-1, अहमदाबाद।

नारीख . 22-9-1984

मोहर 🛚

प्रकृष बाह्य हो , एवं , एवं , •=•त्व

भार्यकृष्ट वर्षभाँ नयम, 1961 (1961 का 43) कर्डे भारा 269-व (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदानाद, दिनोंक 22 सितम्बर 1984

नियेश सं० पी० आए० नं० 3199/23-ा-85---अतः मुझे, जी० के० पेश्रसा

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परच्त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मिलकियत वड्या में सर्वे नं० 353-2-1 है तथा जो अगोक सोसाइटी, प्लोट नं० 4 में स्थित है (और इससे उपाबद अमुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीक्सर्ती अधिकारी के कार्यालय, भाव नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियमः 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से एसे दृष्टममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मतिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिक्कित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किती शाय की बाबत, उक्त विधिनयन के अभीन कर को के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बच्नी में सुविधा-के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारिसयों को, जिन्हों भारतीय शाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूचिया के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमूसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1)श्री बालाभाई करसन भाई सवानी, फ्लोट नं० 2, कुमुन्द वाड़ी, बोर तालाब रोड, भावनगर।

(जन्तरक)

(2) श्री धनजीभाई सामजी भाई दयाली, ज्लोट नं० 58, जुमुद बाढ़ी, वोर तालाब रोड, भाव नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके प्रॉक्तें सम्मत्ति के वर्षन के जिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- ें (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितवश्रभ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंवे।

स्यक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुची

मिलकियत—जो वडवा विस्तार में स्थित है तथा जिसका : 1, 253 2-1, प्लोट नं० 4 रजिस्ट्रेशन मं० 600 तारीख 28 फरवरी, 1984 है।

> र्जाः० के० पंख्या सक्षम प्राधिकारी सञ्ज्ञायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) किर्जन रॅज-३, अक्षमधाकाद

तारीख: 22-9-1984

प्रकंप बार्ड दी पुन् एत ..-----

नाधकर निर्मित्रेम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चादक नायकर नायुक्त (निर्दाक्त)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनाम 22 सितम्बर 1984

निवेश सं॰ पी॰ आर॰ नं॰ 3200/23-I/84--85--- अतः मुझे, जो॰ के॰ पंडया

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15, सर्वे नं० 105 वडया है तथा जो भाव नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, भाव नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्विचत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ० थत अधिनयम के अधीन-कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियीं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाहा आहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

कतः शृब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) से प्राप्तिक पिराणिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री नवनीत लाल पी० कुमाडिया, मुख्तयार: श्री रमनीक लाल कुकाडिया, नागा पोल, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) भी सुरेश कुमार पी० भाकीहा, गोरी कली, भावनरग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्कूना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पट्टोधरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित धूर्व, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

मन्सूची

प्लॉट नं० 15, सर्वे नं० 105 बद्धमा भावनगर प्रात्स्ट्रेशन नं० 519 तारीख 21 फरवरी, 1984 है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 22-9-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहामक जायकर आवृक्त (निर्धिक)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर०नं० 3201/23-1/84--85---अतः मुझे, जी० के० पंडया

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन प्लॉट नं० 14, सर्वे नं० 105 वडया है तथा जो भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचः में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेंकर्ता अधिकार्रः के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रेंकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 फरवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अंतरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—— (1) श्री भक्ति प्रसाद पी० कुसाडिया, की ओर से कुल मुख्तयार: श्री रमनीक लाल पी० कुकाडिया, नागरा पोल, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री दीनकर राय पी० भाडीब्रा, गोरीकली, भावनगर।

(अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध से की हैं भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्साक्षर। के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

गन्स्ची

जमीन प्लॉट नं० 14 सर्वे नं० 105 पर वडवा-भावनगर।

तारीख : 22-9-1984

मोहरः

प्ररूप आहे. दी. एन. एस. ------

बाय्कार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-वा (1) के सुभीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकरें आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3202/23-I/ 84--85--अत: मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 13, सर्वे नं० 105 है तथा जो वडवा, भावनगर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूर्षा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यानय, भावनगर में रिजस्ट्रीएरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकित सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ने एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्दोस्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त निवय के बंधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्य में कमी करने वा उसते वचने में सृद्धिभा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आव था किसी जन था अस्य जास्तियों की, जिन्हों जारतीन जानकर किशिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिशिनयम, या धन-कर किशिनयम, 1957 (1957 का 27) के त्योचनार्थ अन्तिरसी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए?

कत:, अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्भात् :--- (1) श्री भिक्सि प्रसाद पो० कुकाडिया, की ओर से कुल मुख्तयार: श्री रमनीक लाल पी० कुकाडिया, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री हसमुख राय प्रानजीवन दास भाडीद्र, गोर कली, भावनगर।

(अत्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सभ्यत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी औं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, वो जनतः विभिन्नम् के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विभा रशा है।

मनृसुची

जमीन प्लॉटनं० 13, सर्वे नं० 105, वडला में रिजम्ट्रेशन नं० 578 तारीख 21 फरवरी, 1984 हैं।

> जीं० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेग-1, अहमदाबाद

तारीख: 22-9-1984

प्ररूप बार्यः, टी ु एस्_ एस ∴- - ७ ००००

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-व (1) के ब्भीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, महमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984 निदेश सं० पी० भार० न० 3203/23—I/1/23/1-84-85--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमे** इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन कृष्ण नगर में (वक्षिण) सरदार नगर है तथा जो सर्वोदय को० ग्रापरेटिय फ्लोर नं० 1770 ए में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 14 फरवरी, 1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित् वाजार मृल्य से कम के कथमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्तींक्त सम्पत्ति का उचित साजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उदुव देय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिभक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरूप से हुए किसी भाग की बाबत , उपल अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औ वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के दिए; नीर/या
- (क्त) एसे किसी आय या किसी धन या अपन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कटु मुर्थिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ जन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) 1. सर्वोदय को० श्रापरेटिय मोसाइटी।
 - श्रीमती चपाबेन बाबुलाल लल्लुभाई।
 - 2. श्री प्रवीन भाई बाबू लाल।
 - 3. श्रीनरेश बाग्लाल।
 - 4. श्री हरेश बाबूलाल।
 - श्रीयोगेश बाब्लाल। 201 घन महल, सेकन्ड फ्लोर, एन० एस० हाई स्कूल के सामने, मालाड, बम्बई--64।

(भन्तरक)

(2) श्री विनोदराय दामीदर दास गज्जर, सुतारवाड, स्टेशन रोड, भावनगर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त, सर्म्यात के अर्जन के प्रतिष् कार्यवाहिया शुरू करता हूं [1]

उक्त सम्पत्ति को वर्णन् को सम्बन्ध में काई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों रू सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृषारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास मिषित में किए जा सकेंगे 👍

रनव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों भौर पर्यों का, वो उक्त निभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में विया गया है।

सरदार नगर, सर्वोदय को० भ्रापरेटिव सोसाइटी, फ्लोर नं० 1770 ए, रजिस्ट्रेशन नं० 427 तारीख 14 फरवरी, 1984 है ।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

तारीख: 22-9-1984 मोहर:

प्रकप बाई . वी. एत. एस. ------

नागकर निभिनियत, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के सभीत सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं नवागढ़ सीमा सर्वे नं 95/1 पैकी नं 4391 है तथा जो वर्ग मीटर एन ए जमीन गृह उपयोग के लिए में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारीों के कार्यालय, जैतपुर में रजिस्ट्री-करण श्रिष्ठित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण शिवित में अस्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण है किया क्या है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीड/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

नतः नव, उक्त निधिनियम, की भारा 269-व के ननुभारण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री धनजी शामजी राजोरिया, गाव नवागढ़, तालुका जैतपुर, जैतपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शम्भू भाई केशव भाई पटेल मोर भन्य, कनकिया फ्लोर,, जेतपुर, तालुका जेतपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यां क्तारों में से लियों व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बाब किसित में किए या सकेंने।

स्पक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिशः मया है।

मनुसूची

नवागढ़ सीमा सर्वे नं० 95/1, पैकी एन० ए० जमीन क्षेत्रफल 4391 वर्ग मीटर, गृह उपयोग के लिए।

> जीं के पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख : 24-9-1984

प्ररूप आइ. टी, एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3205/ग्रर्जन रेंज-1 23-1/ 84-85---ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० एच० पी० एस० नगर है तथा जो सी० एस० नं० 4080 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, पठवान मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 23 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिली बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुनिधा के लिए;

(1) श्री जिसुम्रा रनजीन सिंह जाला, शक्ति कृपा, प्रभात सोसाइटी के नजदीक, सुरेन्द्र नगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषोबेन दिनेशचन्द्र गौर, सूर्य भवन, पठियार रोड, सूरेन्द्र नगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस त्वना के राजपून में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधि-िनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुस्पी

मकान मिक्कियत जो सुरेन्द्र नगर में स्थित है सी० एस० नं० 4080 तथा रजिस्ट्रेशन नं० 412 तारीख 23 फरवरी, 1984 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

अतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात ॥—

तारीख : 24-9-1984

प्ररूप बार्स. ट. एन. एस. - - ---

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर कायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-!, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1984

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के जधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० मलिकयत सुरेन्द्र नगर में है तथा जो सी॰ एस॰ नं० 4080 पैकी जमीन और मकान में स्थित है (और इससे उपाब इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन तारीख 16 फरवरी, 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मुख्य से कम के क्यंमान प्रतिपक्ष को लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बयापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उत्तके क्यमान प्रतिपक्ष से, एसे क्यमान प्रतिपक्ष का पंक्रह प्रतिप्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रक्रिक्त, निम्मितिबास उद्योग्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तिक हुए से किथित नहीं किया गया है....

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाव की शावत उक्त बीध-नियम के बधीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था का या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री चीमन लाल राजा राम पंचौली, सुरेख नगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमनी कलाल डी० रावल, मुरेन्द्र नगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप १०००-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अधे होगा, को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

वनसर्वी

एच० पी० सुरेन्द्रनगर में सी० एस० नं० 4080 रजिस्ट्रेशन नं० 453 तारीख 16 फरवरी, 1984।

> जी० के० पंख्या सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

अत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों , अधीस्ः ---36---3169:|84

तारीख 24-9-1984

अक्य बाद . टी .प्य . एव . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काश्वासया, सहायक जायकर भाग्वत (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आए० 3207/अर्जन रेंज-1/23-/ 84-85--अत: मुझे, जी० के० पंड्या

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-क 'के अधीन सक्षम प्राधिकारी था, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूम्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस की स० पठवान सर्वे नं० 1750 सो०एस० नं० 5344 है तथा जो जमोन क्षेत्रफल 1586 वर्ग यार्ड जिल्लान रोड पर स्थित है (श्रीर संक्षे जिल्लान रोड पर स्थित है (श्रीर संक्षे जिल्लान रोड भन्न स्थान में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठवान में रजिस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख 13 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा जया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षिय से उथत अन्तरण सिबित में बास्तिक कप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिविद्या के अधीन कर दोने के लग्तरक के दायित्व में कंसी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., द्विपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम औ भारा 🚜 १०- र 🎁 वन्सरण गं, में, उक्त अधिनियम औ भारा २६९-च की अपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, जर्भात् :— (1) श्रीमत साबित थेन चतुरभाई दामोदर दास, मुख्तयार . स्व० का० दामोदर दास भागवत, देरी गेरी, दवे बहेला, गोंडल।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश भाई जयन्तीलाल शाह श्रीर अन्य, मेहता मार्किट, स्रेन्द्र नगर ।

(अन्तरितो)

का वह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवादियां करता हुं।

डक्त सम्पर्तित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थात के राजपण में प्रकाशन की तारीचे से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अंबधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्वक्षतीकरण :--इसमें प्रयुक्त सम्बां और पत्तों का, को जन्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुरी अर्थ होगा को उस् अध्याय में दिया गया हैं।

अनस्ची

पठवान सर्वे नं० 1750, सी० एस० नं० 5344 पैकी जमीन का क्षेत्रफल 1586 वर्गयार्ड जिन्तान रोडपर, रजि-स्ट्रेंगन नं० 385 तारीख 13 फरवरी, 1984 है।

> जी० **के० पंडया** सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶, अहमदाबाद

तारीख: 24-9-1984

मोहरः

प्रस्थ बाई , टी. एन , एस .-------

नायकड निधिनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुधना

भारत तरकार

कार्याजय , सहायक बायकर बायूक्ट (विद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० 3208/अर्जन रेंज-I/23-I/

84-85—यतः मुझे, जी० के पंडया बायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त निर्मित्यम' कहा गया ही, की भारा 269-व के नभीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रहः से जिसक ही

ग्रौर जिसको सं जमीन का क्षेत्रफल 2764 वर्गमीटर टी पी एस है तथा जो प्लाट नं ० ७ से 26 यशपाल में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),

रिजस्द्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बेरापल में, रिजस्द्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमन, दिनांक 2-2-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तिर्ति की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्बोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निशिषित उद्देश्य से उचत अन्तर्ण लिखित में अंतरिक क्य में कथित नहीं किया गया है क्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जावत उक्त जिथ-शिवम की अभीभ कर देने के वन्तरक के दायित्व में कभी कद्भने वा उसते वजने में सुविधा की जिए; और्/वा
- (व) एंसी किसी थाय या किसी थन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों शारतीय नायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम् कौ धार् 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिन्यिम की धार्य 269-ग की उपभार्य (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों वर्षात् ५---

- (1) श्रो सुराक्तअब्देमान अब्दुल रहीम सरकार अरब चीक वेरावल।
- (2) श्री रमेशभाई पूनमभाई चोपाडकर, चेयरमैन: शिफल को०आपरेटिव सोसाइटी जाना निवास कृष्णा नगर, वेरावल।

(अन्तरित्ती)

को ग्रह सूचना बारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उनत सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी काक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारह;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिल बद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी व पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्दिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिषदम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्वी

जमीन क्षेत्रफल 2864 वर्ग मीटर, टी० पा०एस० 1,फ्लाट नं० 7, से 26 वेराक्ष्ल।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 24-9-1984

प्रकृष बाहुर्क डो.: एष्. पुष्,=====

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्पना

भारत चुडुकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश मं० पी० आप० न० 3209/अर्जन रेंज⊸I/23—I/ 84—85—अतः मुझें, जी० ने० पंख्या

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित वाबार मृज्य 25,000/- रा. से निधक है

श्रीर जिसकी मं० पोरबन्दर सी० एस० वार्ड 3, सर्वे न० 1657 पैका है तथा जो नार्थ साईड जमोन क्षेत्रफल 244 वर्ग यार्ड I बिल्डिंग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूकों में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोरबन्दर में रिजस्टोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान्
प्रतिफल के लिए बस्तरित की गृह है और मृत्रे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, इसके क्रयमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का पृद्धः
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अंत्रकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया
प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वरेग से उच्त अन्तरण निजित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियंत्र को ज्थीन कर दोने भी अन्तर्क में श्रीयस्थ में कमी करने या उससे वचने में सृद्धिया को निए; बाँड/वा
- (च) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनुकर अधिनियम, या भनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वयः, उपल विधिनयम की भारा २६९-न की कबुसरण माँ, माँ, उपल अभिनियम की भारा २६९-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् हः— (1) श्रो तरेन्द्र कुमार मूलजीभाई पलान, केयर आधः प्रेमजी मूलजी, खाड़ी बन्दर के नजदीक, एम० जी० रोड, पोरबन्दर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बोपदी बृजलाल ग्रीर अन्य, बाषेश्वरी प्लाट, सर्वे नं॰ 1657, पोरबन्दर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना वारी करके प्योंक्त संपरित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यम्ब्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, को उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वृद्धी सूर्य होगा, जो उस मुख्याय में विद्या पदा।

वनुसूची

पोरबन्दर सी० एस० वार्ड 3, सर्वे नं० 1657 पैकी जमीन क्षेत्रफल 244 वर्ग यार्ड नार्थ साईड ग्रीर बिस्डिंग रजिस्ट्रेशन नं० 291 तारीख 13 फरवरी, 1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

त्गरीख: 24-9-1984

प्रका बाई _ह टी., धन. एव. ******

मानकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सह्वयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 सिसम्बर 1984

निर्देश सं० पी० आर० न० 3210/अर्जन रेंज--1/23/1/ 84-85--अत., मुझे, जी० के० पडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसको स० पोरबन्दर मो० एस० वार्ड न० 3, सर्वे न० 1675 पैको है तथा जो नार्थ साईड जमीन 244 वर्ग यार्ड श्रौर मकान में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रौर पूर्न रूप से विज्ञत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, पोरबन्दर में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र हु प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तब पाना गया प्रतिफल, निम्मितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचा गया है

- (क) बंतरण से हुए किसी आयुकी शवत, उक्त बीधीन्यमं के अधीन कार दोने के बंतरक के बायित्व में कमी करने या उत्तरों बचने में सुनिधा के लिए; बॉर/या
- (भ) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविभा की किए:

जतः जब, उक्त जिथितियमं की धारा 269-ए के जनूसरण कों, मैं, उक्त जिथितियमं की धारा 269-ए की लगभारा (1) को अभीत, निम्मलिखित स्थितस्यों, जर्थात् :--- (1) श्री नरेन्द्र कुमार मूलजी प्रशान श्रीर अन्य, केयर आफ: श्रेमजी मूलजी ट्रांसपोर्ट बाला, खाड़ी बन्दर के नजदीक, एम० जी० रोड, पोरखन्दर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती द्रोपदी बृजलाल ग्रौर अन्य, बाग्नेशवरी प्लाट सी०एस० न० 1657, पोरबन्दर। (ग्रन्तरिती)

ਨ ਸ਼ਗ਼ਮੀਨਰ ਕੈਕਲਾਂਟ ਕੇ ਦਿਵਤ

काँ यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति को अर्थन के लिख् कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हुन्न

- (क) इस स्वना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीं बें 45 दिन की जनिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की ताथीं म से 30 दिन की श्विध, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस स्वना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

न्यच्यीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स्यो

पोरबन्दर. सी०एस० वार्ड नं० 3, सर्वे नं 1557 पैकी जमीन क्षेत्रफल 244 वर्ग यार्ड नार्य साईख और मकान।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

नारी**ख** 24-9-1984

मोहर 🗈

प्रारुप आर्थः टी. एत. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काबीलब, सहायक बायकर बायक्त (विर्वाक्त)

ग्रर्जन रेज-I, अहमदाबाद

ग्रहभदाबाद, दिनाक 24 सितम्बर 1984

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

जिसकी सं० आर० एस० नं० 116/2, जमान नेत्रफल 1 एकड़ है और 31 मुठा, एन० ए० इन्डस्ट्रीयल लैन्ड अमरेली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ला प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपहित के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित मे वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तिकों की फिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्रोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अबः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में इन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, जभीत हु--

1 कल्याम गोबिन्च कुम्कर गांव गवाबका, जिला (वाया) ग्रमरेली।

(ग्रन्तरक)

2 मैससं धमरेली सीमेंट इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ड़ायरेक्टर जयन्तींलाल गिरधर लाल 20 गणेश सीसायटी, चीटल रोड, अमरेली:-364601।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्तः सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवस्थि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवस्थि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थानिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का जो उन्नर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, नहीं नर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया यया है।

बनस्ची

भार॰ एस॰ नं॰ 116/1 एन॰ ए० इन्डस्ट्रीयल जमीन गवाडका (भ्रमरेली) रजिस्ट्रेशन नं॰ 165/6-2-84।

> जीं० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीच: 24-9-84

मोहरः

प्ररूप आई. टी, एन. एत. -----

नाय्कर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-। भ्रष्टमदाबाद

ग्रहमवाबाद, दिनांक 24 सितम्बर, 1984

निर्देश सं०पी० घार० नं० 3212 घर्जन रेंज-I/84-85---घत: मधे, जी० के० पंडया,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/-रा. में अधिक हैं

गौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 116/2, एन० ए० इन्डस्ट्रियल जमीन है तथा जो क्षेत्रफल 1 एकड ग्रौर 19 गुंठा जडपाडका वाया ग्रमरेली में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रमरेली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 9-2-1984।

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य पत्यह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया प्रतिफल, निम्नसिवित उच्चेच्य से उच्च अन्तरण जिनिव लिखिन सिंवित में वास्तरिक रूप में कथित बहीं किया गया हो:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की वाबत, अक्त जीभीनयज के जभीत कर दोने के अन्तरक कें दायित्य में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिमियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) कें कथीन, निस्मलिबित व्यक्तियों, मर्थात् :---- श्री कल्याण गोविन्द कुमार, जपाडका श्रमरेली।

(ग्रन्तरक)

 श्रमरेली सीमेट इन्डस्ट्रीयल प्राइवेट लिमिटेड डायरेक्टर जयन्तीलाल गिरधर लाल,
 गणेश सोसायटी,
 छीटल रोड, श्रमरेली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जाडी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी जाक्षीप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सृष्या के राजपण में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

त्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त सय्यों और पदों का, जो स्वतः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रमुषी

एन० ए० इन्डस्ट्रीयल जमीन म्रार० एस० नं० 116/2 जपाडका ग्रमरेली क्षेत्रफल 1 एकड़ भौर 19 गुंठा।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रामकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 24-9-1984

मोडर:

्रवस्य बाह्र टी. एन. एस.----

नायकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 264-व (1) के मधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्तण) प्रजीन रेज-J, ग्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर, 1984

निर्वेष सं० पी० घार० नं० 3213 अर्जन रेंज-I/23-I/ 84—85—-ग्रतः, मुझे, जी० के० पंडया, शयकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) (जिस

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्त. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं केशोव सर्वे नं 2 एन ए जमीन इण्डस्ट्रीयल है तथा जो परयोज क्षेत्रफल 1500 वर्ग मीटर में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्णस्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, केशोव में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 20-2-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का प्रमाह प्रतिकत्त से अभिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया बया प्रति-क त गिम्निसिवत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिक कथ से कृथित महीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनवभ की अधीन कर योगे के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या सससे वचने में मविधा के किए; और/वा
- (ह) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

अतः अन्न., उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्नाजिका व्यक्तियों, अथारी 🛭 — श्री करसनदास पोनजीमाई घौर ग्रन्य। रेखवे कोसींग के सामने, केशोद।

(ध्रन्तरक)

 श्री कैलाश कारपोरेशन भागीदार वालजी देवली भौर श्री जया गीरी मोहन लाल केशोद।

(ब्रन्तरिती)

को यह स्थान वारी करके प्यास्ति सम्मृत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां क<u>र</u>ता हुं।

उक्त सम्मृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्रोप:--

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच ते 45 दिन की जबकि या तत्त्वस्त्रा व्यक्तिकों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिय, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अम्बित्यों में से किसी व्यक्ति ब्रह्मरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपृत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किस वा सर्कोंगे।

स्पाकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो जक्द अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा भवा है।

नन्तुकी

केशोद सर्वे नं० 2 एन० ए० इण्डस्ट्रीयल जमीन क्षेत्रफल 1500 वर्ग मीटर केशोद,सर्वे० नं० 243 दिनांक 20-2-84 ।

> जी० के० पंडया; सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रष्टमदाबाद

दिनांक : 24-9-1984

प्रक्प बार्ड.टी.एन.एस. -----

नायकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के क्षीन सुच्या

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रष्टमदाबाद, ग्रहमदाबाद, विनांक 24 सितम्बर, 1984 निर्देश सं० पी० प्रार० 3214 अर्जन रेंज-I/23-1/84-85 —-यतः मुझे जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख कं अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रत. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० केशोद एन० ए० इण्डस्ट्रीयल जमीन है सथा जो सर्वे नं० 2, क्षेत्रफल 1500 वर्ग मीटर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, केशोद में रजिस्द्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीखा 21-2-1984

को पर्वोक्त सम्परित से उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नारविषय कर वे स्वीपत नहीं किया रवा है ह---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और∕या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया अपना चाहिए था, छिपाने में सविधा ने क्यिः

अत: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🛋 अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

 श्री करसनदास वेलजी भ्रीर भ्रन्य रेलवे ऋासिंग के सामने, केशोद ।

(भ्रन्तरक)

2, श्री कैलाश कारपोरेशन भागीदार बालजी देवजी श्रीमती जयागौरी मोहनलाल केशोद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को कर्णन को निष् कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविभि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हित-मक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षव्यां और पदाँ का, जो उक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याय में विका गया है।

अपृष्ची

केशोद एन० ए० इण्डस्ट्रीयल जमीन सर्वे नं० 26 क्षेत्रफल 1500 वर्ग मीटर।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

विनांक: 24-9-1984

मोहर:

37-316GI/84

प्रकार वाही. टी. एन. एस. ----

बारा 269-च (1) के वजीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायकत (निरोक्षण) प्रजन रेंज-I अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1986

सं ० पी ० धार ० न ० 3215 अर्जन/रेज-1/23-1/84-85 यत: मुझे, जी ० के ० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िअसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० जमीन पेजलपुर सीमा में है तथा जो सत्याग्रह छावनो, सेक्टर नं० 4 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब ग्रनुसूचों में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाव में राजस्ट्रीकर्त्रा ग्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 20-2-1984

को पृत्रोंक्त संपत्ति के उपित बाकार मूल्य से कम के इंब्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित वे सास्तिबक रूप से कृषित् नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाव्छ, उक्त श्रीधनियत के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बत: अत्र उक्त सिधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—— श्रीमती नीरूपमा चन्द्रकान्त पटेल, सरवार कुंज सोसायटो, शाहपुर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री हेमेन्द्र वादीलाल पटेल
 श्री शिव संकल्प सोसायटी, नारनपुरा, ग्रहमदाबाद-13।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थ्य :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

जमीन जो बेजलपुर सीम सर्वे नं० 1138, सत्याग्रह छावनी सेक्टर नं 4, प्लाट न० 4 राजस्ट्रेशन नं० 2500/20-2-84 है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, प्रहमदाबाद

दिनांक 26-9-1984 मोहर ३ प्ररूप नाहाँ, दी. एम. एस. -------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुबका

भारत संरकाह

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाशाद श्रहमदाबाद, दिनांक 21 सितम्बर 1984

कायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भाफिस फ्लैंट नं० 7 से 12 मीजा नीन फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर है तथा जो 'बो' बिग टो० पी० एस०3, एफ० पी० 115, विनेश हाल नजवीक भ्रह्मदाबाद में स्थित है। (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोक्स धिधकारों के कार्यालय, 37ईई फाइल में रिजस्ट्रोक्स धिवियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 28-2-1984

को प्रवासित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया इतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण से धूर्य किसी बाव की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधिम में तुर्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, धिनह भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वी किए;

जतः; जव, उज़्त जिथिनियम की धारा 269-गुको जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाष 269-भ की उपधारा (1) इंजिथीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अभीत ह—ल श्री दोनेश एम० पटेल, प्रमुख---ट्रेडिंग कम्पनी 64, झाटलान्टा नरीमान प्यान्ट, बोम्बे-21

(ग्रन्सरक)

 किलोंन्सक इलैक्ट्रीकल कम्पनी लिमिटेड इण्डस्ट्रीयल सुबुरब राजाजी नगर, बंगलोर-560010

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत् सम्मरित के वृजन के निष्
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इता,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकर्कः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। वसा है।

जनसंची

श्राफिस नं० 7 से 12 मीजानीन फ्लोर फर्स्ट फ्लोर 'बी' बिंग, श्राश्रम रोड के नजदोक श्रहमदाबाद 37 दि दिनांक 28-2-84 को फाइल किया है, विशाल कमश्रियल सेन्टर, श्रह्मदाबाद।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रज-1 ग्रष्टमदाबाद

दिनांक: 21-9-1984

इरूप नार्ड्ः टी. एन. एस्.-----

नायन्तर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के नधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अहमदाधाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1984

सं० पी० म्नार० नं० 3217 म्रर्जन रेंज -I/23-I/84-85 → म्रत: मुझे फी० के० पंडया,

नायवार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के ने नियम सक्षम प्रधिकारी को यह विख्यास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से निधक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन कंस्ट्रक्शन के साथ प्लीन्थ तक थलतेज हैं। तथा जो सीम सर्वें० नं० 8-11-1 एस० पी० नं० 44, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बाणत है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मवाबाव में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 22-2-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उपित बाजार मूस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाना गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से किष्त नहीं किया गया है:—

- (क) बस्तर्य से हुई किसी बाय की वांब्ल, उचल, अधिनिय्व के अधीन कर देने के बन्तर्क के स्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिल्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अनं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण गें, भें, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) भें नभीन, निम्निविद्यं व्यक्तियों, अर्थात् में— श्री हसमुख भाई बेचर भाई पटेल
 61 भाईकाकानगर को० थ्रो० हा० सोसायटी थलतेज, ग्रहमदाबाद-54।

(म्रन्तरक)

श्री भूपेन्त्र जे० शाह
प्रमुख—वीराराम श्रपार्टमेंटस् श्रोनर्स एसोसियेशन
प्रोपोजस)— 56 ए., नारायण सोसायटी,
थालडी, श्रहमदाबाद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन प्लीन्थ के साथ थलतेज में सर्वे नं० 8 एस० पीं नं० 44. रजिस्ट्रेशन नं० 2672/22-2-1984।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

तारीख: 26-9-1984

मोहर 🖫

श्रक्ष आहें.टी.एन एस.------

नायकार निधित्तिसमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुच्ता

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!, ग्रष्टमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1984

सं०पी० श्रार० नं 3218 श्रर्जन रेंज-1/23-I/84-851: :—-श्रत: मुझे ज $^{\circ}$ ० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधिन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी मं० मिल्लित—जमीन थलते ज मीमा में है तथा जो मर्वे नं० 8, एम० पं० नं० 8, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचें में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकार के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 14-2-1984

को वृजेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्युक्त में क्ति अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 कि 11) भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 कि 11) भारतीय आयकर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् ः— श्रो रंजन बेन प्रवीन धन्द्र देसाई 24-शांतीनगर, उस्मानपुरा, ग्रहमदाबाद।

(म्रन्तरक)

 नीला श्रपार्टमेंट श्रोनर्स एसोसियेशन चीफ श्रागेंनाइअर सुरेश कुमार टी० जाला, जयबीर बंगली, दर्शन सोसायटी, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद-9

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्र्रू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त काक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुस्ची

जमीन प्लीन्थ के साथ सर्वे० नं० 8 थलतेज सीम ए स० पी० नं० 8, रजिस्ट्रेशम नं० 2183/14-2-1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेंज- , श्रष्टमदाबाद

विनांक: 26-9-1984

मोहर ः

दलन कर्दा और वस्त एव रूप्पार्टिंग

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत त्तरकार

कार्याक्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर, 1984

सं० पी० घार० नं० 3219 घर्जन रेंज-I, 23-I/84-85 --- घतः, मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रश्नीत् 'उम्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, गह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट पुष्पक भ्रापार्टमेंटस् एस० एम० रौड, है। सथा जो फ्लैट नं० 2, एफ० डी० श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रहमधाबाद में रिजस्ट्रोकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, विनाक 6-2-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (श) शन्तरण ने हुए कियों वायू की वायत, वायस वीपीनवन के स्थीन, कुछ दने के स्थारक के शान्त्व में कभी करने वा उचने व्यत में पनिया के विष्: ब्रीड/वा
- (क) एंसी किसी नाय वा किसी वन या नन्य नास्तियों को, विन्हें भारतीय नार्थकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ नीधिनयम, वा धनकर नीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया ना वा किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

कतः श्रवः, उकतः विभिन्नियमं की धारा 269-तं की वनुसरक्ष मों, मों उकत समित्रियमं की धारा 269-तं उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ::--- श्री हस मुख भाई नागणी भाई सोनी
 एफ डी पुष्पक प्रपार्टमेंटस्,
 एस० एम० रोड, भ्रांशावाड़ी,
 श्रहमदाबाद।

(भ्रन्सरक)

2. मंजुलाबेन नगीनवास सोनी 17 मिलन पार्क सोसायटी जवाहर चौक, वटवा रोड, मनीनगर, श्रहमदाबाद। नया पता—पुष्पक श्रपार्टमेंट, फ्लैंट नं० 2 एफ०/ डी०, सुरेन्द्र मंगलवास रोड, श्रीणाबाडी, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथानित सम्पत्ति को वर्षाम् के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप है---

- (क) इस सूचना के राजध्य में प्रकादन की तारीचा के 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविध्य को भी अविध्याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उसत स्थायर सम्पत्ति में हिस । बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीक रणः ----इसमें प्रयुक्त शन्दों जीर पर्दों का, यो खन्छ। अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिशायित ही, वहीं वृधि होगा जो उस अध्याय में दिया नया ही।

वगुजुर्वी

फ्लैट पुष्पक ग्रपार्टमेंट,ल् एस० एम० रोड, रिजस्ट्रेशन नं० 1757/6-2-84।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी≱~ सहायक भ्रायकर भ्राक्तकत निरीक्षण श्रर्जन रेंज-1 भ्रहमदाबाद

विनांक 26-9-1984 मोहर प्रकप आई. टी. एन. एस. ------

जायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्भना

भाउत र स्थार

कार्यांतय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदबाद

महमवाबाद, दिनांक 29 सितम्बर, 1984

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ...) पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं० पलैट मुक्ता एपार्टमेंटस श्रोनर्स एसोसियेशन है तथा जो छड़ापड, टी० पी० एस० नं० 3, जी० पी० 759—8 पैकी सेफड फ्लोर, में स्थित है (श्रोर इससे उपा-श्रनुस्चो में श्रोर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधि नकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27—2—1984 ते पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान श्रीतफल के सिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास मृत्य, उसके दियमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया ता प्रतिफल निम्नसिक्त उद्वेदिय से उकत अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से किथत महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुर्य किसी शाय की बायत उन्तर मधि-नियम के बधीन, कर देने के अन्तरक के दिस्ति में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त जिभिनियम, की भारा 269-ग के जनसरण चें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :--- श्रीमती भारतीबेन महेशभाई उपाध्याय शाहआलम के नजदीक, टोलनाका, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हर्षदकुमार प्रहलाद भाई शाह, केयर आफ, श्री जी कार्पेरिशन, 22/1, चल्ला पोर्ल, मानेकचौक, ग्रहसवाबाद।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील सं. 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरणः —-इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में विया भवा है।

अनुसु**ची**

प्लैट जिसका टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 759, मुक्ता प्रपार्टमेंटस, छडापड माडलपुर में स्थित है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-रू, अहमदाबाद

विनांक · 26-9-1984

मोहरः

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

न अपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के न्धीन सूचना

भारत बहुबाहु

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्ज न रेंज-1, अहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1984

निदेण सं० पी० ग्रार० नं० 3221/ग्रर्जन रेंज-1/23-1/ 84-85--ग्रतः मुन्ने जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मौजे मकरबा सीमा सर्वे नं० 249-2 है तथा जो जमीन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बांणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय; श्रह्मदाबाद्व में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 18 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार भूस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वामित्य में कमी करने या उत्तरे वक्त में सुविधा के शिष्, वर्षिर्वा
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, 1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृतिशा जी सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अधौत्:— (1) श्री चेलाजी मंगाजी, गांव मकरबा, सीटो तालुका, श्र**ह**मदाबाद ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री गांति लाल मीणरोमाल शाह (एच० यू० एफ० के कर्ता),
 - श्री वेदमल तगामलजी,
 मस्कलो माकिट,
 ग्रहमदाबाद ।

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पृशाँक्त सम्पत्ति का अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विकिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तीं कर स्थादिक स्थादिक में किसी स्थादिक सुवारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी भन्द व्यवित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास मिलिय में किए हा सफरेंगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

ग्रनुसूची

जमीन जो मकरबा मीटी तालुका में स्थित है सर्वे नं० 249-2 र्राजस्ट्रेणन नं० 2493 श्रीर 2496 तारीख 18 फरवरी, 1984 ।

> जी० के० पंडया सक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-!, स्रहमदाबाद

तारीख : 26-9-1984

मोहर[ः]

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रह्मवाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 26 सिलम्बर 1984

निदेश सं० पी० भार०नं० 3222/श्रर्जन रेंज-1/23-1/ 84-85--भातः मुझे जी० के० पंडया,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जमीन बोयल में सोमा ब्लाक नं० 462 है तथा जो सर्वे नं० 338-1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचों में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कार्यालय, ग्रहमदाबाद में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 21 फरवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निय्नितिशत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सनिधा के निए; कीळ/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

बत: वाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 88—316GI[84 (1) श्रीमती लक्ष्मीबन वयासजी लीलाजी, गांव बोयल, सालुका दसकोई, जिसा ब्रहमदाबाद।

(भन्तरक)

(2) श्री भरत भाई नारनभाई पटेल, (भानन्द बोयल को-भ्रापरेटिव सोसाइटी), चेयरमैन : विट्ठल विहार को-भ्रापरेटिव सोसाइटी, शाही बाग, सहमदाबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त कम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपक्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरणः --- इसमाँ प्रयुक्त सन्दाँ और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका मना है।

प्रनुसूची

जमीन बोयल में सर्वे नं० 337-1 ब्लाक नं० 462 तथा राजस्ट्रेशन नं० 2588 ग्रौर 2589 तारीख 21 फरवरी 1984।

> जी० के० पंडया ृंसक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, श्र**ह**मदाबाद

तारीख : 26-9-1984

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ध (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) यजंग रेंज-1, श्रष्टमदाबाद

घहमदाबाद, दिनोक 26 सिसम्बर 1984

निवेश सं० पी० धार०नं० 3223/धर्जंन रेंज-1/23-1/84-85—धतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269- ब के अधीन सक्षम प्रप्रिथकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

घोर जिसकी सं० जमीन मकरबा सीमा में है तथा जो सर्वे मं० 248 में स्थित है (घोर इससे उपाबस धनुसूची में घोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घिष्ठकारी के कार्यालय, धहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 18) के घाडीन, 18 फरवरी, 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं जोर मूझे यह विक्यास करने का कारण हैं कि अधापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिशत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण कि बित

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उपत जिमियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विभा के लिए; भौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) भी चतुर भाई बनाभाई, गांव मकरबा, तालुका सीटी, जिला महमवाबाद।

(मन्तरक)

- (2) 1. श्री गांति लाल मिशरी मल शाह, (एच० यू० एफ० के कर्ता),
 - 2. श्री वेदमले जी तगामल जी, 5, भरफती माकिट, महमदाबाद ।

(प्रन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 3.0 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थिति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्ती के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्थल्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीपनियम के अध्याय 20-क में परिशापित हैं, वहीं ज्यें होगा ग्रो उस क्ष्याय में दिशा प्रा हैं।

धनु सूची

जमीन जो गांव मकरवा तालुका सीटी सर्वे नं० 248 पर स्थित है तथा रिजस्ट्रेशन नं० 2482 तारीख 18 फरवरी, 1984 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंत रेंज-1, प्रहुमदाबाद

बतः अब उकत अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियमें, अर्थान ह

तारीख: 25-9-1984

ं प्रकम आई. ढाँ. **एम_ः एक्_---**----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

भर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रमदाबाद, दिनांक 26 सित्तम्बर 1984

निवेश सं० पी० **प्रा**र०नं० 3244/प्रज^{*}न रेंज-1/23-1/84-85—्प्रतः मुझे, जी० के० पंडया

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

धौर जिसकी सं० जमीन यलतेज सीमा में है तथा जो सर्वे नं० 8 फ्लोर नं० 44 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता घांधकारी के कार्यालय, धहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण घांधनियम, 1908 (1908 का 19) के घांचीन, तारीख 18 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित मे बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किनी नाय की धायतः, उत्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;— (1) श्री ह्रसमुख भाई बेचरभाई पटेल, गांव थलतेज, तालुका थसकोई, जिला महमदाबाव।

(भन्तरक)

(2) प्रेसीडेंट ग्रपार्टमेंट ग्रोनर्स एसोसिएशन, केयर ग्राफ : श्री भूपेन्द्र जे० शाह, 59, ए, नरायण सोसाइटी, पालडी, श्रहमदाबाद-7।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्रन् सूची

जमीन जो थलनेज सीमा में स्थित है जिसका सर्वे न ० 8, प्लाट न० 44 है तथा रिजस्ट्रेंगन न० 2191 नारोख 18 फरवरो, 1984 है।

> जी० के० ५डथा नक्षम प्राधिकार। सहायक ग्राथकर ग्राथक्त (जिराक्षण) ग्रजन रेज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-9-1984

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

आयकर आंभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1984

निवेश सं० पी० प्रार० नं० 3225/23-1/84-85-- मतः मुझे, जी० के० पंड्या,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का स्थारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट श्रजान को० श्रो० सोसायटी में (रोयल श्रपार्टमेंट) है। तथा जो पाचवां फ्लोर, खानपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में राजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-2-84.

को पूर्वित्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रांतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर्/या
- (का) एसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या िकया जाना चािहए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसन्तण कैं, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—

(1) श्री सुरेशकुमार पोपटलाल शाह फालुपुर टंकशाल श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्री हीरालाल घोमनलाल गील्डर रोयल ग्रपार्टमेंट, ब्लोक 'बो', फ्लैंट नं० 9, पांचवां फ्लोर, खानपुर, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

के पह सूचना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस मूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी
 घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

वसर्पा

फ्लैट जो खानपुर में स्थित है (रोयल ग्रपार्टमेंट) ब्लॉक बी, फ्लैट नं० 6, पांचवां फ्लोर ग्रष्टमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 2165/14-2-84 ।

जी ० के ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक: 26-9-1984

मोहर 😘

शक्य बाहै. टी. एन., **एस**्.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीज्ञ)

धर्जन रेंज-1, प्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 29 मितम्बर 1984

निदेश स० पी० ग्रार० नं० 3226/23~1/84-85--- ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर निर्मानयम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उन्तं निर्मानयम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निर्मास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान मादुपुरा मारकेट में ग्रीर पेर हाउसिंग को० श्रो० सोसायटी, हैं। तथा जो शाहीबाग रोड, श्रह्मदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णं हप से विणत हैं), राजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में राजस्ट्रोक्करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 19) के श्रधीन, 20-2-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके द्रियमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्ववेषों से उक्त अन्तरण निबित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) जल्दरण से हुई किसी बाय की वाबत, उसस् अधिवियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निष्धु बीट/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भग या अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैसर्सं ताराचन्द मानेकलाल एण्ड कम्पनी की श्रोर में भागोदार—ताराचन्द मानेकलाल कन्तीलाल रानोमल इत्यादि 9, गुरुदेव सोसायटी, भैरवनाथ रोड, मनोनगर, श्रष्टमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स मदनलाल वासुदेव एण्ड कम्पनी भागीदार →—गोपालदास लक्ष्मनदास राठी कामीनीदेवी, होटचन्द कचीरियाकी पुत्री गायत्रीक्षेन मदनलाल वनीताबेन माजनलाल शीणपाल लक्ष्मनदास जय प्रेम सोसायटी शाहीबाग, महमदाबाद ।

(अन्तरक)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों कत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवादियों करता हैं।

उनत् सम्परित के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी स्पित्समें पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सनभि,, को भी जनभि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पित्समें में से किसी स्पत्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पाद् सिकिस में किए जा सकोंगे।

स्यब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त खट्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषिद हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुस्ची

शोप माधुपुरा भारकेट में घौर पेर हाउसिंग सोसायटी, शाहीबाग रोड रजिस्ट्रेशन नं० 2415/20-2-84 ।

> जी० के० पाडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज—^I, श्रहमदाबाद

विनांक : 26-9-84

मोहर 🖫

प्ररूप आहै.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रज-1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० मार० नं० 3227/23-1/84-85--मत: मुझे, जी० के० पडंया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० मिल्कियत दिखापुर काजीपुर सीम में है तथा जो 13, शाहपुर को० श्रो० सोसायटी शाहपुर, दरवाजा बारह ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारों के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीन, 21-2 84

को पूर्विक्त संपक्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के क्षेत्रण एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित अवृद्धिय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कथिश किया गया है:—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरण के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को वाधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) चुन लाल शोभाराम जोशो 13, शाहपुर कौ० ग्रो० सोसायटी, शाहपुर दरवाजा बाहर, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रमृतलाल द्वारकादास पटेल,
13, शाहपुर को० श्रो० सोसायटी,
शाहपुर दरवाजा बाहर,
अहमदाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलल्कत औ दरियापुर काजीपुर सीम सर्वे न० 4-8-3 ए पर स्थित तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन न० 2571/21-2-84 ।

जी० के० पश्चंया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-1 महमदाबाद ।

दिनांक : 26 - 9 - 84

प्रकप नाइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत चरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, श्रष्टमदाबाद

घरुमदाबाद, विनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश स॰ पी० भार॰ नं० 3228/अजंन रेंज-I/23-I/84-85-भतः मुझे, जी० के० पंख्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 802 माठवां मजजा कान्ती ढेंबर रोड, राजकोट में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध मनु सूची में भ्रौर पूर्णरूप से वणित हैं), राजस्ट्रोकर्ता मधि का रंक के कार्यालय, 37ईई में राजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 9-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अनिरित्त की गढ़ें हैं और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और बत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाद की बादत, उपक जिथिनियम के अधीन कर दोने को जन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गय। धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपभारा (1)** के बधीन, निम्नक्षितिका व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बोन्नी इन्टरप्रासेस 25, गानक्षी कामणियल सेण्टर सेकण्ड फ्लोर, जवाहर रोड, राजकोट ।

(बन्तरक)

(2) ग्नार० बी० पी० लिमिटेड इलाहाबाद बैक लिमिटेड, ग्रपोलो स्ट्रीट, फोर्ट, बोम्बे-23।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की सर्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सर्विध, धो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिः/ में किए वा सकेंगे।

स्पक्तोकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विभिन्दिम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिवा ग्या ही।

नम्स्पी

फ्लैट न० 802, भाठवां मजला पर क्रांती ढेबर रोड, स्वामी-नारायन गुरुकुल, राजकोट ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-, ग्रहमदाबाद

विनांश : 29-9-84

मोहर 🛭

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

जायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-], ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश नं० पी० श्रार०नं० 3229/23-1/84-85-म्रतः मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शोप नं० 1, ग्राउन्ड क्लोर पर क्रिसेन्ट बी है तथा जो बील्डीग वार्ड नं० 15 सी० टी० एस 1010 रेसकोर्स रोड राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय 37 ईई मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 24 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबस, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:— (1) मैसर्स जे० एस० कार्पोरेशन 48, इन्द्र नारायन रोड, सान्ताकुज (वेस्ट) बम्बई 54

(प्रन्तरक)

(2) श्री धोरज लाल जादवजी ठकरार एच० यू० एफ, गोप नं०,5 किसेन्ट (ए) रेस कोर्स रोड, राजकोट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी साक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्रनुसूची'

शोप नं० 1 ग्राउन्ड फ्लोर पर क्रिसेन्ट **बी बील्डीग** में प्लाट नं० 15 सीं० टीं० एस 1020 रेसकोर्स राजकोट।

> जी० के० पंडया सक्षम_्प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रष्टमदाबाद

विनांक :- 29-9-1984 मोहर :- प्ररूप आई. टी. एम. एस / - - - ----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय , सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 स्तिम्बर 1984

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3230, 23-1/84-85---ग्रत: मुझे, जी० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रा. रे अधिक है

भीर जिसकी मं० शांप नं० 3 ग्राजन्ड फ्लोर बिल्डिंग में है तथा जो किसेन्ट (बी) बोर्ड नं० 15 सी० टी० एस 1010 रेस कोर्स में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय 37 ईई में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 24 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार्गे) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम ने हुई किसी जाव की वावता, उक्त जिमित्रम के अभीन अर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए जीड़/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिए;

भतः भवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियें अधीत् :--- (1) मैंसर्स जे० एस० कार्पोरेशन 48 इन्दु नारायण रोड़ सान्ताकुज (वेस्ट) वोम्बे-54

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनसुखलाल गोरधनवास रायजुरा के०/ग्रो० ग्रार० जे० कारपोरेशन' किसेण्ट ए 0 गोप नं० 5, रेसकोर्स रोड, राजकोट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुफ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाय;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण — इतमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया यस है।

अनुसूची

शोप नं० 3 ग्राउण्ड फ्लोर बिल्डिंग किसेण्ट 'बी' में, बोर्ड नं० 15, सी० टी० एस० नं० 1010 रेसकोर्स रोड, राजकोट।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।,श्रहमदाबाद

दिनांक : 29-9-84

प्रस्य बाह् .टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-इ, श्रष्टमदाबाद ग्रहमदाबाद दिनांक 5 श्रक्तुबर 1984

निदेश सं० पी० श्राप्त नं० 3231/23-1/84-85-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मिल्कत जामनगर में है। तथा जो सिटी मर्वे नं 49/जी/2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन. दिनांक 10-2-84,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित्त वाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात सं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिक्ति) के जिल्ल एम भन्तरण के लिए तम पाया गमर प्रतिफल, जिल्लाकित उद्ध्य में उपन अन्तरण निश्चित में बाह्य विका कथ सं क्षिण नहीं किया मना है:---

- (क) प्रस्तरण से हु६ किया बाव की शावत छवत। छोछ-नियम के प्रशीन कर वेने के प्रश्तरक के वायिश्य में कने। करने या एससे बनके में सुविधा के विद्या प्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने चे नृतिका के लिए;

(1) श्री करसनदास मानसंग मंगलबाग के पीछे, अस्पताल रोड, जामनगर ।

(भन्तरक)

(2) श्री लुडार ज़करसी प्रागली कस्टम घाबा के नजदीक , लालपुर, जिला——जामनगर लुडार केशवजी वालजी रवारी में डो वास, जालिया जिला——जामनगर ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूनोंक्त सम्परित को नर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शास में समान्य होती हो, के भीतर प्रविकास का किसी में से किसी क्यो कर दूनारा.
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मांस में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वकाषिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुपी

मिल्कत जामनगर में सटी सर्वे नं० 49/जी०2 ब्लोक नं० 9 रजिस्ट्रेशन नं० 477/10-2-84 ।

> जी ० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजरा, ग्रहमक्षाबाद

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित स्थक्तियों, अर्थातु:---

दिनांक : 5-10-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।,श्रहमदाबाद

थायकर जिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी जमीन खंभालीया में बोर्ड नं० 4, टीका नं० 1, प्लोट का पार्ट नं० 126, जमीन 4879 वर्ग फीट है तथा जो खंभालिया में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय. खंभालीया जिला-

के प्रधीन, दिनांक 13-2-1984, को पूर्वोक्त संपर्तित के उच्ति आजूर मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम गया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

जामनगर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं. इक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री प्रगुसवा लखा चार रास्ता खंभालिया—जिला जामनगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) संगीर संचीन वीट्ठलदास दंतानी मुख्यार विट्ठलदास कल्यानजी दंतानी बच्छा पाड़ा खंभालिया, जिला—-जामनगर ।

(म्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में की इं भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबीध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबीध, जो भी अबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी खन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकनि।

स्पाधिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसुकी

जमीन जो बार्ड मं० 4 खंभालिया में स्थित है, टीका नं० 1 प्लोट का पार्ट नं० 126 तथा रजिस्ट्रेशन नं० 207/10-2-84 जमीन 4879 धर्ग फीट ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकरं भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज–।, भ्रहमवाबाद ।

दिनांक : 5-10-1984

(भ्रन्तरक)

प्रकार बाह्य : द्वी : एन : एस : -----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन सूचना

नारत रस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरक्षिण)

प्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 ग्रक्तूबर 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग सुगर मारकेट में दुकान है, तथा जो जामनगर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रुधिकारी के कार्यालय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 3-2-1984

की प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गित्तफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की नायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की भाग 269-ग के जमूसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्नतिक्ति व्यक्तियों, अधीत्:—

- श्री महेन्द्र मोहनलाल शाह, नर्मदाबेन मोहनलाल शाह, गुरू दत्ताव्रय मंदिर के पीछे, जामनगर।
- 2. श्री नारायने वास, मथुरादास सचदेव, नंदाना तालुका, कल्यानपुर, जिला जामनगर,
 - (2) श्री बनशपन बेरसी, दंतानी भाटिया, तालुका, कल्यानपुरा जिला जमनागर नया पताः सुगर मारकेट, जामनगर,।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के मर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अयिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकने।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त संख्यों और क्वॉ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मिल्कत सुगर मारकेट में जामनगर रजिस्ट्रेशन नं० 395/ 3-2-84 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी ₎ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज I. स्रहमदाबाद

विनांक 5-10-84 मोहर: प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3234/अजन रेंज I/23-I/84-85---श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मिल्कियत नागर, नाफा के नजदीक है, तथा जो खंभालिया, जिला जामनगर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय खंभालिया जिला जामनगर में

रजिस्ट्रीकरण प्रिक्षितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीत दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुए फिसी बाब की बाबत, सबल बिधिन्यम के अधीन कर दोने के बन्तरुक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; ब्रॉड/बा
- (वा) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों अधीन,

- मैसर्स श्रीराम कार्परिशन,
 भागीवार: श्रश्यिनकुमार गोरधन वास, बच्छा,
 बेडक रोड, खंभालिया, जिला जामनगर।
 (श्रन्तरक)
- श्री लोहाना लक्ष्मीबेन श्यामदास, द्वारा : लक्ष्मी लोज, नागर गेट, खंभालिया, जिला जामनगर।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नन्स्ची

मिलिकयत खंभालिया में नागर नाका, रिजस्ट्रेशन रिजस्ट्रेशकर्ता नं० 1734/23-11-83, 37 जी फोर्म , फरवरी, 1984 में मिला है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 5-10-1984 मो**इ.इ.॥** प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. - - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज I, ग्रहमदाबाद

ध्रहमदाबाद, विनांक 5 ध्रम्तूबर, 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3235/23-1/84-85---- ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० खंभालिया, में जमीन बार्ड नं० 515/4 (3) है तथा जो शीट नं० 26, खंभालिया में स्थित है) ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय खंभालिया जिला जामनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक 13-2-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित व्याप्तार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्ने यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा 'के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को क्धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री हुलम वास, करसन दास, कुल मुख्तयार श्री ग्रमृतलाल करसन दास, हवेली के नजदीक, खंभालिया, जिला जामनगर।

(भ्रन्तरक)

 श्री जयेन्द्र मारी फाकुमारी, नया परा, खंभालिया, जिला जामनगर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति दुवररा
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण:--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, ओं उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्थी

जमीन खंभालिया में वार्ड नं० 515/4 (3) शीट नं० 26, रजिस्ट्रैंगन नं० 220/13-2-84 ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

दिनांकः: 5-10-1984

प्रकृष आहू".टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का.43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज 1, श्रष्टमदाबाद

भहमदाबाद, दिनाक 5 श्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० पी० धार० नं० 3236/23-I/84-85—- ध्रतः मुझे जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्यास्त, त्रिमका उचित बाजार मून्य 25,000/ रु. ये अधिक हैं

और जिसकें। से विष्डंग खंभालिया में जिला जामनगर है सथा जो नगर पंचायत लिमाट के बाहर सर्वे नं 1594 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रवेर जो पूर्ण रूप से विश्वत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय खंभालिया जिला जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23-2-84

को पूर्वोक्त सपित के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आसः अब जिस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निक्निसिखित व्यक्तियों अधीत :--

 हरीवास, त्रीकमदास, डायडा नूतन नगर, सोसायटी, खंभालिया, जिला जामनगर।

(भ्रन्तरक)

 श्री भगवान जी लाल जी फोरेचा, पोस्ट शोधन, तालुका पोरबंदर, जिला जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अवत कुम्पीत्त भू अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में अकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हित-रद्ध कियों अन्य व्यक्ति द्वारा, न्याहरनाक्षरीज पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बसस्यों

बिल्डिंग खंभालिया में नगर पंचायत लिमिटेड के बाहर सर्वे नं] 1594, रजिस्ट्रेशन नं 0 269/23-2-84

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 5-10-84

मोहर 🛮

प्ररूप नाइ े टी. एन , एस ; ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कायस्मिय, सहायक जायकर वाय्यत (निरीजण) प्रजीन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 ग्रक्तूबर 1984 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3237/23 ग्र**जंन** रेंज-I--I/84--85---श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं कित्कत वाघवाडी रोड पर है। तथा जो प्लोट नं 2557 बी बोर्ड नं 7 सर्वे नं 2870 बी भावनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 37 जी फरवरी 1984 में मिला

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के दिए रिजस्ट्रीकता के कार्यां लय बसवनगृडि में भारा स्ट्रीकृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया श्या प्रतिफल, निम्निलिखत उक्षदेयों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी शाय की वाबता, उत्तः अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जनुसरण वै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कान्ताबेन गुनपंतराय व्यास
 152 कस्तुरकुंज-नरीमान गली,
 नेहरू रोड, पली (ईस्ट) बम्बई---57।
 (2) श्रीमती रमाबेन निरंजनभाई दवे,
 कुल मुख्त्यार भदेशभाई :बेचरलाल ववे
 853, डायमण्ड चोक, भावनगर,
 ग्रानन्त महात्मा गांधी रोड, जूनागढ़ (सौराष्ट्र)
 (श्रन्तरक)
- (2) वसन्तबेन सपजीभाई पटेल शान्ताबेन घरमशीभाई 2557 ए वाघवाडी रोड, भावनगर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करका हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा कि तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्धथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

धनुसूची

बिस्डिंग जो वाघवाडी रोड, विस्तार पर स्थित है प्लोट नं० 2557—बी बोर्ड नं० 7, रिजस्ट्रेशन नं० 240 37जी फरवरी, 1984 में मिला ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भ्रायुक्त (निरीक्षेग) भ्रजन रेंज-- र्सिस्सवाबाव

विनांक : 5-10-1984

. प्ररूपः **अवर्षः टी. ए**न् । एसः -----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, हैदराबाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन प्लाट नं० 1, पर तृप्ती को० घो० सोसायटी है तथा जो तख्तेन्धर तलेटी भावनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 37जी फरवरी 1984 में मिला

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिचित उद्ववेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरच से हुई किसी साम की नावत, उक्त जिमिनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रा-कर विधिनियम, या प्रा-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयं जनाथ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

वतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के चधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 40-316GI|84

(1) स्य मुफ्तालक्ष्मी भंडाशंकर तिवेदी, मुख्तयार डीं एम ए ए तिवेदी, डीं एम जें तिवेदी ग्रीर श्रन्य 'लावण्य' प्लोट नं 2119 ग्रानन्द वाटीकाके नजदीक, भावनगर।

(ग्रन्तरक)

(2) तिरुपती को० म्रो० सोसायटी प्रमुख भरत केशवलाल शाह प्लोट नं० 1, तख्तेन्धर तलेटी भावनगर ।

(प्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियों गुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समार्थत होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छैं 45 विन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मध्यक्तिस्थः --इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पवाँ का, जो उक्त अभि-नियम के अभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्ज द्वांगा, को उस अभ्याय में विया गया है।

नन्स्यौ

जमीन प्लोट नं० 1 पर तख्तेन्धर तलेटी भावनगर तिरुपती को० श्रो० सोसायटी रजिस्ट्रेशन नं० 486/84 37जी फरवरी 1984

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 5-10-1984

प्ररूप आहू". टी. एन. प्रा ----

भायकर भिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के बर्धीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) _____ ग्रर्जन रोज-।, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1984 निदेश मं० पी० श्रार० नं० 3238/3र्जन रेंज-I/23/I/84-85—प्रतः भुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्बद्धि, जिसकी उचित बाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० जमीन प्रभुदास तलाव के नजदीक कृष्णनग र है। तथा जो बोर्ड नं० 5, सी० एस० नं० 1697/1698 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 23-2-1984.

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य में कम के स्वमान प्रतिकल के लिए अस्तिरत की गई है और मुक्के यह विश्वासं करने का कारण है कि यथाप्योंक्त समात्ति का उचित बाजार प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिश्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उबक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सविधा के लिए; शीर/गा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह्र् भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, श्रिपान यें सविधा के रिरा;
- कर कब, उन्नत अधिनियम की पादा 269-व को अनसरण को, में उसत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (।) को अधीन जिम्मिलिसित त्यिकायों, अर्थात् :----

 (1) श्रीमती मधुकान्तम संगलदास वसानी कनवीवाड़,
 टोंप ना नाके, बांकडिया शेरी,
 भावनगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मुप्रीम को० ग्रो० सोसायटी के०/ग्रो० बीयीन धीरजलाल पटेल 'लक्ष्मीकुंज' जेल , रोड, भावनगर ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त एम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युद्धिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उत अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन प्लोट नं० 407 पर, प्रमुवास तलाव रोड, बोर्ड नं० 5, रिजिस्ट्रेशन नं० 536/23-2-84 ।

जीं० के० पंडया गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–ा, ग्रहमदाबाद

दिनाक : 5-10-1984

मोहर 🥲

Ħ

प्ररूप आहे.टी. एन्. एस .-----

बायकार वृश्विनियम, 1961 (1961 का. 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

HIST COMES .

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्तं (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I/ग्रहमदाबाद ग्रहमदबाद, दिनोंक 5 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 3239/23-1/84-85--म्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-इस के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० बिल्डिंग श्रनन्तवाडी में विस्तार प्लॉट 'बी' है। तथा जो बिल्डिंग नं० 2 भावनगर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध सनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 24-2-84,

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित थाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर इंगे के अन्तरक धी दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सन्विधा के लिए: बीट/या
- (क) एसी किसी आय ं या किसी अन या अन्य आस्तियों की, प्रिक्ट भाउतीन आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के, सिए;

कतः अन, उक्त निधिनयम की भारा 269-म की जनसरण में, में, उक्त निधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के निधन निधन किया किया की अर्थात् ह (1) श्री देवसीभाई प्रेमजीभाई भींगराडीया कालीदास '' करमशीभाई '' परसोत्तम भाई '' प्लॉट नं० बी-श्रीजी पार्क, पटेल स्ट्रीट, ग्रनन्तवाडी, भावनगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लीलाबेन जाद्रवजीभाई प्यटेल (रतनपर तालुका पालीपाताना) नया पता—प्लॉट नं० 'बी' बिल्डिंग नं० 2 भनन्तवाडी भावनगर ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि में निस्मितियों दर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 वर्षाय बाद में समाप्त सुनी हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्वध्वीकर्णः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जबद विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यो

मिल्कत जो अनन्तवाडी प्लॉट नं० वी, सी० एस० नं० 2237/ 17 वार्ड नं० 7 भावनगर। रजिस्ट्रेशन नं० 556/24-2-84।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1/ग्रहमवाबाव

दिनांक : 5-10-1984

प्ररूप बाइ .टी. एन .एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यासय, ब्रह्मयक मायकर मायकत (निरीसन)

धर्जन रेंज-।/ध्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 5 श्रस्तूबर 1984 निदेश सं० पी० श्रार० न० 3240/23-1/84-85-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ि मिल्कत धनन्तवाडी मे विस्तार प्लॉट डी है। तथा जो बिल्डिंग नं ा बार्ड न 7, सी - एस व नं 2237/ 17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से बॉजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, भावनगर मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 24-2-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, एसे खरममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई फिकी साम की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विचित्व में कनी करूने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; औड़/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनाथ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए जा, कियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री केंद्रमशीभाई प्रेमजीभाई भीगराबीया श्री देवसीभाई " कालीवास " श्री परसोत्तम " प्लोट नं० 'बी' श्रीजी पार्क, पटेल स्ट्रीट अनन्तवाबी-भाषनगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बल्लभ भाई गोपालशी भाई बमालिया प्लॉट नं० 'डी' बिल्डिंग नं० 1 भनन्तवाडी, पटेल स्ट्रीट, भावनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए था सकीं।

स्पादीकर्ण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिल्कत बार्ड नं० 7, सी० एस० नं० 223 7/17 पर रजिस्ट्रेशन नं० 537/24-2-84 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-।, ग्रह्मदाबाद

अतः जब उनत जीभीनयम की भारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उनत अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) में अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अभित् ह—

विनांक : 5-10-1984

मोहर 🛭

प्ररूप शाह . टी. एन. एस., ------

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

बारत चर्डकार

कार्याचय, सहाथक वायकर नायुक्त (निष्टीक्षण)

अर्जन रेंज-I/महमदाबाद

अहमवाबाव, धिनाँक 5 अक्तूबर 1984

मिदेश सं० पी० आर० नं० 3239/23→1/84-85--अत: मुझे, जी० के० पंडया

नयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जरण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह, से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं विलिश हिरियाला प्लॉट पर नं विशे है तथा जो हुल्ला नगर, भाव नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रा करण अधिनियम। 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 फरवरी, 1984 जो पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और नितिश्वति (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा तिफल, निम्नलिखित उव्विश्य से उक्त अन्तरण लिखत है वास्तविक रूप से किभत नहीं किया गमा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की भावत उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्ड/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आसिसवी को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वार। प्रकट नहीं किया नथा भा किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

जतः सव, उक्त सीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण रू, में उक्त सीधीनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) रे सधीम, निम्नीसिश्वस व्यक्तियों, अश्रोत्ः

- श्रीमती रिव प्रभा
 प्रताप राय गांधी,
 301/6, पोस्ट आफिस
 खांचा के सामने,
 बकाला, बम्बई-31 ।
- (2) श्री संघी सलाभाई जुसब, संघी परीफ भाई सलाभाई, प्लॉट नं० 83, हरियाला प्लाट, कृष्ण नगर भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वाराः
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य अपिकत ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वर्ष्यी

मिलिकयत कुष्ण नगर हरीयाला प्लॉट नं० 83 भावनगर में रजिस्ट्रेशन नं० 560 तारोख 24 फरवरी 1984 है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 अनमदाबाद

तारीख : 5-10-1984

प्रकृष वादां .दी .धून .एक .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की अधीन सूचना

भारत बहुनाह

कार्यालय, सहस्रयक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अक्तूबर, 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 3242/1/23-1 84-85-अतः मुझे जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रा संअधिक है

ष्मीर जिसकी सं० जमान सरदार नगर में लोक मिलाप प्लॉट हैं तथा जो के सामने नं० 164, भावनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रा— कर्ता अधिकार। के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रोकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारोख 28—2—1984

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक्र रूप से कश्यत नहीं किया गया है के

- (क) जन्तरण से हुए किसी माय की बावत, उनत बिधिनियम से वृशीय कुछ दोने के वृश्यहम को बाबित्य में कमी कुछने ना बसुबे बुझने में बृश्यिमा से बिध; मोड/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, किस् आद्वास आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, वा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना जाहिए जा, जिल्लाने में स्विधा के विद्य;

अत+ अव, उक्त अधिनियम की धारा 26.9-गृक्षे .अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीस् ः--- (1) श्री नंगीन वास जोना भाई मेहता, प्लाट नं० 11, लोकल बोर्ड सोल्साइटी, कालुभा रोड, भावनगर।

(अन्सरवैं)

(2) श्री आसनदाम धन्तूमल राजाई, श्रीमती तुलसाबेन चन्दूमल राजाई, रूम नं 0-125, न्यू कृष्ण नगर, सिन्धीकैंप, भक्त नगर।

(अन्तरितः)

को बहु सूचना कारी करके प्यांक्त सम्मित के अर्थन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

इक्ट सम्पत्ति के अर्थन के उच्चन्य से कोई' भी जाओर #--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळकोकरणः -- इसमें प्रयुक्त करूरे और वर्षों का, वो उस विभिनियम के वध्याय 20 - कर्मे परिभाषित है, बहुरी वर्ष होगा को उस वध्याय में दिया गमा है

नगुसुत्री

जमीन जो सरदार नगर लोक मिलाप के सामने प्लाट नं∘ 164, भावनगर में स्थित है रुजिस्ट्रेशन नं∘ 605 28-2-84 है।

> र्जा० कैः० पंडया सक्षम प्राधिकार्द्री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--1, अहमवाबाद

सार्िक : 5→10-1984

भोहर 🛭

प्ररूप आहे. दी. एन. एस. -----

भारत का राजपेन, मध्येषर 10, .1984

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्तं (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद,दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 3243/अर्जन रेंज-1/23-1/ 84-85--अत मझे, जी० कै० पंडया,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (क्किसे इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसको सं० जमीत सानन्द में सीमा सर्वे नं० 108 है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सानन्द, जिला अहमदाबाद में रिजम्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्राख फरवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास ्र<u>क</u>रने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचाने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ने आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अल अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्ध के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यवितयां, अथीत् .---

 श्रीमाठा भाई पिताम्बर दास बाघेला, हरिजनवास, सानंद, जिलो अंहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री दि डायरेक्टर, तोरन्ट फार्मेसिटीबस्स प्राष्ट्रवेट मिमिटेड. संस्कृत साई स्कूल के नजदीक, नबरंगपुरा, अहमदाबाद-9।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्रविकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा, .
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्य सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुस्थी

जमीन सानंद में सोमा सर्वे नं ० 108 इण्डस्ट्रीयल एरिया में रिजस्ट्रेगन नं० 218 तीरोख फरवरी, 1984।

> जीं० कें पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निर्देशण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख ' 5-10-1984 मोहर .

प्ररूप नाहीं, टी. एन. इंस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त (निरोक्तण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निदेश सं० पी० आर०नं० 3244/अर्जन रेंज-1/23-1/ 84-85--अत: मुझे, जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु., से अधिक है

भीर जिसको संव बांकानन्द आरोग्य प्लाट नंव 12-13 भीर 14 ह तथा जो जमान क्षेत्रफल 2079 वर्ग यार्ड भीर 4 रूम भीर पाउन्ड (भायल मिल) में स्थित है (भीर इसेसे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बांजित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाकानेर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, तारोख 14 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उचत बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत वहीं किया गया है है—

- (क) नृत्तरम से हुई फिसी नायु की नायत, उन्त मिश्रीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे नमने में सुविभा भे सिए; बॉड/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

कतः श्व, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, भी, अकत ओधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै॰महेन्द्र अजयपोर्ट इण्डस्ट्रांज, भागोवार: पंचानभाई जादवभाई पटेल श्रीर अन्य, भक्ति नगर, पांचवां फ्लोर. राजकोट ।

(अस्तरक)

(2) दोषी आयल झौरएक्सटेशन, इण्डस्ट्रांज प्राइवेट लिमिटेड, दोषा नगर' बिकानेर।

(अन्तरिती)

(3) साध आयल इण्डस्ट्रीज केयर औफ :
दोषी आयल और एक्ट्रेणन
इन्डस्ट्रोज प्राइवेट लिमिटेड,
दोषानगर, बांकानेर।
(बह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कायना हुया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क्रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्यों का, को सक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्की

श्रोकानेर आरोग्य नगर (बोर्षाः नगर) प्लाट नं० 12, 13 श्रोर 14 जमीन क्षेत्रफल 2097 वर्ग यार्ड श्रीर 8 इसे कम्पाउण्ड के साथ (बार्ट) (आयल मील का पार्ट) रजिस्ट्रेशन नं० 182/ 14 फरवरी, 1984।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 5-10-1984

प्ररूपः आर्दः दी . एव . एस . ------

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहम सवाद

अहमवाबाद, दिनांक 5 अक्तुबर 1984

निदेश सं० पो० आप० नं० 3245/अर्जन रेंज-1/23-1/84-85--अतः मुझे, जी० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बीकानेर आरोग्य नगर जमीन क्षेत्रफल हैं तथा जो 2077 वर्ग यार्ड प्लाट नं० 16,17 श्रीर 18 श्रीर मकान आयल मिल के पार्ट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचे। में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीकानेर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आगक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, न्मिनिविक्त व्यक्तियों, अर्थीय :----

(1) मैं० महेन्द्र एक्सपोर्ट इण्डस्ट्रोज, भक्ति नगर, पांचवां फ्लोर, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) वोषी आयल एक्ट्रेशन प्राइवेट लिमिटेड; दोषी नगर, बांकानेर।

(अन्तरिती)

(3) सिध आयल इण्डस्ट्रीज नेयर आफ दोशी आयल एक्ट्रेशन प्राइवेट लिमिटेड, दोशी नगर, नांकानेर।

> (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिः है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत स्थितयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सर्वोगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त धब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिल हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

बांकानेर प्लोट नं० ⁸16, 17 श्रीर 18 जमीन क्षेत्रफल 2079 वर्ग यार्ड ग्रीर मर्कोन आयल मिल रजिस्ट्रेशन नं० 183 तारीख 14 फरवरी, 1984 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1. अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निदेश स॰ पी॰ आर॰ न॰ 3246/अर्जन रेंज-1-23-1/

84-85-अतः मुझे, जी० के० पड्या

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 16, 17, 18 श्रीर जमीन 986 शर्म यार्ड श्रीर मकान है तथा जो 4 गोडाउन बीकानेर (ओरल माल का पार्ट) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बीजित है), रिजस्ट्रे कर्ती अधिकारी के कार्यालय, बा बीकानेर में रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अध न, तार्र ख 14 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरभ से हुई िकसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैं० महेन्द्र एक्सपोर्ट इण्डस्ट्रीज, भिक्त नगर, स्टेशन प्लोट, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० दोशा आयल एक्ट्रेक्शन प्राइवेट लिमिटेड, दोशो नगर, बीकानेर।

(अन्तरिसी)

(3) सिष्ध भोरल इण्डस्ट्रे ज भीर मोहसान अखेरअला 'पटेल, केयर आफ दोशा ओरल ग्रीर एक्ट्रेक्णन, प्राइवेट लिमिटेड, दोशा नगर, बिकानेर।

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बीहानेर प्लाट न० 16 17, 18 जमीन क्षेत्रफल 986 वर्गयार्ड, 4 गोडाउन आदि (ओरल मिलका पार्ट) ।

> जी० के० पश्चम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

तारीख 5-10-1984 मोहर: प्ररूप . आर्च . टी. एन . एस . - - - -

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाफ 5 अक्तूबर 1984

निदेश स० पी० आर०न० 3247/अर्जन रेज-1/23-1 84-85--अन मुझी, जी० के० पडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खें के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको स० मिलकियत उस्मान पुरा मे टो० पी० एस न० 3 एफ पो० न० 84 है तथा जो सब प्लाट न० 6, अहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच, में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4 फरवरी, 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कम कारण है कि यथाप्योंक्त सपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; व्यक्ति/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत अब., उचत काँ। नियम, की भारा 269-ए को अनुसर्ग में. में उकत अधिनियभ की धारा 269-घ की न्यभारा (।) के वभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षाष्ट्र ड— (1) 1 श्रीमता कमलाबेन नटवर लाल, श्रीमती कोकिलाबेन नटवर लाल, श्री दिनेश नटवरलाल, श्री पुकेश नटवर लाल, श्री पुकेश नटवर लाल, श्री विपिन नटवर लाल, 10, कर्मचारी नगर, घाटलोडिया, अहमदाबाष ।

(अन्तरक)

(2) विरती फ्लेट्स ग्रोनंस एसोसिएमन, 33, नामी नाथ नगर सोसाइटी, अम्बा वाडी, एस० एम० रोड, अहमवाबाद।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाह्यां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या ततस्त्रवन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सकैंगै।

स्पटिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृज्जी

मिलिकियत जो उस्मानपुरा टी० पी० एस० नं० 3 एफ० पी० नं० 84, सबफ्लोट न० 6, अहमदाबाद रिजस्ट्रेशन नं० 1687 तारीख 4 फरबरी, 1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख . 5—10—1984 प्रोक्त

मोहर ः

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्णालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद; दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3248/अर्जन रेंज-1/23-1/84-85--अतः मुझे, जी० के० पंडया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसको सं० बी० नं० 9 पारीजात को० आपरेटिय/ सोसाइटो जैन मर्चेन्ट है तथा जो सोसाइटो के नजदीक पालडी द्रो० पो० एस० नं० 6, एफ० पी० नं० 129, 130, 131 अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रोक्तण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख 13 फरवरी, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त मिनियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की रपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रोमतो विमलाबेन नवनीत राय माकंड, वियुक्त मर्वनोतराम मांकड, श्री पंकज नवनीत राय मांकड, फुलमुख्तयार: जी एस० बुच, ब्लाक नं०,35/1, सेक्टरनं० 28,

(अन्तरक)

(2) श्री जसालाल डी० मेहता, श्रीमती उमिलाबेन डी० मेहता, 9,पारीजात को०.आपरेटिव सोसाइटी, जैन मचेंट के नजदोक, पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के कायवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकारी।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, वो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगुनुची

मिलकियत टीं॰पी॰ एस॰ नं॰ 6, एफ॰ पी॰ नं॰ 219, 130, 1319 पारोजातक की॰ आपरेटिव सोसाइटी में पासबी रेजिस्ट्रेंकर्ता रेजिस्स्ट्रेंशन नं॰ 2102 तारीख 13 फरवरी, 1984 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 8-10-1984

प्ररूप बार्ड : टी. एन. एस. - - -

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक गायकर वायुक्त (पिर्शिक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० पी० आए० नं० 3249/अर्जन रेंज-1/23/1/ 84-85--अतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से बिधक हैं

श्रौर जिसकी सं० खेती की जमीन वेजलपुर सीमा में है तथा जो,सर्वे नं० 1083/2 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची, में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख 24 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- र्षक) बन्तरण संहुई किसी नाय की अपन्त, उक्त विधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वीयत्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के सिस्क वॉट√वा
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सृविधा के सिष्;

अतः अस, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थात् हु---- (1) श्री केशव लाल सोमनांच गज्जर, 5, चरनकृपा सोसाइटी, सेटेलाइट रोड, जोधपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री शांति लाल मोहम लाल कोठारी एच० यू० एफ०, श्रीमती पुष्पाबेन शांतिलाल कोठारी, श्री तुषारभाई शांतिलाल कोठारी, श्री राजेश भाई शांतिलाल कोठारी, 5, चरन कृपा सोसाइटी, जय सताली शो हाउसिज के पीछे. सेटीलाइट रोड, जोधपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की शवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बर्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जिक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वनसर्ची

जमीन सर्वे नं० 1083/2, वेजलपुर सीमा में रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 734 तारीख 24 फरवरी, 1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 8-10-1984

त्ररूप बाइ .टी.एन.एस.------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांकः 5 अक्तूबर 1984 निर्दोण सं० पो० आर० न० 3250/अर्जन रेंज-1/23-1/ 84-85--यत मुझे, जी० के० पड्या,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किस्तास करने का कारण है कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० खेती की जमीन वेजलपुर सीम] मे है तथा जो सर्वे न० 1084 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूर्या में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 24 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भौरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अय, उक्त अधिनियम काँ धारा 269-ग के अनुसूरण को, मी, उक्त अधिनियम काँ धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- शी नेशव लाल सोम नाम गज्जर, 5, चरनक्कपा सोसाइटी, सेटेलाइट रोड, जोधपुर,अहमवाबाद।

(अन्तरक्)

- 2 (1) श्री मांति लाल मनी लाल , (एच० यू०एफ०),
 - (2) श्रीमती पुष्पाबेन शांतिलाल कोठारी,
 - (3) श्री तुषारभाई शांतिलाल कोठारी,
 - (4) श्री राजेश भाई शांतिलाल कोठारी,
 5, घरन क्रुपा
 सोसाइटो, जय सफाली शो
 हाउसीज के पीछे,
 सेटेलाइट रोड,
 जोधपूर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगें।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त काब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

संवत्त्र

जमीन सर्वे नं० 1084 वेजलपुर सीम में रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 733 तारीख 24 फरवरी, 1984।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, अहमदाबाद

सारीख : 5—10—1984

W

प्रकृप आहें.टी.एन.एस.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन स्वता

भारत बहुकाउ

कार्यांक्य, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी स० मिलकियत टी० पी० एस० नं० 4, एफ० पी० न० 160 भीनर्स है तथा जो सोसाइटी मनी नगर, अहमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री एकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 फरवरी, 1984

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाबार अस्य से कम के स्वयंत्रान अतिफल के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मुख्य उसके स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह भीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंडे अन्तरक के सिए तय पाया गया अतिफल, निम्निसिक्त उन्नदेशों से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है ----

- (क) बन्तरण से धुइं किसी बाय का वाबस, उक्त विभिन्निया के सभीन कर पूने के बन्तरक के शायित्व में कभी करने यर उससे बचने में सुविधा के सिए; बरि/वा
- (ब) एसे किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्सियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे किया

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित म्यक्तियों, अधीत :-- (1) श्रीमती कुंजबाला महाबीर प्रसाद मेहता, सेठ की पील, लखा पटेल की पील, माडी णेरी अहमदाबाद।

(अन्तरक्)

(2) कुमकुम अपार्टमेट स्रोनर्स एसोसिएशन, केयर आफ श्री नानक भाई श्री महोधर प्रसाद मेहता, सेठ की पोल, लखा पटेल की पोल माकडी सेरी, अहमदाबाद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

सकत सम्पत्ति को अर्जन को सबंध में काई भी जाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीं है ते 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी व्यक्ति व्यास्त, अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकांगी।

स्थलकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

बतस की

मिलिकियत टी० पी० एम० न० 4, एफ० पी० नं० 160 सब प्लाट न० 15 रजिस्ट्राकर्ता रजिस्ट्रेशन न० 2149 तारोख 14 फरवरी, 1984 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज∽I, अहमदाबाद

तारीख ' 8-1-0-1984 मोहर

मक्य बार्ड . टी. एक एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक श्रायकार नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजन्य, अहमदाबाद

अजन रजन्य, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निर्धेश सं पी० आर० नं 3252/अर्जन रेंज-1/23/1/ 84-85--यतः मझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विको इसमें इसके परुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/-रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मिलिकियत कबृतर खाना चोखा बाजार में, रेलवेपुरी वार्ड है तथा जो एम जी ज नं 373/ए, 152, 152/1 ग्रीर 152/2 अहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का बन्द्रहे प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गवा है :——

- (क) जन्तरण संहुर्द किसी जान की वायत, अक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के सिए; और/शा
- (च) ऐसी किसी काय या किसी भन या कर्य कारिसयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नार्य प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरम में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात उ— (1) श्री क्रिमोलदास हसमत राय बचानी, रेजिडेंट आफ : सर्वे नं० 224/ए, मिन्धी कालोनी, सरदार नगर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक) ▲

(2) श्री होलाराम मोती राम मोटवानी, 495/ए, सिंधीं कालोनीं, सरवार नगर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्य संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कोकरणः ----इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, भी स्वक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रको

शाप, सेलर के साथ और बिल्डिंग जो कब्तर खाना में स्थित, है, एम० सी०नं० 373/ए, 152, 152/1, 152/2, रेलवेपुरा वार्ड, अहमदाबाद, रजिस्ट्रेशन न० 1736 तारीख 6 फरवरी 1984 है।

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद

तारीख: 8-10-1984

मोहर ;

प्रस्थ बाइ .टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश सं०पी० आर० नं० 3253/अर्जन रेंज-I/23-I/84— 85—यत: मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कीरण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूफ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० चंगीसपुर नवरंगपुरा टी०पी० एस०-3 एफ० पी० 332-9, 933 है तथा जो वर्ग यार्ड मिलकत में बीन वानरे चमवान जी रोड में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची मं और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहम दाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिशंक 17-2-84

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीत ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त भन्तरण विवित में बास्त्रविक अप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किया भार की बाबत, उकत भिक्ष-नियम के अभीन कर वेने के भ्रम्तरक के वायिश्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए। भीर/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्थिभा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधिनयमों, सर्थात्:——
42-316G1|84

- (1) मैसर्स मनीलाल पटेल एन्ड कम्पनी भागीदार
 - (1) बीपीनचन्द्र मनीलाल
 - (2) विशष्ठ मनीलाल
 - (3) मधुकर तुकाराम
 - (4) नीचीकेता भीपीनचन्द्र पटेल
 - (5) नुकाराम मनीलाल
 - 38, केवासजी पटेल स्ट्रीटफोर्ट, कोम्बे

(अन्तरक)

(2) नवरंग अपार्टमेन्ट आनर्स एसोसिएणन कं० प्रयोजन चीफ ओर्गेनाइजर---श्री राजकुमार जगन्नाय अप्रवाल के/ओ स्टील सेन्टर 1794-2 वाडापोल खाडीया, अहमवाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकती।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

मित्कत जो चंगीसपुर में स्थित है, टी० पी० एस० 3, एफ० पी०नं० 332-9, 933 वर्ग याई, वान परेचजी कीया 25 शेर रजिस्ट्रेशन दिनांक 17-2-84।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जनरेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 8-10-84

मोहर 🕄

प्रकंप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिलांक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० पी० आर०नं० 3254—अर्जन रेंज-1/23-1/ 84-85---यतः भुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स-भावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ग से अधिक है

और जिसकी सं किल्कीयत शाहपुर वार्ड 2 सी एस के 2979/8 है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीवरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोक 3-2-84

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषम से उक्त अन्तरण लिक्टित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, जकत अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधार (1) के जभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीमती मुम्दबेन यसन्य जोशी स्वानन्द वसन्त जोशी मिरजापुर रोड, लालु रामजीका वंडा अहमवाबाद।

(अन्तरक)[¥]

(2) श्री जिंकर इमारल शेख कालुपुर भंडालीथोल मातापाली पोल अहमदाबाद इलीपास भोहमनाई मेमन तिकोन बगीचा, मिरजापुर अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनस्यी

भिष्किपत मानुपुर वार्क 2 में सर्वे नं० 1582/1 सी० एस० नं० 2979/8 रिजिस्ट्रेशन नं० 1649/3-2-84।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-1, अ**हमदाबाद**

तारीख: 8-10-84

क्रोहर∶

प्रकृष काद्वा. टी. एम. एस. ------

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांस 8 अक्तूबर 1984

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3255-अर्जन रेंग्न-1/13-1/ 84-85--- यतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उपत अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि, स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट पालको सीम में टी० पी० एस० 6 एफ० पी० 13 है तथा जो ए-3 जनकत्यान सीसायटी अहमदाबाद में स्थित है (और इस सें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्री उर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-2-84

कां पृष्णिकत संपरित के उनित बाजार मृत्य से कम के रूपमान वितिकत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिकत से एसे रूपमान प्रतिकत का पन्छह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्वरिक्त) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तिलिखत उद्देश्य से उच्ना अन्तरण लिकित के वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) कन्तरण सं हुइ किसी बाय की बावस, उक्स विधितियम के गयीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने मा उससे वचने में स्विधा से लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थीत् उन्न- (1) श्रीकान्तीलाल एम॰ गाह 3, जनकल्यान सोदायटी, पालडी, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री निरमलाक्षेत्र मगनलाल ठक्कर ए-3, जनकस्यान सोसायटी, पासकी, अहमदाबाद-7

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्मिक्तकों पद स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्यक्तियों से से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख), इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पर्सेट पालकी सीम में शि०पी०एस० 6, एफ० घी० 13, ए०-3 जनकल्यान सोसायशी, रजिस्ट्रेशन नं० 1853/7-2-84!

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जनरेंज-I, अहमवाबाद

तारीख: 8-10-84

मोहर 🤣

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेज ।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाश 8अक्तूबर 1984

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3256 यत अर्जन रेज-1/23-8485—मुझे जी० के० पड़या

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिनकी सं० मिल्कीयत पालडी में को घराब सीम सर्थे ग० है तथा को 678/बी/1 में रिधन है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है); राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में राजस्ट्री एरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनों है 7-2-84

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निटिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में उपविक्त हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बागर, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के पन्तरक के दासिस्म में कामी कारणे या उससे वजने में सुनिधा कीलए, को (य)
- (म) गोनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री दाह्वेन, जेगनलाल त्रिभवनवास की विध्या पत्नी ट्रान्तीलाल जेगनलाल नवीनचन्द्र जेगनलाल मधुसुदन जेगलाल हरीशचन्द्र सोमाभाई सरस्वती सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद~7

(अन्धरः)

(2) मैससे महावीर कन्मद्रक्सस भागीदार—ज्योतीबेन नवीनमाई रोड ान्तीबेना चिमनलाउ रोड आजाद सोसायटो, आबावाडी अहमदाबाद

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यशाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में नगान होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति वतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हमक्यकिरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्वी

मित्कीयन कोवरात्र सालधी में नं० 678/्बी/1 रिजिस्ट्रे-भननं० 1805/7-2-84

> जी० के० पंडया) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन केंज र्र, अहमदाबाद

तारी**ष: 8-10-8**4

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-I, अहमदाबाद

् अहमदाबाद, दिनाः ४ अक्तूबर 1984

निदंश २० पी० आग्०२० 3257 अर्जन रज-I/23-I/84-85
----यन भूझे जी० के० पंड्या

अयक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्स इनके परजात 'छा। अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 260-म के सभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विक्लाम करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, किसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. संजिकहाँ

और जिप्तकी सं व वाडज टी वर्षा व एतः 19ए०, व्यो 64 अमी हुं ज सो आयटी है तथा जो नारन पुरा वी/4/2 में स्थित है (और इसमे उपाबक अनुसूची में और प्रर्थ रूप ने वर्षित है), रिजिस्ट्री इसी अधि प्रेरी के प्रार्थालय, अहम तबाद में रिजस्ट्री उरण अधिनियम, 1908 (1908 प्रार्थ 16) के अधीन दिनाक 14 - 2-84

को पर ना संगीत कर्न में जार माना माना माना कर ता रहा मान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई हैं और मुभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि उधायबंगत सम्पत्ति का जीनत बाजार मुल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एस द्व्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिसात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बारायिक रूप में कथिन नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुलिधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तियों दगारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा छिपाने में सविधा के लिए,

कत अब, जकत अधिनिय की धारा 269-म के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनिय की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जीवजेन मोहालाल पटेल 3/18 विज्युतगर मोतायटी सरसपुर अहमदाबाद ।

(अन्त्रका)

(2) श्री अथर्ताभाई भाईचन्द पटेल बीजनंज बी/4/2 अमीकुंज मोसाइटी नारनप्रा, अहमदाबाद

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवीहिया करता हु।

जन्स संपरित के अर्जन सबंध में कोई भी कार्कप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी ध से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकर्ग।

स्पष्टीकरणः -- इसमे पयुक्त शब्दों और ण्टॉका. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गमा

अवसर्च

मिल्कीयत टी०पी० एस० 19 एफ० पी० 64पर अमी-कुंज सोसापटी रजिस्ट्रेमन 14-2-84

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारी**ख**: 8 - 10 -- 84

त्रक्ष बाई. डी. एव. एव.-----

आयकार मीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मभीन सुचना

शार्व बढकाड

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज़-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक १ अक्तूबर 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3258 -- 23-I--- 84-85/यतः मक्षे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह बिहवास करने का मजरण हैं कि स्थावर सम्मिन, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रजपा से अधिक हैं

कौर जिसकी सं किस्कीयत टी क्पी क्स एस अ मीथाखली में है तथा जो एफ क्पी के 755 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है); रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के प्राणित्य अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ज़ा 16) के अधीन विनाँक 23~2-84

को पुत्रोंबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक, है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक्थ (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गवा प्रतिफल, निम्निविक्त उववेद्य से उच्च अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निभिन्यत्र के अधीन कर देने के अल्टरक के दावित्य में क्यी करने वा उद्दे क्यने के चृतिका के लिए; करि/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य जान्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-क्रण प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जावा चाहिये था, क्यांने में समिशा के सिह;

(1) श्री सोमाभाई अहोराभाई देसाई पटेल बास, कोचरब, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री 1 भेरमल जे० टोलानी
2 आईदास बी० टोलानी
3 श्रीमती मीरावेन ए० टोलानी
कमलकुंज, कुबेर नगर,
अहमदाबाद

(अम्लरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा नया ह⁸।

भनुसुची

मिस्कीयत जो भीषाखली टी०पी० एस० 3, एफ० पी० 755परस्थित हैरजिस्ट्रेशन नं० 2737 दिनौँ 23-2-84 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -1, अहमदाबाद

बत: अथ, अबत अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण जों, जों, उकत अभितियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अभित् :----

तारीख 9-10-84 मोहर:

प्ररूप नाइ, दी, एन. एस्.-----

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269 प (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेजा, अहमदाबाध

अहमदाबाद, दिनांध 10 अन्तूबर 1984

निदेश न० पी० आर० न० 3259--/23-I/84-85 --अत: मुझे जी० ने० पड्या,

भायकर श्रिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० खेती की जमीन सर्वे नं ० 110 है तथा जो गांव—रखीयाल में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तो अधि गरी के नायलिय अहमदाबाद 37 इड में 23—2—84 को रजिस्ट्री जिया में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौं 7 23 2—84

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिष्ठल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मूल्य, उन के दश्यमान प्रतिष्ठल से एसे दश्यमान प्रतिष्ठल का पंद्रह प्रतिष्ठत रा अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिकार) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित वे बास्तरि इन से काथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुद किसी याग की वाबस , उन्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) एसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (†) को अधीन, निक्रालिखित व्यक्तियों, अधारत :----

- (1) श्री अनिल स्टार्च प्रोडक्टश शिमछेड अनिल रोड, अहमदाब।द (अन्यदः)
- (2) श्री भगवानभाई अम्बानता परेत महादेप के सामने गांव--नीकोल जिला-अहमदाबाद

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना को राज्यज में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन को भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिल्बदर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी की पार लिखित में किए जा सकारी।

अनुसुची

खेली की जमीन सर्वे न० 110, गाव- रखीयाल 37 ईर्ड 23-2-84 को फाइल फिया

> जी श्रेश पट्या न्याम भाषि गी हायक आया १८ आमुक्त (सिभीशण) अर्थन गी अहमद्वार

तारीख: 10-10-84

માંહ₹:

प्ररूप बार्च . टी. एत. एस. -----

भागकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) में अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्थन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 10 अक्तूबर, 1984

নিবিম্নতি ধীত আগত নত 3260/23-1/84-85 - এর দুরী জীত বঁত প্রথম,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-भ के अधीन सक्षम शिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- 6: स अधिक है

और जिन्नी स० मिन्कीणत दिखापुर काजीपूम है। तथा जो टी०पी०८, १० ५, एफ० पी० 233 ने स्थित है (और इससे उपाबद का सूबी ये और पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजर्स्ट्राकार्य अधिकारी के राज्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्री एरण अधिकियम 1908 (1908 रा 16) के अधीर दिनांक 15-2 84

को पूर्वोक्त सस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करा का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकान में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नाम्तविक स्प में कथिल नहीं किया गया है 5---

- (म) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के समित्व में कमी कर्म या उससे बचने में शावधा के किए; गैर/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आरितार्यं करी, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया के शिए भा हिए भा छिपाने में सुविधा के सिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियाँ, कर्माक (1) नाई हरतुकी लालाणी हाथीगाई वाडी दिल्लोहण्यान बाडी जहमनोत्री

(अ**ग**ोरकः)

(2) श्री याजिन्दराम महीयोमल एल्यान गोजिदराम नजदीय गोजिदराभ

(जनारिती)

कां यह सूचना कारों कारके प्वतिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उपस सम्पन्ति को अर्जन को सम्बन्ध में को दी भी आक्षण ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मति मो हितबस्थ किमी जन्म व्यक्ति स्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित भा किए जा सकी

स्पर्ध्वाकरणः — इसमे प्रयुक्त घट्या तीर पदों का, जा उक्त अधिभियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस बव्याय में दिया मैया हैं।

अनुसूची

मिल्कीयत दरीयापुर ाजीपुर में टी०पी० एम० 5, एम० पी० 233 रजिस्ह्रोगन नं० 2243/5-2-84

> भी० के० पड़ता सदम् भीदि गरी नहास भाष क आषकः (निरोद्धण) अर्जेश केल-1, अहमदायाद

तारीख 10-10 1984 **मोहर**:

प्रसप नाइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जनरेंज 1, प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 श्रन्तूबर 1984

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3261 अर्जन रेंज-I 23-I/ 84-85-श्रतः मुझे जी० कें० पंडया अरथकर अधिनिदय 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा

इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सभम प्राधिकारी को गृह विकास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मिल्कीयन कालुपुर-2 है। तथा जो सर्वे नं 2692--2693 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम 37-जी मीला फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल-के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूस्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिनक क्य में किश्व नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण मं हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम की अधीन का दोने के संनरण के प्रियक्त में अभी करने या ग्यासे बनारे मा गुनिया के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपारे वा मुखिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनमरण मां, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- 43—316 GI/84

(1) मेसर्स थ्रासामाई नानालाल प्यासीया बजार, श्रहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) स्रादील स्रपार्टमेन्ट मेम्बर्स एसोसियेणन बाबूखान हमनखान दरयापुर, स्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्यांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

वभूस्ची

मिल्कीयत जो कालुपुर-2 में स्थित है, सर्वे नं० 2692--2693--2694है, 37जी फरवरी 1984 में माला।

> जी० के० पंडया संअप प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-10-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बाराफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-व (1) **के अधीन स्**पना

भारत सरकार

कार्यालय, गहासक अध्यक्ष अध्यक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदावाद, दिनांक 11 ग्रक्तूबर 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रीत, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000 -- से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० मिल्कीयत गांधी रोड पर जुम्मा मिस्जिद है तथा जो फालपुर-3, सी० एस० नं० 4445 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण गिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 14-2-84

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उधित जाजार मूला स रूम से द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तइ प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अंगरकों) और अन्तरिती (अंशरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्रिश निम्निलिक्त अद्युष्य से अवन अन्तरण लिक्निम में बार्तिणक के विश्व के किए से पामा भी कि

- (क) अंडरण सं हुई किसी अस की बाबत उक्त अंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करा या उसस इसके में कृतिया के लिए; कीर/या
- (वा) मुँसी किसी बाम या किसी धन या जनम अपिनथां की, जिन्हों भारतीय आकरतर श्रीधीनयण, १५०० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन अर अभिनियम या धन अर अभिनियम प्राप्त १५५७ (1957 वा १८) ४ प्रमाधनाथ जन्मरियोग बुखारा ४००० नक्षी १५० वर्ष थे। या एक प्राप्त विद्यार प्राप्त प्राप्त वा वा प्राप्त की लिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अजनरण मं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की एपशारा (1) के अधीन, निमालिनित व्यक्तियों, अर्थान्:--- (1) श्री सगीर विवेक रामिकशोर मुख्त्यार---रामिकशोर नविकशोर 32--चित्रा अभीर श्रपार्टमेन्ट डीयाली सेनामा के सामने ग्राश्रमरोड, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्यामिकशोर नन्दकी शोर दिलीपाला शेकाली श्यामिकशोर दिल्लीपाला सी-1, सोनारका भ्रपार्टभेन्ट ग्राबांबाडी, भ्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

का यह सुर्वेना आयों करका वृक्षांचन मम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सबिध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, जे शीलर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उच्च स्थापन सच्चित में हित के बहुध किसी अन्य त्यांजित देणारा अयोधस्ताकार्य के पास स्थिति हैं। एए से स्थार

स्पष्टीकरण:----हससे प्रयुक्त गब्दों कोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को सग अध्याग हो किपर स्था है।

अनसची

मिल्कीयत जो गांधी रोड, जुम्मा मस्जिद के सामने फालुपुर बार्ड 3 में स्थित है सी ० एस० नं० 4495 तथा रजिस्ट्रेशन नं० 1708/14-2-84 हैं।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकःरी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज1, ग्रहमदाबाद

ता**रीख**: 11—10—84

प्रकप मार्घ. ८१. एन. एस.----

आधम्पर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक अध्यकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंनरेज 1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाक 11 प्रक्तूबर 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

ग्राँर जिसकी सं० मिल्कीयत साहपुर 2 में सर्वे न० 2109 है। तथा जो 2111, से 2120 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम; 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 13-2-84

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गद्द हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतद्यत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरक्षें) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथु पाया गया प्रतिफन, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण किंकिश में मास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अनेतरण सा हुए किसी आय की बाबस, उक्त अधिनयम को अधान कर दन की अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; बार/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अधं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्री पयामिकशोर नन्दकिशोर दीर्त्हावाला सोनारीका ग्रपार्टमेन्ट मेनेजमेन्ट रोड, ग्रांबापाडी ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामिकशोर नन्दिकशोर दील्हींबाला कुमुमलता रामिकशोर दिल्हीवाला श्रमीर विवेक रामिकशोर फुल मुख्स्यार रामिकशोर दील्हीबाला 33, चित्रश्रमी श्रपार्टभेन्ट डायाली सेनेमा के सामने श्रालम रोड, श्रहमदावाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाही शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्मतिथी ज्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मक्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ जन्स अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सू ची

मिल्कीयत जो शाहपुर में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1726/13-2-84 है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-1, श्रहमदाबाद

नारीखा: 11-10-84

ए० प्रसाद,

प्रकृप आहें.टी. एन्. एच ,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर 1984 निदेश स० अई-3/37-ईई/5855/83-84-अतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च कं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- उ. म अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० दुकान न० 5, जी, प्रिती अपार्टमेंट, खांडवाला लेन, मालांड (पूर्व), अम्बई में स्थित है। ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2~2~1984,

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पंद्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निष्निलिखित उद्देश्य से उनते अन्तरण निष्वती में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसीं नाय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे यचने मों सुविधा के लिए; और/या
- श) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधीन्त्रम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, या प्रतियों स्वार अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा चे सिए:

लक्ष अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री परवेस सीराब वाडिया।

(अन्तरका)

(2) श्रा मधुकांत वालर्जाभाई कलसारिया ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय थं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध लिसित में किए जा सकोंगे।

स्याध्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 5, जो, प्रिती अपार्टमेंट, खांडवाला लेन, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूचो जैसा कि क० सं० अई-3/37ईई/5855/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1984 को . रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 15-10-1984

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 17th October 1984

No. F.2|84-SCA(I).—The Hou'ble the Chief Justice of India has confirmed Shri R. S. Suri. Officiating Deputy Registrar and appointed him substantively to the post of Deputy Registrar, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of October 15, 1984.

R. SUBBA RAO

Registrar

Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 10th September 1984

No. A.12025(ii)|2|82-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Awdhesh Kumar Saxena, nominated on the basis of the Civil Services Examination 1982 vide D.O.P. & AR. O.M. No. 9|1|82-CS(1), dated 1st June 1983 as probationer in the Section Officer's Grade of the Central Secretariate Service cadre of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1st September, 1984.

The 17th September 1984

No. A.11016|2|84-Admn.III.—In pursuance of the clarification received vide Department of Personnel and Administrative Reforms letter No. Dy. 3107|84-CS.I, dated the 30th July, 1984, Shri M. C. Khorana, an officer of CSSS working as Desk Officer in the Union Public Service Commission stands reverted as Private Secretary with effect from the afternoon of the 12th September, 1984.

The 1st October 1984

No. A.38013[3]84-Admn.HI.—The President is pleased to permit Shri Remal Dass, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th September, 1984 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33[12]73-Ests.(A), dated the 24th November, 1973.

No. A.38013|4|84-Admn.HJ.—The President is pleased to permit Shri Chhajju Ram, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 30th September, 1984 in terms of Department of Personnal and Administrative Reforms O.M. No. 33|12|73-Ests. (A), dated the 24th November, 1973

M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 12th October 1984

No. A.35014|1|84-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Harkirat Singh, Section Officer of C.S.S. Cadre of Union Public Service Commission to the ex-cadre post of Accounts Officer in the Commission's office on ad-hoc basis for the period from 8-10-1984 to 30-11-1984 or until further orders whichever is eatiler.

The appointment o Shri Harkirat Singh as Accounts Officer will be on deputation terms and his pay will be regulated as per instructions contained in the Ministry of Finance (Deptt. of Expenditure) O. M. No. F.1(11)-E.III(B)|75. dated 7-11-1975.

The 15th October 1984

No. A.32014[2]83-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Smt. S. Sardana, Investigator (DP) in the office of Union Public Service Commission to officiate as Superintendent (DP) on ad-hoc basis

w.e.f. 1-9-84 to 11-10-1984 and on regular basis w.e.f. 12-10-1984 until further orders.

VUAY BHALLA Section Officer Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 15th October 1984

No. 5M PRS 066.—On completion of his tenure in the Central Vigilance Commission as the Commissioner for Departmental Inquiries, Shri Ajai Singh IRS (IT) is granted carned leave for 31 days w.e.f. 1|10|1984 to 31|10|1984, On the expiry of the leave, the services of Shri Ajai Singh will stand replaced at the disposal of the Central Board of Direct Taxes, New Delhi.

No. 2|14|83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. K. Arora, Executive Engineer (Civil) of the Central Public Works Department, as Tech. Examiner in the Central Vigilance Commission in the scale of Rs. 1100—50—1600 plus special pay of Rs. 200|- per month with effect from the afternoon of 15th Sept., 1984 until further orders.

K. L. MALHOTRA, Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th October 1984

No. B-72 66-AD.V.—The services of Shri B. R. Dubey, Superintendent of Police Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment are placed at the disposal of Government of Sikkim with effect from the afternoon of 9th October, 1984, on deputation for a period of two years.

No. A-19014|11|84-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Sharma, IPS (WB: 1973) as Superintendent of Police, on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the foremon of 28th Sept. 1984, and until further roders.

R. S. NAGPAL, Administrative Officer (E) CBI.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 15th October 1984

No. O. II-1803[83-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. D. P. Patnaik, GDO Grade-II of 3rd Battalion, CRPF, with effect from the after-noon of the 16th September, 1984 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of CCS(TS) Rules, 1965.

The 17th October 1984

No. O. II-1941|84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. N. Laxman Rao as Junior Medical officer in CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 3rd October, 1984 for a period of three months or till regular incumbent joins, whichever is earlier.

The 19th October 1984

No O. II-1971|84-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. T. K. Roy as Junior Medical officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 1st October, 1984 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt.)

MINISTRY OF LABOUR &, REHABILITATION LABOUR BUREAU

Simla, the 2nd November 1984

No. 23/3/84-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by three points to reach 589 (five hundred eighty nine), for the month of September, 1984. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of September, 1984 works out to 716 (seven hundred sixteen).

> A. S. BHARADWAJ Director, I abour Bureau

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hosbangabad, the 13th October 1984

No. 7(62)|7085. -Shi: Ishwarlal Joshi is appointed as an Assistant Engineer (Boiler) in a purely temporary capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810 EB-35-880 40-1000-EB-40-1200 Aith effect from 10-10-1984 (F.N.), until further orders. He will draw his pay @ Rs. 650- i.e. the minimum of the scale plus all other allowances as admissible under the rules from time to time.

He will be on probation for a period of 2 years which may be extended at the direction of the appointing authority.

The 18th October 1984

No. 7(44)[721], -Shii S. S. Manki was erroneously pro-

noted as Assistant Works Manager with effect from 1-5-1978 vide Notification No. 7(44)15657 dated 6-10-1978. In supersession of the above order Shir S. S. Manki is now promoted as Assistant Works Manager in the pay scale of Rs 840-40 1000-EB-40 1200. The enter from 20 3 1982.

No 7(58)|7212 - Shri Gurmit Singn, Officiating Assistant Works Manager is allowed the benefit of Froform Promotion w.e.f. 1-9-1978 as Assistant Works Manager till he assumed the charge of Assistant Works Manager on officiating basis vide this Office Notification No. 7(58)|13524 dated 20-3-1982.

S, R PATHAK General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 9th October, 1934

F No. BNP/C/5/84- On the recommendations of the Depart mental Promotion Committee(Group 'B') the following regular Deputy Technical Officers (Printing and Platomaking) are appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas (M. P.) on Ad hoc basis in the Pay Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB 40-1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 21-9-84 (FN) for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

		•	
SI. No.	Name of Officer	Post against which appointed on Adhoc basis	
1	2	3	
(1)	Shri S. P. Phulkai	Technical Officer (Printing & Platemaking)	
(2)	Shri C. S. Ranade	Technical Officer (Printing & Platemaking)	
(3)	Shri R. S. Gopalan	Technical Officer (Printing & Platemaking)	

These Ad-hoc appointments do not confer any prospective right on the appointed for continuing in the post of being appointed thereto on a regular basis and the ad-hoc appointments can be discontinued at any time without assigning any reason.

> M. V. CHAR General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

(AUDIT), U.P.

Allahabad, the 20th October 1984

No. Adm. A.G. (AN) F 13-7 896.—Following Audit Officers of the Office of the Accountant General (Audit) I, U.P. Aljohabad, on attaining the age of superannuation, have re-tired from Government Service with effect from 30 September, 1984 (AN).

- 1. Shii Agam Swarup Srivastava,
- 2. Shii Ram Nath Sawhney,
- 3. Shii K. R. Mendiratta.

B. K. CHATTOPADHYAY Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

of the grantest of the Color of MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta-69, the 15th October 1984

No. 18|84|A|E-1(N(1).—This office G.N. 17|84|A|E-1(NG) dt. 11-9-84 regarding promotion of Smt Anjali Dasgupta as Offg. ASO, S|Shri P. R. Datta and T. K. De as ASOs (Adhoe) is hereby cancelled.

D. R. IYER DDGOF|Per

for Director General, Ordnance Factories

DGOF HORS, CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 12th October 1984

No. 46|G|84.—On attaining the age of Superannuation, (58 years) Shri G. B. Ganvordekar, OSD (in SEG Level II) rejred from service with effect from 30th June 1984 (AN).

V.K. MEHTA Director Estt.

マア は山上 は は年後の 海田県 (地名100 中間の 2000年) はよいかい マリア まんできばく ま イルスマットラウムを付加す はないから (中国) はなりまません はい 一 田田寺、 ヤバル (中国) MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 8th October 1984

IMPORTS & EXPORTS TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6|1496|84-ADMN(G).—On attaining the age of superannuation Shri Sudhir Chandra Ghosh, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Calcutta, retired from Government service with effect from the atternoon of 315 August, 1984.

The 14th October 1984

No. 6/1440/83-Admn.(G).8203.—On attaining the age of superannuation, Shri Dhanna Ram, Controller of Imports and Exports in this Office retired from Government Service with effect from the afternoon of the 30th September, 1984.

No. 6|849|68-Admn.(G)|8211.—On attaining the age of superannuation, Shri R. S. Guleria, Controller of Imports and

Exports in this Office retired from Government Service with effect from the afternoon of the 30th September, 1984.

M. L. JAYAN^T,
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

DEPARTMENT OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 16th October 1984

No. 2(20)-Est. I/84|5454.—Shri M. M. Gandhi, Assistant Director, Grade-I (NT) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay retired from service on Superarputation from the afternoon of 30-9-1984.

R. K. KULKARNI Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVFLOPMENT OFFICE OF, THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 19th October 1984

No. A-19018(601)|82-Admn.(O).—Consequent on his appointment as Hindi Officer (Assistant Director) in the CPWD, New Delhi. Shri L. P Seni, relinquished charge of the post of Hindi Officer, at SISI, Indore, on the afternoon of 31-5-1984.

S. K. PUKKAYASTHA, Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSAL

(ADMN. SECTION-6)

New Delhi, the 19th October 1984

No. A-17011'210 82' \(\cdot -6.\)—\(\shrip \) I Ramachandra, permanent Examiner of Stores (Figureering) and officiating \(\shrip \) \(\shrip \) tant Inspecting Officer (Figureering) in the office of Director of Inspection, \(\shrip \) \(\lambda \) are retired voluntarily from Government Service on the afternoon of 30th June, 1984 in terms of Rule 48-A of C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

S. L. KAPOOR
Dy. Director (Admn.)
for Director General, Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 17th October 1984

No. EI-12(44)|82(.),—On attaining the age of superannuation, Shri M L. Bhowal, Assistant Iron & Steel Controller has relinquished the charge of the post with effect from 1-10-1984 (Forenoon).

No. EI-12(45)|82(.).—On attaining the age of superannuation, Shri M. L. Bhowal, Assistant Iron & Steel Controller has relinquished the charge of the post with effect from 1-10-84 (FN).

S. K. SINHA Dy. Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-16, the 16th October 1984

No. 7102B|A-19012 (1-DCLR)|83|19A.—Shri D. C. Linga Raju is appointed by the Director General, GSI as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs: 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon on the 21-8-1983, until further orders.

No. 7115BA-19012(1-SP)|82|19A.—Shri Shyamananda Panja is annointed by the Director General, Geological Survey of India as on Assistant Geologist in the Geological Survey of India in an initial pay of Rs. 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-25-810-FB-35-880-40-100-EB-40-1200|- in an officialing capacity with effect from the fore-noon of the 22-8-1984, until further orders.

A. KUSHARI Dir. (Personnel)' for Director General

Calcutta-16, the 15th October 1984

No. 7013B[A-19012(1-MGO)]82´19A.—Shri Manoranian Ghosh, Senior Technical Assistant (Geol.) Geological Survey of India is appointed by the Director General, Geological Survey of India on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1200]- in an officiating capacity with effect from the foreneon of 2^dth August, 1984 until further orders.

The 16th October 1984

No. 3881D₁A-19012(1-SC) |83-19A.—Shri Saudipta Chatto padhyay is appointed by the Director General as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650₁- per month in the scale of pay of Rs. 650-50-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200₁- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 17-8-1984, until further orders.

No. 7089B|A-19012(1-CCG)|83-19A.—Shri Chandi Charan, Ghosh is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 27-7-84, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 17th October 1984

No. A.19011(46)|70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri T. K. Basu, Permanent Deputy Controller of Mines to the post of Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25th September, 1984, for a period of 6 months.

No. A.19011(48) | 70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Jangida, Permanent Deputy Controller of Mines to the post of Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25th September, 1984, for a period of 6 months.

No. A.19011(96)|76-Estt.A.—The President is pleased to appoint Dr. R. Chakrabarty, Permanent Senior Mining Geologist to the post of Regional Vining Geologist in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 25th September, 1984, for a period of 6 months.

No. A.19011(80)|78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Md. Asawar, Officiating Deputy Controller of Mines to the post of Regional Controller of Mines on the Indian Bureau of Mines on address basis with effect from the forenoon of 27th September, 1984, for a period of 6 months.

No A.19011(49) 80-Estt. A — The President is pleased to appoint Shri M. P. Kusum, permanent Deputy Controller of Mines to the post of Regional of Mines in Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 28th September, 1984, fora period of 6 months.

No. A-19011(26) 84-Fstr A. P.P.—On his ret ement after attaining the age of superannuation Shri H. Anotha Parasiah. Superintending Mining Geologist is relieved of his duties in the I dian Bureau of Mines with effect the afternoon of 30-9-1984 (AN) and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this Department

Nd. A 19011(188) 84-Estt A.—The President is pleased to appoint Shr. N M. Sangode, Officiating Deputy Controller of Mines to the Post of Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the for mon of 25th September, 1984, for a period of 6 months

The 18th October 1984

No. A.19011(160) 83-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shi N. Prahlada Murthy, Permanent Deputy Controller of Mines to the post of Regional Controller of Mines in the Indian Burcau of Mines on ad-hoc basis with effect from the forencon of 27th September, 1984, for a period of 6 months.

The 19th October 1984

No. A-19011(332)|84-Estt.A.—The President is pleased to promote on the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri U. B. Krishnamurthy. Assistant Mineral Economist (Int.) on ad-hoc, to the post of Assistant Mineral Economist (Int.) on regular basis in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 28th September, 1984.

P. P. WADHI
Administrative Officer
for Controller General

SURVEY OF INDIA

Debra Dun-248001, the 15th October 1984

No. C-6131/724-SOS(A)(i).—Shri R. S. Beliva. Store Assistant Sel. Gd. is appointed to officiate as Assistant Stores Officer (GCS Group 'B' post) on ad-hoc basis with effect from 10th September, 1984 (FN) and posted to Central Circle. Survey of India, Jabalpur.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 10th October 1984

No. A-12011|8|84-Exh (A).—The Director of Advertising and Visual Publicity is pleased to appoint Shri L. K. Goswami, Exhibition Assistant to officiate as Field Exhibition Officer in a purely temporary canacity on adhoc basis in the Field Exhibition Unit of this Directorate at Calcutta with effect from the forenoon of 26-9-84.

G. P. BHATTI

Dv. Director (Adm.)

for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 19th October 1984

No. A.19018|14|83-CGHS.L.—Tht Director General of Health Services is pleased to appoint Hakim Sved Asad Pasho to the post of Unoni Physician in the Central Government Health Scheme, on regular basis, with effect from the forenoon of the 5th October, 1984, until further orders.

T. S. RAO Dy. Dir. Admn. (CGHS !)

New Delhi, the 19th October 1984

No. A-12026/3/84-ISS-Admn.I—On the completion of his training in the Central Statistical Organisation, Shri Davendte Verma, an Officer of Grade IV of the LSS assumed charge of the post of Medical Statistician in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 1st September, 1984

P. N. THAKUR, Dv. Dir Admn. (C&B)

MINISTRY OF AGRICULTURE

DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, OUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 18th October 1984

No. F.7-4 83-Adm.I — The Plant Protection Adviser to the Government of India has accepted the resignation tendered

by D1. P K Gupta from the post of Surveillance Officer, in this Directorate with effect from 27-7-1984 (AN). \pm

S. P. KUTAR Chief Adm. Officer for Plant Protection Adviser to the Government of India

Faridabad, the 18th October 1984

No. 7-67|83-Adm.I.—In supersession of this Directorate's notification of even number dated 12-4-84, Plant Protection Adviser to the Government of India hereby appoints Shri I. S. Tirpude Plant Quarantine Inspector of this Directorate, as Assistant Entomoligst at Plant Quarantine and Fumigation Station, Bhavnagar, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in a temporary capacity with effect from the afternoon of 14th March, 1984.

S. P. KUTAR, Chief Adm. Officer

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION Faridabad, the 16th October 1984 CORRIGENDUM

(min of all to the subsection of the property of the propert

No. A.19026 1 82-A-III.—The words 'Accounts Officer' appearing in the 2nd line of Notification of even number dated 17-7-34 may be substituted by the words 'Audit Officer'.

ATUL SINHA Agri, Mktg. Adviser to the Govt. of India

Faridabad, the 15th October 1984

No. A-31014/2/83-A. I.—The Agricultural Marketing Advisor to the Govt. of India is pleased to appoint the following officers substantively to the permanent posts of Asstt. Marketting Officer (Group III) in the Dtc. of Marketing and Inspection with effect from the date indicated against each.

S/Shri

(1)	N. B. Warhado	1-1-1983
(2)	R. N. Mathur	9-2-1983
(3)	Deepak Ranjan Ray	10-8-1983
(4)	A. K. Sabui	10-8-1983
(5)	Ramesh Tiwari	1-9-1983
(6)	R. K. Verma	1-9-1983
(7)	S. C. Saha	14-1-1984

2. The lien of the above officers in the lower posts, if any, shall stand terminated with effect from the date of their confirmation in the post of Assit. Marketing Officer (Group III).

J. KRISHNA
Director of Administration,
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt, of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 18th October 1984

No. M-1223 Estt. It | 4774.—Shri Govind Vishnu Mandke relinquished charge of the post of Asstt. Accounts Officer on 30-9-1984 AN consequent on superannuation.

K. SUBRAMANIAN Dy. Estab. Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES Bombay-400 001, the 15th October 1984

Ref. No. DHS|41|3|83-Adm.|26969.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy

appoints Shri Shripad Gangadhar Panchabhai, a pmt. Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 2-5-84 (FN) to 31-8-84 (AN) in the same Directorate vice Shri A. A. Shaikh. Asstt. Accounts Officer, granted leave

B. G. KULKARNI, Asstt. Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, October the 19th 1984

No. AMD-51|24|82-Pen.—On attaining the age of superannuation Shri D. R. Tuli, Permanent Assistant Administrative Officer and officiating Administrative Officer-II in the Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy relinquished charge of his post on the afternoon of September 30, 1984.

S. Y. GOKHALE,

Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivendrum-695 022, the 8th October 1984

No. VSSC: EST: PSD: 37402.—Consequent on his attainment of the age of superannuation, Shrl P. V. Thomas, Staff Code No. 37402, Asstt. Purchase Officer, PSD is relieved of his duties in this Centre with effect from the afternoon of August 31, 1984.

G. MURALIDHARAN NAIR. Adm. Officer-II, ESI for Controller

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 017, the 11th October 1984

No. 020|1(3)|84-Estt.—In terms of ISRO Headquarters Office Order No. HO: Admn.4.20(5)-3 dated September 8, 1984, Controller ISRO Satellite Centre is pleased to promote Shri George Koshy, Permanent Personal Assistant as Assistant Administrative Officer in the ISROS Satellite Centre, Bangalore with effect from the forenoon of September 27, 1984.

H. S. RAMADAS. Adm. Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th October 1984

No. A.12025|2|79-SS.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri P. K. Chattopadhyay as Senior Aircraft Inspector (Group 'A' Post) at a pay of Rs, 1200|- per month in the scale of Rs. 1100-1600 in an officiating capacity with effect from 15-9-1984 and until further orders.

Assistant Director of Admn.
tor Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 16th October 1984

No. A.32013[14]83-EI.—The President is pleased to appoint Shri Harbans Singh. Deputy Director of Equipment to the post of Director of Equipment on an adhoc basis for a period of six months from 5-10-1984 (Forenoon) or till the post of Director of Equipment is filled on a regular basis, whichever is earlier.

G, B. LAL, Asstt. Director Admn

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 15th October 1984

No. A-19012|1044|83-Estt.V — Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Arun Kumar Singh, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director|Assistant Figineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 24-1-1984.

No. A-19012|1056|84-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri B. B. Pandey to officiate in the grade of Fxtra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 25-5-1984.

MEENAKSHI ARORA.
Under Secv.
Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 12th October 1984

No. 30|29|83-ECI.—In partial modification of this office notification of even number dated 31-7-84, the date appearing against Shri B. I. Sharma at S. No. 1 may please be read as '11-6-84' instead of '14-6-84'.

The 15th October 1984

No. 30|24|83-ECI.—The President is pleased to continue Shri N. Ramamurthy in the grade of Superintending Engineer (Fleet) in the Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group 'A' in the scale of Rs. 1500-2000 with effect from 1-4-77.

LACHHMAN DASS Dy. Director of Administration

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 17th October 1984

No. 752-E/661 (EIA)—The following Assistant Divisional Medical Officers (Class I) of this Railway are provisionally Confirmed in Class I Scale Rs. 700-1600 (RS) on this Railway from the date noted against each:

Sl. No,	Name	Date from which Confirmed as ADMO, Class I
1	2	3
1. Dr	 . М. Razi	1-1-1973
2. Dr.	. N. K. Sinha	1-1-1983

R. P. SINGH General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DFPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act 1956 and of Mis. Attur Kannika-Parameswari Corporation Pvt. Ltd. Madras-600 006, the 10th October 1984

No. 168|560|84.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the

name of Attur Kannika-Parameswari Corpn. P. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M|s. Vadamalai Transports Private Ltd Madras (600 006, the 16th October 1984

No. 4196|560|84.—Notice is hereby given pursuance to subsection (3) of Sec. 560() of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|₃ Vadamalai Transports Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(\$d.) ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Cochin-16, the 11th October 1984

CORRIGENDUM

C. No. 1(209) GL|84-85.—The word Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Assessment), Ernakulam'

mentioned in this office notifications issued till date, may be corrected and read as 'Inspecting Assistant Commissioner of Income tax (Assessment), Cochin'.

M. J. MATHAN

Commissioner of Income-tax, Cochin.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 16th October 1984

No. F.48-Ad(AT)|1984.—Shri Jagbir Singh Chhilar, Grade I(M) Officer of Delhi Administration, Delhi (Sectt. Admn. Deptt.) is appointed to officiate as Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack in a temporary capacity with effect from the afternoon of 29th September, 1984, until further orders, in the scale of Rs. 650-30-740-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|

Shri Jagbir Singh Chhilar will be on probetion for two years with effect from the 29th September, 1984 (Afternoon).

T. D. SUGLA President. FORM LT.N.S.-

(1) Shri Pervez Sorab Madia.

(Transferor)

(2) Shri Madhukant Valjibhal Kalsaria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1984

Ref. No. AR.III|37.EE|5855|84-85,---Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 5, Priti Apartment, Khandwala Lane, Malad (East).

Bombay situated at Malad (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Priti Apartment, Khandwala Lane. Malad (East), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III 37.EE 5855 83-84 dated 2-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1984

Ref. No. ASR|84-85|104.—Whereas, I, B. S. DHILLON IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

One property situated at Jawahar Nagar, Batala, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Batala on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Jagjit Singh slo Shri Khushal Singh, Jawahar Nagar, Aliwal Road, Batala, Distt. Gurdaspur

(Transferot)
(2) Smt. Darshan Kaur wo Shri Gian Chand, through
Sh. Kalyan Singh, Kanak Mandi, Batala.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Jawahar Nagar, Aliwal Road. Batala, as mentioned in sale deed No. 5824 dt. 28-2-84 of registering authority, Batala.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsa

Date: 10-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1984

Rcf. No ASR|84-85|105.—Whereas, I. S. DHILLON IRS,

peing the Competent Authority under Section 269B of the norme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-nd bearing No.

Inc property situated at Jawahar Nagar, Batala,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred as per deed registered under the egistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the egistering Officer

R. Batala on May 1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as afore-kil exceeds the apparent consideration therefor by more an fifteen per cent of such apparent consideration and that e consideration for such transfer as agreed to between the uties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-on (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:—

- (1) Sh. Jagjit Singh so Shri Khushal Singh, Jawahar Nagar, Aliway Road, Batala, Distt. Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Smt. Darshan Kaur woo Shri Gian Chand, through Sh. Kalyan Singh, Kanak Mandi. Batala, Distt. Gurdaspur,

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as:
are defined in Chapter XXA of the said:
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated at Jawahar Nagar, Aliwal Road. Batala, as mentioned in sale deed No. 463 dt. 2-5-84, of registering authority, Batala.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amrifadi

Date: 10-10-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SECTION TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNM' NT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th October 1984

· Ref. No. ASR 84-85 106.—Whereas, I, B. S. DHILLON IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property situated at G T. Road, Chheharta, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

S. R. Amritsar on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Kailash Rani wo Sh. Nand Lal, Old Chungi, Chheharta Road, Amritsar.

(Transferoi)

(2) Smt. Ajit Kaur woo Shri Harbans Singh, roo Gill Waraich, through Shri Bakhshish Singh soo Sh. Tara Singh, Chhatora, Teh. Ajnala, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersy knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at G. T. Road, Chheharta, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12762 dt. 3-2-84 of registering authority, Amritsar

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date: 11-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th October 1984

Ref. No. ARS|84-85|107.--Whereas, I,

B. S. DHILLON IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property situated at G. T. Road, Chheharta, Amritsur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration franket the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly atated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the hapfury of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nand Lal so Shri Behari Lal, Old Chungi, Chhebarta Road, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Shri Gurdev Singh so Shri Harbans Singh, Tarn Taran, through Sh. Bakhshish Singh so Sh. Tara Singh, ro Cheeta, Teh. Ajnala, Distt, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at G. T. Road, Chheharta, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12761 dt. 3-2-84 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amin

Date: 11-10-84

AOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th October 1984

Ref No. ASR|84-85|108.—Whereas, I, B. S. DHILLON IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

One property situated at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Ramesh Kumari wo Shri Vijay Kumar Jain. Guru Bazar, Amritsgr.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Pardeep Kumar slo Shri Ram Nath, R. B. Rattan Chand Road, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter,

THE SCHEDULE

One property situated at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No 12831 dt. 6-2-84 of registering authority, Amritsar,

B. S. DHILLON, IRS_e
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ram
Ami

Date: 5-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th October 1984

Ref. No. ASR 84-85 109.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

One property situated at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on July 1984

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor 中国的数据
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

45-316 GI|84

(1) Smt. Ramesh Kumari woo Sh. Vijay Kumar Jain, Guru Bazar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Sham Sunder soo Shri Prem Nath, No 1, R. B. Rattan Chand Road, Amritsar.

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at R. B. Rattan Chand Road. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2665 dt. 9-7-84 of registering authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Date: 5-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th October 1984

Ref. No. ASR|84-85|110.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

One property situated at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ramesh Kumari wlo Sh. Vijay Kumar Jain. Guru Bazar, Amritaar.

(Transferor)

(2) Sh. Dalip Kumar s|o Shri Prem Nath, R. B. Rattan Chand Road, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overload & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersimed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at R. B. Rattan Chand Road. Amritsar, as mentioned in sale deed No 3227 dt. 13-8-84 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date: 5-10-84

ON 040041) OF THE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No. 1540|Acq. R-III|84-85.—Whereas, I. SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 18B situated at Manoharpukar Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 8-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments. of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Samarendra Kumar Dutta & other.

(Transferor)

(2) Bimal Chandra Das and other,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two plots of land of western portion of, 18B, Manoharpurkar Road, Calcutta area being plot No 'B'—1 cottah 9 chittack 233 sq. ft. of plot No. 'A'—1 cottah 9 chittacks 33 sq. ft. registered before SRA vide 605 and 606 of 1984 dt. 8-2-1984.

SANKAR BANNLRJFF,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range UI, Calcutts
54, Rafi Ahmad Kirwai Road, Calcutta-16

Date: 11-10-1984

(1) Shankai Estates Private Ltd.

(Transferor)

(2) Vidya Mandir Society.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, CAI CUTTA

Calcutta, the 12th October 1984

Rof. No. 1541 Acqn. R-III 84-85.—Whereas, I. SANKAR BANNERIEE,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. 8, situated at Moira Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by spare than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the premises No. 8, Moira St., Calcutta consisting of Dwelling Units, barages, out houses containing by admeasurement 1 Bigha, 19 Cottah, and 14 chittack which is registered before SRA, Calcutta vide deed No. I 1739 dt. 13-2-84.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kirwai Road, Calcutta-16

Date 12-10-1984 Seal: FORM LT.N.S.-

(1) Ranjit Singh

(Transferoi)

(2) Habital

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No. 1542 Acqn R-III 84-85.—Whereas, I. SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 33 C situated at Manoharpukar Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Few tenanted huts on the land measuring 4 cottahs, 10 ch. 14 Sq. ft. at 33 C Manoharpukar Road, Calcutta registered before SRA on 13-2-84 vide deed No. 682.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kirwai Road, Calcutta-16

Date: 11-10-1984

(1) Smt. Anuradha Lahiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mist Lahirl.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No. 1543 Acqn. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 37|4 situated at Gariahat Road (Scuth), Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRA, Cal. on 1-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objectitons, if any, to thte acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 2.565 Cottahs of land together with a building having covered area of 720 sq. ft. at 37/4, Gariahat Road (South) Calcutta-31, registered before SRA on 1-2-84 vide Deed No. I-1176 at Calcutta.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

(1) Smt. Badama Devi Kedia

(Transferor)

(2) Smt. Kamala Devi Shonkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No. 1544 Acqn. R-III 84-85.-Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 26|1|1 situated at Strand Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office

of the Registering Officer at

Calcutta on 20-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

All that western Half portion of premises No. 26|1|1 strand Road on land measuring 2 Kottah 14 Ch. 5. Sq. ft. registered before SRA vide Deed No. I 2048 dt. 20-2-84 at Calcutta.

SANKAR BANNERJFE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1984

(1) M/s. Shrec Venkatesh Construction Co. Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Mis. Payal Commercial Co. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th October 1984

Ref. No. 1545 Acqn. R-III 84-85—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 240-B situated at Acharyya J. C. Bose Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta IAC Acqn. R-III on 26-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that office space measuring 2430 Sq. ft. situated at 240-B, Acharyya J. C. Bose Road, Calcutta registered with the C.A., IAC, Acqn R-III, Calcutta on 26-2-84 by Form No. 37EE.

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-84

(1) Mrs Lalo Puri & Ors

be made in writing to the undersigned -

ever period expires later,

Objections if any, to the acquisition of the said property may

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as

in that Chapter

publication of this notice in the Official Gazette

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given

service of notice on the respective persons which-

(Transferor)

NOTICE UNDER STCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Birpal Singh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III

Calcutta the 11th October 1984

Rel No 1546 Acqn R III 84 85 —Whereas I, SANKAR BANERJEF

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

No 1|C situated at Ballygunge, Circulai Road Calcutta (Fl it No 85)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19 2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for uch trust so exist to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

- THF SCHFDULF
- All that Flat No 85 measuring 1900 sq ft approx at 1|C Ballygunge Circular Road, Calcutta registered before SRA vide Deed No I 1563 dated 19-2-84 at Calcutta
 - SANKAR BANERIEF
 Compttent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
 Acquisition Range-III
 Calcutt

- i) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer,
 and/or
- (1 fac i ting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax A t 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proc edings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the follow persons namely

Dite 11 10-1984

Scal

45 - 316G1/84

(1) Smt Sarojini Sinha.

(TransferGt)

(PART III-SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

27040

(2) Shakuntala Gupta.

(Transfeace)

CIC YERNMI'NT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th October 1984

Ref No 1547 Acqn R-III 84 85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEF

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing '

No 15, situated at Sarat Chatteriee Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acqu R-I, Calcutta on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Hat No 12 measuring 1000 sq ft at 15, Sarat Chatterjee Avenue, Calcutta registered before IAC Acqn R-1 on 4-2 84 by Form No, 37EE.

SANKAR BANERIFF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date : 12-10-1984.

Seal ·

(1) Sri Anil Kumar Ray,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dipankar Ghosh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th October 1984

Ref. No. 1548/Acqn. R-III/84-85,---Whereas, 1, S. K. BANERIEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1964) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 27, situated at Kabir Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R.A., Calcutta on 20-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this votice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property measuring 1051 Sq. ft. at premises No. 2⁻ Kabir Road, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-2000 dated 20-2-84.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-84.

(1) Mls. Hastings Property.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Phoenix Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 29th September 1984

Ref. No 1549|Acqn R-II₁84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 7, situated at Kiran Sankar Roy Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 27-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 tays from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that office space measuring 1526 sq. ft. at 7, Kiran Sankar Roy Road, Calcutta registered by Form No. 37EE on 27-2-84 before the IAC, Acqn. R-III, Calcutta.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Calcuttn

Date: 29-9-1984.

FORM ITNS----

(1) Abdul Wahid.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Side & Co Pvt Ltd

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No 1550 Acqn R-III 84-85 --- Whereas I, SHANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25 000|- and bearing

No 56, situated at Tiljala Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed factor), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The teams and expressions used better as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that I₁31d portion of undivided land measuring 14 cottahs 4 ch 22 sq. ft situated at 56, Tiljala Road, Calcutta registered before 5RA vide Deed No. I 1541 dated 10-2-1984.

SANKAR BANERJFL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11:
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

Date 11-10-1984.

FORM ITNS----

(1) Mis. Todi Tea Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Sawalram Padder.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AÇQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th October 1984

Ref. No. 1551|Acqn. R-HI|84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/and bearing

No. 2, situated at Lalbazar Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (19 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 15-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that office space measuring 855—90 sq. ft. at 2, Lal bazar Street, Calcutta registered before IAC, Acqn. R-II, Calcutta on 15-2-1984 by Form No. 37EE.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269°D of the sald Act to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984.

Calcutta on 22-2-1984

FORM ITNS

A STANKE OF THE TAXABLE OF THE PROPERTY OF THE (1) Arati Chatterjee.

(Transferor)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Napany Education Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACOUISITION RANGE-III CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No. 1552 Acqn. R-III 84-85.--Whereas, I, SANKAR BANERJEE

> I MANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have too same meaning as given in that Chapter.

being the competent authority under Section 263B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 171, situated at Ramesh Dutta Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act st. respect of any imponse arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or ar moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

all that ith share of premises-partly two storeyed & partly three storyed building land area-16 Cottahs, 11 c hitael., 22 sq. ft. 171. Ramesh Dutta Street, Calcutta registered on 22-2-1984 vide deed No 1 2134

> SANKAR BANFRJEF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquisition Range-III Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-10-1984,

(1) Bidyut Kumar Chatterjee & other.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Kejriwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th October 1984

Ref. No. 1553|Acqn. R-III|84-85 —Whereas, I, SANKAR BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000)- and bearing No. 113|2, situated at Raja Ram Mohan Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Calcutta on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent onsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, ir
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that partly three storeved & partly four storeyed building together with land area being 3 Cottahs 6 Chittacks 218 sq. ft registered before RA on 25-2-1984 vide Deed No. I 2333, situated at 113|2 Raja Ram Mohan Suani, Calcutta.

SANKAR BANERJEF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcul

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984,

- (1) The Southern Co-op. Housing Society Ltd.
 (Transferor)
- (2) Dhmba Narayan Ghosh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 15th October 1984

Ref. No. 1560 Acqu R-III 84-85—Whereas, I. SANKAR BANFRIEE, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 26°B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 1/64 situated at Gariabat Road (South), Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 2 measuring 1100 sq. ft. at 1|64 Gariahat Road (South) register vide deed No. 2420 dt. 28-2-1984

SANKAR BANERJEF
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmad Kidwai Road.
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followingersons, namely:—

47—316G1/14

Date · 15-10-1984

Scal;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 15th October 1984

Ref. No. 1561|Acq.R-111|84-85.—Whereas, I, SHANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 27, situated at Central Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) riscillitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nara Hari Dutta

(Transferee)

(2) Partha Pratim Dutta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land measuring 4 Cothas 11ch. 15 sq. ft. together with a partly one and partly two storeyed building at 27, Central Road registered on 22-2-1984 at Calcutta vide Deed No. 841.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-HI
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 15-10-1984

(1) Mandaville Const Co-op. Housing Society Ltd (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Samir Kumar Basu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> **ACQUISITION RANGE-III** CALCUTTA

Calcutta, the 15th October 1984

Ref. No. 1562 Acqn.R-III 84-85.—Whereas, I,

Ref. No. 1562/Acqn.R-III/84-85.—Whereas, 1, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. E/3 situated at 22A Mandaville Garden (and more fully described in the Schedule superced hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and apparent value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1959 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. E|3 measuring 1334.72 sq. ft. at 22A, Mandaville Garden registered on 4-2-1984 vide Deed No. I

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, . Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :--

Date: 15-10-1984

(1) Mandaville Const. Co-op. Housing Society Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Biswasnath Sen.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 15th October 1984

Ref. No. 1563 Acqn.R-III 84-85.—Whereas, I,

SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

22A situated at Mandaville Gardens (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the office of

the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that Flat No. E[1, measuring 1334.72 sq. ft. at 22, Mandaville Gardens registered on 25-2-1984 vide Deed No. 1 2327.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 15-10-1984

SenI:

NOTICE UNDER SECITON 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 10th October 1984

Ref No. TR-101[84-85|S1.935 I.A C.[Acq.R-I]Cal.--Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No 7, situated at Kyd Street, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(1) Sri Rathindra Nath Mullick.

(Transferor)

(2) Kothari Scientific and Research Institute. (Transferce)

(3) Anandanam Nidhi

(Persons in occupation)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

(4) Anandanam Nidhi

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person inferested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided share of the property comprising of a two storeyed building and other outhouses on 26 Cottahs of land at 7. Kyd Street, Calcutta, Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-1991 dated 18-2-84.

> S. K. BANERJEF Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 54, Rafii Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16,

Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :--

Date: 10-10-1984.

Seal ;

(1) Sakina Begum,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Md. Parvez Khan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 CALCUTTA

Calcutta, the 10th October 1984

Ref. No. TR-103|84-85|Sl.936|LA.C.|Acq.R-I|Cal.—
Whereas, I, S. K. BANERJEE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000]- and bearing
No. 43B, situated at Ripon Street, Calcutta.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S.R.A., Calcutta on 23-2-1984
tor an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the valid instrument of transfer with the object of

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that 2 Cottahs 8 Chittacks 25 sq. ft of land together with one storied building thereon at premises No. 43B, Ripon Street, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-2250 dated 23-2-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Is
54, Rafii Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1984.

FORM I.T.N.S .-

(1) Sri Tej Karan Bardia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Lalit Kumar Singhania,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No. C.A.101|84-85|SI.937|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 9, situated at Pretoria Street, Flat No. 5, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at C.A., I.A.C. Acq.R-I, Calcutta on 6-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetic

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1200 sq. ft., Flat No. 5 located at 'SUNDEEP', 9, Pretoria Street, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 101 dated 6-2-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 11-10-1984

(1) Chitrakoot Properties Pvt. Ltd.

(Transleige)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sti Durga Prasad Poddar & Others,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No. C.A.108|84-85|SI.938|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I. S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair maybet value exceeding By 25 000| property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. 71, situated at Park st., Office Space No. 5A-1 on 5th

floor, Calcutta-16.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.A., I.A.C., Acq.R-I. Calcutta on 25-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); All that 2346 Sft. of Office Space No. 5A-1 on 5th floor at 71 Park Street, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition, Range-I, Calcutta, vide Sl. No. C.A. 108, Dt. 25-2-84.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutty-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2692D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 11-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No. CA. 102|84-85|SI.939 I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. 71, situated at Park Street, Space No. 3F on 3rd floor, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fulr market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

48—316GI/84

(1) Chitrakoot Properties Pvt. Ltd.

(2) Amit Financing Corporation.

(Transferor)

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

* (4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 2010 S. ft. of Space No. 3F on 3rd floor at 71 Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta, Vide Sl. No. 102, Dt. 13-2-1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 11-10-1984

FORM ITNS----

(1) Meera Singh.

(Transferor)

(2) Vidya Devi Chamria.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No. C.A. 103|84-85|SI,940 I.A.C.|Acq.R-1|Cal.—Whereas, I. S. K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-bearing No. 10, situated at Lord Sinha Road, Flat No. 1D, 1st Floor, Cal-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.A., I.A.C., Acq. R-J, Cal on 13-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of that said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property at 10, Lord Sinha Road, half share Flat No. 1D, 1st Floor, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Calcutta vide Sl. No. 103, Dt. 13-2-1984.

S. K. BANERJEF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I howby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

, | 1

FORM ITNS

(1) Meera Singh.

(Transfero)

27057

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. N. Chamria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No. C.A. 104/84-85/Si. 941 I.A.C./Acq.R-1/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No. 10, situated at Lord Sinha Road, Flat No. ID, 1st Floor, Cal-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.A., I.A.C., Acq. R-I, Cal on 13-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 63/d. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property at 10, Lord Sinha Road half share, Flat No. 1D, 1st Floor, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Cal. vide Sl. No. 104, Dt. 13-2-1984.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-10-1984

(1) Ashoka Manufacturing Company & Agencies. (Transferor)

(2) Shri Shiv Sharkar Sarda & Sb. Chandra Mohan Sarda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No. C.A.105|84-85|SJ.942 I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 8, situated at

Camac Street, Floor Space No. 5 on 7th Floor.

Calcutta-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at C.A., I.A.C., Acq.R-1, Cal. on 20-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liablity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); - 一、日報鑑別

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning -s given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that floor space No. 5 on 7th floor at Shantiniketan Building, 8, Camac Street, Calcutta 700017. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. 105 dated 20-2-84.

S. K. BANERJFF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 11-10-1984

FORM ITNS——— (

(1) Chitrakoot Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Raj Kumar Poddar & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th October 1984

Ref. No. C.A.107[84-85]SL943 I.A.C.[Acq.R-I]Cal.—Whereas, I. S. K. BANERIEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. 71, situated at

Park Street, Office Space No. 5A-2 on 5th floor,

Cal-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration. Act, 1908 (16 o. 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority, I.A.C. Acq. R-I, Cal. on 25-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than threin per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1656 Sft. of Office Space No. 5A-2 on fifth floor at 71, Park Street, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 107 dated 25-2-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 11-10-1984

(1) Smt. Snehaiata Paul & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bina Devi Lodha.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, CALCUTTA

Calcutta, the 10th October 1984

Ref. No. TR-106|84-85|Sl.944 I.A.C.|Acq-R-I|Cal.—Whereas, I. S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 25A, situated at

Robert Street, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S.R.A., Calcutta on 29-2-84

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property h may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two storied building at premises No. 25A, Robert Street, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-2503 dated 29-2-84.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:-

Date: 10-10-84

(1) Smt. Snehalata Paul & Ois.

(Transferor)

27061

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bina Devi Lodha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOM9-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 10th October 1984

Ref. No. TR-107|84-85|S1.945 1.A.C |Acq.R-I|Cal.-

Whereas, I. S. K. BANERJFE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

Rs. 25,000|- and bearing No. 26, situated at Robert Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Registering

Officer at S.R.A., Calcutta on 29-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Partly one, partly three and partly four storied building at premises No. 26, Robert Street, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-2502 dated 29-2-84.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-10-84

(1) Smt. Harsbaran Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bonaza Investments (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th October 1984

Ref. No. C.A.103A[84-85[Sl.946 [.A.C.,]Acq.R-I[Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEF,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. 8, situated at Camac Street, Calcutta-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering

Officer at C.A., I.A.C., Acq. R-I. Cal on 11-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Office room No. 9 on the 10th floor of the building "Shantiniketan"—covered area—1065 Sq. Ft. 8, Camac Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acq. Range-I, Calcutta, vide Sl. 103A, Dt. 11-2-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

(1) Kali Durga Estate & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Suraj Devi Damani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 12th October 1984

Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and

bearing No. 158, situated at Lenin Sarani, Calcutta-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S.R.A., Calcutta on 1-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

49-316GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1 share of office room on 3rd floor at premises No. 158 Lenin Sarani, Calcutta-13. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-1165 dated 1-2-84.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-10-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 2|Feb|84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Lands at Kathivadi village situated at Arcot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Arcot (Doc. No. 436|84) in Feb., 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian accometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kathipu Beevi Pathima, Labbai Thambi Tailor's St., Kayal pattinam, Tiruchendur.

(Transferoi)

(2) A. Saheedha Barveen, Wo Ahamed Basha Sahib, Maligai veedi, Valathur village, Gudiyatham Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Kathivadi village. (Doct. 436|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-9-1984

(1) M. S. Sarathambal, 23, 12th Cross St., Gandhi Nagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) W. R. Jothi Ganesan, 10-3-71 Seshapiran St., Chittur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-J. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 3|Feb|84.—Whereus, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land and Building Survey No. 205|3 situated at Katpadi Regn. Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Katpadi (Doc. No. 566 84) on Feb., 84

of 1908) in the onice of the Registering officer at S. R. Katpadi (Doc. No. 566/84) on Feb., 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the aforesaid property by the issue of this notice under subparties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Buildings: Survey No. 205[3 (Doc. No. 566184) & 567[84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegold property by the issue of this noting under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 10|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

lands at Amaii Marakkottai village situated at Salem.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S. R. Omalur (Doc. No. 172 84) on Feb., 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. D. Rajamanickkam, Marakkottai village, Omalur, Salem.

(Transferor)

(2) M. Jaganathan, Kuppinayyakanur, Kongupatti village, Omalur Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Marakkottai village. (Doc. No. 172[84),

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 4|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. property at Tondipatti village situated at Komaravelipalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Vela Goundan Patti (Doc. No. 142|84) on Feb., 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kandasumy & Others.

Salem.

(2) K. R. Elayappan, and others, Slo. Rangasamy Gunder, Kokkalai Village, Namakkai Taluk (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry Linds at Tondipatti village. (Doc. No. 142|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 20-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE LAND COMPANY OF THE PROPERTY OF THE PROPER

(1) Smt. Rajalakshmi and others Omalur town.

(2) C. Marutha Muthu and others Ethaipur, Athur.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 11|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. lands at Ethaiyur village situated at Salem, (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Petha Maicken Pa'ayam (Doc. No. 91|84) in Feb, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 127 or 1957);

Lands at Ethaiyur village. (Doc. No. 91[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) ·

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 12|Feb|84.-Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.
Lund and building Kalappa baickanpatti village situated at Door No. 74, 75 Ward No. 13, Kalappa baicken Patti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sendamangalam (Doc. No. 232|84) on Feb., 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. tion therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Veerappa Gounder, Nanchundapuram, Kalappa Naicken Patti Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Kuppayammal. Nachi Pudu, Kattukkottadi Uthirakudi kaval village Namakkal,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: at Kalappa Naicken patti village. (Doc. No. 232 84),

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice runder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be ollowing persons, namely :--

Date ; 29-9-1984

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Shri Balasubramanian and others R. Puthupatti, Rasipuram Taluk.

(Transferor)

(2) B. Kalai chelvi and others, R. Puthupatti, Rasi Puram Taluk,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGF-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 13, 14, 15, 16 Feb 84 —Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agl. lands at Thiramalaigiri village situated at Namakkal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Senthamangalam (Dog. No. 256, 257, 258 and 259|84)

on Feb., 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the elect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Thirumalaigiri village Near Kalappanaicken patty village.
(Doc. No. 256, 257, 258 and 259|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) P. Kuppuswamy & others.

(Transferor)

(2) R. Palaniappan, S|o. Rengaswamy, Malayampatti, Rasipuram Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 18|Feb|84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Lands at Manayakkanpatti situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sendamangalam (Doc. No. 316 84 in Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Manayakkampatti. (Doc. No. 316/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

'Date': 29-9-1984

Seal:

50--316 GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Rajammal and others, Wlo. Kanthappa Gounder, Pallakkadu, Namagiri Pettal.

(Transferor)

(2) K. Sengodan, Slo. Kanthappa Gounder, Namagiri Pettal, Rasipuram, Salem Dist.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 21|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herainafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Lands at Namagiri Pettai village situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Namagiri Pettai (Doc. No. 105/84) in Feb., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the !!ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Namagiri Pettai. (Doc. No. 105|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 29-9-1984

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 25th September 1984

Ref. No. 22|Feb|84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Lands at Kolaram Village situated at Namakkal.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Nallur (Doc. No. 76|84) on Feb., 84. for an apparent consideration which is less than the fair fifteen per cent of such apparent consideration and that the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. P. Periyaswamy & others, Thalakkarai, Chakkili Kadu, Kolaram.

(Transferor)

(2) Smt. Kaliammal, Kolaram Village, Thalakkarai, Namakkai

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: at Kolaram Village. (Doc. No. 76/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-*44
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date: 25-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 27|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Audionity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Lands at Panniparayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Kumarayalayam (Doc. No. 339|84 in I cb., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Rajeshwuri Varadharajan and others, Tiruchengodu.

(Transferor)

(2) K. Rajammal, W. Kanthaswamy, 1, A. K. Erode, Tiruchengodu Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Pannipalayam. (Doc. No. 339/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 25th September 1984

Ref. No. 31/2/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Lands at Parapatti Village situated at Salem Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.-R. Vecrapatty (Doc. No. 183|84) in Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) P. Chandran, Parapatti Village, Sithanayakkanoor, Salem.

(Transferor)

(2) Pappu Naickan and Bomma Naickan, Parapatti Village, Sithanayakkanoor, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ladns at Parapatti Village, Salem Taluk. (Doc. No. 183/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Chinnammal & Others, Appasamuthram Village, Athur Taluk,

(2) Rangama Naickar and others, Kancha Naickanoor, Kannor Patti, Namakkal Taluk.

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immovable

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 25th September 1984

Ref. No. 32|Feb|84.---Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Lands at Pudhuchatram Kalyani Village situated at Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Puduchatram (Doc. No. 71|84) in Feb., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Puduchatram Kalyani Village. (Doc. No. 71/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 34|Feb|84.—Whereas, I,
PREMA MALINI VASAN,
being the competent authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing
No. Elantha Kuttai Village situated at Tiruchengedu Taluk,
Salem Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Komarapalayam (Doc. No. 471|84) on Feb '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid proceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Parwathi Ammal, Wlo. Subramaniyam Elantha Kuttai Village, Tiruchengedu Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) M. Rajagopal, Slo. Muthuswamy Naicker, 108, R. K. Nagar Frode 3,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Elantha Kuttai Village, Tiruchengodu Taluk, Salem Dist.

(Doc. No. 471|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-600 006

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 36|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Lands at Ulipuram Village, Salem Dist. situated at Thambumpatti Taluk Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Thambam Patti (Doc. No. 211|84) on Feb 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957):

(1) S. Palani Vel So Sengoda Gounder, Ulipuram, Athur, Salem. .

(Transferor)

(2) K. Palani Velu Slo Kulanthaivel Gounder, Ulipuram, Athur, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Uliputam, Thambampatti Taluk, Athur, Salem. (Doc. No. 211/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 00h

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 35|Feb|84.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Lands at Elantha Kuttai Village situated at Tiruchen-

godu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Kumarapalayam (Doc. No. 472|84) on Feb '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sivaraman & Others. Elanthakuttai Kaspa, Tiruchengodu Salem.

(Transferor)

(2) M. Muthuswamy Naicker, 21, E. K. V. Nagar, Erode-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Elanthakuttai Village (Doc. No. 472|84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 29-9-1984

Scal :

51---316 GI 84

(1) A. Periyaswamy, Kollappatti, Tiruchengodu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S. K. Ponnuswamy, Kanda Medu, Tiruchengodu.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 44|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land and Building at Tiruchenngodu situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any mioneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: at Tiruohengodu village (Doc. No. 633[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely:—

Date: 29-9-1984

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 48|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Lands at Vennari Velli Village situated at Namakkal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Edappadi (Doc. No. 219|84) on Feb '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Pavayammal and Others, Kattu Valavu, Vellari Velli Village.

(Transferor)

 K. Palaniappan S|o Kandhappa Gounder, Veppamarathu Patti, Vellari Velli Village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Vennari Velli Village, Edappadi. (Doc. No. 219/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range
Madras-600 006

Date: 29-9-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-S!ONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 56 Feb 84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Lands at Periya patti village situated at Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

J. S. R. II|Numakkal (Doc. No. 244|84 in Feb '84 for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; *nd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

K. Sivasami, Slo Kalianna Gounder Pillayar Koil St., Thillaipuram, Namakkal.

(Transferor)

(2) P. Leelavathi, Wo P. Palaniappan, Gandhipuram-34B4, Namakkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Land at Periyapatti Village, Namakkal, (Doc. No. 244) 84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

rersons namely:

Date: 29-9-1984

S ':

(1) S. Nagarajan and others,
Door No. 9, Mujabar sank Bhadoor St., Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

27083

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) N. Sinna Gounder and others, 35, Main Road, Namakkal, Salem.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 60|Feb|84.-Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land and building in Kaspa Naicken Pettai situated at

Namakkal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. II Namakkal (Doc. No. 362 84) on Feb 84 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-. able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Kaspa Naicken Pettai, Namakkal. (Doc. No. 362|84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 73|Feb|84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000iand bearing

No. Land and building at Asthampatti situated at Salem town

(and more fully descirbed in the schedule annexed hereto) has been transferred under in the Office of the

Registering Officer at J. S. R. III Salem (Doc. No. 666 84) on Feb '84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Mancharan and others. M.R.H.B. Colony, Bangalore City, Karnataka State.

(Transferor)

(2) B. P. Stanley Samuel & others, Boaz villa, Tripperary Road, Yercand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the scame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Asthampatti, Salem, Ward B, Block 6, T.S. No. 81. (Doc. No. 666|84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 76|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. lands at Narajothipatti situated at Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the

in the office of

the Registering Officer at

S. R. Salem (Doc. No. 338|84) on Feb '84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/os
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pacha Muthu Gounder, Narajothipatti village Kattu Valavu, Sornapuri post, Salem.

(Transferor)

(2) P. Munuswamy, Narajothipatti Kattu Valavu, Sornapuri Post, Salem-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Narajothi patti village (Doc. No. 338|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 78|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Lands at Jageer Amma Palayam situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Salem (Doc. No. 382|84) on Feb '84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chinna Gounder, Annathanapatti, Sangagiri Main Road, Salem Taluk.

(Transferor)

 S. Dhanpal, Syed Gader Sahib St., Arisi Palayam, Salem-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Jaheer Amma Palayam village (Doc. No 382 84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th September 1984

Ref. No. 106|Feb|84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No. at Tamil Changam Road, Madurai situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Pudu Mandapam (Doc. No. 368|84) in Feb., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons. namely:—
52—316 GI[84]

B. K. C. M. Palanichamy,
 Bathra Kali Ammal Koil Lane
 North Masi Veedi, Madurai.

(Transferor)

(2) R. Alagendran and Bros. 171|1, North Veli St., Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Buildings: Door No. 56, Tamil Changam Road, Madurai, (Doc. No. 368[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J, Madras-600 006

Date 25-9-1984

FORM ITNS-

(1) A. Avana Nadar, South St., Dindigul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. T. O. T. Faul Raj, Pichai Moideen Lane, Periya Kadai Veedi, Dindigul.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th September 1984

Ref. No. 84|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Door No. 8, Kannara St., Periya Kadai Veedi situated at Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. II|Dindigul (Doc. No. 182|84) in Feb., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 10

Land and Buildings: Door No. 8, Kannara St., Periya Kadai Veedi, Dindigul. (Doc. No. 182|84).

PREMA MALINI VASAN
Compe ent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tav
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 25-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 25th September 1984

Ref. No. 110|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 562, K. K. Nagar, Madurai

situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Madurai (Thallakulam) (Doc. No. 406|84) on Feb' 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimaţi Lakshmi Venkataram, W|o K. Venkataram, No. 6, Third Cross St., K≯K. Nagar West, Madurai-20.

(Transferor)

(2) Sri N. Ramanathan, Slo N. Nagarajan, No. 2, Muthoorani North, Karaikudi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Ward No. 9A, K. K. Nagar West 3rd Cross St., Madurai. (Doc. No. 406[84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 25-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 29th September 1984

Ref. No. 112 Feb 84.—Whereas, f. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. 2, Third Street, P. T. Rajan Road situated at Madurai

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Madurai (Doc. No. 423 84)

on Feb' 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 N. R. Alagarawamy, 17, G. K. S. Nagar, Pappa Naicken palayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) P. Thanneermalai Chettiar, 24, Sivan Koil North St., Devakottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressinos used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Door No. 2, Third St., P. T. Rajan Rd., Madurai. (Doc. No. 423 84)

PREMA MALINI VASAN
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Madras-600 006.

Date : 20-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madias, the 29th September 1984

Ref. No. 115|Feb|84,--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land at Madurai situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Tallakulam (Doc. No. 632/84) on Feb' 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair marketh value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Aransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiation of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Nandalal Narayan Doss and others, 54, South Avani Moola Veedi, Madurai.

(Transferor)

(2) V. Ramachandran, 2, Rathinaswamy Nadar Road, Sokki Kulam, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any o fthe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice o nthe respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TAPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Race Course, Bharathi Ula Rasta, Door No. 16 and 17, Alagar Kovli Rasta Door No. 126, T. S. No. 831|1 etc. Plot No. 5. (Doc. No. 632|84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 20-9-1984

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 117 Feb 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land at Plot No. 715, Arinagar Anna Nagar, Madurai West Satha Mangalam situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Tallakulam (Doc. No. 650|84)

in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) PL. Umayal Achi, 36, Panthadi Thrid St., Madurai.

(Transferor)

PART III-SEC. 1

(2) C. Rajamanickam, 338, Anna Nagar, Madurai-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 715, Anna Nagar, Sathamangalam, Madurai. (Doc. No. 650|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 29-9-1984

FORM ITNS----

 Ponnuswamy Pillai, and others, Pannayar Street, Rajapalayam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. M. Subba Raja and others, T. P. Mill Road. Rajapalayam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 127 Feb 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Rs. 25,000|- and bearing l(ands at Rajapalayam, situated at Rajapalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Rajapalayam (Doc. No. 534|84)

in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lands at Rajapalayam (Doc. No. 534|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-flux
Acquisition Range-I, Madra-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006.

Madras, the 29th September 1984

Ref. No. 135|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

on Feb' 1984

Lands at Irumalai Nayakkan Pudukkudi Village situated at S.R. Puliyangudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Puliyangudi (Doc. No. 271/84) 282, 289/84

for an apparent consideration which is less than the fair markit value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ramaswamy Konar and another Punkayapuram.

(Transferor)

(2) Shri T. Karuppiah, Hulical Village, Hulical Post, Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Irumalai Naicken Pudukkudi village (Doc. 271|84), 282, 289|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 636|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 8-2-583|2

situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 3/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in abspect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

(1) Smt. Razia Begum, Wo Dr. Zaheei Ahmed, Barkat Village, Road No. 9, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ramesh Pershad and Others, Clo Surah Bhan and Co, Jwellers, Gulzar House, Pathargatti, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property bearing No. 8-2-583|2 at Road-9, Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1315|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 12-10-1084

- 1

FORM ITNS---

 Joshi Sethumadhavachar, Gandinagar, New Bakaram, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Renukaradhaya, 1-1-720|1, Gandhinagr, New Bhakaram, Hyderabad.

(Transferee) -

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 637|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot at situated at Gandhinagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally Feb. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property registered by the S.R.O., Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 275|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1084

(1) B. Mallareddy and Others, Domadugu, Narasapur Tq., Medak Dt.

(Transferor)

27097

(2) Mis. Vasra Chemicals Ltd., Nallakunta, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 638|84-85.-Whereas, I,

Rei. No. RAC. No. 638|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Land situated at Domadugu
(and more fully described in the schedule appeared hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) m the office of the Registering Officer at Narsapur on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter AXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Lands situated at Domadugu, Narsupur Taluk, Medak Dt., vide document No. 395|84 by the S.R.O., Narsapur.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date 12-10-1984 Seal:

FORM I.T.N.S.

 Shri P. Ranganatha Rao, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Syed Mahmood Hussain and Another, 63|MIGH, Prakashnagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. R.A.C. 639|84-85.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 63 MIGH.

situated at Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb. 1984

for an apparent consideration which a less than the fair market value o fthe aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION: -The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

APHB house bearing No. 63 MIGH, Prakashnagar, Hyderabad vide document No. 926 84, registered by the S.R.O., Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date 12-10-1084

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 10-2-317|16, Vijaynagar Colony, Hyderabad.

(1) Lt. Col. Chandwalker,

(Transferor)

(2) Mohd. Alam Ali Khan, Vijaynagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC 640|84-85.--Whoteas . 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No.

Rs. 25,000]- and bearing No.

10-2-317/16 situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kladitalabad on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been touly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1972 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 10-2-317|16, Vijaynagar Colony ,Hyderabad vide document No. 94|84 registered by the S.R.O., Khairatabad, Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 12-10-1984

(1) Fareeda Rai. 12-2-908 2 Brahamandanagar Colony. Hyderabad.

(Transferor)

[PART III-SEC.]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. A. Majeed, 11-3-824|1, Mallepally, Hyderabad.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

RAC. Ref. No. 641|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

27100

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 12-2-908 2 situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedu'e annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

(a) factitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as, are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 12-2-908|2 Brahamandanagar Colony, Zeha Bagh, Asifnagar, Hyderabad—Vide Document No. 300| 84 registered by the S.R.O., Khairatabad, Hyderabad.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

Date: 12-10-1084 Seal:

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. K.A. Aruna and others, XXI-71, SKD Colony, Adoni.

(Transferor)

(2) Shri Ch. Narayana Rao, Door No. 1, 1|156, Adoni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. 642|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. XXI-71 situated at Adoni.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Adoni in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liaberity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLAMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. XXI-71, SKD Colony, Adom, registered vide document No. 255|84 Feb. 1984 by the SRO, Adom.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 12-10-1984

FORM No. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX \CT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. 643|84-85.—Whoreas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinaster referred to as the 'sa'! Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/+ and bearing No. Salarjung situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khairatabad in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati S Swarnalatha, 9-4-86|58 at Salarjung Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Jahangir Khan, 10-5-274, 1st Lancer, Ahmednagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 9-4-86|58, Salarjung Colony, Shaikpet, Hyderabad vide document No. 7|84 registered by S.R.O., Khaitatabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

No. RAC. 644|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN Ref

MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. 10-4-41, Masab Tank, situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforestaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument ϕ^* transfer with the object of :—

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in piursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

nersons namely ---54-316GI|84

(1) Talwar Family Trust, Road No. 12, Banjarahills, Hyderabad

(Fransferor)

Shri Khaja Hamid Mohuddin, 6-1-129, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the a equisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3t days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops bearing Nos. 11 and 12 at 10-4-41, Masab Tank Sarojini Devi Road, Hyderabad vide document No. 772184 by the S.RO, Hyderabad

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ret. No. RAC. 645|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Flat No. G-11, situated at Panjagutta (and more fully described in the Schedu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (w) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons, namely:—

(1) M/s. Bhagyanagar Constructions, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Prasad Saxena, 20-2-370 Hussain Alam, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-11, Ground Floor at 11-4-656|1. Red Hills, Hyderabad, vide document No. 451 of February 1984 by the S.R.O., Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderebad (A.P.)

Date: 12-10-1984

Scal ·

FORM ITNS-- ---

(1) M|s. Virgo Constructions, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. T. Hemalatha, Flat No. 248, Block D, Panjagutta, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. 646|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Block D situated at Panjagutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on Feb. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

whichever period expires later;

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2458, Block D, Panjagutra, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 883 of Feb. 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the repressing property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-:

Date: 12-10-1984

(1) Ms. Virgo Constructions. Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. Anuradha, Wlo Narayanaswumy, Panjagutta, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Hyderabad, the 12th October 1984

Gazette.

Ref. No. RAC. 647/84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Block C, situated at Shop Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer

at Hyderabad on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . -

FYPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Shop Premises in Block C in Virgo Complex, Paniagutta, Hyderabad vide document No. 884|Feb., 1984 by the S.R.O., Hyderabad.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

soul :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. 648 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Virgo Constructions, Panjagutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Virgo Constructions, Banjara Hills, Hyderabad.

(I ransferor)

(2) Smt. T. Raina Kumari, Flat No 10-A, Block No. D, Panjagutta, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10-A., Block D, Virgo Complex, Panjagutta, Hyderabad Vide Document No. 976|84 by the S.R.O., Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Duto : 12 10 1984

(1) G. P. Balanna, Nandyai

(Transferor)

(2) M|s Lalita Estate Traders, Nandyal

(fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. 649|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

No. Land in Noonepolly, situated at Nandayal

at Hyderabad on Feb. 1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of Registering Officer at Nandyal in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds ethe apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a facilitating the reduction of crassion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propert

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in 416[1 at Noonepally, Nandyal registered by the S.R.O., Nandyal vide document No. 697 in February, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the saul Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namedly.....

Date: 12-10-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-1AX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. 650|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No Land situated at Kulluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Kurnool on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes or the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Lepakshi Traders, Kurnool.

(Transferor)

(2) Ms. Mahayeer Traders, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning regiven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Kalluv registered by the S.R.O., Kurnool vide document No. 794 in Feb. 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dato: 12-10-1984

NOTICE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Hyderabad Builders, 5-8-59, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Bader Banu, 702, Mogal Apartments,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. 651|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House No. 1, situated at Basheerbagh, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION '--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property registered under document No 1227 by the SRO Hyderabad in Februaray 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-10-1984.

(1) Shri Pirojsha Pestonji Bebara, 4-1-919, Dinabad Estate, Tilak Road, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kohta Lakshmi Rani & Others, 5-9-22|37, Adarshanagar, Hyderabad.

. . 18 be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderahad (A.P.), 12th October 1984

RAC. Ref. No. 652|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Compe.ent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Open Plot situated at New Bakaram

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Feb. 19981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in re part of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the curposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Art or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Hughes Town, New Bakaram, Gandhinagar Hyderabad registered by SRO, Hyderabad vide documert No. 208 Fib. 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the placesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

Seal:

55--/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 12th October 1984

RAC. Ref. No. 653 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have icason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

No. Puthbowli, situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen mper cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the same Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facinating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the i 'owing persons, namely:—

(1) 116. Engganaga Constructions Pvt. Ltd., 5 1 950. Pull rowli Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sh.i K. V. Nagayana, 22-5 64, Charkaman, Hilderabed.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prope ty registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 661 in February, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P), 12th October 1984

RAC Ref. No. 654 84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Putlibowli, situated at Hyderabad,

(and more fully described in the sch dule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Hyderabad in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not seen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

(1) Mis. Bhagyanagar Constructions Pt. Ltd. 5-1-908, Putlibowli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri V. A. Saiprasad Reddy, 3-6-702, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the understance :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in Putlibowli, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 648 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

FORM I.T.N.S.—

- (1) Mis. Bhagyanagar Constructions Ltd., Rep. by its Chairman and others, Putli Bowli, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shu V. M. Financial & Leasing Company, Rep. by V Sarada Gaganmahal, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 12th October 1984

RAC. Ref. No. 655|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No

Puthli Bowli, situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O., Hyderabad in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of .

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a partial of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AKA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered under the jurisdiction of S.R.O., Hyderabad vide documents Nos. from 890 to 905 of Feb. 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISATION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 12th October 1984

RAC. Ref. No. 656|84-85.—Whereas, I, M. Ji CAN MCAAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Bashcerbaga situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderaind on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to celieve that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said 2 or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the atoreasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Hyderabad BuildIrs, 5-8-59, Basheerbagh Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kum. M. K. Ananda Devi, 10-2-262|263. East Maredpally, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered with the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1228 in February 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

Scal:

FORM ITNS------

(1) Hyderabad. Builders. 5-8-303 33 Babukhan House, Rasoolpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Faiida Banu, 1-8-303|33, Babukhan House, Rasool Pura, Hydeiabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 12th October 1984

RAC. Ref. No. 657|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Basheerbagh, situated at Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb. 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleed per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered under Document No. 1125 vide S.R.O. Hyderabad in the month of February 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Date: 12-10-1984

persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (AP), 12th October 1984

RAC. Ref. No. 658|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Portion of House, situated at Basheerbagh, Hyderabad, (and more fully described in the Schoole annexed nereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hyderabad Builders, 5-8-59, Basheer Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sm. Sarwaruanisa Begum, 6-3-1111|4 'Saher' . . Mishat Bagh, Layout, Begumpet, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House along with open terrace in Mch. No. 5-9-60m Basheerbagh, Hyd mabad vice Document No. 1126 of SRO, Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

FORM ITNS----

(1) Hyderabad Budders, 5-8-59 Bosh reagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Sy., in C. Balilban, 6-3-1111, Somajiguda, Hyde abad.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (AP.), 12th October 1984

RAC. Ref. No 659|84-85.—Wherlas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000 and bearing

No. open Terrace 5-9-60 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Hyderabad on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market velor of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of itemsfer with the object of:

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transfer or to pay tax under the said Act, in
 reserve of any income arising from the transfer,
 and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, manuely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaul persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Open Terrace No. I, in 5-9-60, Basheer Bagh, Hyderabad vide Document No. 1133, S.R.O. Hyderabad in February, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Informatics
Acquisition Rance to cachel (A.P.)

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 12th October 1984

RAC. Ref. No. 660|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
No. Open Parking Place situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O., Hyderabad, in February 1984 for an annarate consideration which is less than the following the form an annarate consideration which is less than the following the form an annarate consideration which is less than the following t

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Hyderabad Builders, 5-8-59, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rekha Reddy, 6-3-1219[1]2 Begumpet,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Parking Place at Bashirbagh, Hyderabad vide Document Nos. 1129, 1130, 1131, and 1132 by the S.R.O., Hyderabad in February 1984.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-56-316 GI]84

Date: 12-10-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 12th October 1984.

RAC. Ref. No. 661|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 0001, and bearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Open Garage, situated at Basheerbagh, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1084

of the Registering Officer at Hyderabad on Feb. 1984, for an apparent consideration which is less than the fair Jmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Hyderabad Builders, 5-8-59, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Abeda Banu, 707, Minar Apartments, Deccan Towers, Bashoerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this softee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garrage at Basheerbagh registered under Document No. 1127|Feb. 1984 with the S.R.O., Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. M. Anasuya and Others. Karimnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Kapil Chit Funds (P.) Ltd., 3-5-150/14, Gandhi Road, Karimnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. 662|84-85.—Whereas I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Open Plot situated at Jagtial (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Karimnagar in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot of land near Tri-Junction leading from Karimnagar and Jagtial and Peddanalli, Karimuagar ment Nos. 644 and 568 of S.R.O., Karimuagar.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. 663|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Open Plot situated at Jagtial

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karimnagar in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. M. Anasuya W|o Shri M, Hanmantha Rao and others, Karimnagar.

(Transferor)

 Mjs. Silps Finance and Investments (P) Ltd., 3-1-147, Vijay Raghunandan, Karimnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Open Plot of land near Tri-Junction leading from Karlmnagar to Jastial and Peddapalli Karimnagar under Document Nos. 572 84 and 605 84 by the S.R.O., Karimnagar.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.).

Date: 12-10-198/

(1) M|s. Vishnu Industries, Karimnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Vijayalaxmi Industries, Alugnuru, Karimnagar Dist.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 664|84-85.—Wherens I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 25 000 and beging No.

Rs. 25,000 and bearing No. S. No. 381 A situated at Alugnuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karlmnagar in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evaston of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lator;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No.381|A, admeasuring Ac. 3-15 Guntas at Alugnuru, registered with Sub-registrar, K. Nagar vide Doc. No. 805|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
89-306 GI|84

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. Nooruddin & onte other, 11-4-650, Lakdikapool, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd, Abdul Saber Slo Mohd. Nizamuddin Saheb & Others, 11-4-650, Lakdikapul, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 665|84-85.-Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

11-4-650 situated at Lakdikapoor, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers 184/cr

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 11-4-650, Lakdikapul, Hyderabad registered with sub-registrar, Hyderabad vide Doc. No. 1201 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 12-10-1984

FORM 11NS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 666|84-85.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

10-B situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Virgo Construction, Rep. By. Shri B. N. Reddy, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. D. Vijayalaxmi W|o Shri D. K. Reddy, Flat 10B, Panjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10B in Virgo Complex, Panjagutta, Hyderabad registered with S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 975|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 12-10-1984 Seal ;

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 15th October 1984

Ref. No. RAC. No. 667|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No
Land situated at Bommarasipet village, R. R. Dt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at R. R. Dt. in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Sri M. Subba Raju and Others, Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

 (2) Smt. K. V. Rukkamma Wo
 Shri K. V. Reddy,
 2-6-207, Chandulal Bowli, Sikh village, Secunderahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 10 acres situated at Bommarasipeta village, R. R. Dt., registered by the S.R.O., R. R. Dt., vide document No. 1195/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 15th October 1984

Ref. No. RAC. No. 668|84-85.—Whereas 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No. House situated at Mehdipatnam, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :-57-316 GI|84

(1) Sri Md. Dawood Goorl. Rio 12-2-330 A2, Mehdipatnam Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Omer Bin Abdullah and 3 Others, 12-2-330|B|3, Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

House property bearing No. 12-2-330|B|3, Mehdipatnam, Hyderabad, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1217 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 15-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Suryamukhi Enterprises, 1-8-563/2, R.T.C. X Roads,

Koliapur village, Tg.

(Transferor)

Hyderabad.

(1) Sri K. Chinna Survanatavana and Other,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 669 84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Land situated at Charminar X Rds, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons uplication period avairage later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1815 sq. yds. situated at 1-8-563|2, Charminar X Roads, Azamabad, Hyderabad, registered by the SRO., Chikkadpally vide document No. 153 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 15-10-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 234|84-85.—Whereas I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

House situated at Islampet, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eacht to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. Venkata Naganjaneya Srinivas, Vijayawada.

(Transferor)

 Sri D. Sriiama Murthy Slo Sri Venkatesham,
 D. No. 11-5-9, Islampet,
 Vijayawada,

(Transferec)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 11-5-9, Islampet, Vijayawada, registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 1039]84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 12-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 235|84-85.—Whereas I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |and bearing No.

Land situated at Kasturbaipet, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in recpect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sii P. Raghu Prasad So late Sii Venkata V. Prasada Rao, Suryaraopeta, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Srimati P. Padmamani Wlo Sri Durga Prasad, Tenali.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 729 sq. yds. of land situated at Kusturbaipet, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 656|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Scal:

Date: 12-10-1984

ing persons, namely :--

(1) Sri A. Anjaneyulu, Poolabavi Street, Vijayawada-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri K. Sai Venkata Satyanarayana and Others, Majjivari Street, Vijayawada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 236|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. House situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijnyawada in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Poolabavi Street, Vijayawada-I, registered by the S.R.O., Vijayawada vide document Nos. 1160, 1161 and 1159 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 237|84-85.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Land situated at Nellore Tq. (and more fully described in the Calabeta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value f tohe aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to by tax under the said Act, an respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri M. Subbarayudu Slo Shri China Kasayya, 12-1535, Giddangi Street, Nellore.

(Transferor)

(2) Sri M. Srinivasulu Slo Shri Guravayya, Managing Partners Amaravathi Real Estates. 5|388, Stone House pet, Nellore.

(Transferée)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7 acres situated at Kakutur village, Nellore Tg., Registered by the S.R.O., Nellore vide Document No. 925, 926 and 927|84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ters.
Acquisition Range, Hydersbad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

has been transferred.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 238|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land situated at Mogalrajpuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office

at Vijayawada in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Sri K. V. Bhanu Prasad, Benamakuru.

(Transferor)

(2) Dr S. Venkata Bhuvaneswara Rao, Vungutur, W.G. District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this meties in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site situated at Mogalraipuram. Vijayawada admeasuring 904 sq. yds. registered by the \$.R.O. Vijayawada vide document No. 672, 671/84.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984,

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 239|84-85 —Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House & Land situated at Patamata, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vijayawada on February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sii M. Panduranga Rao, slo. Krishna Muthy, Vijayawada,

(Transferor)

 Sri P. Venkateswara Rao, slo Parasuramayva, Krishna Lanka, Vijayawada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property with site situated at Autonagar, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 972|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984,

Scal :

27135

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

'ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref No. RAC. No. 240|84-85,—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25000|- and bearing No.

House situated at Labbipet, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beheve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. pamely:—

58-316 GI/84

(1) Shri J. Rajeswara Rab, Satyanarayanapuram. Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri M. Suryanarayana and Seetharamayya, Governorpet, Vijayawada-2.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Labbipeta, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 1096/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984,

Scal :

(1) Sri P Venkatapathi Raju and Others, Goteru, Tanuku Ta., W.G. District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Suryanatayana and Others, Undi, Akivedu Tq., W.G. District.

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 241|84-85.—Wherens, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Rice Mill situated at Undi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Undi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be d clored by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 day from
the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill "Srl Seetharamanjeneya Rice Mill, N.R.P. Agraharam Undi, admensuring 8400 sft.. plinth area and 3-47 acres land registered by the S.R O., Undi vide document Nos. 237, 236|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 242|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Cinema Hall situated at Chebrolu, Tenali Tq., Guntur Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chebrolu in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri G. Lakshmipathi and Others, Chebrolu, Tenali Tq., Guntur District.

(Transferor)

(2) Sti T. Lakshmi alias Subbayyamına and Others. clo Sri Krishna Picture Palace, Chebrolu, Tenali Tq., Guntur District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Hall in Chelifolu village in Tenali Taluk, Guntur District, registered by the S.R.O., Chebrolu vide document No. 185, 183 and 184|84,

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984.

Scal:

(1) Sri M. Krishna Rao and Other, Agiripalli, Nuzvid Tq., Krishna District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri D Venkata Subba Rao and Others, Labbipet, Vijayawada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th October 1984

Ref. No. RAC. No. 243|84-85.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Land situated at Nuzvid Tq., Krishna District has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

at Nuzvid in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notrce in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Agiripalli village, Nuzvid Tq., Krishna District, admeasuring 77 cents registered by the S.R.O., Nuzvid vide document Nos. 296 and 297/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th October 1984

Ref. No. 244|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Land situated at Thallampadu Khammam Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer

Khammam in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri U. Ramaiah, Thallampadu Village, Khammam Dt.

(Transferor)

(2) Chaitanya Stoneware Pipe Industries Pvt. Ltd., 2-3-138, Gandhi Chowk, Khammam 507003.

(Transferce)

"Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 acres situated at Thallampadu village, Khammam registered by the S.R.O., Khammam vide document No. 442 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|37EF|2-84|340.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 130 A|F situated at Wazırpur Bhag I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

O. P. C. Verma,
 M. P. Flats, D. I. Z.
 Area Kali Bari Apartment,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Har Charan Singh Chawla, Sh. Prem Singh Chawle, A-107, Wazirpur Group Industrial Area, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 130A, Block E, Wazirpur, Residential Scheme, Phase I, Delhi Mg. 200 S. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OOVER MENT OF THE ME

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4[14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]37EE[2-84]342.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00|- and bearing

No. RJI-435 situated at 10 Wazirpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rajsudha Tower Pvt. Ltd., 52A Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushma Jain and Paritosh Jain, A-60, Gulmobar Park, Opp. Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RJI-435, (Upper ground floor) 18 Wazir-pur Centre, Delhi Mg. 67.50 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4|14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Chemi Rang,

(Transferor)

(2) M|s Chemi Rang, 1 Budli Station Road, Samepur, Delhi.

(1) Rajsudha Tower Pvt. Ltd., N-52A, Con. Place, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EF/2-84/343.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 252 situated at 29 Wazirpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

bility t, in

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RAN 252, (upper ground floor), 29 Wazir-pur Commercial Complex, Delhi. Mg. 59 Sq. Ft.

R. P. RAJESII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. P. C. Tanela, College Road, Pathankot,

Į.

(Transferor)

(2) Sh. K. N. Chawla, College Road, Pathankot.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|2-84|344.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. A|8-9 situated at Dr. Mukherjec Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1008 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons isomely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-8-9, Community Centre, Dr. Mukherjee Nugar, Civil Line, Delhi, Mg. 538 Sq. Ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il. Delhi New Delhi

Date: 15-10-1984

Scal:

59 -316 GT 84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4[14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. 1AC|Acq.II|37EE|2-84|345.—Whereas, I, R. P. RAJFSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. D-404 situated at New Subzi Mandi Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer,
 and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ton Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows persons, namely:—

(1) Sh. Pishori Lal Singh, 11-A, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferoi)

(2) Sh. Leela Rum Khem Chand and Lachman Dass & Sons, D-1324, New Subzi Mandi, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No D-404, New Subzi Mandi, Delhi Mg. 636 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ramo-H
Delhi[†]New Delhi

Dute: 15-10-1984

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. 1AC|Acq.II|37EE|2-84|346.--Whereas, I, R. P. RAIESH,

R. P. RAIESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. 310, situated at Dr. Mukherjee Nagar, Commercial Complex, Delhi (and move fully described in the Schedule appeared bearets).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mls Delhi Commercial Builders, Adinath Shree House. Opp. Super Bazar, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Kumari Nisha Aggarwal Do Radhey Shyam Aggarwal, Naya Talab, Satna (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the auquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 310 Jaina House, Ext. Dr. Mukherjee Nagar, Community Centre, Delhi. Mg. 424 Sq. Ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. New Delhi

Dute: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(1) Delhi Commercial Builders.

Adinath Shree House,

(1) Smt, Inder Bala Wio Sh. Ghansnayam Dass, Naya Talab Satna, M.P.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.Π|37EE|2-84|347.—Whereas, 1, SH. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. DC-16 situated at Dr. Mukherjee Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given I in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. DC-16, (Ground Floor) Dr. Nagar Community Centre, Delhi Mg. 215 Sq. Ft. Dr. Mukherjee

> R P. RAJI-SH Competent Authority 1 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dute 15-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. 1AC|\uq.II\37E\|2-84\347-\.-Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 130A Block No. E situated at Wazirpur Residential Scheme Industrial Area, Delhi-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the nair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. O. P. C. Verma s/o Sh. C. C. Verma, 6 M.P. Flats, D.I.Z. Area Kalibari Apartments, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Hatcharan Singh Chawla sjo Sh. Prem Singh Chawla A-107 Wazirpur Group Industrial Area, Delhi-52.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Outcal Gazette.

EVILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 130 A Block No. F Wazirpur, Residential Scheme, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date: 15-10-1984

FORM ITNE

 Dr. Neelam Soni and Veena Malik, B-9, Mohan Nagar, Ghaziabad, U.P.

(Transferor)

(2) M|s. Goel Coal Co., Depot. No. 1, Commercial Complex, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|2-84|348.—Whereas, I, \cdot R. P. RAIESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. 112 A-4 I situated a Azadpur Commercial Complex, Delhi

final more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 112, A-4|1, Azadpur Commercial Complex, Delhi. Mg. 353 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi|New Delhi

Date: 15-10-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALJ ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|2-84|349.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. SF-209 situated at Dr. Mukherjee Nagar, Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saki Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Delhi Commercial Builders Pvt. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pawan so Shri Ghanshavam Dass, Nava Talab, Satna (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. SF-209, Jaina House Ext., Dr. Mukherjee Nagar, Delhi (Commercial Complex) Mg. 359 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authorn Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Dathi

Date: 15-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMI-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s, Delhi Commercial Builders Pvt. Ltd. Adinth Shree House, Opp. Super Bazai, Connaught Place, New Delhi.

(Trans Lor)

(2) Shii Ghan Shyam Dass slo Shri Rameshwai Diss., Nava Talab, Satna, (M.P.).

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC[Acq. II]37EE|2-84|350.—Whereas. I SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. DC-10, situated at Dr. Mukherjee Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (i) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property any be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as great in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. DC-10, Dr. Mukherjee Nagar, Jaina House Ext., New Delhi Mg. 182 Sq. ft.

R. P. RAIFSH Competent Authoria Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-II, Delhi_iNew Delhi_i

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1984

Scal::

(1) M|s. Delhi Commercial Builders Pvt. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Kumari Sangeeta Aggarwal, s|o Shri Radhey Shyam Aggarwal, Naya Talab, Satna (M.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|2-84|351.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

309 situated at Dr. Mukherjee Nagar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oc:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 309 Jaina House Ext., Dr. Mukherjee Nagar, Delhi Mg. 359 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi.

Date: 15-10-1984

Seal:

Anow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

60-316GI 84

(1) M|s. Delhi Commercial Builders Pvt. Ltd. Adinth Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Pankaj Aggarwal, Slo Shri Ghanshyam Dass, Naya Talab, Satna (M.P.).

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|2-84|352.—Whereas, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 101 Plot No. A-31|34 situated at Dr. Mukherjee Nagar,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February 1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 101 Plot No. A-31|34, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi Mg. 526 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tual Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

Date: 15-10-1984

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said persons, namely :---

(1) M[s. Delhi Commercial Builders Pvt. Ltd. Adinith Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Veena Bharat Pd., K-72 A, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, 4/14A ASAF ALL ROAD. **NEW DELHI**

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|284|353.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and beating No 1-2, Plot No A-31|34, situated at Dr. Mukherjee Nagai, Dalkie

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as exceed to have an that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions use herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

I-2 Plot No. A-31|34, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi Mg. 361 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rangell, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-10-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Kanwal Nayan & Sons, 10|1098, Nammiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(2) Ms Goel Coal Co., Depot No. I, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi, (Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC Acq.II | 37EE | 2-84 | 354.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

108 A-4-1, situated at Azadpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the 'transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 108 A-4 1, Azadpur, Delhi Mg. 462 Sq. ft.

R. P. RAJESF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition RangeII, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15-10-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|2-84|355.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believ that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs: 25,000|- and bearing

No. B-15, situated at Ashok Vihar-II, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regulations Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair morket value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mole than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 jof 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tara Singh, 8450, Jaina Bldg., Roshanara Road, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Smt. Krishan Sachdev, Shri Ravinder Sachdev, Shri Vijay Kumar and Shri Virender Kumar, C-2|11, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-1|5, Bhag II, Ashok Vihar, Delhi Mg 2500 sq. 1t.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 15.10-1984.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|2-84|356,—Whereas, I. SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. D-1364 situated at DDA, New Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), had been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jagdish Rai S'o Sr. Tek Chand, 6/2183, Shora Kothi Subzi Mandi, Delhi.

(2) Shri Yogesh Kumar slo Shri Bhagwan Dass. BK-2[12, Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein' as are defined in Chapter XXA of the eaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-1364 DDA New Subzi Mandi, Azadpur, Delbi

R P. RAJESTI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the section of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15.10-1984.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Jatinder Khanna, A-47, G.T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Sarup Satija, (H.U.F.), 1380, Dr. Mukettee Nagar, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, 1/14A-ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37-EE|2-84|357.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 13586 situated at Dr. Mukerjee Nagar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid averaged the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Mazznine Space No. II in Building No. 13586, Dr. Mukerjee Nagu, Delhi, Mg. 450 Sq. f.t.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 1/14A-ASAF ALL ROAD
NEW DFLIII

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC| Λ cq.|II|37-FF|2-84|358.- Whereas, I, R. P. RAIFSH.

being the Competent Authority

under Section 26°D of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000'- and bearing

No. 287 Plot No. A|2 situated at Nazatgarh Road, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, ir pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M|s. Shivlok Properties, Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Master Monsh Moded, Slo Sh. Suraj Bhan Mudgal, WZ-1877, Multani Mohalla Rani Bagh, Delhi. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 207 Plot No. A|2 Nazafgarh Road, Delhi, Mg. 500 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 15-10-1984

(1) Smt. Chander Suri, Wo Sh. R. P. Suri, 3-5/181A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) T. M. Apartment Pvt. Ltd., Admath Shree House, Opp. Super Bazar, Con Circus, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 1]14A-ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC[Aca [II]37EF]2-84[359 -- Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. 411, Plot No. A-4 1 situated at Azadpur Commercial Complex, Delhi

fund more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the conceulment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—316GI[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 411 Plot No. A-4[1, Azadpur Commercial Complex, Delhi. Mg. 353 Sq. ft.

R. P., RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 1/14A-ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.|II|37EE|2|8-84|360.—Whereas, I, R. P RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. I-7 Plot No. A-31|34 situated at Dr. Mukherjee Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Delhi Commercial Builders, Pvt. Ltd., Adınath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Bharat Prasad, Wio Sh. B. K Prasad, K-72|A, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. I-7, Plot No. A-13|34, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi. Mg. 263 Sq. ft.

R P, RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 15-10-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s. Rajendra Properties Pvt. Ltd., N-52A, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vipin Jain, 1422 Gali Bazar, Sitaram, Delhi-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 1/14A-ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|2-84|361,--Whereas, I R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 5A/4, situated at Roop Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; no \ bas
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. R JV-5A (Basement) 4 Roop Nagar, Delhi. Mg. 29 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D; of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-10-1984

FORM (TNS--

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37-EE|2-84|362.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Space No. 2, A-25 to 27, situated at Dr. Mukerjee Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Col. P. R. Govind, So Dr. Rajinder Ptd., M-33A, Greater Kailash Part-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Usha Arora, Wio Sh. Satish Sachdeva, Clo. Mis. S. K. Traders, Parade Jammu Tawi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a regiod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. Space No. 2 Jyoti Bhawan Plot No. A-25 to 27, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi. Mg. 235 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 15-10-1984

: لست

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. Mohinder Pal Singh and Smt. Amrit Kaur, G-3|78, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) T. M. Apartment, Pvt. Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.|11|37EE|2-84|363.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 287F A-4|1, situated at Azadpur Commercial Complex, Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

1 -

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 287, A-4|1, Azadpur Commercial Complex, Delhi. Mg. 287 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-10-1984

Seal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC[Λcq.]II|37-EE|2-84|364.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. 1-F-7 Plot No. A-31 situated at Dr. Mukherjee Nagar, Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belie that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Mohinder Pal Singh and Smt. Amrit Kaur, G-3/78, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Delhi Commercial Builders, Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1-F-7 Plot No. A-31|34, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi. Mg. 27 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authoriv
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi.

Date : 15-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) T. M. Apartment Pvt., Lt., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor) (2) Dr. Mohinder Pal Singh and Smt. Amrit Kaur, G-3|78, Model Town, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq. [II|37EE|2-84|365.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. 1-4A, A-1/2, situated at Azadpur Commercial Complex, Delhi.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pot cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 1-4A A1|2, Azadpur Commercial Complex, Delhi. Mg. 500 Sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 15-10-1984

Scal:

FORM ITNS----

(1) T. M. Apartment Pvt. Ltd., Adinath Shree House, Opp Super Bazar, Con Circus, New Delhi.

(Transferou)

(2) Smt. Kushan Katyal, W.o Sh. V. P. Katyal, A-7, R. P. Bagh, Delhi-7.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.|II|27-EE'2-84|366. --Wheteas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the ammovable property Laving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. I-9, A-1|2 situated at Azadpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1-9, Plot No. A1|2, Azadpur Commercial Complex, Delhi. Mg. 300 Sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date ' 15-10-1984

FORM NO. I.T.N.S-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Smt. Chameli Devi wo Shri Baru Mal Jain, 4596 2, 11 Daryagani, New Delhi.

(1) Shri Nagar Mal Jaipuria so Late Shri Madan Lal

karta M|s Nagar Mal Suresh Chander B-84|1, Okhla Industrial Area, New Delhi.

(Transferee)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No IAC Acq II SR-1 2-84 991. - Whereas, I,

SHRI R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 1864-65 Ward No 11 Private No. 22 situated at Mahalaxmi Market, Bhagirath Palace, Delhi

(and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer

at New Delhi'on February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been 'truly stated in the said estrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/c-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the ·Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1864-65, Ward No. 11 Private No. 22, Malalaxmi Market Bhagirath Palace, Delhi Mg. 48 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

No therstory in pursuance of End of 26% of the said Act. I kereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 15.10-1984.

FORM TINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME IAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAN ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.H|SR-1|2-84|992.--Whereas, I.

SHRI R. P. RAJESH, being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,00 - and bearing No.

MPL No. 1865 Private No. 22 situated at Mahalaxmi Murket,

Bhagirath Place, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1937 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

(1) Shir Nagae Mal Jaipinia, so Late Shir Madan Lal, karta of M/s Nagarmal Suresh Chandet, B-8411, Okhla Ind. Area, Ph-II, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chameli Devi wlo Shri Baru Mal Jain. 4596 2 11 Daryagani, Delhi

(Transferce "

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1865 Private No. 22, Mahalarmi Market, Bhagirath Place, Delhi Mg 35 Sq. Yds

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. New Delhi

Now, therefore, in pausuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 15,10-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|993.—Whereas, I. SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the meometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. G-30-A situated at Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

it New Delhi in February 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Om Parkash Puri slo Late Shri Chunni Lal, G-30-A, Kirti Nagar, New Delhi through his general attorney Shri Sudershan Kumar Malhotra slo Shri Ram Lal Malhotra, 3/115A Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Boota Ram Bajaj so Shri Des Raj Bajaj. D-2. Kirti Nagai, New Delhi.

(Transferee)

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PERPEANATION. -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Not shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-30-A, Kirti Nagar, Delhi alongwith land beneath the same area of Village Bassai Darapur, Delhi $M_{\rm Z}$ 100 Sq Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Seal:

Date: 15 10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II'SR-1|2-84|994.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2114 to 2117 to 2124 to 2126 situated at Manid Khazeor Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the ollice of the Registering Officer

at New Delhi in February 1984

for an apparent consideration which is less than the tan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ladli Mohan slo Shri Gopal Chand, 2113 Masjid Kahzoor, Delhi.

(Transferor)

(2) I Shri Chhedi Lal slo Shii Jai Ram, 2, 5mt, Panna Devi wio Shri Chhedi I al 3, Shii Laxmi Naram 4, Shri Om Parkash, 5, Shri Vinod Kumar all three sons of Shii Chhedi I al, 2119, Masjid Khazooi Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and capter-stone used bettern as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning or given that Chapter

THE SCHEDULL

1th share in property No. 2114 to 2117 to 2124 to 2126 Masiid Khazoor, Delhi Mg. 261 sq. vds. out of 106 sq. vds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Asquisition Range-II, New Delhi,

Date : 15 lb 1984, Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD.

NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref., No. IAC|Acq. II|SR-1|2-84|1000.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3424, Ward No. IX situated at Gali Murghan alias Gali Bajrang Bali, Bazar Sitaram, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Raghvir Pratap Ojha soo Late Shri Pt. Sh. Ram, 4 Kumawat Colony, Katipura, Road Jhotwara. Jaipur (Rajasthan) now at 3424 Gali Bajrang Bali Bazar Sitaram, Delhi, 2 Shri Ashok Kumar Tiwari soo Late Shri Ram Pratap Tiwari, F-29 Jamna Lal Bajaj Road, C-Scheme, Jaipur (Rajasthan) now at 3424 Gali Bajrang Bali, Bazar Sitaram, Delhi self and Special attorney of his brother, 3. Shri Parmod Kumar Tiwari soo Late Shri Ram Pratap Tiwari and 4. Smt. Sarojini Tiwari wdo Late Shri Ram Pratap Tiwari F-29 Jamna Lal Bajaj Road, Jaipur now Chittorgarh (Rajasthan) vide Spl. Power of Attorney.

(Transferor)

(2) 1. Shri Babu Ram so Shri Ishwari Pd., 2. Shri Satish Chand 3. Shri Patdeep Kumar 4. Shri Sunil Kumar sons of Shri Babu Ram & Master Sandeep Kumar minor son of Shri Babu Ram ander the natural guardianship of his father Shri Babu Ram, 3424 Gali Bajrang Bali, Bazar Sitaram; Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3424 Ward No. IX, Gali Murghan alias Gali Bajrang Bali, Bazar Sita Ram, Delhi Mg 83 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 15.10-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-II 41,14A ASAF '11 ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi the 15th October 1984

Ref. No. IAC Acq.11|SR-1|2-84|1001.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 3424, situated at Gali Murgnan alias Gali Bajrang Bali,

Bazar Sitaram, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer

at New Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proporty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such a parent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Smt. Daropati Devi Wdlo late Sh. Bishambar Nath
 - 2. Sh. Siri Niwas &
 - 3. Sh. Phool Chand Sslo tate Sh. Bishamber Nath, B-10|13 Krishan Nagar, Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Babu Ram So Sh. Ishwari Persad
 - 2. Sh. Satish Chand
 - 3. Sh. Pradeep Kumai
 - 4. Sh. Sund Kumar Sslo Sh. Babu Ram and Master Sandeep Kumar minor Slo Sh. Babu Ram under the natural guardianshipyof his father, 3424 Gali Bajrang Bali, Bazar, Sitaram, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3424 Gali Murghan alias Gali Bajrang Bali, Bazar Sitaram, Delhi Mg. 83 Sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 15-10-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|2-84|1002.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Ward No. IX|3424 situated at Gali Bajrang Bali Bazar Sitaram, Delhi

has been transferred

PART III—SEC. 1]

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sh. Hari Ram Soo late Sh. Ram Krishan Dass.

2. Sh. Ram Pal.

3. Sh. Dharam Pal and 4. Sh. Dev Dutt Sslo Sh. Hari Ram 190 Nai Basti

Ram Ganj Ajmer now at 3511 Gali Bajrang Bali Bazar Sitaram, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Babu Ram Slo Sh. Ishwari Persad

2. Sh. Satish Chand

Sh. Pradeep Kumar
 Sh. Sunil Kumar Ss|o Sh. Babu Ram and Master Sandeep Kumar minor
 Slo Sh. Babu Ram under the natural gua

Slo Sh. Dabu Ram under the natural guardianship of his father Sh. Babu Ram 3424 Gali Bajrang Bali, Bazar Sitaram, Delhi.

(Transferee:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No IX-3424 Gali Bajrang Bali, Sitaram, Delhi. Mg. 83 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
4 14. Asaf Alı Road, New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A, ASAF ALL ROAD NLW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No IAC|Acqn II|SR-1|2-84|1003—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Isaid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and beauty No 6, saturted at Naya Bans Opposite Masjid Tenwar Khan, Delhi-6 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registration and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitation the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the old Act or the Weillh tix Act, 1937 (27 of 1957).

 Smt Rasida Fegum alias Rasida Khatun Wo Sheikh Modh Yusuf, 2128, Ahata Kaley Shaib Gab Qasam Jan, Ballimaran, Delhi. (Transferor)

(2) Sh Arun Sarda So I ate Sh Shiv Narain Sarda, 1833 Bhaga th Palace Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No 6386 and 6387 Ward No 6, Naya Bans Opposite Maspd Tenwer Khan, Delni 6 Mg 7952 sq yds

R P RAJESH
Competent Authority
Projective Assisting Competent of Income-tagget
Acquisition Range II New Delhi

Nov, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initial e proceedings for the acquisition of the atores of power's with a solid fithis notice index subsection (1) of Section 25°D or the said Act to the following persons, and ely .—

Date · 15-10-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1004.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competen. Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. 2533, situated at Sarak Prem Narain, Bazar Sitaram,

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morthan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

. Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

63-316GI|84

(1) Sh. Om Parkash Jain Slo Sh. Faqir Chand Jain, F-14|43, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Surendra Kumar Jain So Jagdish Pd. Jain 2533, Sarak Prem Narain, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2533, Sarak Prem Narain, Bazar, Sitaram, Delhi. Ward No. IX Mg. 110 Sq. Yds.

R. P. RAJESII
Competent Author'ty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1005.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

2533, situated at Sarak Prem Narain, Bazar Sitaram, Delhi Ward No. IX, Delhi-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Om Parkash Jain Slo Sh. Faqir Chand Jain, 14|43, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Kumar Jain Slo Sh. Jagdish Pd. Jain, 1734, Nai Sark Naya Bazar, Delhi (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st, 2nd & 3rd floor of property No. 2533, Sarak Prem Narain Bazar Sitaram, Ward No. IX Delhi. Mg. 110 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Date: 15-10-1984

(1) Sh. Rum Gonal Talwar Slo Sh. Dina Nath 1024|1 Phatak Mustiwalan, Daryagani, Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Chander Wati Wlo Sh. Som Nath, 1546 Su walan, Daryagani, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4|14A AS.AI: ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1008.—Whereas, I, R. P. RAJESII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 1024|1 situated at Phatak Muftiwalan, Daryagani, Delhi

1024 1 situated at Phatak Muftiwalan, Daryagani, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on Fcb, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 1024[1, Phatak Mufti Walan, Daryaganj, Delhi Mg. 111 Sq. yds. out of 169 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1009,—Whereas, 1, R. P. RAUESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the miniovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 4906, 1907 and 4908 Ward No. XII situated at Katra Imliwala, Aryapura Subzi Mandi, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on Feb. 1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the hoden Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) Sh. Man Singh Slo Sh. Mangat Singh and Raghuvir Singh Slo Sh. Hari Singh 26|42 Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Devi Wo Sh. O. P. Rajput, 4968, Chauk Mata Mandir Aryapura, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 4906, 4907 and 4908 Ward No. XII, Katra Imliwala Chowk, Subzi Mandi, Delhi Mg. 140 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II

Date : 15-10-1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.H|SR-1|2-84|1010.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 4906, 4907 and 4908 Ward No. XII situated at

Katia Imliwala, Aryapura Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Sh Man Singh So Sh. Mangat Singh and Raghuvir Singh So Sh. Hari Singh 26|42 Punjabi Bugh, New Delbi.

(Transferor)

(2) Sh. Om Parkash Slo Sh. Ganga Pershad 4668 Chauk Mata Mandir, Aryapura, Subzi Mandi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4906, 4907 and 4908 Ward No. XII, Katra Imliwala Chowk. Subzi Mandi, Delhi Mg. 140 Sq. Yds.

> R. P. RAJESI Competent Authori' Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Range-II, New Del'

Date: 15-10-1984

Seal a

. -----

FURM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 '43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|2-84|1811.--Wherens, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value **xceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 4906, 07 and 08 Ward No. XII situated at Katra Imliwala Aryapura, Subzi Mandi, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February, 1984.

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-secon (1) of Section 269D of the said Act, to the following mons, namely:—

(1) Sh. Man Singh slo Sh. Mangat Singh and Sh. Raghuvir Singh slo Sh. Hari Singh, 36|42 Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

 Sh. lai Bhagwan slo Sh. Nathoili Mal 56 Jatwara Teliwara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4906, 07 and 08 Ward No. XII, Katra Mliwala, Subzi Mandi, Delhi. Mg. 140 Sq. Yds.

R. P. RAJFS4
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 15-10-1984

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF AI I ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No IACIAcq-II|SR-1|2-84|1813 —Wherens, I. R. P. RAJFSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. C-12 New No. M3|12 situated at Mohan Park, Mohan Park, Mohan Park, Model Town, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February, 1984.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Tara Rani Bajaj W. S. Harbans Lai Bajaj, C-12 (M3|12) Mohan Park, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. K. K Rathi slo Sh. Moti Lal Rathl, 63 State Bank Colony, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other per on interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter,

THE SCHEDULE

•

Plot No. C-12 New No. (M 3|12), Mohan Park, Model Town, Delhi. Mg. 89 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|2-84|1017.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

MPL No. 154 New No. 1542 situated at Faiz Ganj, Near Patuadi House, Darya Ganj, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regi tration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in February, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the tran f and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Acr, to the following persons. namely:—

(1) Swami Tilak Ram Chela of Swami Chetan Anand Chidakashi Ji, Shri Satya Dharam Mandir, 7/5 East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bharti Inder Panjwani wo Sh. Inder Thakurdas Panjwani, 32 Netaji Subhash Marg, Daryaganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 154 (old) and New No. 1542, Plot No. 18, Faiz Ganj, Near Pataudi House, Darya Ganj, New Delhi, Mg. 1074 Sq. Yds.

R. P. RAJEST:
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Ip
Delhi New Delt:

Date: 15-10-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|2-84|1025.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 4736 situated at Part-B, 23 Ansari Road, Daryagani, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
 64—316GI|84

 Emca Construction Co., 24|25, Ansari Road Daryagani, New Delhi through its Prop. Mahabir Pershad Gupta slo Late Sh. Radha Krishna Gupta.

(Transferor)

(2) Master Sanjay and
Sandeep Jain
Slo Sh. R. I., Jain through their
Natural Guardian Sh. R. L. Jain,
40|72, Punjabi Bagh,
New Delhi.

民團等

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 214 F. F. Property No. 4736 Part B, 23 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi Mg. 411.7131 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|2-84|1026.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

G-14A, 4736 Part 8, 23 situated at Ansari Road, Daryanganj. New Delbl.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Emca Construction Co., 24|24, Ansari Road Daryaganj, New Delhi through its Prop. Mahabir Pershad Gupta slo Late Sh. Radha Krishna Gupta,

(Transferor)

(2) Mrs.. Sadhana Jain d|o Sh. M. K. Jain, D-1|202, Vinay Marg, Chankaya Puri, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the repective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-14A, 4736 Part-B, 23 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi Mg. 400.69 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquirition Range-U
Delhi|New Delhi

Date: 15-10-1984

Seal: ~

 Emca Construction Co., 24|24, Ansari Road Daryagani, New Delhi through its Prop. Mahabir Pershad s|o Late Sh. Radha Krishna Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. M. K. Jain& Son, D-1/202, Vinay Marg, Chankyapuri, Delhi through Sh. M. K. Jain.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4|14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|2-84|1027,—Whereas, J, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 25,000]- and bearing No. G-14A, Property No. 4736 situated at Part B, 23 Ansarl Road, Daryagani,

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparatus consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4736 Part-B, 23 Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi Mg, 566,4907 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|2-84|1028.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovebbe property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

G-14-D, Flat No. 14-B situated at 4736 Part-B, Ansari Road Darya Ganj,

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Emca Construction Co., 24|24, Ansari Road Daryagani, New Delhi through its Prop. Sh. Mahabir Pershad Gupta S|o Sh. Radha Krishan Gupta.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Jain wo Sh. M. K. Jain, D-1|202, Vinay Marg, Chankayapuri, New Delhi,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 14-D, 4736, Part-B, 23 Ansari Road, Daryagani, New Delhi Mg. 426.735 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

24/24, Ansari Road Daryaganj, New Delhi through its Prop. Mahabir Pershad Gupta s/o Late Sh. Radha Krishan Gupta.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
4|14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|2-84|1029.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to delieve that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. G-14B, Property No. 4736, Part B, situated at 23 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Sh. Sharad Jain s|o Sh. M. K. Jain, D-1|202, Vinay Marg. Chankya Puri, New Delhi.

(1) Emca Construction Co.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14-B Property No. 4736 Part-B, 23 Ansari Road, Daryagani, New Delhi, Mg. 401.6113 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|2-84|1030,-Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

New Delhi on February, 1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Dolhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Saraswati Builders. Phase-II, G-1|16, Daryagani, New Delhi. NN NN NN 2. through Managing partner Shri Satish Seth, slo Sh. R. C. Seth, Rlo G-1/16 Daryagani, New Delhi-2.

(Transferor)

(2) Sh. Sant Saran Bhalla and Sh. Lalit Mohan Bhalla, 7/20, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

THE SCREDULE

Portion of property No. E-2|16, Daryaganj, New Delhi, Mg. 410 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delbi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. B. K. Mathur solo late T. C. Mathur, D-1/29, Satya Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Suman Kumar Puri slo Sh. H. S. Puri, 4641, R. oshanpura, Nai Sarak, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
4|14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1031.--Whereas 1. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 2640-41, situated at Roshanpura, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated 10 as agreed to between the parties has not been truly stated 10 the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 2640-41, Roshanpura, Nai Sarak, Delhi, Mg. 1180 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the enid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Jatinder Kaur, DE-111, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. J. N. Dhall, 3|7, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|2-84|1032,---Whereas, I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

3|7 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or emasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3|7, East Patel Nagar, New Delhi, Mg. 200 Sq.Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTE L UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Ravinder Nath Gandhi Yogender Nath and Anil Gandhi sons of late Sh. Murli Dhar Gandhi,

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi Jain wo Sh. Ajit Pershad Iain, 3028, Gali Chhoti Kalyan Singh, Mori Gate, Delhi 164-E, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DFLHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC |Acq-II|SR-1|2-84|1033,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
MPI. No. 12050, Shakti Nagar, Delhi
situated at 26/46 Shakti Nagar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Property No. 26|46, MPI No. 12050, Shakti Nagar, Delhi Mg 160 Sq. Yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tiv Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJFSII Competent Authority Inspecting Assistant Comm sioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the irive of this notice under subsection (1) of Section 26°P of the said Act, to the following persons namely '-65-316GI]84

Date: 15-10-1984

FORM ITNS- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI 4 14A ASAF ALI ROAD NEW DEI HI

New Delhi the 15th October 1984

Rci No IAC |Acq II|SR-1|2 84 1038 —Whereas, I, R P RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding Rs 25,000]-

and beating No. 368, 373, 374, 375 and 376 (1) situated at Ganda Nala Mori Cale Kashmeri Cate Ward No. 1 Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atorestid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than intern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puttiss has not been truly stated in the suid instrument of time in with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer and for

(b) it collections the concealment of any income of any incomes of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce to the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax. Act. 1957 (27 of 1957)

w therefore in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the and Act to the following persons, namely: —

(1) 1 Sh S Attar Singh slo Sh S Teja Singh (2) Smt Gurbhajan Kaur wdlo Sh S Avtar Singh

3 Sh Kuldip Singh 4 Sh Taranut Singh

5 Sh Harut Singh sons of Late S Avtar Singh
6 Smt Kawalit Kaur wo Mohinder Pal Singh
7 Smt Ravinder Kaur wo Sh Kanwai Iqbal Singh

8 Smt Inder Pal Kaur woo Sh Harvinder Singh dso Late S Avtar Singh,

C 11 Shivan Park New Delhi

(Transferoi)

(2) Master Kapil Bhatia Minor son of Sh Jugal Kishore Bhatia, 6A/404 WFA Karol Bagh, New Delhi through his mother Smt K. nta Bhati

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I YPI ANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Property No. 368, 373, 374, 375 and 376(1). Ganda Nala More Gate, Keshmur Gate, 10eHr, M., 191, Sq. Yds.

R P RAIESH
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-II
Acquisition Range-II
New Delhi

Date 15 10-1984 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ret. No. 1ACpacq-H/SR-1/2-84/1040.-Whereas, 1, R. P. RAJESH.

R. P. RAJESH.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
Inmovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000[- and bearing
Rs. 25,000[- and bearing
No. 1082 Ilaqa No. 12 situated at Gali Sagar Chand, Shora
Kothi, Subzi Mandi, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parameters are stated to the property and the than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tay Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:-

(1) Sh. Shyam Pal Singh slo Sh. Shital Singh, 1082 Shora Kothi, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Shanker Gupta slo Sh. Prem Sagar Gupta, 1685, Sohangani, Subzi Mandi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sail immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 1082, Gali Sagar Chand, Shora Kothi Subzi Mandi, Delhi, Mg. 65 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, , Acquisition Range-I New Delhi

Date: 15-10-1984

Seal ;

(1) Smt. Bhagirathi Devi wlo Sh. Raghuvir Sharan, WZ-1977, Multani Mohalla, Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rukmani Devi wlo-Sh. Dewan Chand Aggarwal, 3328, Kucha Kashgivi, Bazar Sitaram, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. $1\Delta C$ | Δcq , 11 | SR-1 | 2-84 | 1043 .—Whereas I, Shii R, P, RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 3247, situated at Lat Darwaja, Bazar Situata, Delhi Ward No. 9

(and more fully tescribed in the schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Lebiutny, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. 3247, uard No. 9, Lal Darwaja, Bazar Sitaram, Delhi, Mg. 70 Sq. Yds.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-trae Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi.

Date : 15-10-1984 Scal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Bhagirathi Devi wlo Sh. Raghvir Shaima WZ-1977, Multani Mohalla, Rani Bagh, Shakurbasti, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Dewan Chand Aggarwal slo Sh. Umrao Singh, 3328 Kucha Kasmari, Bazar Sitaram, Delhi.

(Transferee

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th Cutober 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-1|2-84|1844.—Whereas I, Shri R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair Rs, 25,000 and bearing No. 3247 Illaqa No. 9, market value

situated at Lal Darwaza, Bazai Sitaiam, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Feb., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said influment of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or to Mealth fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi anotice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ext; ANAHON: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3247, Lal Darwaza, Bazar Sitarum, Illaqa No. 9, Delhi. Mg. 70 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi New Delhi.

Date 15-10-1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt Daya Wanti wo Necmad Ram, IC Block No. 8, Pocket No. B, Ashok Vihar Phase III, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Komal Jain w|o Sunder Kumar Jain, Motia Bagh, Railway Colony, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4]14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. 1AC|Acq. II|SR-1|2-84|1046.—Whereas 1, Shri R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

2938 Ward No. 12,

situated at Arya Pura, Subzi Mandi, Delhi (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registering Officer at Delhi in Feb. 84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2938, Ward No. 12, Arya Pura, Subzi Mandi, Dolhi,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:-

Date : 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALL ROAD, NFW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No IAC Acq. II SR-1 2-84 1048 - Whereus I. Shri R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

2166.

situated at Chautasi Ghanta Bazai Sitarani, Waid No. VIII, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 Smt. Rukmani Devi wlo Shri Lala Ram,
 2166, Chamasi Ghaata, Bazar Sitaram, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Smt. Suman Augarwal wlo Sh. Ravindia Kumar, 2790, Gali Peepall Mahadev, Hauz Qazi, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

1/2 undivided share of property No. 2166, Chaurasi Ghanta Bazar Sitaram, Ward No. VIII, Delhi-6 Mg. 90 Sq. Yds.

R. P. RAJI-SII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD. **NEW DELHI**

New Delhi, the 15th October 1984

No. IAC|Acq,11|SR-1|2-84|1051.-Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Or. No. 260, situated at Hakikat Nagar, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the
ladian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1984.

on Feb. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (h) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be desclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Prakash Bablani wlo Sh. K. K. Bablani, J-6|69, Rajouri Garden, New Delhi.

> (2) Smt. Amar Kaur wlo Late Sh. Kartar Singh, 2337, Punjabi Bagh, Delhi,

(Ladeer)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No 260, Hakil at Nagar, Delhi, Mg 123,66 sq. Yds.

R. P.RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggraval House, 4/14A Asaf Ali Road, New Dalhi

Date: 15-10-1984

27199

FORM. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II SR-1|2-84|1055.--Whereas, I, R. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. 174 Khasra No. 262 258 217 4 situated at Block A colony

known as Majlis Park, Village Bharola, Delhi

(and more fully descaribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following المعاولات المساولات

perfort, namely :-66-316GI/84

(1) Sh. Mangat Singh s o Sh. Gobind Ram, H. No. 123, Avtar Singh Road Agra Cantt. U.P. through his G.A. Shri Maject Singh so Sh. Beant Singh, A-27, Sarai Pipal Thala Exten., Delhi-23.

(Transferor)

(2) Shri Beant Singh slo Sh. Kehar Singh, H. No. 140 Mukherjee Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parameter. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 174 Khasra No. 262|258|217|4, situated in Block A, Colony Known as Majlis Park, Vill. Bharola, Delhi Mg. 183 Sq. Yds.

> R. P.RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Datě: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sh. Inder Singh
 Sh. Ganga Singh,
 4|59, Ramesh Nagar,
 New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Urmil, Bansal wo Sh. Gian Chand Bansal, E-18, Sham' Nagar, New Delhi,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No IAC|AcqII|SR-1|2-84|1056—Whereas, I, R P RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No 4|59, situated at Ramesh Nagar New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb. 84

on Feb. 84
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4|59, Ramesh Nagar, New Delhi Mg. 100 Sq. Yds.

R. P.RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Define

Date: 15-10-1984 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namey:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1968.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the income the second of the market value accepting immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. 9 Road No. 32, situated at Punjabi Bagh, Vill. Basai

Darapur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Kewal Rani wo Late Sh. Kundan Lal p|32, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Trasferor)

(2) Sh. Pran Nath Malhotra, 5/0 Sh. Nanak Chand, 3 East Avenue, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 Road No. 32, Punjabi Bagh, Village Bassai Darapur, Delhi. Mg. 279.55 Sq. Yds.

> R. P.RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Alı Road, New Delhi

Date: 15-10-1984

FOR MITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.il|SR-1|2-84|2066,--Whereas, I. R. P. RAIESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2166, situated at Chaurassi Ghanta Bazar Sitaram, Ward No. VIII. Delhi

(and fore fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ass, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

* (1) Smt. Rukmani Devi w|o Sh. Lala Ram, 2166 Chaurasi Ghanta, Bazar Sitaram, Delhi,

(Trasferor)

(2) Smt. Suman Aggarwal wo Sh. Ravinder Kumar, 297B, Peepal Mahadev, Hauz Qazi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2166, Chaurassi Ghanta, Ward No. VIII, Bazar Sitaram, Delhi, Mg. 90 Sq. Yds.

R. P.RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11,
New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

No. IAC Acq. II SR-1 | 2-84 | 1069 - Whereas I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot No. 85, MPL No. 9612, situated at New Rohtak Road,

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Ram Kumar Chopra so Late Sh. Ram Rattan Chopra Mohalla Rajender Nagar, Police Station, Kadam Kuan Patna through Sh. Ram Krishan Chopra, Green Medical Hall Patna, The General Attorney.

(Trasferor)

(2) Sh. Shiv Veer soo Sh. Ranbir Kishore, 13-B|16, Dev Nagar Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 85 Block 5-C, Khasra No. 1108|53, MPL No. 9612, New Rohtak Road, New Delhi Mg, 241.79 Sq. Yds.

R. P.RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 15 10-1984

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Lajwanti wlo Late Shri Suraj Parkash, 46-B, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Trasfetor)

(2) Smt. Sat Wanti wo Shri Vidya Dhar 6|31 Moti Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. 1AC|Acq.11|SR-1|2-84|1076.—Whereas, 1. SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Plot No. E-19, situated at Mansrover Garden Vill. Bassai

Darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideratio nand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as ate defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor

THE SCHEDULE

Plot No. E|19, Mansrover Garden, Village Bassai Darapur, Delhi Mg. 220 Sq. Yds.

(b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, AAgarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :--

Date: 15-10-1984

FORM TINS-

(1) National Chemical Industries Limited. 26 Najafgarh Road, New Delhi.

(Trasfero

27205

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Tinco Industries, A-92|5, Naraina Industrial Area, Phase-I, New Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1077.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

26 6 situated at Najafgarh Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-1 - - 4 W

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Property No. 26|6, Najafgarh Road, New Delhi, Mg. 134-27 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-10-1984

(1) Shri Ashwani Kumar, slo Shri Harish Chander, G-23/3, Rajouri Garden New Delhi.

(Trasfero).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii lqbal Malik slo Shii C. D. Malik, 617/121, Paschumpuri, New Delhi.

(Transforec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-11,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. JAC|Acq.II|SR-1|2-84|1079.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-23|3|3 situated at Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein sa are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share of property No. G-23/3, Rajouri Garden, Village Bassai Darapur, Delhi Mg. 150 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4/14A Assf Ali Road, New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ygender Kumar slo Shri Harish Chander. G-23|3, Rajouri Garden, New Delhi.

(Trasferor)

(2) Shri Iqbal Malik slo Shri C. D. Malik, 617 121, Paschimpurl, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1080.—Whereas, I, SHR1 R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. G-23 3 situated at Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur. Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

1 share of Property No. G-23|3, Rajouri Garden, Village Bassai Darapur, Delhi Mg. 35.1 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 15-10-1984

67-316GI 84

and for

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1083.—Whereas, I, SHR1 R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

MPL No. 1865, 1864 and 1880|14, MPL 11 situated at Shree Mahalaxmi Market and Bhagirath Palace, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Nagarmal Jaipuria slo Shri Madan Lal Kara of Mls Nagar Mal Suresh Chander, H.U.F. B-8411, Okhala Industrial Area, New Delhi.

(Trasferor)

(2) Shri Surender Kumar s|o Shri Kundan Lal, 4475 Cloth Market, Delhi and Vinod Kumar Singhani, s|o Shri Babu Ram 1849 Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1865, 1864 and 1880 14. MPL No. 11 Shree Mahalaxmi Market and situated in Bhagirath Palace, Delhi. Mg.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-10-1984

Shri Nand Kishore soo Shri Khushi Ram,
 Kewal Park Extn., Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Daya Devi wo Shri Gobind Ram, C-1 Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1090.—Whereas, 1 SHRI R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ps the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing.

No. 23 Khasra No. 431|641 situated at Village Azadput known as Kewal Park Extn. G.T. Road, Near Subzi Mandi, Delhi and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Plot No. 23, Khasta No. 341 641, Village Azadpur in the abadi known as Kewal Park Ext. G. T. Road, Near New Subzi Mandi, Delhi. Mg. 111 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II. Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1091,—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing MC No. 1192 (Old) 1702 (New), situated at Gali Nagine-

wali Bazar, Lal Kuan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instru transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the puurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1 Shri Prem Parkash slo Lala Buta Ram, 2. Smt. Pushpawati wlo Prem Parkash both rlo of 1702. Bazar Lal Kuan, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Asmat Jahan wo Sheikh Abdul Khaliq, 1010 Gali Rajan Farash Khana, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western half portion of property M.C. No. 1192 (old) 1702 (G.F.) in Gali Naginewali Bazar Lal Kuan, Delhi Mg. 72.12 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-10-1984

(1) 1. Shri Prem Parkash so Lala Buta Ram, 2. Smt. Pushpa Wati wo Shri Om Parkash, 1702 Bazar Lal Kuan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sheikh Abdul Khaliq slo Abdul Salaam, 1010 Gali Rajan, Farashkhana, Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1092,-Whereas, I. SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 1192 (Old) 1702 (new), situated at Gali Naginewali Bazar

Lal Kuana, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby infinite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern half Portion of property No. 1191 (old) (new) Gali Naginewali Bazar Lal Kuana. Delhi Mg. 72.12 Sq Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|2-84|1093.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

House No. II 8849, situated at Nava Mohalla, Pull Bangash.

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narain Dass slo Shri Chandi Ram of XII|8849. Naya Mohalla Pull-Bangash, Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Shii Paras Ram, 2. Vasdev sons of Shri Gobind Ram of 8849, Nayu Mohalla, Pull-Bangash, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of House No. XII|8849, Naya-Mohalla Pull-Bangash, Delhi.

R. P.RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-10-1984

(1) Smt. Shanti Devi Wo Late Shii Daya Ram, 26/14, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amar Nath Slo Shri Vishan Dass, 5873, Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-11|SR-1|2-84|1096.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-Rs. 25000]- and bearing No. 5873-54, Ward No. 14, Plot No. 42 situated at Basti Harphool Singh, Sadar Bazzar, Delhi

phool Singh, Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reuson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5873-54, Ward No. 14, Plot No. 42m, Bastl Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi. Mg. 51 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-10-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

 Mst. Issad Bi W|o Mohd Shatiz, Ms. Sayeeda Begum W|o Mohd. Ayyub, 4138, Utdu Bazar, Delhi.

(Transferor)

 Mst. Zabul Nisa D|o Mohd. Ishaq, 2864, Bazar Sitaram, Delhi-6.

(Transferce

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4]14A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-I|2-84|1897.—Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

5023 situated at Kucha Rehman, Ch. Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5023, Kucha Rehman, Chandni Chowk, Delhi. Mg. 158 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC Acq. II SR-1|2-84|1108.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shops No. 2142 to 2145 situated at Pahri Bhojla, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natioe under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—68—316GI|84

- (1) 1. Smt. Sara Khatoon Wdo Mr. Mohd. Ahmed,
 - Kumari Nasra Bi,
 Kumari Zahita Bi,
 - 4. Shri Shafatuallah, daughter and sons of late Mohd. Ahmed, H. No. 1671, Gali Sadan, Pahati Bhojla, Delhi.

(Transferor)

 Shi Shahid Ahmed Slo Mohd. Mian,
 H. No. 2172, Gali Addan, Pahari Bhojla, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Shops No. 2142 to 2145 alongwith Balakhana situated at Phari Bhojla, Delhi. Mg. 51 Sq. Yds.

R. F. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House, 4/14A-Asaf Ali Road,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4 14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-I|2-84|1101.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 2114 to 2117 to 2124 to 2126 situated at Masjid Khazoor,

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) modifiating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Surendra Mohan Slo Shri Ladli Mohan, 2113, Masjid Khazoor, Delhi.

(Transferor)

(2) I. Shri Chhedi Lal Slo

Shri Jai Ram, 2. Smt. Panna Devi Wo Shri Chhedi Lal, 3. Shri Laxmi Narain,

4. Shri Om Parkash,5. Shri Vinod Kumar all three sone of Shri Chedi Lal, 2119, Masjid Khazoor, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

† undivided portion of property No. 2114 to 2117 to 2124 to 2126, Masjid Khazoor, Delhi. Mg. 26† Sq. Yds. out of 106 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

4 14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC Acq.-II SR-I 2-84 1103,---Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10A]7 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under estasection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) 1. Shri Manohar Lal,

- Shrimati Janak Arora, Shrimati Goeta Malik,
- 4. Shrimati Madhu Nayyar,
- 5. Shrimati Sudha and
- Shri Deepak Arora, 15A|3, East Patel Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) 1. Shri Sham Sunder Bagai and 2. Shri Subhash C. Mann,

10-A|7, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferciaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein aare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 10-A/7, East Patel Nagar, New Delhi. Mg. as mentioned in the deed.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC[Acq.-II]SR-I]2-84]1105.-- Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

3231 situated at Kucha Tarachand, Darya Ganj, Delhi-6 (and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Girdhari Lal Slo Shri Mithan Lal, 3231, Kucha Tara Chand, Darya Ganj, Delhi Now D-16, Saini Enclave Colony, Vikas Marg, Laxmi Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar Arora Slo Shri Sardari Lal Arora, 3231, Kucha Tarachand, Darya Ganj, Delhi.

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3231, Kucha Tara Chand, Darya Ganj, Delhi, Mg. 67 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Darshan Lal S|o
 Shri Kartar Chand Sachdeva,
 B-1|5, Phase II, Ashok Vihar,
 New Delhi.

(Transferor)

Shri Siti Ram Mehta S|o Shri Amir Chand Mehta,
 Shri Ramesh Chand Mehta S|o Shri Siri Ram Mehta,
 D-4|1, Mehta Niwas,
 Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-H|SR-I|2-84|1112.— Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
C2 11 situated at Rana Pratap Bagh, Delhi-7
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

at New Delli in February, 1964
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. C2|11, Rana Pratap Bagh, Delhi-7. Mg. 116 2|3 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi[New Delhi

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI
New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-I|2-84|1114.— Wherens I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

202A situated at Below Crown Hotel, Ward No. VI, Katra Bariyan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri B. R. Duggai S|o
 Shri Faqir Chand Duggal,
 Racquet, Court Road,
 Opp. Old Sectt., Delhi.

(Transferor)

 Jyoti Pershad, HUF through Shri Jyoti Pd. Slo, Shri Rattan Lal,
 4-Cl6, New Rohatak Rd., Delhi on behalf of Jyoti Pd. H.U.F., Ajmeri Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop ground floor having an area of 223.75 sq. yds. Property No. 202-A, below Crown Hotel, Ward No. VI, Katra Bariyan, Delhi.

R. F. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-I|2-84|1117.---Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

491 situated at Gali Rajan Kalan, Ganda Nala, Kashmere Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Shashi Bala Wo Shri Vishnu Bhagwan, 169. Gali Ruiwali, Teriwara, Delht.

(Transferor)

(2) 1. Shri Virendra Kumar,
2. Shri Ratton Chand,
3. Shri Anil Kumar sons of Shri Jugminder Dass,
6/7, Krishna Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 491, Gali Rajan Kalan, Ganda Nala, Kashmere Gate, Delhi. Mg. 108 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 15-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-I|2-84|1118.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No

491 situated at Gali Rajan Kalan, Ganda Nala, Kashmere

Gate, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers end/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurrouses of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shrimati Asha Rani Wo Shri Kailash Chand, 6021, Gali Arya Samaj, Naya Bans, Delhi and

2. Shii Mukesh Kumar So Shri Jai Parkash Gupta, 317. Kucha Sanjoai Ram, Nava Bans, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shrimati Chandra Prabha Wo Shri Jugminder Dass and

2. Shri Pawan Kumar Slo Shri Jugminder Dass, A-6|7, Krishna Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

1 undivided portion of property No. 491, Gali Rajan Kalan, Ganda Nala, Kashmere Gate, Delhi, Mg. 108 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Scal:

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|2-84|1120.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

and bearing No. 6604|2 situated at Neemwala Chowk, Nabi Karim, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, in Rebruary, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-69-316GI/84

(1) 1. Shri Chanan Shah Slo Shri Gurduitt Mal,

2. Shrimati Kaushalya Rani Wo

Shri Chanan Shah,
3. Shri Om Parkash Slo
Shii Chanan Shab,
6604 2. Neemwala Chowk,
Nabi Barin Dali: Nabi Karim, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dharambir Jain Slo Shri Niranjan Dass Jain, D-104, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period w 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop with room and stair single storeyed, Property No. 6604|2, Neemwala Chowk, Nabi Karim, Delhi. Mg. 62 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-II. Delhi New Delhi

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri M. M. Kaul, G-15, Maharani Bagh, New Delhi-110 065.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Gujral, 1-16, Maharani Bagh, New Delhi-110 065.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-1, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-I|SR-III|2-8411704.—-Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-und bearing

G-15, Maharani Bagh situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any inoticys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-20, Maharani Bagh (Now known as G-15), New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting. Assistant Commissioner of Income-tax
Agquisition Rauge-II, Delhi]New Delhi

Date · 8-10-1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Dev Dutt Shaima Slo Pt. Daulat Ram, Rlo A-6, Ring Road, N.D.S.E.I., New Delhi.

(fransferor)

(2) I. Shi Ismail Sulaiman Sait Solo late Shi M. S. Sait and
 2 Mrs. Yasmeen I. Sait Wlo

2 Mrs. Yasmeen I. Sait Wo Shri Ismail Sulaiman Sait, Ro Guru Angad Bhawan.

R|o Guru Angad Bhawan, 5th Floor, 71, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANG-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1984

Ref. No. IAC Acq.-I|SR-III|2-84|1713.—
Whereas I, SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
S-118, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in February, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faculitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

First door of property No. S-118, measuring 1750 sq. ft., Greater Kailash-II, New Delhi.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 8-10-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANG-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-I|SR-III|2-84|1716.—Wheleas I, SUDHIR CHANDRA,

1908) in the office of the Registering Officer at

of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding K-104, AB, Kalkaji situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Wazir Singh S|o
 Shri Gulab Songh,
 B 1-|7, Azad Apartments,
 Arbindo Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sada Nand Slo Shri Asa Nand, Rlo K-104AB, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)-q

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, iwthin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. K-104AB, measuring 200 sq. yds., Kalkaji, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-taxAcquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-I, AGGARWAL BHAWAN, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 8th October 1984

Ref. No. IAC Acq.-ISR-III 2-84 1735.—
Whereas I, SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing
E-153, Greater Kailash-II, situated at New Delhi

E-153, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

...Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Seema Builders (P) Ltd., 1/18-B, Asaf Ali Road, New Delhi-110 002.

(Transferor)

(2) Mjs. I.D.L. Chemicals Ltd., 11th Boor, Hindustan Times Bldg., Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110 001.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E-153, Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, DelhilNew Delhi

Date: 8-10-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1984

Ref. No. IAC Acq. I Sn-111 2-84 1736 .- Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. S-149, Greater Kailash-1, situated at New Deliti (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Sh. Rajinder Pal, Smt. Krishna Pal, and Dr. Ravinder Pall all rlo 237, DDA Self Financing Flat, Hauz Khas, New Delhi-110016. (Transferor)

(1) Sh. Ram Parkash Puri, Sh. Anil Puri and Sh. Sunil Puri, all rlo A-3/212, Janak Puri, New Delhi-110058.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storey House No. S-149, Greater Kallash-I New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|Sn-III|2-84|1758-A.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. F-30 to 41 Connaught Place, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at New Delhi in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that The consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1257 (17 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Smt. Ram Kali, Wo Late Debi Parshad Aggarwal, rlo C-46, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(2) M[s, Competent Builders, F-30 to 41, Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property measuring 18 sq. yds. part of property No. F-30 to 41, C- Place, New Delhi. (undivided)

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 8-10-1984

1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-J, AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1984

Ref. No. IAC Acq.I Sr-III 2-84 1758-B.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

RS. 25,000- and bearing F-30 No. 41, Connaught Place, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrative Officer (Control of the Registrative Officer). 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Shander Kanta & Sh. Rajender Kumar Aggarwal, Satish and Raman Lal rio 4804. Deputy Ganj Sadar Bazar, Delhi. (Transferor)
- (2) Ms. Competent Builders F-30 to 41, Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property measuring 150 sq. yds. undivided part of property. No. 30 to 41, Connaught Place, New Delhi

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 8-10-1984

Scal:

NOTE: UNDER STOLION 260D 1: OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION BANGS AGGARWAI HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD NES DELHE

New Delhi, the 8th October 1984

Ref. No IAC(Acq.I[SR-III]2-84(176) -- Whereas, J. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of th Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

D-104, Defence Colony,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi 'n February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax mader the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Worldth-te act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore in sursences of 1, tion 26% of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under—subsection (1) of Sectio n269D of the said Act, to the following persons, namely:—

70-316GI]84

- (1) Hari Kuhan Bindra and Baldev, Raj Bindra, both sjo Lekh Raj Bindra, rjo 54 B-1. Chhota Mere Sarai, Railway Colony, Delhi. (Transferor)
- (?) Te₁ Raj Singh Goal (HUF) th. Karta Sh. Tej Raj Singh Goel, sjo Anup Šingh Goel, to D-b) Defence volony. New Delht. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property No. D-104, Defence Colony, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-J Delhi/New Delh

Date: 8-10-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF AL1 ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|2-84|1775.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-nrl bearing No.

F. F. M-71. Greater Kailash-II,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 427 of 1957); (1) Bushan Kumar Uppal soo late Mulkh Raj Uppal roo C-80, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Pravasi Enterprises Ltd. Satya Mansion, A-1, A-2, Ranjit Nagar, New. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit on First and Barsati floor of property No. M-71, measuring 2050 sq. ft. Greater Kailash-II. New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
DelhilNew Delh:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|2-84|1788.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.

W--57-A. Greater Kailash-I,

situated at New Oclhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

(1) Sh. M. V. Rajan W-57-A, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)

(2) Dr. D. R. Khanna, ii-A|52, Mrs. Madhu Mehra Lajpat Nagar Mst. Kunai Mehra, New Delhi. •

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. W-57 A, Greater Kailash I, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhil New Delhi

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|2-84|1789.- -Whereas, 1,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. G-151, Kalkaji situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Office of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in February 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object or

- (a) facilitating the respection or evasion of the liabilit, of the transferor to pay tax under the said act, in tespect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Subash Chander Saxena so Sh. Kali Chajan Saxona, rio 3057, Kucha Raja Sohan Lal, Bazar Sita Ram, Delhi as general attor-ney of Bhupendia Chandra, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Davinder Kumar and Surinder Kumar, soo Sh. Hans Rai Gakkhar roo A-207, Kalkaji Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective of the respective of the respective period per pective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G-151, Kalkaji, New Delhi. measuring 200 sq. yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 8-10 1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE

NEW DELIII

New Delhi, the 8th October 1984

Ref. No IAC [Acq I|SR-III|2-84-1793 --- Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S-257, Grenter Karlash-II,

situated at New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeat exceeds the apparent consideration therefor by more than into a per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tranfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act; # hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely '--

(1) Sh. kewal Krishan Kohli, Sh. Ashok Kumar Kohli, Sh Gulzan Lal Kohli, Smt. Shakuntala Rani Kohli, Sh Shakuntala Rani Kohli, 10.0]27, Shakti Nagar, Delhi, 7

(Transferor)

(2) Mls Ran India Technical and Feonomic Services Ltd., New Delhi House, 27. Barakhamba Road, New Delhi-110001. (Transletee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No S-257, measuring 300 sq yds situated in Greater Kailash-II, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date . 8-10-1984

Seul:

(1) Parvati Charitable Foundation 4693, Galı Umrao Walı Pahari Dhiraj Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Alfred Cyrill (Minor) & Mark A Borgonah (Minor) rio Vill. Bateanpus. P. O. Bahadurpur, Via Zaminia Distt. Ghazipur

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR I. P. ESTATE NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq I|37I E|2-84|599 --- Whereas, 1,

SUDHIR (HANDRA, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tali market value exceeding Rs. 25,000|- and beating No.

Commercial Flat No. 415

situated at Plot No. 22, kasturba (andhi Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Income-tax Act, 1961 on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ele-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Commercial Flat No 415 in proposed multistoried Building on Plot No. 22 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. Measuring 542 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

(1) M_[3]. Gujral Estates Pvt. Ltd. 17 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Shii Mahesh Piasad 2 Sh. Sanjay Piasad

3. Master Ascem Rastogi 16 Rana Pralap Marg, Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR 1. P ESTATE NEW DFLHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq I|37E|2-84|600.—Whereas, I,

*SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. D

situated at 13th Floor Vijaya Building, 17 Borakhamba Roud, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq)

Income-tax Act, 1961 on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuld property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D on 13th Floor in "Vijaya Building 17 Barakhamba Road, New Delhi, Mensuring 586 sq. ft. Flat plus 179 sq. ft. rerrac...

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Delhi New Delhi

Date: 12-10-1984

معالی کے مطابق کا ایک میں کا مسلم اور استان کی ایک میں کا انتہاں کی ایک کا ایک ایک ایک ایک ایک کا ایک کا ایک ک ایک میں میں کا ایک ک (1) Mis Gujral Estates P. Ltd. 17 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mrs Sator Verma . Mrs. Nishn Gar W-21, Grenter Karlash-I New Delhi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR T P PSTATE 'NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|2-84|601.- - Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (4) o 1961; (1.a) (etter ref ried to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Space No. 61 situated at Lower Ground Floor in Vijnya Building, 17 Barkhamba Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq.

Income tax Act, 1961 on February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilit of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to at discount by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sail Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 61 on the Lower Ground Floor in Vijaya Building, at 17 Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 219 4 sq. 1t

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi Ne v D F.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the gambition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section (60) or the fail Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-10 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DECHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|2-84|603.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

Space No. 55 on the lower Ground situated at Floor. Vijava Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi,

(and mo e fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. AC.

Income-tax Act, 1961 in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any Lecune arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid numerity by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—
71—316G184

(1) M|s Guiral Estates P. Ltd., 17 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Rangachari Wo Mr. S. Rangachari, 12-A|26, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 55 on the Lower Ground Floor in "Vijaya" Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 186-1 sq. ft.

SUDHR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|2-84|604.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1 on IInd Floor, situated at Barakhamba Road New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQ.

Income-tax Act, 1961 in February 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fite in per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rai Kumar Goyal
2. Asia House K. G. Marg, New Delhi.
(Transferee)

(2) S|Sh. Harbhajan Sangh, Ranvii Singh Sull & Gurjit Singh Sull, 20-B, Model Town, Phagwara (Punjab)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 2nd Floor, 28 Barakhamba Road, New Delhi.
Measuring 914 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l Delhil New Delhi

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACOUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1984 -

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|2-84|605.--Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|and bearing

Flat No. 403

situated at 51-52, Nehru Place, New Deihi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. (Acq.)

Income-tax Act, 1961 in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wegich car Vat. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s Gedore Tools India Pvt. Ltd Gedore House. 51-52, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. R. S. Khanna Pvt, Ltd., C-40, Friends Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given us that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 51-52, Nehru Place, New Delhi. Measuring 510 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 12-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|2-84|606.--Whereas, 1,

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

27242

Flat No. 202, situated at 51-52, Nehru Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J.A.C. (Acq.), Income-tax Act, 1961 in February 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for that acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) M|s Gedore Tools India, Pvt. Ltd. Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur & Sh. Jatinder Pal Singh, XV-2228 Raj Guru Road, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are delned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 51-52, Nehru Place, New Delhi. Measuring 400 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 12-10-1984

(2) Smt. Rama Rani Shel 2. Sh. R. S. Mehra

Bombay.

FORM ITNS-

(1) M/s Panjwani Builders, Through its Partner Sh. Man Singh B-5|63. Azad Apartments Sri Aurobindo Marg New Delhi,

(Transferor)

(Transferee) ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSF, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELIHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|2-34|603 —Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Flat Meznine Floor

situated at S-339, Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQ.

Income-tax Act, 1961 in Feb.uary 1984, for an apparent consideration which is less than tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. sideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, nam !y:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat, Maznine Floor Front portion S-339, Greater Kailash-II New Delhi. Measuring 950 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 12-10-1984

(1) 1. Mr. Gopal Khemka, Mr. Vijay Khemka, & Anand Kumar Khemka, N-256, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)

(2) 1. Mr. Vaneesh Malik, 2. Smt. Savitri Devi Malik, 3. Miss Shivani Malik,

4. Miss Arti Malik, S-370, Greater Kailash-II, New Delhi, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|377E|2-84|610.-Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immosphic property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Shop No. 12 G.B.

situated at Mansrover, 90 Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (ACQ.),

New Delhi in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, G.F. Mansarover, 90 Nehru Place, New Measuring 388 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 12-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EF|2-84|611.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRÁ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Space No. E-1 situated at Vilay Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act. 1961 in the Office of the I.A.C. (ACQ.), New Delhi in February 1984,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s Gujaral Estates Pvt. Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Rachanjit Kaur Wlo Mr. Kanvaljit Singh, 43, Race Course Road, Dehra Dun (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. E-1 on 13th Floor, in Vijaya Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 775 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, DelhilNew Delhi

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 2NCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND 1-LOOR CR BUILDING. I. P. ESIATE NEW DELHI

New Delhi, he 12th October 1984

Ref. No. IAC Acq. J 37EE 2-84 612. Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Comp. tent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable that the immovable is the basic formula to the property of t propert having a lair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Flat No. 6-A, situated at Atma Ram House, Tolstoy Marg, New Delhi,

(and more furly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (ACQ.),

New Delhi in February 1984, for an apparent constitution which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (21 of 1927) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) 1. Smt. Mohini C. Gidwani, 2. Mr. Kishore Gidwani, 148 Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Pressman Properties Ltd., 9. Brabourne Road, Calcutta-700-001.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6-A, on 6th Floor in Atma Ram House, Tolstoy Marg, New Delhi. Measuring 1058 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Delhi New Delhi

Date: 12-10 1084

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, he 12th October 1984

Ref. No. IAC Acql 37EE 2-84 613.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the immovable of the said Act'), have reason to believe that the immovable of the said Act'), have reason to believe that the immovable of the said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flot No. 302, situated at 51-52, Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schodule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (ACQ.), New Delhi in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—72—316GI|84

(1) M|s. Gedore Tools (India) Pvt. Ltd., Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Jyoti Nayar, Wo. Mr. V. K. Nayar, Fxen. (West) PSEB, Opp. O.C.M. Mills, Chheratta, Amritsar, Punjab.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, IIIrd Floor 51-52, Nehru Place, New Delhi. Measuring 400 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi.

Date: 12-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, he 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|2-84|614.—Wherens, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Flat No. 203, situated at 51-52, Nehru Place, New Delhi Officer at I.A.C. (Acq.) Income-tax Act, 1961, in Feb. 1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (ACO.).

New Delhi in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

- (1) M/s. Gedore Tools (India) Pvt. Ltd., Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi.
- (2) Mrs. Jasbir Kaur, Wlo Shri Sukhbir Singh, Bara Mula Kashmir (J&K).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 51-52, Nehru Place, New Delhi. Measuring 510 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Delhi|New Delhi.

Date: 12-10-1984. Seal:

pear

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, he 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-1|37EE|2-84|615.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat No. 308, situated at Gedore House, 51-52, Nehru Place,

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. $(\Lambda CQ.)$,

New Delhi in February 1984.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/Qr
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuld property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mis Gedore Tools (India) Pvt. Ltd., Gedore House, 51-62, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Prit Pal Singh Bhatia, Smt. Aivinder Kaur Bhatia, E-106, Lajpat Nager I New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308, Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhı Measuring 320 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Delhi New Delhi.

ರು te: 12-10-1984.

 M|s. Gedore Tools (India) Pvt. Itd. Gedore House,
 S1-52 Nehru Place, New Delhi

(Transferor)

(2) M|s. Jain & Co. (HUF) through Karta Mr. A. P. Jain, 34-A, Motcalf Street, Calcutta

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1984

Rf. No. IAC|Acq-1|37EE|2-84|618.—Whreas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Flat No. 303, situated at Gedore House, 51-52, Nehru Place, New delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (ACQ.), New Delhi in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Dedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi Measuring 510 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-InDelhi|New Delhi.

Date: 12-10-1984.

(1) Sh. Rajeev Sawhney E-172, Karlkajl, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref., No. IAC|Acq-1|37EE|2-84,619,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe t hat the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No.
Flat No. 716|6, situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (ACQ.), New Delhi in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mrs. Vimal Verma & Mrs. Suman Verma, 790-R, New Rajinder Nagar, New Delhi

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 716|6, Nehru Place, New Delhi Measuring 440 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi|New Delhi.

Date: 12-10-1984.

(1) Mis. Shahpuri Estates P. Ltd. 5170, W. E. A. Karol Bagh, New Delhi (Transferot)

(2) Smt. Swapna Roy, Miss Sushmita Roy (Minor) & Mr. Nitin Trivedi H-59, Ashok Vihar, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, he 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|2-84|620.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/and bearing No. Flat No. 368, situated at S-368, Greater Kailash II, New

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (ACQ.), New Delhi in February 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

Duplex Flat comprising of a drawing cum dining room kitchen study room servant room & toilet lower ground floor and three bed rooms and two toilets in the upper ground floor at C-368, Greater Kailash-II, New Delhi. Measuring 1750 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi New Delhi.

Date: 12-10-1984. Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s, Ansal Properties & Industries Pvt. Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Promila Kumar (nee Kitty) A-2, Shakespeare Sarani, Calcutta-700 071

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, he 12th October 1984

Ref. No. 1AC|Acq.I|37EE|2-84|621.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Pushpanjai Farm Ño. C-24, situated at village Bijwasan,

Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (ACQ.), New Delhi in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pushpanjai Form No. C-24, at village Bijwasan, New Delbi

Measuring 2.5 Acres

SUDHIR CHANDRA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (?) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|2-84|622.--Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and hearing and bearing

Flat No. 614 situated at 17 Toolstoy Marg, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (ACQ.), at New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore her market. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) M/s Ansal Properties & Industries Pvt. Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Sonia Paudhi, clo Shri P. Paurhi Phelps, Building, 9-A, Connaught Place, New Delhi (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 614, in Tolstoy House at 17 Tolstoy Marg, New Delhi

Measuring 426 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tag Acquisition Range-I. Delhi New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

· New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|2-84|624.--Whereas I, .

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Upper Ground Floor, situated at 22. Barakhamba Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tex Act, 1961 in the

has been transferred under the Income-tex Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (Acq.) at New Delhi in February 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :---

- (a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susception (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :— 73—316GI|84

M|s Skipper Sales Pvt. Ltd. 1106 Ashoka Estate. 24 Barakhamba Road, New Delhi

!Transferor)

(2) Princesa Jai Inder Kaur, New Moti Bagh Palace, Patiala-147 001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given . . in that Chapter.

THE SCHEDULE

Upper ground Floor, 22, Barakhamba Road, New Delhi Measuring 525 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Delhi New Delhi.

Date: 12-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|2-84|626.--Wheres I SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Space No 45, situated at Vijaya Building, Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (Acq) at New Delhi in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the feir market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the laster of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) M|s Gujral Estates Pvt. Ltd. 17 Barakhamba Road, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Hohar Enterprises, E-11, Gurunanak Pura, Jail Road, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 45 on Lower Ground Floor in "Vijaya" Building, 17, Barakhamba Road, New Delhi.

Measuding 186.1 sq. ft

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range J
Delhi|New Delhi-

Date: 12-10-1984, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. 1AC|Acq.1|37EE|2-84|627.—Whereas I, , SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. B-3-A, situated at 51-52, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tex Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (ACQ.), New Delhi in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) M|s. Gedore Tools (India) Pvt. Ltd.
Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. NIMM International
Through Mrs. Nirmal Sondhi w/o Sh. S. K. Sondhi,
23. Uday Park, New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-3-A (Basement) 51-52, Nehru Place, New Delhi Measuring 170 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang
Delhi|New Delhi.

Date: 12-10-1984, Seal:

I ORM ITNS-

The second of th

M[s. G. S. T. Corporation, 2 14. Ansari Road, Daryagani, New Delhi (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Narender Anand, C-202, Defence Colony, New Delhi

· (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. 4 14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 12th October 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC Acq. 137EE 2-84 631.—Whereas, I.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC|Acq-1|37EE|2-84|631.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 115, situated at Competent House, F-14, Connaught Place. New Delhi

Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income tax Act, 1961 in the

Office of the I.A.C. (Acq.) at New Delhi in February 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 115, Competent House, F-14, Connaught Place, New Delhi Measuring 751.92 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 249C of the said Aot, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|2-84|632.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 107, situated at Competent House, F-14 Connaugnt

Place. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the LAC (Acq.) at

Office of the I.A.C. (Acq.) at New Delhi in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Gunita Ahuja & Master Sanjiv Ahuja, 9 Branksome Road, Singapore 1543.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmal Anand, Miss Rekha Anand & Miss Bobby Anand, C-202, Defence Colony, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107, Competent House, F-14 Connaught Place, New Delhi. Measuring 730.64 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Impecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi.

Date: 12-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT! COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|2-84|636.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Flat No. 1519, situated at 89, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) Income-tax Act, 1961 on 19th Feb. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Shakuntala Gupta

2. Mrs. Sanyakta Bahi 665A Sector 16A, Faridabad (Haryana).

(Transferor)

(2) 1. Dr. Vidur Shyam 2. Smt. Asha Shyam E-132, Saket, New Delhi-17

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. 1519, 89, Nehru Place, New Delhi. Measuring 325 Sq. Ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Delhi New Delhi

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

New Delhi. (Transferor)

(1) M/s. Ansal Properties & Industries Pvt. Ltd.

115, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,

(2) Mr. Kuldip Kumar Jain, 73|5984, Basti Harphool Singb Sadar Thana Road, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC Acq I | 37EE | 2-84 | 637.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and bearing No. Flat No. 409 situated at 17 Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income tax Act, 1961 in the office of the

in the office of the IAC (Acq) New Delhi on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the sad property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 409, in Tolstoy House, 17 Tolstoy Marg, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq I|37EE|2-84|638,---Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Upper Ground Floor, situated at 22, Barakhamba Read, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC (Acq) New Delhi on February 1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s, Skipper Sales Pvt, Ltd. 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Nidht Gupta and Miss Asha Gupta,50 Bharti Nagar, New Delhi-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Upper Ground floor, 22, Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 500 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 12-10-1984

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq I|37EE|2-84|639.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat on 3rd floor, situated at 19 Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC (Acq) New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:——74—316G[84]

 M|s. Kailash Nath & Associates, 18 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

27263

(2) Mr. Paramjit Singh Mann, Mr. Randip Singh Mann, Randhir House, Randhir Lane, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat on 3rd Floor, 19 Barukhamba Road, New Delhi. Measuring 500 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi|New Delhi

Date: 12-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NFW DELHI.

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq 1|37EE|2-84|640.--Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

lilat No. 407 situated at 51-52, Nehru Place, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC (Acq) New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons.

 M|s. Gedore Tools (India) Pvt. Ltd. Gedore House, 51-52. Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Resham Watı Jain Wo Sh. P. C. Jain, Smt. Reman Jain Wo Sh. K. K. Jain & Sh. V. K. Jain, So Sh. P. C. Jain, G-76, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said, property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407 IVth Floor, Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi.
Mensuring 500 sq ft.

SUDIFIC CHANDRYCompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I

Date: 12-10-1984

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq I|37-EE|2-4|645.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 502, situated at 21, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC (Acg) New Delhi in February, 1984

office of the IAC (Acq) New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as gforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act; I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jagmohan Malhotra, F-37, N.D.S.E. I, New Delhi.

(Transferor)

Baby Nectu Mehra,
 Master Ritesh Mehra U|G
 Sh. K. P. Mehra, Master Nitin Mehra,
 Baby Shweets Mehta u|g
 U|G
 N. K. Mehra Baby Pallavi Mehra,
 Baby Parul Mehra u|s
 K. K. Mehra, 26|110 Shakti Nagar,
 Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 21, Barakhamba Road, New Delhi, Measuring 500 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

14.44

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC Acq I 37EE 2-84 642.—Whereas I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

space No. 24 situated at Dr. Gopal Das Bhawan, 28 Bara-khamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

transfer with the object of:-

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC (Acq) New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such canster as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd. 28 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

 (2) 1. Mr. P. N. Gupta
 2. St. Vimla Gupta
 A-1/7, Jepika House, Krishan Naga,r, Delhi-110051.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said may be made in writing to the undersigned: property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 24 on lower Ground Floor in Dr. Gopaldas Bhawan, 28 Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 305 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 12-10-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|Acq 1|37EE|2-84|644.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 617 situated at 89, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the income-tax Act, 1961 in the office of the IAC (Acq) New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

(1))Sh. H. L.Kapur, Cdr. D. K. Kapur, Sh. Ashwani Kapur, 438, Mathura Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1 M/s. Radhika Investments,
 A-69, New Friends Colony, New Delhi.
 2. Rishivirmani & Sons,
 - C-11, Chiraj Enclave, New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 617, at 89, Nehru Place, New Delhi. Measuring 560 Sq. Ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st September 1984

Ref. No. P. R. No. 3177 Acq.-23|1|84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing Land at Achier, T. P. S. 23, S. No. 113, Sub Sub Plot No. 1 situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Regi tering officer at Ahmedabad on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Kantuben alias Gomtiben Keshavlal Dalsharamani, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) The Chairman, Vidyanagar Co.-op. Socy., Achiar, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Achier, T.P.S. 23, S. No. 113, Sub Plot No. 1 regd. No. 1580, Dt. : 2-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pravinchandra Jethalal Shah, 6-C, Ushma Flat, Opp, Navrangpura Bus Stand, Ahmedabad-9,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

'COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st September 1984

Ref. No. P. R. No. 3178 Acq. 23 184-85.— Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000|and bearing No.

Flat at Ashmi Shops & Flat owners Association, Flat No. 4, 2nd floor, 'C' Type situated at Moje Shaikhpur-Khanpur A'bad, F.O. 180 1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 7-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Mohanlul Janardan Purandara, Ashok Mills 1td., Naroda Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat at Shaikhpur-Khanpur, k. P. 180/1 at Ashmi Shops & Warehouse Owners Asson., 2nd Floor, 'C' Type, Regd. No. 1840, Dt.: 7-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preservy by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 21-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 21st September 1984

Ref. No. P. R. No. 3179 Acq. 23 | 1 | 84-85.— Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and bearing No. Property at Amraiwadi, Bagefirdosh, S. No. 316, Hissa No. 20 situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 9-2-1984 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Mishtry Bhimjibhai Dahyabhai, Gomtipur, Limdapole, Ahmedabad.

(Transferor)

1. Shrimati Kantaben Punambhai Patel,
 2. Shri Ashokbhai Punambhai Patel,
 Khojharamehmadabad,
 Abmedabad.

(Transferce)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Amraiwadi, S. No. 316, Hissa No. 20, Regd. No. 1961, Dt. : 9-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

• AFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st September 1984

Ref. No. P. R. No. 3180 Acq.-23|I|84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Vejalpur scem Khodiar, Vijay Co.-op. Socy., Satalight Road, A'bad-15, S. No. 315, Sub Plot No. 5 situated at A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regresors, namely '--F5--316GI84

 Shri Dushyant Batukbhai Desal, Khodiar Vijay Co.-op. Socy., Punit-Nagar-2, B. No. 14, Satalight Road, Ahmedabad-15.

(Transferor)

27271

(2) Dr. Purshottam Fulumall Harwani, 1-Murli Aptt., Near Shivji Mandir, Wadaj, Ahmedabad.

(Transferee)

Objectionse, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Punit Nagar, Vibhag-3, Khodiar Co.-op. Socy., Vejalpur, Regd. No. 1944|9-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21-9-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shi Chandrakant Bhikhabhai Shah, Bhuleshwai, 'Parekh Nivas', Mira Bazai, Gajju Street, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Shrı Suthar Mohanlal Vanarshi, 4-Jalnath Co.-op. Socy., Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st September 1984

Ref. No. P. R. No. 3181 Acq. 23 I 84-85.— Whereas I, G K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing Property at Paidi, T.P.S. qt. Jalnath Co.-op Socy. situated at Ahmedahad

fand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad 37G reed, in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Property at Jalnath Co.-op. Socy., Paldi seem regd. No. 9849, 37G recd. in Feb., 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rareons namely :--

Date : 21-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st September 1984

Ref. No. P. R. No. 3182 Acq.-23|1|84-85.—
Whereas I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinalter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
Flat at Rajpur-Hirpur, S. No. 192-194. Plot No. 27, Flat
No. 7 situated at Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 8-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- by Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ambica Flat Association, Member—Kashiben Bhudardas, Krishna Nivas, Old C. G. Hospital, Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferor)

(2) Shri Dwarkadas Madanlal Kaushik, B-12, Sutaria Colony, Bhairavnath Road, Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Rajpur-Hirpur, S. No. 192, 194, Flat No. 7, regd. No. 1904, 1909, Dt.: 8-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st September 1984

Ref. No. P. R. No. 3183 Acq.-23|I|84-85.--Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Property at Saijpur. Bogha seem, S. No. 42 & 43, Sub Plot No. 105 situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other senets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Narayan Tarachand Gurunani, Near Narsinhii Mandir. Gomtipur. Ahmedabád.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Kevalram Mulvani, 15|59, Gujarat Housing Board, Near Raipur Mill, Gomtipur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Saijpur seem, S. No. 42-43, S. P. No. 105, Regn. No. 1990, Dt. : 10-2-1984,

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date · 21-9-1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st September 1984

Ref. No. P. R. No. 3184 Acq.-23|I|84-85.--

Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

Land at Block No. 1097, Aslali Tal., Daskroi situated at Ahmedabad

tand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of , transfer with the object of :-

> facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not ocen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Shrimati Shantaben Shambubhai Amin, village: Aslali, Tal.: Daskroi,

Distt.: Abmedabad.

(Transferor)

(2) M|s. Jyoti Estate--Partners:

1. Shri Rasulbhai Hasambhai,

Shri Bhikhabbai Umedbhai,
 Shri Vinodbhai Naranbhai,

Shrimati Sulochnaben Manubhai Dahyabhai,

Shri Bhalchandra Ambalal, Shri Arvind P. Joshi and

6. Shri Arvina F. 10011. 7. Shri Ismail Abdulbhai,

Aslali.

Tal.: Daskroi, Dist.: Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this poitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

('., by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Aslali, Block No. 1697, regd. No. 1112, Dt.: 9-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3185 Acq.23]1[84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a rair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House Property Rajkot—Ramkrishna Nagar No. 5—Plot No. 40 S. No. 421, 421/1 (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on Feb. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tilten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Hansrajbhai Ranabhai Bhuva 9—Shramjivi Society— Opp. Sharda Vidyalaya—Rajkot,

(Transferor)

(2) 1, Sh. Hasmukhbhai Jamnedas Sagar
 2. Sh. Lalitkumar Jamnadas Sagar
 Clo Sonal Cloth Centre
 Ghee Kanta—Kodinar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House Property Rapkot—Ramkrishna Nagar No. 3—Plot No. 40 S. No. 421 & 421|1 R. No. 325 Dt. 4-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority—
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 22-9-84

FORM ITNS ---

 Vinod Pvt, Ltd, Lakhaji Raj Road— Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

TOFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3186 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Incom.-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land at Raiya--Rajkot-S. No. 82|1 Plot No. 45 Adm. 777 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering No. Land at Raiya—Rajkot—S. No. 82[1

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Sh. Shantilal Girdharlal Patira Malik Steel Traders— Lodhawad Chowk—Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Raiya Rajkot S. No. 82 1 Plot No. 45 Adm. 777 sq. yd. R. No. 720 Dt. 4-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Dana Pith—Rajkot. (2) Smt. Kusumben Laljibhai

(Transferor)

(2) Smt. Kusumben Laljibhai Bhojani 10—Junction Plot—Opp. Kuva (Wel) Rajkot.

(1) Sh. Ramniklal Maganlal Kotak & Others

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad---80 009, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3187 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and

bearing No. 10 Junction Plot Rajkot S, No. 330|331

Land 118 sq. yd. & Bidg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Rajkot on 8-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property any be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULL

House 10--Junction Plot Opp Kuva S. No. 330|331 Rajkot R. No. 787 Dt: 8-2-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3188 Acq.23 [1]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000|- and bearing No. House at Sharda Nagar—Sheri No. 2 exceeding

Mangla Rd. Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Rajkot on 9-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-76-316 GI 84

(1) Smt. Ramaben Chimanlal-Swastik Socy.—Raiya Road Rajkot.

(Transferor)

(2) Madhubala Chimanlal Vala Sheri No. 2-Sherda Nagar-Mangla Road—Cross Sardar Nagar— Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Rajkot-Sharda Nagar Sheri No. 2 Mangala Road-Rajkot R. No. 813 Dt. 9-2-1984.

> G. K. PANDEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3189 Acq.23|1|84-85.—Whereas, I,

G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000; and

bearing No. S. No. 337—Rajkot Plot No. 64—Geeta Nagar—Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pramilaraje Pradhyumansinhji Jadeja Ranjitvilas Palace—Rajkot,

(Transferor)

(2) Sh. Prahladsinhji Pradyumansinhji Jadeja 64—Vela Wadi—Geeta Nagar— Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 337 Plot No. 64 Rajkof. House at Geeta Nagar on Land Adm. 560 sq. yd.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-9-84

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3190 Acq.23|1|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/anid

bearing No. Rajkot S. No. 326 Plot No. 3 Land 1398 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. K. S. Goswami & Others— L.R. of Late Smt. Rambhaben Sukhdev Gundavadi—Rajkot.

(Transferor)

 Sh. Ramshanker Survey Swashtray Socy. Mavdi Raikot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot S. No. 326 Plot No. 3 adm. 1395 sq. vd R. No. 1056 Dt: 21-2-1984.

G K PANDAA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Augustian Range-I, Abina tabad

Date: 22-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3191 Acq,23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

bearing No. Land at Rajkot Vivekanand Road-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ta respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) j'acilitating the concealment of any income or any raoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Smt. Pushpavati Premsukhray Sanghani
 15-1 Sky Scraper A
 Bhulabhai Desai Road—Bombay-6.

(Transferor)

(2) Surendrasinh S. Jadeja Kishorkumar N. Trivedi Akash Deep Corporation Nandanvan Appartments Kanta Street Vikas Grah Road Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot Vivekand Road Land adm. 445 sq. yd. R. No. 1033 Dt: 20-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Date: 22-9-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.

(1) Rabari Sidi Nath & Others In the Wadi Arodram Road, Keshod

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3192 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, J.

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1901) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Near Old Vegetable Market Land adm. 672 sq. mtr. Bldg, Keshed

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Keshod on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Shamjibhai Navanbhai & Others Shastri Nagar— Keshod.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires have:
- (b) by any other person in the said in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Near old Vegetable Market-Land aam. 672 sq mtr. & Bidg.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Devraj Manjibhai Ghodasata Opp. Bounddin College-Kalyan Socy.-Junagadh.

(Transferor)

(2) Vrajlal Maneklal Sagar & Ors. Nanjı Chakala—Near Temple Mangrol-362 225.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3193 Acq. 23[I]84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Ram Nagar colony plot No. 5 Keshod

Land 301 sq. yd. & Bldg.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
1908) in the office of the Registering
Officer at Keshod on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Keshod-Ram Nagar Colony-Plot No. 5 at Keshod-Land adm. 301 sq. yd. & Bldg.

> G, K, PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22 9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3194 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000[- and bearing No.

Land adm. 10789 sq. yd. N.A. Industrial Land at Mendpada Dist: Junagadh S. No. 15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visavadar on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
92—306 GI|84

 Ramanlal Keshavji Thakar Talav Darwaja Sheri No. 2 Junagadh.

(Transferee)

(2) J.D. & Co.

Partner Jeshukhlal Dayalji Bosmiya & Ors. Opp: P. H. Vadia Petrol Pump— Junagadh Road— Jetpur—Dist: Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. Industrial Land S. No. 15 at Mendpara Dist: Junagadh Adm. 10789 sq. yd. R. No. 140 Dt: 10-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Pushpadevi Babulal Jain Rani Talav Dabgarwad Surat.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Abmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3195 Acq.23[I]84-85.---Whereas, I, G. K. PANDVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Flat at Darapur Kazipur seem S. No. 128 FP. 40 2nd Floor A 13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under it. Row traiten Act 1903 (16 of 1908) in the office of the dept. The Office at Abot on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to betfeen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Gautamchand Champalal Jain NandarbarDist: Dhuliya (Maharashtra)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Dariapur-Kazipur seem S. No. 128 FP 40 2nd Floor Flat A|13 Regd. No. 2185 Dt: 14-2-1984.

G. K. PANDYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 22-9-1984

FORM No. I.T.N.S.-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PROOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3196 Acq. 23[1]84-85.—Whereas, 1. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Factory Shed at Gujarat Industrial Estate, Odhav R S. No. 67-70, 75, 123 Plot No. 140

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 et 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 14-2-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties have not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or
- (b) finditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -77—316 GI 84

(1) M/s Accumulators & Allied Industries Power of Attorney— Rameschandia Charandas Parikh Shilp Haridas Park Satalight Road—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M|s Jastato Enterprises—
Pattner—1, Sr. Hementbhai Rasiklal Shah
2, Sh. Prakashbhai V. Amin
C|o Shed No. 140—Gujarat Vepari Maha
Mandal Indust. Estate (Mhov—
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property-Factory Shed at Gujarat Vepari Industrial Estate Plot No. 140-Odhav-Regd, No. 2206 Dt: 14-2-1984.

G. K. PANDYA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 22-9-1984

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Arvindkumer Chandul J. Jam. 6-Yogesh Socy. OS Shahpur Gate— Ahmedabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 22nd September 1984

(2) Patel Jaysukhlal Navalkishor 16|3—Tulshi Shyam Flat— Nava-Vodai-Ahmedabad.

(Transferee)

Ref. No. P.R. No. 3197 Acq. 23 I 84-85.—Whereas, I G, K, PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land at Tirth Nagar Socy. Plot No. 16 at Memnagar—S. No. 48-A-B pail 51 1-2 T.P.S. 1-Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUI.F

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Tirth Nagar Socy. Plot No. 16 at Memnegar T.P.S. I.F.P. No 95 Rsgd. No 2080 dated 13-2-1984.

G. K. PANDYA.

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I. Ahmedabad,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Seal;

Dated: 22-9-1984

ing persons, namely --

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Pannaben Vasantrav. Shrimali Society Navrangpura-Ahmedabad-9.

(2) Smt. Kantaben Kachrabhai Sevaka's Wadi—Khadia— House No. 1622— Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX > ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the resof pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P.R. No. 3198 Acq. 23[I]84-85.—Whereas, 1 G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Property --- Bldg. at Khadia Waid-3 S. No. 272 M.S.

No. 1622 Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomotax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

at Khadia—Sevaka's Wadi—H. No. 1622 Ahmedabad regd. No. 2064 10-2-1984.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the asswing

persons namely :- -

Dated: 22-9 1984

Seal :

 \overline{a}

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Balabhai Karsanbhai Savani, Plot No. 2—Kumud Wadi— Bor Talav Road— Bhavnagar,

('fransleror)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3199 Acq. 23[I]84-85,---Whereas, t G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 |- and bearing No.

Property at Vadva S. No. 253-2-1 Ashok Socy Plot No. 4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnegar on 28-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Manjibhai Shamjibhai Dayali Plot No. 558—Kumud vadi—Bor Talay Rd Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vadva Vista: S. No. 253/2-1 Plot No. 4 regd. No. 600/28-2-1984.

G. K. PANDY V

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date 22-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Navnitlal P. Kukadia, UR Ramniklal P. Kukadia, Naga Pole, Bhavnagar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANTALOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AFMEDABA-38009

Ahmedabad-3800009, the 22nd September, 1984

Rei. No P.R No 3200 Acq 23,1,84-85.—Whereas, I, S. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunafter referred to as the 'and Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding ks. 25,000/- and bearing No

Plot No. 15 of S. No. 105 Valva situated at Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been managered under the Registration Act 1908 (16 of 1508) in the office of the P gi tering officer at Lhavnagar on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fine market value of the property as aforesaid exceeds the upparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the did instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transferand or
- (b) facebrating the war a from of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sureshkumar P. Bhadiadra, Gori Fali-Bhavnagar.

(Transletes)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the hald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULT

Plot No. 15 of S. No. 10° Jadya—Bhavnagar registered No. 519 dated 21-2-1984

G. K. PANDY \
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C c' the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(1)) of the said Act, to the following persons, namely

Date: 22-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Bhaktiprasad P. Kakadia Through Power of Attorney-Shri Ramniklal P. Kukadia, Nagra Pole, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Dinkarraí P. Bhadiadra, Gori Fali, Bhavnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND 1100R HANDIOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABA-38009

Ahmedabad-3800009, the 22nd September, 1984

Ref. No. Γ.C. No. 3201 Acq.23 I.—Whereas, I, S K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land at Plot No. 14 S. No. 105—Vadva

cituated at Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Bhavnagar on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforested property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than a present of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. hall have the same meaning as given in that Chapter.

a) farilisating the reduction or evasion of the liability if the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 14 S. No. 105, Vadva-Bhavnagar,

'by socilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresa'd property by the issue of this notice under sub-metion (1), or Serion 260D of the said Act, to the following persons namely :-

Date · 22-9 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-)

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

ЧНМЕДАВА-38009

Ahmedabad-3800009, the 22nd September, 1984

Ref. No. P.R. No. 3202|Acq.23|I|84-85,—Whereas, I, S. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and beating No.

Plot No. 13—S. No. 105 at Vadva—Bhavnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Λ ct 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhaveagar on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) farilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bhaktiprasad P. Kukadia— Through: DR Ramniklal P. Kukadia, Bhaynagar.

Chinaderon

(2) Hasmukhrai Pranjiyandas Bhandiadra, Gor Edi— Bhaynagar.

(Toursferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land at Plot No. 13 of S. No. 105-at Vadva-Regd. No. 578 dated 21-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assis or Containing of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmidabad

Date: 22-9-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-· SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABA-38009

Ahmedabad-3800009, the 22nd September, 1984

Ref. No. P.R No. 3203 Acq 23 I 84-85,-Whereas, I, S. K. PANDYA,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Krushnanagar (South) Sardarnagar
Sarvoday Co-operative Society Plot No. 1770A
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1968 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said-Act. I hereby in iate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsect-on (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Sarvodaya Co-operative Society
1. Champalen Babulal I allubhai

2. Pravinbhai Babulal

3. Naresh Babulal

Haresh Babulal 201—Dhan Mahal-2nd Floor Opp. N. L. High School Malad-Bombay-64.

(Transferor)

(2) Vinodray Damodardas Gajjar— Suratvad—Station Road— Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sardarnagai Sarvoday Co-operative Society—Plot No. 1770A registered No. 427 dated 14-2-1984.

G. K. PANDYA Competent Authoris Inspecting Assistant Commissione of Ircomé Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 22-9-1984

· Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABA-38009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3204 Aca.23[1]84-85.—Whoreas, 1, S. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and hearing No. Navagadh sim S. No. 95|1 jaiki 4391 sq. mtr. N.A. land for residential

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jestpur on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

78—316 GI 84

(1) Shri Dhanji Shamji Radodiya At Village Navagadh

Tal : Jetpur-Jetpur.

(Transferor)

(2) Shanibhubhai Kashavbhai Patel & Ors. Kankia Plot—Jetpur— Tal: Jetpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Navagadh Sim S. No. 95[1 paiki N.A. land adm. 4391 aq. mtr. for Residential purpose.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-9-1984

FORM TINS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

27296

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABA-38009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1984

Ref. No. P.R. No 3205 Acq.23 [I]84-85.—Whereas, I, S. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

and bearing No. H.P. at S Nagar C.S. No. 4080 (and more fully described in the schedule annexed here.o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhwan on 23-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tiz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jitubhai Ranjitsingh Zala Shaktı Krupa— Near Prabhat Society, Surendranugar.

(Transferor)

(2) Smt. Ushaben Dineshchandra Gor Surya Bhavan—Padhiyar Road, Surendranagar

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Surendranagar C.S. No. 4080 R. No. 12 dated 23-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 24-9-1984

(1) Chimanlal Rajaram Pancholi Surendranagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramniklal D. Rawal— Surendranagar.

(Transierce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380-009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3206 Acq.23[I]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House property at Surendranagar C.S. No. 4080 paiki land and building

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan on 16-2-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Surendranagar C.S. No. 4080—R. No. 453 dated 16-2-1984

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-9-1984

Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:—
90-306GI|84

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Savitriben Chaturbhai Damodardas (L.R. of late Damodardas Bhagwat) Dera Sheri---Dave Dahela---Gondal.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABA-38009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3207 Acq.23|I|84-85.--Whereas, I. S. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Wadhawan S. No. 1750 C.S. No. 5344

Land adm. 1586 sq. yards at Jintan Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer Wadhwan on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discided by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Dineshbhai Jayantilal Shah & Ora. Mehta Market, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Wadhwan S. No. 1750 CS. No. 5344 paiki land adm. 1586 sq yds. at Jintan Road, R. No. 385 dated 13-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3208 | Acq. 23 | 84-85. -- Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No.

Land adm. 2764 sq. mtr. T.P.S. I Plot No. 7 to 26 Veraval

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Varavat on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Turak Abdeman Abdulrahim Sarkar Arab Chowk-Veraval.

(Transferor)

(2) Shri Rameshbhai Poonambhai Chopadkar, Chairman of Sheepal Co-operative Housing Society, Jani Nivas-Krushna Nagar, Veraval.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, · whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 2764 sq. mtr. T.P.S. 1 Plot 7 to 26 Veraval.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABA-38009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3209 Acq.23[1]84-85.--Whereas, I, S. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Porbandar C.S. Wd. 3 S. No. 1657 paiki North side land adm. 244 sq. yards I Building thereon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been bansferred under the Registration Act, 1908 (10 at Porbandar on 13-2-1984 Porbandar on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the vair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (1) Shri Narendrakumar Muljibhai Palan Co Promjibhai Mulji Near Khadi Bhandar M.G. Road, Porbander.

(Transferor)

(2) Smt. Draupti Vrajlal & Others-Wageswari Plot-S. No. 1657, Porbander.

(Transferor ? *

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter,

THE SCHEDULE

Porbander C.S. Wd. 3 S. No. 1657 paiki land adm. 244 sq. yards on North side & building thereon R. No. 291 dated 13-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-9-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Narendrakumar Malji Palan & Ors. Cle Premji Mulji Transportwala Nr. Khadi Bhandar—M.G. Road, Porbandar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(2) Smt. Draupati Vrajbil & Ors. Wagheshwari Plot—C.S. No. 1657, Porbandat.

(Transferce)

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABA-38009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3210 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, S. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Porbandar C.S. Wd. 3 S. No. 1675 paiki North side Land 244 sq. yards and Building thercon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under ite Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 13-2-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION '-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-task Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Porbandar C.S. Wd. No. 3 S. No. 1657 paiki land adm. 244 sq. yards on North side & building.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 24-9-1984 Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMTDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1984 Ref. No. P.R. No. 3211 I Acq. 23 84-85 .-- Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No. R.S. No. 116 I land adm. 1A & 31G N.A. Industrial Land-

Amreli (Gawadka) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amreli on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the enid Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kalyan Govind Kumbhar, Village Gawadka, Dist. (Via) Amreli.

(Transferor)

(2) Amieli Cement Industries P. 1td., Director-Jayantilal Girdharlal, 20-Ganesh Socy.-Chital Road, Amreli-364601.

(Transferee)

Objection, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other operson interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R.S. No. 116/1 N.A. Industrial land Gawadka (Amreli) R. No. 165 dated 6-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Date: 24-9-1984

(1) Kalvan Govind Kumbhar, Gawadka—Amreli.

(2) Amieli Cement Industries P. Ltd. Director Juyantilal Girdharlal, 20-Ganesh Society Chhital Road,

may be made in writing to the undersigned .-

Amreli.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3212 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) hereinaf er referred to as the 'said Act'), has reason to beleve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-R.S. No. 116/2 N.A. Industrial Land adm.
14 & 19G Gadwadka via Amreli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amreli on 9-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability ot the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer;
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. Industrial Land R.S. No. 116/2 Gawadka Amreli Adm. 1A & 19G.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of June Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-9-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--79-116 GI 84

(1) Shri Karsandas Veljibhai & Ors Opp. Railway Crossing, Keshod.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Kailash Corporation-Partner: Valji Devji & Shri Jayagauri Mohanlal Keshod.

. (Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009, the 24th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3213|I|Acq.23,—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and baring No.

Keshod S. No. 2 N.A. land Industrial purpose adm. 1500 sq. mtr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Keshod on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Keshod S. No. 2 N.A. Industrial land Adm. 1500 sq. mtr. Keshod--S. No. 243 dated 20-2-1984

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Karsandas Yelji & Ors., Opp. Railway Crossing, Keshod.

(Transferor)

 Shri Kailash Corporation Partner Valji Devji Smt. Jayagauri Mohanlal, Keshod,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND 1-LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, 600086-DVRVDEWHV

Ahmedabad-38000 The 24th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3214 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I. S. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269.3 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Keshod N.A. Industrial Land S. No. 2 Adm. 1500 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Keshod on 21-2-1984

Keshod on 21-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Keshod—N.A. Indushtrial land S. No. 2 Adm. 1500 sq. meter.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Nirupama Chandrakant Patel-Sardar Kunj Socy. Shahpur, Ahmedabad.

(Transferoi) (2) Hamendra Vadilal Patel-

8-Shiv Shahkalp Society Naranpura-Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABA-38009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3215 [I] Acq.23 84-85,—Whereas, J. S. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land at Vejalpur scem—Satyagrah Chhavani Sector No. 4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vejalpur seem S. No. 1138 Satyagrah Chhavani-Sector No. 4 Plot No. 4 registered No. 2500 dated 20-2-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority.
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely: ---

Date: 24-9-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Dinesh M. Patel
President: Trading Company
64-Atlanta-Nariman Potint,
Bombay-21.

(Transferor)

(2) Kirloskar Electric Company Ltd. Industrial Suburb Rajaji Nagar, Bangalore-560 010.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st September 1984

Ref. No. P. R. No. 3216|Acq.23|I|84-85,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office Flat—1-8-9-10-11-12 mezzanine floor on 1st floor 'B' T.P.S. 3 F.P. near Dinesh Hall Ashram Road—A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at Income-tux Act, 1961, in the office of the Competent 37EE filed on 37EE filed on 28-2-1984

37EE filed on 37EE filed on 28-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of th Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office at No 7-8-9-10-11-12 Mazzanine Flore on 1st Floor 'B' Wing near Ashram Road A'bad 37EE filed 28-2-1984 office at Vishal Commercial Center, A'bad.

G. K. PANDY A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3217[I]Acq.23.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land with const. upto plinth at Thaltej seem S. No. 8-11-1 ctc. S.P. No. 44

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 22-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Hasmukhabhai Becharbhai Patel
 Bhaikaka Nagar,
 Co. op. H. Socy.
 Thaltej, A'bad-54.

(Transferor)

 Shri Bhupendra J. Shah President—Vishram Aptt. Owner's Asson. (Proposed)—56-A, Narayan Socy., Paldi. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with Plinth work at Thaltej S. No. 8 S.P. No. 44 regd. No. 2672 Dt. 22-2-1984,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 26-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HAND! OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3218 Acq.23 | 1 | 84-85.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Property, Land at Thaltei seem situated at S. No. 8, S. P. No. 8.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

(1) Shri Ranjanben Prayinchandra Degai 24, Shantinagar, Usmanpura, Ahmedabad.

(Transford

(2) Niia Aptt Owners Asson. Chief Organisor— Hareshkumar T. Zala Jayvir Bunglow, Darshan Socy., Navrangpura Ahmedabad-9.

(Transferma

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with plint work at S. No. 8, Thaltej seem S. P. No. 8 regd. No. 2183 Dt. 14-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ahmedabed

Date: 26-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FI COR HA DI COM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3219 Acq.23 [1]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Flat at Pushpak Aptt. S. M. Road, Flat No. 2 FlD A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Hasmukhbhai Naglibhai Soni 2-FiD, Pushpak Aptt. S. M. Road, Ambawadi, A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Manjulaben Nagindas Soni 17, Milan Park Socy. Jawahar Chowk, Vatwa Road, Maninagar, A'bad. Now at— Pushpak Aptt., Flat No. 2-F|D. Surendra Mangaldas Road.

Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Pushpak Aptt., S. M. Road, regd. No. 1757 Dt 6-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 26-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-L 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3220.Acq 23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat at Mukta Apptt Owners Asson, situated at Chhadawad TPS. 2 G.P. 759-8 paiki 2nd floor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 27-2-1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

80-316 GI 84

(1) Smt. Bhartiben Maheshbhai Upadyayaya Near Shah Alam, Toleaka, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Harshadkumar Prahladbhai Shah Clo Shriji Corporation, 22 1. Challa Pole, Manek Chowk, Ahmedabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat at Chhadwad Madalpur, T.P.S. 3 F.P. 759 at Mukta

G. K. PANDY Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Date: 26-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380-009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3221|Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and hearing No. Moje Makarba seem S. No. 249-2 Land (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

(1) Shri Chalail Mangaji Village: Makarba Tal. City, Dist : A bad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shantilal Mishrimal Shah (Karta of HUF)
2. Shri Vedmal Tagamalji
5. Maskati Market,

Ahmedabad.

(Transfagee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Makarba Tal. City S. No. 249-2 R. No. 2493 & 2496 Dt. 18-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Date: 26-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380-009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3222 Acq.23 [1]84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Lund at Bonal seem Block No. 462 S. No. 337-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Laxmiben Dahyaliji Lilaji Village : Bopal,

Tal : Daskroi, Dist : A'bad.

(Transferor)

(2) Bharatbhai Naranbhai Patel (Anand Bopal Co.op Socy.) Chairman Vithal Nagar Co.op. Socy. Shahibag, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Bohal S. No. 337-1 Block No. 462 Regd. No. 2588 2589 Dt. 21-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f Ahmedabad

Date: 26-9-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380-009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3223|Acq.23|1|84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/dnd bearing

No. 386, 3rd Floor, situated at Green Park, Yusuf Sarai, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrl Chaturbhal Bababhai Village: Makarba, Tal: City Dist: A'bad

(Transferor)

(2) 1. Shri Mishrimal Shah
 (Karta of HUF)
 2. Vedmalji Tagamalji
 5. Maskati Market, A'bad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period, of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at village-Makarba, Tal: City S. No. 248 Dt. 2482 Dt. 18-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ahmedabad

Date: 26-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Hasmukhbhai Bacharbhai Patel Villalge: Thaltej, Tal: Daskroi Dist: A'bad.

(Transferor)

(2) President Apartment Owner's Association Clo Bhupendra J. Shah Paldi, A'bad-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380-009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3224 Acq.23 [1]84-85,—Whereas, 1,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

Land at Thaltej S. No. 8 Plot No. 44

(and morefully described in the schedule annexture hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration sherefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grzette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Thaltej seem S. No. 8 Plot No. 44 regd. No. 2461 Dt. 18-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Abmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 26-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONLA OF INCOME TAX

· ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAHAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3225, Acq. 23 [1]84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe thathe immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000 and bearing

Flat at Ajan Co.op. Socy. (Royal Aptt.) 5th Floor, Khanpur, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of t ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sureshkumar Popatlal Shah Kalput Tank Shal, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Hualal Chimanlal Gilder Royal Aptt. Block 'B' Flat No. 6, 5th Floor, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Khanpur (Royal Aptt.) Block 'B' Flat No. 6, 5th Floor, A'bad regd, No. 2165 Dt. 14-2-1984

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 26-9-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3226 Acq 23 1 84-85 - Whereas, L G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No.

Shop and Madhupura Market shops and warehousing Co.op Soc Shahibag Road, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exxceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Tarachand Mancklal & Co. through Partner-Tarachand Maneklal Kantilal Ranomal etc. 6. Gurudev Society, Bhanavnath Road, Mainnagai, Ahmedabad-8.

(Transferor)

(2) M/s Madanlal Vasudev & Co. Partner—Gopaldas Laxmandas Rathi Kaminidevi Dlo Hotchand Kachoria Gaytriben Mandanlal Vanitaben Sajanlal Sispal Laxmandas Jay Prem Socy., Shahibag, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein se are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Madhupura Market Shop and Warehousing Socy Shahibag Rond Read No 2415 Dt 20-2-1984.

G K. PANDY '. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Date 1 26-9-1984

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM I!OUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3227|1 Acq. 23|84-85 - Whereas 1. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Property at Dariapur-Kajipur seem, 13-Shahpur Co. op. Socy

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Ahmedebad on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shir Chundal Shebharam Joshi, 13, Shahpur Co. op Socy. Outside Shahpur Gate Anmedabad.

(Transferor)

(2) Amrutlal Dwarkadas Patel, 13, Shahpur Co. op. Socy Out side Shahpur Crate, Ahmedabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHI DULE

Property at Dariapur-Kazipui seem S. No. 4-8-3A 1egd. No 2571 dated 21-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 26-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Bonny Enterprises,
 Calaxy Commercial Centre,
 Ind Floor, Jawahar Road
 Rajkot

(Transferor)

27319

(2) I.B.P. Co. Ltd. Allahabad Bank I td. Appolo Street, Fort Bombay-23.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, 5'HRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3228 Acq. 23|1|84-85.--Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000¹- and bearing

Flat No 802 on 8th Floor at 'Kranti', Dhebar Road, Roskor (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EF on 9-2-1984

for an apparent con ideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Hat No. 802 on 8th Floor 'Kranti' Dhebat Road, Nr. Swami Narayan Gurukul, Rajkot.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I, Ahmedahad

G. K. PANDYA Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1984

Sent :

81-316 GI 84

FORM ITNS----

(1) Mls J. S. Cornoration 48. Indra Narayan Road, Santa Cruz (West), Bombay-54,

(Transferor)

[PART III--SBC.1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dhirajial Jadavji Thakrar (HUF) Clo R. J. Corporation, Shop No. 5, Cresecent 'A' Race Course Road, Rajkot.

(Transfere

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3229 Acq 23,I[84-85 - Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.

Shop No. 1 on G.F. in 'Crescent B Bldg. Wd. No. 15 C.T.S. 1010 Race Course Road, Rajkot

27320

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EF on 24-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) racilitating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette :-

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 on G.F. in Bldg. 'Crescent B on Plot No. 15 C.T.S. 1010 Race Course, Rajkot.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income at Acquisition Range-I, Ahmedahad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afo esaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 29-9-1991

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. 2ND PLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3230 Acq. 23 I 84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 3 on G.F. in the Bldg. Cresecent 'B' Ward No. 15 C.T.S. 1010 Race Course, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE on 24-2-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hterefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby imitate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s J. S. Corporation 48, India Narayan Road, Santa Cruz (West), Bombay-54.

(Transferor)

(2) Shii Mansukhlal Gordhandas Raichura, Clo R. J. Corporation, Shop No. 5, Cresecut 'A' Race Course Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections ,i any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Snop No. 3 on G.F. in the Bldg. Crosecent 'B' Wd. No. 15 C.I.S. No. 1010 Race Course Road, Rajkot.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date . 29 9 1984 5 al :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3234 Acq.23 [I]84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Property at Jamnagar City S. No. 49/G/2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsections (1) of Sevetion 269D of the said Act of the following persons, namely:—

 Shri Karsandas Mansang Behind Mangal Bag—Hospital Road, jamnagar.

(Transferce)

- (2) 1. Luhar Thakrshi Pragji Near Custom Daba—Lalpur Dist: Jamnagar.
 - Luhar Kesavji Valji
 Rabari Kedo Vas Jalia Dist: Jamnagar.
 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Jamnagar City S. No. 49/G/2 Block No. 9 Regd. No. 477 Dt. 10-2-1984

G. K. PANDYA
Competent Authority
Local Section Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3232 Acq.23|I|84-85.-Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. Land ht Khambhalia Wd. No. 4 Tikka No. 1 Part of Plot No. 126 4879 sq.ft. Land.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred.

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khambhalia Dist: Jamnagar on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fain market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subcction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--97-306 GI 84

(1) Shri Dagu Sava Lakha, Char Rasta Khambhaliya, Dist: Jamnagar.

(Transferors)

(2) Shri Minor Sachin Vithaldas Datani L. R. Vithaldas Kalyanji Datani Bachha Pada Khamiadiya-Dist: Jamnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ward No. 4 Khambhaliya Tika No. 1 part of plot No. 126 Regd. No. 207 Dt: 10-2-1984. 4879 sq.ft. land.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3233. Acq. 23 | 1 | 84-85. - Whereas, I, G, K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. Bldg. Shop at Sugar Market—Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at S.R.A. Cal. on 28-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahendra Mohanlal Shah Narmadaben Mohanlal Shah Behind Guru Dattatrey Mandir Jamuagar;

(Transferor)

- (2)1. Sh. Natandas Mathurdas Sachdev Nandana- Tal: Kalyanpur Dist: Jamnagar
 - Vanravan Vershi Datani Bhatia Tal: Kalyanpur Dist: Jamnagar. Now. Sugar Market--Jamnagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the paid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Sugar Market Jamnagar regd. No. 395 Dt. 3-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 5-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R No 3234 Acq 23|1|84-85 --- Whereas, I' G K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property at Near Nagar Naka--Khambhaliya Dist Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 /(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khambhaliya Dist, Jamnagar in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 2—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- rb; facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

M s. Shice Ram Corporation
 Fintner: Ashwinkumar Gordhandas Bachha
 Bethak Road—Khambhaliya—Dist. Jamnagar.
 (Transferor)

(2) Sh. Lohana I axmiben Shyamdas Clo Laxmi Lodge—Nagar Gate Khambhaliya Dist: Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the pald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Khambhaliya Nagar Naka Regd. Vide R No. 1734 Dt. 23-11-83 37G recd. in Feb. 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 5-10-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST'T, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3235.Acq.23|1|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Gaid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land at Khumbhaliya Wd. No 515/4(3) Sheet No. 26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khambhaliya Dist. Jamnagar on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance o fSection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the esadi Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Dulabhdas Karsandas Power of Attorney Shri Amiatlal Karsandas Ni. Haveli--I hambhaliya Dist. Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Jayendrabhai Kakubhai Nava Para Khambhaliya—Dist: Jamnagar

12131

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khambhaliya Wd. No. 515/4(3) Sheet No. 26 Regd. No. 220|13-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-10-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

> Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. 3236. Acq. 23[1]84-85.--Whereas, 1, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Bldg. at Khambhaliya Dist: Jamnagar O/S Nagar

Panchayat Limit S. No. 1594 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khambhaliya Dist. Jamnagar on 23-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:---82---316 GJ/84

(1) Sh. Haridas Trikamdas Davda Nutan Nagar Socy. Khumbhaliya Dist. Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwanji Lalji Kotocha Post. Sodhana Tal: Porbandar Dist: Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Bldg. at Khambhaliya O/S Nagar Panchayat Limit S. No. 1594 Regd. No. 269 Dt. 23-2-1984,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I. 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. 3237. Acq. 23|1|84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000;— and bearing
No. Property at Waghawadi Road Plot No. 2557 B Ward
No. 7 S. No. 2870B situated at Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in Office of the Registering

at Bhavnagar on Feb. 1984 37G recd,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

- (1) 1. Smt. Kantaben Gunvantray Vyas 152....Kashir-Gali--Nehru Road---Parla kunj—Narlman (East, Bombay-57.
 - 2. Smt. Ramaben Niranjabhai Dave Power of Attorney-Bhadreshbhai Bacharlal Dave 853-Diamond Chowk Bhavnagar. 'Anand' Mahatma Gandhi Road—Junagadh (Saurashtra) (Transferor)

2. Smt. Ramaben Niranjanbhai Dave Power of 2. Santaben Dharamshibhai 2557-A-Wagha Wadi Road, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Wagawadi Roud Vistar Plot No. 2557-A Ward No. 7 Regd. No. 240. 37G recd. in Feb. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tire Acquisition Range-I, Ahmedabad

Seal:

Date: 5-10-198/

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. 3237-A.Acq.23.-Whoreas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Plot No. 1 Tirupati Co.op. Socy.—Takhateshwar

Taleti Bhavnagar

(and more fully described in the schedule anunexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering at Bhavnagar on 37G reed, in Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen represent of such apparent consideration and the the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Decd. Muktalaxmi Mahashankar Trivedi Executor Dr. M. A. Trivedi
 Dr. M. J. Trivedi & Ors. 'Lavanya'—
 Plot No. 2119 Nr. Anand Vatika—Bhavnagar, (Transferce)

(2) Tirupati Co.op. Socy. President 1. Bharat Keshavlal Shah Plot No. 1 Takhteshwar Taleti Bhavnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 1 Takhteshwar Taleti Bhavnagar—Tirupati Co.op. Socy. Regd. No. 486|84 37G recd. in Feb. 84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 909, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. 3238 I. Acq. 23 I 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

No. Land near Prabhudas Talav-Krishnagar Wd. No. 5 C.S. No. 1697/1698

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 23-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating reduction or evanon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Madhukanta Mangaldan Vasani Kanbiwad Topna nake-Vankadia Sheri-Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Supreme Co.op. Socy. Clo Bipin Dhirajlal Patel 'Laxmi Kunj'—Jail Road, Bhavnagar. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

I and at Plot No. 407--Prabhudas Talav-Road Wd. No. 5 Regd. No. 536|23-2-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-10-1984 Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. 3239.Acq.23[1]84-85.—Whereas, I. G, K, PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Bldg. at Amantwadi Vistar-Plot 'B' Bldg. No. 2 Bhav-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagai on 24-2-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Shi Devshibhai Premjibhai Bhingradiya

2. Kalıdas

3. Karamshibhai

4. Parshottambhai Plot No. B-Shriji Park Patel Street Anantwadi-Bhavnagar.

(Transferor) (2) Smt. Lilabon Jadhavjibhai Patel (Ratanpar Tal. Palitana). Now at Plot No. 'B' Bldg. No. 2 Anant-Wadi—Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Anantwadi Plot No. B C.S. No. 2237/17 Wd. No. 7 Bhavnagar Regd. No. 556|24-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date : 5-10-1984

Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. 3240|Acq.23.1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Property at Anantwadi Vistar Plot 'D' Bldg. No. 1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wd. No. 7 C.S. No. 2337|17

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Karamshibhai Premjibhai Bhingradiya

2. Shri Devshibhai

3. Shri Kalidas 4. Shri Parshottam

Plot No. 'B'—Shriji Park, Patel Street Anantwadi —Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Vallabhbhai Gopaljibhai Dhamaliya Plot No. 'D'—Bldg. No. 1 Anantwadi—Patel Street Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 7 C.S. No. 2273|17 regd. No. 537 Dt. 24-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. 3241|Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Bldg. at Hariyana Plot No. 83—Krishna Nagar — situated at Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhavnagar on 24-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ssue of the notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raviprabha Pratapray Gandhi 301|6—Opp. Post Office Khancho Vadala—Bombay-31.

 (Transferor)
- 1. Shri Sandhi Salabhai Jusab
 2. Shri Mandhi Hatitbhai Salabhai Plot No. 83— Hariyana Plot Krishnagar—Bhavnagar.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Krishnanagar Hariyana Plot 23 Bhavnagar Reg. No. 560 Dt. 24-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P R. No 3242 Acq.23[I]84-85,-Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Land at Sardainegar Opp. Iok Milap Plot No. 164 Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhavnagar, on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

(1) Nagindas Jinabhai Mehta. Plot No. 11, Local Board Society, Kalubna Road, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ashandas Chandumal Rajai. 2 Smt. Tulsaben Chandumal Rajai. koom No. 125, New Krishna Nugar, Sindhi Camp, Bhavnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Saidarnagai Opp. Lok Milap Plot No. 164 Bhavnagar Regd No. 605, dated 28-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-inx Acquisition Range-I, Ahmedebad. 4

Date: 5-10-1984.

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3243 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land at Samand Seem S. No. 108, Industrial area situated at 'A'bad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

in the office of the Registering Officer at Sanad, District Ahmedabad in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that, the fair market value of the property as aforesaid exceeds the arranger! consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a read to between the parties has not been unit; strict in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion on the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transference and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
83—316 GI/84?

(1) Mithabhai Pitamberdas Vaghela, Harijanvas, Sanand, District Ahmedabad (Transferor)

(2) The Director, Torrant Pharmaceutical P. Ltd., 'Sanskrut', Near High Court, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sanand seem S. No. 108 at Industrial area. Regd vide R. No. 218 84 February, 1984.

Competent Authority
Inspecting Assistant Comprissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 5-10-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGF-I. 2ND HLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3244 Acq 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

and bearing No. Vankaner Arogyanawa Plot No. 12-13 & 14, Land adm. 2079 sq. yd. and 8 rooms & compound (Oil Mill)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Vankaner on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under end-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mls Mahendia Export Indust.. Partner (1) Panchanbhai Jadavbhai Patel & Ois. Bhaktinagar, 5th Plot. Raikot.

(Transferor)

(2) 1. Doshi Oil & Extrection Indust. P. Ltd., Doshi Nagar, Vankaner.

(Transferec)

(3) Siddh Oil Indust.,
Clo Doshi Oil & Extrection Indust, P. Ltd.,
Doshi Nagar, Vankaner.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

At Vankaner Atogya Nagar (Doshi Nagar) Plot No. 12, 13 & 14 Land adm. 2097 sq. yd. & 8 rooms theeron with compound (Part) (Part of Oil Mill), R No. 182, dated 14-2-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range J. At medabad.

Date: 5-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3245 Acq.23[1]84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Vankaner Arogya Nagar Land adm. 2079 sq. vd. Plot No. 16-17-18 & Bldg, thereon Part of Oil Mill

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vankaner on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M|s Mahendra Export Indust., Bhaktinagar 5th Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Doshi Oli & Extraction Indust. P. Ltd. Doshi Nagar, Vankaner.

(Transferee)

(3) Siddh Oil Indust., Clo Doshi Oil & Extraction Indust, P. Ltd. Doshi Nagar, Vankaner. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be usade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Varkanci Plot No. 16-17-18 Land adm. 2079 sq. yd & Bidg, thereon Oil Mill R. No. 183, dated 14-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-1, Abinedabad.

Date: 5-10-1984.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

27338

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 069

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ret. No. P. R. No. 3246 Acq. 23/1/84-85 -- Whereas, 1, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 16, 17, 18 and Land 986 sq. vd & Bldg. 4 Godown

thereon-Vankaner (Part of Oil Mill)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1706 (in o. 1908) in the office of the Registering Officer at Vankaner on 14-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as air said exceeds the apparent consideration therefor by more fairness of the apparent consideration therefor any and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Mahendra Export Industries, Bhakti Nagar Station Plot, Raikot.

(Transferor)

(2) Doshi Oil & Extraction P. Ltd. Doshi Nagai, Vankaner.

(Transferee)

(3) Siddh Oil Indust.. & Mohsin Akherali Patel C.o Doshi Oil & Extraction Pvt. Ltd. Doshi Nagar, Vankaner.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vankaner Plot No 16, 17, 18 land adm. 986 sq. yd. 4 Godown etc. thereon (Part of Oil Mills)

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the ail Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly, by the ear of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

Det: 5-10-1984,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Annochabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3247 Acq. 23 [184-85.—Whereas, 1. G, K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing No Property at Usman jura P.P.S. 3 P.P. No 84 Sub Plot No. 6

Ahmedahad

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 4-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atorcsaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid excess the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such instance agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. kamlaben Natvarlal,

- Kokilaben Natvarlal,
- 3. Dinesh Natvarlal, 4. Mukesh Natvarlai,

Bipin Natvarlal,
 E. 10. Karmachari Nagar,
 Ghatlodia Ahmedabad

(Transferor)

(2) Virti Flats Owners Association, 33, Naminath Nagar Socy., Ambawadi, S. M. Road, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Usmanpura 7 P.S. 3 F.P. 84 Sub Plot No. 6, Ahmedabad Regd. No. 1687|4-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under autosection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

AhmedabaJ-380 609, the 8th October 1984

Ref. No. P. R. No 3248 Acq. 23 [184-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,0009 and bearing No.

B. No. 9 Parijat Co op. Socy. situated at Paldi—TPS 6 F.P.

129, 130, 131 Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Vimlaben Navnitray Mankad, Vipur Navnitray Mankad. 3. Pankaj Navnitray Mankad, Power of Attorney G. S. Buch. Block No. 35/1, Sector No. 25, Gandhinagar. (Transferor)

(2) 1. Shri Dahyalal, D. Mehta. 2. Smt. Urmilaben D. Mehta, 9, Parijat Co op. Socy. Paldi, Ahmedabad-7,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 6 F.P. 129-130-131 at 9 Parijat Co-op. Socy. Paldi regd. vide R. No. 2102, dated 13-2-1984.

G. K. PANDY A Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3249.Acq.23.1|84-85.-Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land at Vejalpur seem S. No. 1083[2]

situated at A'bad.

(and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 24-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Keshavlal Somnath Gaijar, 5-Charankrupa Society, Satalight Road—Jodhpur, Ahmedahad.

(Transferor)

- Shri Shantilal Manilal Kothari (HUF)
 Pushpaben Shantilal Kothari
 Tushrarbhai Shantilal Kothari
 Rajeshbhai Shantilal Kothari

 - 5. Charan Krupa Society, Behind Jay Safali Raw House, Satelight Road---Jodhpur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1083|2 Vejalpur seem Registered vide R. No. 734 dated 24-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometas Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 8-10-1984

FORM TNS-- --

(1) Keshavlal Somnath Gagar, - Churalaupa Society, Sitelight Road-Jodhpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) I. Shri Shantilal Manilal Kothari (HUF)

Pushpaben Shantilal Kothari
 Tushpaben Shantilal Kothari

5 Charan Krupa Society, Behind Jay Safali Raw House, Satelight Road—Jodhpur, Ahmedabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMI-DABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1984

Ref. No. PR. No 3250 Acq 23/1/84-85 -- Whereas, I. G K. PANDYΛ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

Agri. land at Vejalnut .cem S No 1084 attuated at A'bad

(and morefully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to b-li-ve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and mal the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the india lincome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth fix Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid person which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gwette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S No 1084 at Vejalpur seem Registered vide R. No 743 dated 242-1984

> G K PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said 3ct, to the following persons, namely

Dile 5 10 11 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Kunjabala Mahidhar Prasad Mehta Sheth's Pole—Lakha Patel Pole, Sankadi Sheri-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Kumkum Apartment Owner's Association, Co Shri Nanakbhai Mahidhar Prasad Mehta, Sheth's Pole-Lakha Patel's Pole, Sankadi Sheri-Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3251 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Property at T.P.S. 4 FP 160 at Anant Society situated at Maninagar—Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and Form No. 37EE is submitted under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 4 S.P. No. 15 registered vide R. No. 2149 dated 14-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following perssons namely:-84--316 GI 84

Date: 8-10-1984

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ro S. No. 224 A Sindhi Colony, Sardarnagar—Ahmedabad.

(1) Shri Kirpaldas Hasmatrai Bachani,

(Transferor)

(2) Shri Holaram Motiram Motwani, 495 A—Sindhi Colony, Sardarnagar—Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3252 Acq.23|I|84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing No.

Property at Kabutar Khana Chokha Bazar situated at Rly.

pura Ward M.C. No. 373 A, 152, 152 A & 152 2

Abmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the consideration. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop with Celler and building at Kabutar Khana M.C. No. 373|A, 152, 152|1, 152|2 Rly. Pura Ward Ahmedabad registered No. 1736 dated 6-2-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3253 Acq.23|I|84-85,-Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Changispur Navrangpura TPS 3 F.P. 332-9; 933

sq. yard undivided share in the property

situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 17-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act In respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:-

85--316 GI|84

- (1) M[s. Manilal Patel & Co. Clearing partners-
 - 1. Bipinchandra Manilal

 - Vashishtha Manilal
 Madhukar Tukaram
 Nichiketa Bipinchandra Patel
 - Tukaram Manilal—
 38-Kavasji Patel Street, Fort-Bombay.

(Transferor)

(2) Navrang Apartment Owners Association (Proposed) Chief Organiser-Rajkumar J. Agrawal Clo Steel Center-1794-2 Vada Pole-Khadia. Ahmedahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Changispur TPS 3 F.P. No. 332-9; 933 sq yds. undivided 25 shares regd. on 17-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3254 Acq.23|I|84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Property at Shahpur Wd. 2 C.S. No. 2979|8

situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: for an apparent consideration which is less than the fair

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Smt. Kumudben Vasantlal Joshi Sadanand Vasant Joshi Mirzapur Road, Lalu Rayaji's Vando, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) 1. Zakir Ismail Shaikh, Kalupur Bhandari Pole-Matawal's Pole, Ahmedabad. 2. Iliyas Mohmedbhai Memon, Trikon Bagicha—Mirzapur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Shahpur Ward-2 S.No. 1582 1 C.S. No. 2979 8 regd. vide R. No. 1649 dated 3-2-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 8-10-1984

Kantilal. M. Shah
 Jankalyan Socy.
 Paldi—Ahmedabad-7.

(Transferor)

27347

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Nirmalaben Magan lai Thakkar A-3-Janakalayan Socy. Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferect

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AMMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 8th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3255 Acq. 23|1|84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

Flat at Paldi seem T.P.S. 6 F. P. No. 13 situated at A-3

Jankalyan Socy., Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Officer at A'bad on 7-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) b any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Paldi seem T.P.S. 6 F.P. 13-at A-3 Jankalyan Socy. Regd. No. 1853 Dt. 7-2-1984,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AMMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3256 Acq 23|I|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. Property at Laldi-Kocarab seem situated at S. No. 678|H|1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1708 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than byteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trur-fer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

1. Dahleen widow of Jethalal Tribhovandas.
 2. Kantilal Jethalal.

3. Navinchandra Jethulal. 4. Madhusudan Jethalal.

5. Harischandra Somehand. Saraswati Socy. Paldi--Ahmedabad-7 (Transferor)

(2) Mis Mahavir Construction Partners.

Jyotiben Navinbhai Sheth.
 Kantaben Chimanlal Sheth. 107-Azad Socy. Ambawadi Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Kochrab Paldi S. No. 678 B 1 regd. No. 1805 dt. 7-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 8-10-1984 Book :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AMMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1984

Ref. No. P.R. No. Acq.23[3257]I[84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYΛ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
No. Wadnj T.P.S. 19 F.P. 64 Amikunj Socy, situated at

Naranpura-B|4|2,

(and more fully described in the Schedule annexed baseto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-2-1984

Annectable of 14-2-15-37 and Annectable of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jiviben Mohaulal Patel 3/18 Vishnunagar Socy. Sarasput Ahmedabad-18,

(Transferor)

(2) Jayantibhai Bhaichand Patel B. No. B|4|2 Amikunj Socy. Naranpur Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 19 F.P. 64 Amikunj Socy. Regd. Dt. 14-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 8-10 1984

Seal ;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Somabhai Ahorabhai Desai. Patel Vas—Kochrab. Ahmedabad.

(Transferor)

1. Bherumal J. Tolani
 2. Aidas B. Tolani
 3. Smt. Miraben A. Tolani,
 Kamal Kunj—
 Kuber Nagar—
 Ahmedabad,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AMMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3258 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Property at T.P.S. 3 Mithabali situated at F.P. 755, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income prising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA, of the said Act, shall have the same meaning as, given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Mithahali T.P S. 3 F.P. 755-Regd. No. 2737 Dated 23-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AMMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3259 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
No. Land Agricultural S. No. 110 situated at village

Rakhial,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A bad Form 37EE filet on 23-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Anil Starch Products Ltd. Anil Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Bhagwanbhai Ambalal Patel, Opp. Mahadeo, Village: Nikol. Dist. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezatte.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agri and S. No. 110 village Rakhial 37EE filed on 23-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AMMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3260 Acq. 23[I]84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/sand bearing

No. Property at Dariapur Kazipin IPS 5 situated at F.P. 233.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

(1) Bai Hastuben Lalaji, Hathibhai Wadi, O|S Delhi Darwaja, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) I. Govindram Madiyomal,
2 Kalyan Govindram,
3. Nasik Govindram,
11/12, Raj Socy, Sanjout Bogha Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

GYPLANATION — The terms and expressions used herein use are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Dariapur-Kazipur T.P.S. 5 F.P. 233 regd. No 2243 dated 15-2-1984.

G. K. PANDY!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10 10 1934. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3261 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I.G. K. PANDAYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property at Kalupur 2 Survey No 2692-2693

situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabtad in Feb 1984 37G reed.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M|s Dahyabhai Nanalal, Kapasia Bazar— Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Adıl Aptt. Members Associtaion, Babukhan Hasankhan, Dariapur — Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Kalippur 2 S. No. 2692-2693 2694-37G reced. in February 1984.

G. K. PANDAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AMMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3262 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta vAct, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. Property at Gandon Road—situated at Jumma Masjid—Kalupur-3 CS. No. 4445,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 14-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Minor Vivel, Ramkishor, Guardian—Ramkishor Nandkishor, 32—Chirra Amit Aptt. Opp. Dipali Cinema—Ashram Road Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shyvmkishor Nandishor Delhiwala,

2. Shefali Shyamishor Delhiwala. C-1 Sonaroka Aptt.Ambawadi Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEHDULE

Property at Gandhi Road Opp. Juma Masiid Kalupur Wd. 3 C.S. No. 4495 Regd. No. 1708 dated 14-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 11-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3263 Acq. 23[1]84-85.—Whereas, 1 G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property at Shahpur-2 S. No. 2109 situated at 2111 to 2120 situated at A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 13-2-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shyamkishor Nandkishor Delliwala, Sonarika Aptt — Management Road— Ambawadi—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Ramkishor Nandkishor Dilliwala,

 Kusumlata Ramkishor Dilliwala,
 Minoi Vivek Ramkishor Gd Ramkishor. Nandkishor.— Chitra Amic Apit. Opp. Dipali Cinema, Ashram Road Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Shahpur Reg. vide R. No. 1726 Dated 13-2-1984.

G. K. PANDY \
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDADAD, AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELMI, 1984